THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 23 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) वैशाख कृ.7 2082 रविवार, 20 अप्रैल-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये

19 साल बाद फिर एकसाथ आ सकते हैं राज-उद्धव

मुंबई, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे एक बार फिर साथ आ सकते हैं। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) चीफ राज ठाकरे ने शनिवार को इस बात का संकेत दिया। राज ठाकरे ने कहा-हमारे बीच राजनीतिक मतभेद हैं, विवाद हैं, झगड़े हैं, लेकिन यह सब महाराष्ट्र के आगे बहुत छोटी चीज हैं। महाराष्ट्र और मराठी लोगों के हित के लिए साथ आना कोई बहुत बड़ी मुश्किल नहीं है। राज ठाकरे ने अभिनेता और निर्देशक महेश मांजरेकर के यू-ट्यूब चैनल पर यह बातें कहीं। महेश मांजरेकर ने राज से उद्धव के साथ गठबंधन पर सवाल किया था। इस पर राज ठाकरे ने कहा कि किसी बड़े मकसद के आगे हमारे बीच की लड़ाइयां छोटी हैं। इधर उद्धव का भी रिएक्शन आया है, उन्होंने कहा कि मेरी तरफ से कभी कोई झगड़ा नहीं था।

'छोटे कदम से बड़ा बदलाव'

> वर्ल्ड लीवर डे पर प्रधानमंत्री ने की सेहतमंद भारत बनाने की अपील

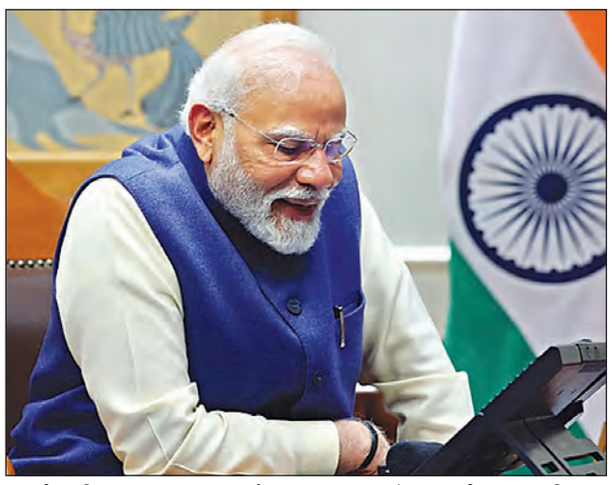

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। आज वर्ल्ड लीवर डे के मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और ध्यानपूर्वक खाना खाने की अपील की। पीएम मोदी ने लोगों को मोटापे की समस्या के प्रति भी जागरूक किया। दरअसल वर्ल्ड लीवर डे (विश्व यकृत दिवस) के अवसर पर स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक मुहिम शुरू की है, जिसमें लोगों से अपने खाने में 10 प्रतिशत तेल कम करने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की अपील की।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने इसे लेकर सोशल मीडिया पोस्ट किया, जिस पर स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने प्रतिक्रिया दी। नड्डा ने लिखा कि 'छोटे कदम बड़ा बदलाव ला सकते हैं अगर हम खाने को दवाई की तरह खाएं। प्रधानमंत्री मोदी के आह्वान के बाद मोटापे को लेकर भी जागरूकता बढ़ाई जा रही है क्योंकि मोटापे का समाज पर गहरा असर पड़ रहा है।' नड्डा के ट्वीट पर पीएम मोदी ने लिखा कि 'वर्ल्ड लीवर डे मनाने का यह अच्छा तरीका है। हम मोटापे के खिलाफ जागरूकता लाकर एक स्वस्थ्य भारत बना सकते हैं। पीएम मोदी ने इससे पहले फरवरी में भी मोटापे के प्रति लोगों को जागरूक किया था और उन्होंने इस बारे में और जागरूकता फैलाने के लिए 10 लोगों को नामित किया था।

जिन लोगों को नामित किया गया था, उनमें महिंद्रा समूह के चेयरमैन आनंद महिंद्रा, आजमगढ़ से पूर्व भाजपा सांसद और भोजपुरी अभिनेता दिनेश लाल यादव 'निरहुआ', एथलीट मनु भाकर, एथलीट मीराबाई चानू, मलयालम फिल्मों के दिग्गज अभिनेता मोहनलाल, इंफोसिस के सह-संस्थापक नंदन नीलेकणि, जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, हिंदी और तमिल फिल्मों के अभिनेता आर. माधवन, प्रसिद्ध पार्श्व गायिका श्रेया घोषाल और इंफोसिस की संस्थापक और राज्यसभा सांसद सुधा मूर्ति इसमें शामिल हैं। लीवर शरीर का एक बहुत ही महत्वपूर्ण अंग है जो मेटाबोलिज्म को ठीक रखने, विषैले पदार्थों को बाहर निकालने, पाचन और कई अन्य कार्यों में अहम भूमिका निभाता है। हर साल 19 अप्रैल को विश्व लीवर दिवस मनाया जाता है ताकि लोगों को लीवर की सेहत के प्रति जागरूक किया जा सके।

बांग्लादेश में हिंदू नेता की हत्या की निंदा

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत ने शनिवार को बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के एक प्रमुख नेता भाबेश चंद्र रॉय के अपहरण और क्रूर हत्या की निंदा की। विदेश मंत्रालय ने इसे देश की अंतरिम सरकार के तहत अल्पसंख्यकों के 'व्यवस्थित उत्पीड़न के पैटर्न' का हिस्सा बताया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि यह घटना बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यक समूहों के खिलाफ लक्षित हिंसा की खतरनाक ट्रेंड को दर्शाती है।

जायसवाल ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, हमने बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यक नेता भाबेश चंद्र रॉय के अपहरण और क्रूर हत्या को व्यथित रूप से देखा। यह हत्या अंतरिम सरकार के तहत हिंदू अल्पसंख्यकों के व्यवस्थित उत्पीड़न के पैटर्न का अनुसरण करती है, जबकि पिछली ऐसी घटनाओं के अपराधी बेखौफ घूम रहे हैं। प्रवक्ता ने कहा, हम इस घटना की निंदा करते हैं और एक बार फिर अंतरिम सरकार को याद दिलाते हैं कि वह बिना कोई बहाना बनाए या भेदभाव किए, हिंदुओं सहित सभी अल्पसंख्यकों की सुरक्षा की अपनी जिम्मेदारी निभाए। बांग्लादेश पूजा उडजापान परिषद की बिराल इकाई के उपाध्यक्ष रॉय को गुरुवार शाम दिनाजपुर जिले में उनके घर से अगवा कर लिया गया।

'उन्होंने हमें डर का सामना और सच्चाई के लिए खड़ा होना सिखाया'

परदादा नेहरू को लेकर बोले राहुल गांधी

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की सबसे बड़ी विरासत भारतीयों को उत्पीड़न का विरोध करने और स्वतंत्रता का दावा करने का साहस देना था। उन्होंने कहा कि उन्हें अपने परदादा- से सत्य और साहस विरासत में मिला है। राहुल गांधी ने यह बात पार्टी नेता संदीप दीक्षित के साथ एक बातचीत के दौरान कही, जो उनके सोशल मीडिया साइट एक्स हैंडल और यूट्यूब चैनल पर पोस्ट की गई। यह बातचीत एक पॉडकास्ट स्टाइल वीडियो में 'सच और हिम्मत - नेहरू से जो मैंने विरासत में पाया' नाम के शीर्षक से साझा की गई है।

नेहरू ने राजनीति नहीं, डर से लड़ना सिखाया :

राहुल गांधी ने कहा, नेहरू ने हमें राजनीति नहीं सिखाई, बल्कि हमें डर का सामना करना और सच के लिए खड़ा होना सिखाया। उन्होंने भारतीयों को अत्याचार का विरोध करने और आखिरकार स्वतंत्रता हासिल करने की हिम्मत दी। उन्होंने आगे कहा, नेहरू की सबसे बड़ी विरासत थी सच की निरंतर खोज- यही सिद्धांत उनके पूरे जीवन को आकार देता था। राहुल गांधी ने कहा कि उनके अंदर भी वही खोज की भावना और सच्चाई को जानने की जिज्ञासा है जो नेहरू में थी। उन्होंने कहा, उन्होंने हमें सवाल पूछना सिखाया, जिज्ञासु रहना सिखाया। ये सब मेरे खून में है।

राहुल ने नेहरू के निजी किस्से भी किए साझा :

राहुल गांधी ने अपने बचपन की यादें साझा करते हुए बताया कि उनकी दादी इंदिरा गांधी ने उन्हें नेहरू से जुड़े कई किस्से सुनाए थे। उन्होंने बताया, दादी ने बताया कि कैसे नेहरू पहाड़ों में घूमते हुए लगभग एक ग्लेशियर में गिर पड़े थे, कैसे जानवर उनके परिवार का हिस्सा थे और कैसे उन्होंने कभी व्यायाम छोड़ना नहीं सीखा। उन्होंने आगे लिखा, मेरी मां आज भी बगीचे में बैठकर पक्षियों को निहारती हैं। मैं जुडो करता हूं। ये सिर्फ शौक नहीं हैं, ये हमारे स्वभाव का हिस्सा है। हम दुनिया को ध्यान से देखते हैं, उससे जुड़े रहते हैं और चुनौतियों का सामना शांत शक्ति से करते हैं। राहुल गांधी ने कहा, महात्मा गांधी, नेहरू, अंबेडकर, पटेल और बोस ने असल में हमें डर से दोस्ती करना सिखाया। उन्होंने हमें न समाजवाद, न राजनीति, बल्कि हिम्मत सिखाई। गांधीजी ने सिर्फ सच के सहारे एक साम्राज्य को चुनौती दी। उन्होंने कहा कि अगर आप अहिंसा में विश्वास रखते हैं तो सच ही आपका एकमात्र हथियार होता है।

नौवीं बार बीजेडी चीफ बने 78 वर्षीय नवीन पटनायक की हुंकार

> भाजपा के 'झूठ' की पोल खोलने का आह्वान

भुवनेश्वर, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक शनिवार को लगातार नौवीं बार बीजद के अध्यक्ष चुने गए। इस पद के लिए एकमात्र उम्मीदवार पटनायक को भुवनेश्वर में पार्टी मुख्यालय शंख भवन में आयोजित पार्टी की राज्य परिषद की बैठक के दौरान सर्वसम्मति से चुना गया। अध्यक्ष पद पर चुने के बाद अपने पहले भाषण में नवीन पटनायक ने पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा, बीजेडी की संगठनात्मक ताकत को कोई कम न आंके। हमारे कार्यकर्ताओं का जोश और समर्पण ही हमारी असली ताकत है। हम सत्ता में रहें या नहीं, हमारा लक्ष्य हमेशा लोगों की सेवा रहेगा।

2000-2024 ओडिशा का स्वर्णिम युग :

इस दौरान नवीन पटनायक ने 2000 से 2024 तक के समय को ओडिशा के विकास का स्वर्णिम युग बताया और कहा कि बीजेडी की विचारधारा उनके पिता बीजू पटनायक की सोच से प्रेरित है। इस दौरान उन्होंने बीजेपी पर सीधा निशाना और कहा, बीजेपी ने झूठे वादों के आधार पर सत्ता हासिल की है। हम विधानसभा चुनाव बहुत कम अंतर से हारे, जबकि हमारे पास ज्यादा वोट थे। इसका कारण था कि हम झूठे नैरेटिव का जवाब सही से नहीं दे पाए। उन्होंने बीजेडी कार्यकर्ताओं से कहा कि वे सोशल मीडिया पर सक्रिय रहें और तकनीक का इस्तेमाल करते हुए सच्चाई को जनता तक पहुंचाएं। तकनीक के बिना अब लोगों तक पहुंचना मुश्किल है। हमें सोशल मीडिया पर मजबूती से अपनी बात रखनी होगी।

सबको साथ लेकर चलने का संदेश :

नवीन पटनायक ने कहा कि नई टीम बनाई जाएगी जिसमें समाज के हर वर्ग (महिलाएं, किसान, युवा, श्रमिक, आदिवासी) को उचित प्रतिनिधित्व मिलेगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि बीजेडी किसी भी हाल में ओडिशा के हितों से समझौता नहीं करेगी, चाहे केंद्र सरकार हो या कोई और। ओडिशा का गौरव और यहां के लोगों के अधिकार हमारे लिए सर्वोपरि हैं। हम हर गांव और हर शहर तक अपनी सेवा का संदेश पहुंचाएंगे। वहीं बीजेडी नेता अमर पटनायक ने कहा, हमारे पार्टी अध्यक्ष ने साफ किया कि राजनीति उनके लिए सत्ता नहीं, सेवा का माध्यम है।

उन्होंने कहा कि पार्टी अब और मजबूत होगी और ओडिशा की जनता के लिए निरंतर काम करती रहेगी। वहीं बीजेडी नेता संत्रुप्त मिश्रा ने कहा- राज्यभर में खुशी का माहौल है। नवीन पटनायक ही वो नेता हैं जो सबको साथ लेकर चलते हैं। पार्टी की ताकत सरकार में होने से नहीं, जनता के समर्थन से आती है- और हमारे अध्यक्ष उसी जनता की आवाज हैं।

मॉब लिंचिंग पीड़ितों के लिए एक समान मुआवजा जरूरी : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट 23 अप्रैल को एक अहम याचिका पर सुनवाई करेगा जिसमें भीड़ हिंसा (मॉब लिंचिंग) और घृणा अपराधों के पीड़ितों को मुआवज़ा देने में समानता (एकरूपता) लाने की मांग की गई है। यह याचिका इंडियन मुस्लिम्स फॉर प्रोग्रेस एंड रिफॉर्म्स (आईएमपीएआर) नामक संगठन ने दायर की थी।

सुप्रीम कोर्ट ने अप्रैल 2023 में इस पर केंद्र सरकार, सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से जवाब मांगा था। याचिका में कहा गया है कि 2018 के तहसीन पूनावाला मामले में सुप्रीम कोर्ट ने मॉब लिंचिंग के मामलों पर कड़ी टिप्पणी करते हुए पीड़ितों के परिवारों को मुआवज़ा देने की बात कही थी। लेकिन अब तक कुछ राज्यों ने अलग-अलग योजनाएं बनाई हैं, जिनमें कोई समानता नहीं है, और कई राज्यों ने तो ऐसी कोई योजना अब तक बनाई ही नहीं है। मामले में याचिकाकर्ता की मांग है कि सभी राज्यों में एक समान मुआवजा नीति लागू हो।

राज्यपाल बोस पीड़ितों से मुलाकात के बाद बोले

शांति चाहते हैं लोग, केंद्र को भेजेंगे रिपोर्ट

मुर्शिदाबाद (पश्चिम बंगाल), 19 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस आज मुर्शिदाबाद पहुंचे और हिंसा पीड़ितों से मुलाकात की। राज्यपाल पीड़ितों से मुलाकात के बाद केंद्र सरकार को प्रदेश की कानून-व्यवस्था से जुड़ी रिपोर्ट भी भेजेंगे। राज्यपाल के अलावा राष्ट्रीय महिला आयोग की टीम भी आज मुर्शिदाबाद पहुंची।

हिंसा पीड़ितों से मुलाकात के बाद राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने कहा कि वे (पीड़ित) सुरक्षित महसूस करना चाहते हैं। पीड़ितों ने जो भी सुझाव या मांग की हैं, उन पर विचार किया जाएगा। मैं इस बारे में केंद्र सरकार को सूचित करूंगा ताकि उचित कार्रवाई की जा सके। मैंने लोगों को अपना फोन नंबर दिया है और उन्हें जरूरत पड़ने पर फोन करने को कहा है। हम संपर्क में बने रहेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य के लोग शांति चाहते हैं।

राज्यपाल ने पीड़ितों को फोन नंबर भी दिया :

11 अप्रैल को भड़की हिंसा के पीड़ितों से मुलाकात के बाद राज्यपाल ने कहा कि पीड़ित "सुरक्षा की भावना" चाहते हैं। वह पीड़ितों की मांगों पर केंद्र और राज्य दोनों सरकारों के साथ चर्चा करेंगे। उन्होंने कहा कि पीड़ितों की मांगों और सुझावों पर विचार किया जाएगा। पीड़ित मुझसे सीधे बात करने के लिए स्वतंत्र महसूस करें, इसलिए उन्हें फोन नंबर भी दिया गया है। हम उनके संपर्क में रहेंगे और निश्चित रूप से बहुत प्रभावी कदम उठाएंगे। बोस ने कहा कि वे और अधिक स्थानों का दौरा कर हिंसा में प्रभावित लोगों से मिलेंगे।

धुलियान के कुछ ग्रामीणों में आक्रोश

खबरों के मुताबिक धुलियान के वार्ड 16 में एक गांव में पहुंचे राज्यपाल गांव के कुछ लोगों से नहीं मिल सके।

इस पर गांव वाले भड़क गए। ग्रामीणों ने जमकर हंगामा किया। विरोध के बीच राज्यपाल ने गांव वालों की बात सुनी। इसी इलाके में विरोध-प्रदर्शन के दौरान रोड ब्लॉक किए जाने की भी खबर है।

महिला आयोग की टीम भी आज मुर्शिदाबाद पहुंची :

इस बीच, राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने भी शनिवार को मुर्शिदाबाद का दौरा शुरू किया। शुक्रवार को कोलकाता में मीडिया से बात करते हुए रहाटकर ने कहा कि हमें सूचना मिली है कि प्रभावित इलाकों और राहत शिविरों में महिलाओं के साथ सही व्यवहार नहीं किया जा रहा है।

राष्ट्रीय महिला आयोग ने एक जांच समिति गठित की है। हम पीड़ितों से बात करेंगे और विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने से पहले स्थिति का आकलन करेंगे। इसके बाद रविवार को आयोग की टीम, कोलकाता में राज्यपाल, मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक से भी मुलाकात करेगी। राज्यपाल के दौरे से पहले एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, शनिवार को राज्यपाल बोस मुर्शिदाबाद जिले के शमशेरगंज के दंगा प्रभावित इलाकों में पीड़ितों से मुलाकात किये। वे प्रभावित लोगों से बातचीत किये।

हिन्दू नेता की हत्या पर खड़गे ने पीएम मोदी को घेरा

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बांग्लादेश में हिन्दू समुदाय के एक बड़े नेता की हत्या पर पीएम मोदी को घेरा है। इसके साथ ही खड़गे ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस को 1971 के मुक्ति संग्राम की याद दिलाई है। कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष ने कहा, बांग्लादेश में लगातार धार्मिक अल्पसंख्यकों, खासकर हमारे हिंदू भाई-बहनों पर अत्याचार हो रहा है। खड़गे ने सोशल मीडिया पर अपनी एक पोस्ट में लिखा, हिन्दू समुदाय के एक बड़े नेता भाबेश चंद्र रॉय की क्रूरतापूर्ण हत्या इस बात का सबूत है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार के साथ मुस्कुराने वाली बैठक विफल रही। उल्लेखनीय है कि ढाका से लगभग 330 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में दिनाजपुर के बसुदेवपुर गांव में रहने वाले 58 वर्षीय भाबेश चंद्र रॉय की हत्या कर दी गई है।

तिरुपति की गौशाला में गायों की मौत पर सियासत

करवाएंगे एसीबी जांच, पूर्व सरकार पर मढ़ा दोष : चेयरमैन

तिरुपति, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश में तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) गोशाला मामले में आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति तेज हो गई है। जहां टीटीडी के चेयरमैन बीआर नायुडू ने कहा है कि वह मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायुडू से पिछले 5 वर्षों में मंदिर में हुई सभी कथित अनियमितताओं की भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) से जांच कराने की मांग करेंगे। यह बयान तब आया है जब वाईएसआरसीपी नेताओं ने आरोप लगाया कि पिछले तीन महीनों में टीटीडी गोशाला में 100 से ज्यादा गायों की मौत हुई है।

बता दें कि गोशाला का दौरा करने के बाद नायुडू ने आरोपों को झूठा प्रचार बताया। साथ ही इसके लिए पूर्व वाईएसआरसीपी सरकार को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि उनके शासन में गायों को ठीक से चारा तक नहीं मिला और ओंगोल में दान में दी गई गायों को बेच दिया गया। बी.आर. नायुडू ने आगे कहा कि अगर कोई जनहित याचिका दायर करता है तो वह उसका स्वागत करेंगे, लेकिन उसमें वाईएसआरसीपी के कार्यकाल के घोटालों की भी जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि टीडीपी सरकार के पिछले 10 महीनों के कार्यकाल में कोई अनियमितता नहीं हुई है। मामले में पूर्व टीटीडी चेयरमैन और वाईएसआरसीपी नेता बी. करुणाकर रेड्डी ने कहा कि वह अपने बयान पर कायम हैं कि गोशाला में लापरवाही से लगभग 100 गायों की मौत हुई है। उन्होंने सरकार पर गैरजिम्मेदाराना और विरोधाभासी बयान देने का आरोप लगाया। इस बीच, टीटीडी के कार्यकारी अधिकारी जे. श्यामला राव ने कहा कि 43 गायों की मौत हुई है, जबकि बी.आर. नायुडू के अनुसार यह संख्या 22 है।

'एक गांव नक्सल मुक्त-डेडलाइन में 346 दिन बाकी'

रायपुर, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत की केंद्र और प्रदेश की राज्य सरकार मार्च 2026 तक छत्तीसगढ़ और देश से नक्सलवाद खत्म कर देना चाहती है। इस मिशन में पहली कामयाबी मिली है। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले का बड़ेसट्टी गांव अब नक्सल मुक्त हो गया है।

शुक्रवार को इस गांव में सक्रिय अंतिम 11 नक्सलियों ने सरकार के सामने हथियार डाल दिए हैं। वहीं इस जिले में 22 नक्सलियों ने भी सरेंडर किया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सुरक्षाबलों को बधाई देते हुए कहा कि, छिपे हुए नक्सली तुरंत सरेंडर करें। इधर, लगातार अपने साथियों के मारे जाने और आत्मसमर्पण किए जाने से परेशान नक्सलियों ने सरकार के नाम एक और पत्र जारी किया है।

शाह बोले-2 घंटे एक्सरसाइज, 6 घंटे की नींद जरूरी

पिछले 5 सालों में रूटीन बदला, आज सभी दवाओं से मुक्त होकर खड़ा हूं

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि, देश के युवाओं को अगर स्वस्थ्य और फिट रहना है तो उन्हें अपने रूटीन में बदलाव करना होगा। यह बात मैं अपने पर्सनल एक्सपीरियंस से बोल रहा हूं। अमित शाह ने नई दिल्ली में वर्ल्ड लिवर डे पर इंस्टीट्यूट ऑफ लिवर एंड बाइलरी साइंसेस की तरफ से आयोजित एक कार्यक्रम में ये बातें कहीं। शाह ने कहा कि देश के युवाओं को अभी 40-50 साल और जीना है और देश की प्रगति में योगदान देना है। मैं उनसे अनुरोध करता हूं कि वे अपने शरीर के लिए दो घंटे व्यायाम और अपने दिमाग के लिए छह घंटे की नींद रिजर्व करें।

आज किसी भी तरह की दवा की जरूरत नहीं :

अमित शाह ने कहा, मई 2020 से लेकर आज तक मैंने अपने जीवन में बहुत बड़ा बदलाव किया। आवश्यक मात्रा में नींद, पानी और आहार और नियमित व्यायाम ने मुझे बहुत कुछ दिया है। आज मैं आपके सामने किसी भी तरह की एलोपैथिक दवा और इंसुलिन से मुक्त होकर खड़ा हूं। यह मेरा अपना अनुभव है। मैं आज यहां इस अनुभव को साझा करने आया हूं। कार्यक्रम में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता भी शामिल रहीं।

उन्होंने कहा- आज लीवर डे के अवसर पर हमें यह संकल्प लेना चाहिए देश में किसी को भी हेल्थ सर्विस के लिए संघर्ष न करना पड़े। हमारी राजधानी दिल्ली सिर्फ यहीं के लोगों के इलाज के लिए नहीं है। पूरे देश और दुनिया से लोग यहां आते हैं। यह हमारी जिम्मेदारी बनती है कि हम अपने स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करें। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने कहा, सीएम रेखा गुप्ता के नेतृत्व वाली दिल्ली की नई सरकार ने अपनी नीतियों और एजेंडे में स्वास्थ्य सेवा को प्राथमिकता दी है। पिछली सरकार की नीतियों के कारण, दिल्ली पिछड़ गई थी।

सक्सेना ने आगे कहा, आईएलबीएस एकमात्र ऐसा संस्थान है जिसने देश और विदेश में अपनी पहचान बनाई है। आईएलबीएस को एक दशक से भी अधिक समय से लीवर रोगों के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन के सहयोगात्मक केंद्र के रूप में मान्यता प्राप्त है।

'कानून अगर सुप्रीम कोर्ट ही बनाएगा तो संसद भवन बंद कर देना चाहिए'

वक्फ सुनवाई के बीच बोले बीजेपी सांसद

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। वक्फ संसोधन अधिनियम को लेकर पूरे देश में अलग माहौल देखने को मिल रहा है। इसी कड़ी में भारतीय जनता पार्टी के सांसद निशिकांत दुबे का एक बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि अगर कानून सुप्रीम कोर्ट ही बनाएगा तो संसद भवन को बंद कर देना चाहिए। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर एक पोस्ट में यह बयान दिया है।

इससे पहले वक्फ अधिनियम के खिलाफ याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई से पहले केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि उन्हें पूरा भरोसा है कि सुप्रीम कोर्ट विधायी मामले पर कोई टिप्पणी नहीं करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि विधायिका और न्यायपालिका को एक-दूसरे का सम्मान करना चाहिए।

उपराष्ट्रपति ने क्या कहा?

वक्फ अधिनियम पर सुप्रीम कोर्ट उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने गुरुवार को राष्ट्रपति-उपराष्ट्रपति एन्क्लेव में छठे

राज्यसभा इंटर्नशिप कार्यक्रम के समापन समारोह में बोलते हुए न्यायपालिका के खिलाफ कड़ी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि हम ऐसी स्थिति नहीं बना सकते जहां आप भारत के राष्ट्रपति को निर्देश दें और किस आधार पर? संविधान के तहत आपके पास एकमात्र अधिकार अनुच्छेद 145(3) के तहत संविधान की व्याख्या करना है। वहां, पांच न्यायाधीश या उससे ज्यादा होने चाहिए। अनुच्छेद 142 लोकतांत्रिक ताकतों के खिलाफ एक परमाणु मिसाइल बन गया है।

तमिलनाडु के राज्यपाल द्वारा दस विधेयकों को मंजूरी देने में देरी से संबंधित सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले का हवाला देते हुए धनखड़ ने कहा, 'राष्ट्रपति को समयबद्ध तरीके से फैसले लेने के लिए कहा जाता है और यदि ऐसा नहीं होता है, तो यह कानून बन जाता है। इसलिए हमारे पास जज हैं जो कानून बनाएंगे, जो कार्यकारी कार्य करेंगे, जो सुपर संसद के तौर पर काम करेंगे और उनकी कोई जवाबदेही रूप में कार्य करेंगे और उनकी कोई जवाबदेही नहीं होगी क्योंकि देश का कानून उन पर लागू नहीं होता है।' सुप्रीम कोर्ट भी वक्फ कानून पर सुनवाई कर रहा है। गुरुवार को भी कोर्ट ने सुनवाई की थी। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने आदेश देते हुए कहा था कि वक्फ बोर्ड पर केंद्र के जवाब तक वक्फ संपत्ति की स्थिति नहीं होगी। कोर्ट से वक्फ घोषित संपत्ति डी नोटिफाई नहीं होगी। वह वक्फ बाय यूजर हो या वक्फ बाय डीड। वक्फ बोर्ड और केंद्रीय वक्फ बोर्ड परिषद में कोई नई नियुक्ति नहीं होगी।

नाबालिग से रेप, आरोपी चाचा को 20 दिन में सजा

तीस हजारी कोर्ट ने उम्र कैद का फैसला सुनाया, 20 लाख मुआवजा देने का आदेश

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली की तीस हजारी कोर्ट ने 16 साल की नाबालिग बच्ची से रेप कर उसे गर्भवती करने वाले 45 साल के व्यक्ति को उम्रकैद की सजा सुनाई है। अदालत ने सिर्फ 20 दिन में इस गंभीर केस का फैसला सुनाया और कहा कि दोषी को जिंदगी भर जेल में रहना होगा। यह मामला पोक्सो एक्ट की धारा 6 के तहत दर्ज हुआ था।

अदालत ने पीड़िता को 19.5 लाख रुपए का मुआवजा दिलाने का आदेश भी दिया। अदालत ने कहा कि जब आरोपी ने लड़की का यौन शोषण करना शुरू किया, तब उसकी उम्र 45 साल थी और लड़की सिर्फ 16 साल की थी। एडिशनल सेशन जज (एएसजे) बबीता पुनिया ने कहा- दोनों के बीच करीब 30 साल का फर्क था। इतनी बड़ी उम्र का अंतर इस मामले को और ज्यादा गंभीर बनाता है। मेरे मन में इस बात को लेकर कोई संदेह नहीं है कि पीड़ित बच्ची ने बहुत कष्टदायक पीड़ा सहन की होगी। दरअसल, दोषी पीड़ित के पिता का जानकार था और वह उसे चाचा कहकर बुलाती थी। उसने बच्ची से कई बार रेप किया और प्रेग्नेंट कर दिया।

कोर्ट बोला-दर्द की भरपाई पैसे से नहीं हो सकती

मुआवजा देते वक्त अदालत ने कहा, दोषी की वजह से पीड़िता को बहुत मानसिक दर्द और तकलीफ सहनी पड़ी होगी, और हो सकता है कि वो अभी भी उस दर्द से जूझ रही हो। हालांकि, उसके दर्द की भरपाई पैसे से नहीं हो सकती, लेकिन ये मुआवजा उसे पढ़ाई या कोई हुनर सीखने में मदद करेगा, जिससे वो आगे चलकर अपने पैरों पर खड़ी हो सके। कोर्ट ने कहा, उसे मानसिक तकलीफ के लिए 2 लाख रुपए और गर्भावस्था के लिए 4 लाख रुपए दिए जाएंगे।

खबरे जरा हटके

लकड़ी से बना दी शानदार बाइक, लुक ऐसा कि देखकर दंग रह गए लोग

बोले-अब बाइक भी इको फ्रेंडली

लड़कों का बाइक के प्रति अपार प्यार किसी से नहीं छिपा है. बॉयज बाइक को अपनी जान से भी ज्यादा प्यार करते हैं. एक बाइक ही होती है, जो उनके हर सफर में उनका साथ देती है. इसलिए बॉयज अपनी बाइक को दुल्हन की तरह सजाकर रखते हैं. बाइक के तो बहुत शौकीन देखें होंगे, जो अपनी गाड़ी को मॉडिफाई कर उसे रफ एंड टफ लुक देते हैं. जब बॉयज अपनी मॉडिफाई बाइक लेकर सड़क पर उतरते हैं, तो लोगों की नजरें उससे हटती नहीं है. लेकिन इस शख्स ने तो बाइक की दुनिया में अलग ही क्रांति लाने का काम किया है. वाहन ज्यादातर स्टील, लोहे और मजबूत धातुओं से बनते हैं, लेकिन इस शख्स ने लड़की से ही पूरी बाइक तैयार कर दी है.

वीडियो में आप देखेंगे कि कैसे इस शख्स ने अपनी स्प्लेंडर बाइक को लकड़ी से मॉडिफाई कर उसे अट्रैक्टिव लुक दिया है. लाइट ब्राउन और पॉलिश की गई लकड़ी से बनी इस बाइक को देखने के बाद किसी भी बॉय का इस पर दिल आ आएगा और वो इसे चलाने के ख्वाब देखने लगेगा. आप देखेंगे कि इस बाइक का फ्रंट, ऑयल टैंक, मडगाड्र्स आदी को लकड़ी से मॉडिफाई किया हुआ है. देखने में यह लकड़ी वाली टॉय बाइक लग रही है, लेकिन जब यह सड़क पर दौड़ेगी तो देखने वाले देखते रह जाएंगे. अब लोग इस बाइक अपने क्या रिएक्शन दे रहे हैं आइए जानते हैं. वुड मॉडिफाई इस बाइक पर एक यूजर ने लिखा है, 'भाई बेहतरीन बाइक, लेकिन इसे बारिश से संभाल कर रखना'. दूसरा यूजर लिखता है, 'कितने तेजस्वी लोग हैं हमारे यहां'. तीसरा यूजर लिखता है, 'भाई ऑर्डर देने के लिए नंबर शेयर कर दो'.

गेहूं पीसने के लिए लेने पड़े 16 पर्मिट! दुकान की दीवार पर मालिक ने लगाया, साथ में टांगा भारत का संविधान

कारोबार में सुगमता एक प्रकार का पैमाना है, जो बताता है कि किसी देश में व्यापार करना कितना आसान है. भारत निरंतर इसमें सुधार कर रहा है. विश्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार ईज़ ऑफ डूइंग बिजनेस इंडेक्स में भारत 2014 में 142वें स्थान पर था मगर 2019 में 63वें स्थान पर पहुंच गया था. हालांकि, सोचने वाली बात ये है कि क्या भारत की छोटी से छोटी इकाई, या छोटे व्यापारियों को इसका फायदा मिल पा रहा है. हाल ही में एक सोशल मीडिया पोस्ट ने इसकी सच्चाई के बारे में बताया. एक शख्स ने पोस्ट डालकर जानकारी दी कि उसके पड़ोस में एक शख्स ने गेहूं पीसने के लिए आटा चक्की की दुकान खोली मगर उसे साधारण सी दुकान के लिए 16 पर्मिट लेने पड़े!

ट्विटर यूजर नितिन धर्मावत चार्टर्ड फाइनैंशियल एनालिस्ट हैं जो पुणे में रहते हैं. हाल ही में उन्होंने एक पोस्ट लिखकर प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया. उन्होंने एक फोटो डाली जो आटा चक्की की है. उसमें 16 तस्वीरें टंगी हैं और बगल में भारत का संविधान भी लटका है. नितिन ने बताया कि उनके मोहल्ले में एक छोटी सी आटा चक्की खुली है. उसका मालिक बहुत कर्मठ व्यक्ति है.

आटा चक्की खोलने के लिए 16 पर्मिट

उस साधारण सी दुकान को खुलवाने में नितिन को 16 अलग-अलग पर्मिशन लेने की जरूरत पड़ी. इस चक्कर में उसे काफी वक्त भी लग गया. इस वजह से दुकानदार ने सारे पर्मिट को फ्रेम कराकर दुकान की दीवार पर टांग दिया. उसके बगल में भारत के संविधान की फोटो भी टांग दी. नितिन ने कहा कि ये स्थिति बदलनी चाहिए. जहां सरकारें काम आसान करने की बात करती हैं, वहां इतने छोटे व्यापारी को भी इतनी दौड़भाग करनी पड़ रही है जो ठीक नहीं है।

'इतना तो अंग्रेजों ने भी नहीं लूटा था' शादी पर दहेज की रील देख बोले लोग, दिए कई तरह के अजीब रिएक्शन!

आपने अपने जिंदगी में बहुत सारी शादी देखी होंगी. और कई शादी के वीडियो भी देखे होंगे. पर आपको वह शादी याद है जिसमें आपने अब तक का दिया गया सबसे ज्यादा दहेज देखा हो. पर एक वायरल वीडियो देख कर जब उसमें दिखाए गए शादी के दहेज के देखेंगे तो इतना सारा दहेज तो आपने शायद किसी से सुना भी नहीं होता है. जी हां एक वायरल वीडियो में इतना दहेज दिया गया है जिस देख कर लोगों को हैरानी हो रही है. कैप्शन में भी यही लिखा है कि दहेज में सब कुछ दे दिया.

वीडियो में हमें एक शादी में दिए जा रहे सामान को देखते हैं तो वीडियो रुकने का नाम नहीं लेता है. शुरुआत एक सजी हुआ लाल रंग की कार से होती है. उसके बाद पहले हमें एक बाइक दिखती है जिसके आगे दूल्हा लिखा होता है. फिर शुरू होता है घरेलू सामान का लंबा सिलसिला. जिसमें घर के बर्तन के साथ जरूरत की हर चीज़ दिखाई देने लगती है.

क्या नहीं है इसमें?

वीडियो मे घर की जरूरत का हर सामान, टीवी फ्रिज़, वाशिंग मशीन, हर तरह के बर्तन, हर तरह का घरेलू उपकरण, दो सोफा सेट, दो बाइक, डाइनिंग टेबल, आदि बहुत कुछ दिया है. इतना नहीं दुल्हन के नजदीकी ससुराल वालों, जैसे कि सास, ननद, आदि को खास तरह के अलग अलग गहने भी दिए गए हैं. ननदोई देवर, ससुर, सास सभी के लिए खास तौर पर कोई बड़ा सामान जरूर है.

जम्मू-कश्मीर और दिल्ली एनसीआर में भूकंप के झटके

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। अफगानिस्तान में शनिवार को दोपहर 12:17 बजे रिक्टर पैमाने पर 5.8 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप का असर जम्मू-कश्मीर और दिल्ली-एनसीआर तक महसूस किया गया। हालांकि अब तक जान माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक भूकंप का असर जम्मू-कश्मीर के कुछ हिस्सों में भी महससू किया गया। श्रीनगर में एक स्थानीय व्यक्ति ने बताया- मैंने भूकंप महसूस किया। मैं दफ्तर में था, तभी मेरी कुर्सी हिली। कुछ इलाकों से लोगों को घरों और ऑफिस से बाहर भागते देखा गया।

केंद्र अफगानिस्तान-ताजिकिस्तान सीमा क्षेत्र में

थानेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (एनसीएस) के अनुसार, भूकंप सतह से 86 किलोमीटर नीचे आया। इसका केंद्र अफगानिस्तान-ताजिकिस्तान सीमा क्षेत्र में था। यह इलाका भूकंप के लिए सेंसेटिव जोन में गिना जाता है। इस क्षेत्र में भूकंप आना सामान्य बात है।

दिल्ली में 4 मंजिला इमारत गिरी, 11 की मौत

10 से ज्यादा लोग अब भी मलबे में फंसे; रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के दयालपुर इलाके में शुक्रवार देर रात एक चार मंजिला इमारत ताश के पत्तों की तरह भर-भराकर जमींदोज हो गई। अचानक तेज धमाका हुआ तो पड़ोसी नींद से जागे। बाहर निकलकर देखा तो गली में धुंए का गुबार था। इस बीच मौके से चीखने-पुकारने की आवाज आने लगीं। कुछ ही देर में लोगों को इमारत गिरने का अहसास हो गया।

स्थानीय लोग मदद को भागे। बाद में कंट्रोल रूम को कॉल की गई। लोगों ने एक-एक कर घायलों को मलबे से निकालना शुरू कर दिया। इस बीच सूचना मिलने के बाद पुलिस व दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं। हादसे के समय इमारत में 22-25 लोग मौजूद थे। घटना को देखते हुए डीडीएमए (दिल्ली आबदा प्रबंधन), एनडीआरएफ, एमसीडी व बाकी बचाव दलों को मौके पर बुला लिया गया।

'जनेऊ नहीं उतारा तो परीक्षा से निकाला'

बंगलूरू, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। कर्नाटक के शिवमोग्गा जिले के आदिचुंचनगिरी स्कूल में जनेऊ उतरवाने के मामले में छात्र का बयान सामने आया है। छात्र सुचिव्रत कुलकर्णी ने आरोप लगाया है कि 17 अप्रैल को कॉमन एलिजिबिलिटी टेस्ट (सीईटी परीक्षा) के दौरान परीक्षा केंद्र पर उससे जबरन उसका जनेऊ (पवित्र धागा) हटाने की मांग की गई। सुचिव्रत ने बताया कि वह बीदर के साईं स्फूर्ति पीयू कॉलेज में परीक्षा देने गया था, लेकिन वहां मौजूद स्टाफ ने कहा कि अगर वह जनेऊ नहीं हटाता, तो उसे परीक्षा देने नहीं दिया जाएगा। छात्र ने धार्मिक प्रतीक बताते हुए जनेऊ हटाने से इनकार किया, जिसके बाद उसे परीक्षा देने से रोक दिया गया और वह वापस घर लौट आया। छात्र की मां नीता कुलकर्णी ने भी इस घटना पर नाराजगी जताई है।

पूर्व कांग्रेस एमएलए संग्राम थोपटे ने पार्टी से दिया इस्तीफा, भाजपा में शामिल होने की संभावना

पुणे, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पुणे जिले में भोर निर्वाचन क्षेत्र से कांग्रेस के पूर्व विधायक संग्राम थोपटे ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। वहीं उनके भाजपा में शामिल होने की संभावना जताई जा रही है। बता दें कि, संग्राम थोपटे भोर विधानसभा क्षेत्र से तीन बार विधायक रह चुके हैं। जबकि उनका परिवार कांग्रेस की परंपरा से जुड़ा है, पार्टी के दिग्गज अनंतराव थोपटे के बेटे हैं, जिन्होंने छह बार भोर का प्रतिनिधित्व किया था। संग्राम थोपटे ने बताया, 'मैंने अपना इस्तीफा राज्य कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल और महाराष्ट्र प्रभारी रमेश चेन्निथला को सौंप दिया है।'

उन्होंने शुक्रवार को इस्तीफा दे दिया और अपने सोशल मीडिया हैंडल पर अपनी कवर इमेज से कांग्रेस का लोगो हटा दिया। अपनी भविष्य की योजनाओं के बारे में पूछे जाने पर संग्राम थोपटे ने कहा कि वह रविवार को अपने समर्थकों के साथ चर्चा करेंगे।

परिवार की विरासत को आगे बढ़ाएं संग्राम- सपकाल

वहीं संग्राम थोपटे के इस्तीफे पर प्रतिक्रिया देते हुए महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने कहा, 'अनंतराव थोपटे पार्टी के वरिष्ठ नेता हैं। थोपटे परिवार की कांग्रेस की विरासत लंबे समय से चली आ रही है। संग्राम थोपटे को उस विरासत को आगे बढ़ाना चाहिए।' इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि जब एमवीए सत्ता में थी, तब नाना पटोले के इस्तीफा देने के बाद कांग्रेस संग्राम थोपटे को विधानसभा अध्यक्ष पद के लिए मैदान में उतारना चाहती थी, लेकिन (तत्कालीन विपक्षी नेता) देवेंद्र फडणवीस ने तत्कालीन राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी पर दबाव बनाकर उनके प्रयासों को विफल कर दिया।

उन्होंने कहा, 'फडणवीस ने कोश्यारी पर अध्यक्ष का चुनाव टालने का दबाव बनाया। नतीजतन, थोपटे पद ग्रहण नहीं कर सके।' फरवरी 2021 में नाना पटोले के इस्तीफा देने के बाद विधानसभा अध्यक्ष का पद खाली हो गया था। जुलाई 2022 में भाजपा विधायक राहुल नार्वेकर अध्यक्ष बने। हर्षवर्धन सपकाल ने आगे दावा किया कि अध्यक्ष की नियुक्ति में देरी के कारण अंततः शिवसेना में राजनीतिक विभाजन हुआ।

हिंसा पीड़ितों से मिलीं महिला आयोग की सदस्य, फूट-फूटकर रोईं पीड़िताएं

मुर्शिदाबाद, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर के नेतृत्व में एक टीम ने शनिवार को मुर्शिदाबाद के धुलियान में हिंसा के पीड़ितों से मुलाकात की और उन्होंने आश्वासन दिया कि उनकी सुरक्षा के लिए केंद्र सरकार द्वारा उचित कदम उठाए जाएंगे। इस दौरान पीड़ित महिलाओं ने महिला आयोग की टीम को धुलियान के बेटबोना कस्बे के पीड़ितों ने अपनी आपबीती सुनाई और मांग की कि जिले में स्थायी बीएसएफ कैंप स्थापित किए जाएं और सांप्रदायिक झड़प की एनआईए (राष्ट्रीय जांच एजेंसी) जांच की जाए। महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने पीड़ितों से मुलाकात के बाद कहा कि 'इन महिलाओं को जो पीड़ा झेलनी पड़ रही है, उसे देखकर मैं स्तब्ध हूं। हिंसा के दौरान उन्हें जो कुछ सहना पड़ा, वह कल्पना से परे है।' रहाटकर ने पीड़ितों से कहा कि अब उन्हें चिंता करने की जरूरत नहीं है और केंद्र सरकार उनके साथ है। महिला आयोग की टीम को आपबीती सुनाते हुए पीड़ित महिलाओं अपने आंसू नहीं रोक पाईं और आयोग की सदस्यों से गले मिलकर रोतीं नजर आईं।

'मराठी भाषा को नुकसान हुआ तो बर्दाश्त नहीं करेंगे'

> नई शिक्षा नीति को लेकर बोलीं सुप्रिया सुले

मुंबई, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी 2020) को लेकर महाराष्ट्र की सियासत गर्माहट अपने चरम पर है। इसी बीच एनसीपी (शरद पवार गुट) की नेता और सांसद सुप्रिया सुले ने शनिवार को कहा कि महाराष्ट्र में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी 2020) को जल्दबाजी में लागू करना ठीक नहीं है और अगर इससे मराठी भाषा को नुकसान होता है, तो यह बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पुणे में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने राज्य सरकार के उस फैसले पर नाराज़गी जताई, जिसमें कक्षा 1 से 5 तक हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में अनिवार्य किया गया है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में मराठी ही लोगों की मातृभाषा है और उसे प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

एनसीपी (एसपी) नेता सुप्रिया सुले ने आगे कहा कि अन्य भाषाएं सीखने का विकल्प दिया जाना चाहिए, लेकिन कोई भाषा जबरन थोपना सही नहीं। पहले हमें राज्य में शिक्षा व्यवस्था की बुनियादी समस्याओं पर बात करनी चाहिए। उन्होंने ये भी कहा कि अगर राज्य बोर्ड को हटाकर सीबीएसई को लागू किया जा रहा है, तो इसकी जरूरत क्या है?

सुले ने आगे चेताया कि नई शिक्षा नीति को लागू करने की जल्दीबाज़ी छात्रों और शिक्षकों दोनों के लिए मुश्किलें खड़ी कर सकती है। इसके साथ ही सुले ने एक गर्भवती महिला की मौत को लेकर ससून अस्पताल की जांच रिपोर्ट पर भी सवाल उठाए और कहा कि अगर अस्पताल ने महिला को इलाज से मना किया तो यह बेहद गंभीर मामला है और रिपोर्ट में नरमी दिखाई गई है। उन्होंने आगे राज्य सरकार पर वित्तीय मामलों को लेकर भी निशाना साधा। सुले ने कहा कि महाराष्ट्र न तो जल जीवन मिशन में और न ही निवेश के मामलों में शीर्ष प्रदर्शन कर पा रहा है।

फूलन देवी की हत्या करने वाले मुझे गोली मारने की दे रहे धमकी'

रामजीलाल सुमन से मिलने आगरा पहुंचे अखिलेश का बड़ा हमला

आगरा, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के आगरा में करणी सेना के बवाल के बाद समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव पार्टी सांसद रामजी लाल सुमन से मुलाकात करने पहुंचे। रामजी लाल सुमन ने राज्यसभा में राणा सांगा के खिलाफ विवादित बयान देकर मुद्दा गरमाया।

इसके बाद राजपूत समाज के बीच उनके खिलाफ आक्रोश बढ़ा। करणी सेना ने इस मुद्दे को लेकर सपा सांसद को घेरा। उनके खिलाफ दो प्रदर्शन हो चुके हैं। राजपूत करणी सेना और समाजवादी पार्टी के बीच लगाातर माहौल गरमाया हुआ है। ऐसे में फूलन देवी की हत्या का मुद्दा उठाते हुए अखिलेश यादव ने आगरा से एक नई राजनीतिक लाइन खींचने की कोशिश की है। उन्होंने राजपूत समाज को एक प्रकार से फूलन देवी की हत्या का आरोपी करार देते हुए खुद को गोली मारे जाने की साजिश से

जोड़ा। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आगरा दौरे के दौरान एक प्रेस वार्ता में बीजेपी और योगी सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि फूलन देवी को मारने वाले अब उन्हें गोली मारने की धमकी देने वालों को बीजेपी वाले प्रमोट कर रहे हैं। यह लोकतंत्र और सामाजिक न्याय के लिए बेहद खतरनाक संकेत है। अखिलेश यादव ने आगरा में हाल ही में हुई हिंसा को लेकर कहा कि दिल्ली और लखनऊ से ही इस हिंसा को प्रमोट किया जा रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर आगरा में इस तरह की घटनाएं होती रहीं, तो इसका असर पर्यटन पर भी पड़ेगा। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव आगरा, ताजमहल और पर्यटन को जोड़ते हुए इस प्रकार के मामलों पर चिंता जाहिर की। उन्होंने कहा कि दुनियाभर में आगरा की चर्चा होती है, लेकिन अगर पर्यटक इस तरह की हिंसा की खबरें सुनेंगे, तो वे यहां आने से कतराएंगे। उन्होंने आगरा के लोगों से बीजेपी का विरोध करने की अपील की और कहा कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था चरमरा चुकी है। योगी सरकार को घेरते हुए अखिलेश ने कहा कि योगी जी को कुछ नहीं आता, वे विधानसभा में 46 को 56 बोलते हैं। थानों में पीडीए वालों की नियुक्तियां नहीं हैं, यूपी एसटीएफ में 21 पदों में से सिर्फ 3 लोग हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि यूपी में दलितों के खिलाफ हिंसा बढ़ रही है और सरकार इन मामलों को नजरअंदाज कर रही है।

अखिलेश यादव ने राणा सांगा पर विवादित बयान मामले में समाजवादी पार्टी सांसद रामजी लाल सुमन का समर्थन किया। आगरा में सांसद के घर पर आयोजित प्रेस वार्ता में अखिलेश यादव ने यह भी कहा कि भोले-भाले लोगों को नंगी तलवारें थमा दी गई हैं, जिससे साफ है कि किस तरह से आम जनता को उकसाया जा रहा है। अखिलेश यादव के इस बयान ने उत्तर प्रदेश की सियासत में गर्माहट ला दी है।

हिंदी थोपे जाने के खिलाफ, महाराष्ट्र में भाषा विवाद पर बोले पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे

मुंबई, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में नई शिक्षा नीति को लेकर जारी विवाद के बीच शनिवार को शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में हिंदी भाषा को जबरन लागू नहीं होने दिया जाएगा।

उन्होंने साफ किया कि उन्हें हिंदी भाषा से कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन इसका ज़बरदस्ती थोपना ठीक नहीं है। मुंबई में भारतीय कामगार सेना के एक कार्यक्रम में उद्धव ठाकरे ने राज्य सरकार के फैसले का विरोध करते हुए कहा कि उन्हें हिंदी भाषा से कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन इसे जबरन पढ़ाने का फैसला सही नहीं है। ठाकरे ने कहा कि हमें हिंदी से कोई परहेज नहीं है, लेकिन इसे स्कूलों में जबरन क्यों पढ़ाया जा रहा है? यह भाषा की बात नहीं, बल्कि जबरदस्ती की बात है। उन्होंने यह भी कहा कि महाराष्ट्र की मातृभाषा मराठी है और उसे नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हम हिंदी के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन इसे बच्चों पर क्यों थोपा जा रहा है?

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

युविचार

अगर आपको आज के हालतों से दुख हो तो उसे बदलने पर ध्यान दो न सोचो की कोई और बदलेगा ।

12 हजार तीर्थयात्रियों की मेजबानी करेगा तेलंगाना

शब्बीर अली व एपी मंत्री ने संयुक्त हज प्रबंधन की समीक्षा की

हैदराबाद , 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना और आंध्र प्रदेश की हज समितियों के अधिकारियों के बीच शनिवार को डॉ. बी.आर. अंबेडकर तेलंगाना सचिवालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में एक संयुक्त समन्वय बैठक आयोजित की गई, जिसमें हज-2025 तीर्थयात्रा के लिए किए जा रहे विस्तृत प्रबंधों की समीक्षा की गई। आंध्र प्रदेश सरकार के अनुरोध पर आयोजित इस बैठक की अध्यक्षता तेलंगाना सरकार के सलाहकार मोहम्मद अली शब्बीर ने की और इसमें आंध्र प्रदेश के कानून, न्याय और अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री एन. मोहम्मद फारूक ने भाग लिया, जिन्होंने आंध्र प्रदेश से आए प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। अपने उद्घाटन भाषण में शब्बीर अली ने कहा कि तेलंगाना हैदराबाद एम्बार्केशन पॉइंट से रवाना होने वाले सभी तीर्थयात्रियों, जिनमें आंध्र प्रदेश के तीर्थयात्री भी शामिल हैं, की अत्यंत सावधानी और गरिमा के साथ मेजबानी करेगा। उन्होंने बताया कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने यह सुनिश्चित करने के लिए स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि प्रत्येक तीर्थयात्री के साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार किया जाए और सेवाओं या सुविधाओं के बारे में कोई शिकायत नहीं मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा, "तेलंगाना हज समिति हज-2025 को सभी तीर्थयात्रियों के लिए एक सहज और आध्यात्मिक रूप से पूर्ण अनुभव बनाने के लिए पूरी तरह तैयार है।" मंत्री मोहम्मद फारूक ने तेलंगाना सरकार को उसके आतिथ्य के लिए धन्यवाद दिया और आंध्र प्रदेश प्रशासन से पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि इस वर्ष आंध्र प्रदेश के लगभग 1,200 तीर्थयात्री हैदराबाद से हज पर जाएंगे और सरकार तेलंगाना हज समिति के साथ मिलकर यह सुनिश्चित करेगी कि आंध्र प्रदेश के तीर्थयात्रियों की सभी आवश्यकताओं को पूरी तरह से पूरा किया जाए। उन्होंने कहा, "हम अपने तीर्थयात्रियों को दिए जा रहे समर्थन के लिए आभारी हैं और एकता और सेवा की भावना से मिलकर काम करने के लिए तत्पर हैं।" ब्रीफिंग के अनुसार, 17 राज्यों से कुल 12,000 तीर्थयात्रियों के हज के लिए रवाना होने की उम्मीद है। हैदराबाद एम्बार्केशन पॉइंट से, 29 अप्रैल से कुल 31 उड़ानें उड़ान भरने वाली हैं। इनमें से 7 उड़ानें मदीना जाएंगी, जबकि 24 जेद्दा में उतरेंगी। तेलंगाना हज समिति हैदराबाद में हज हाउस में बोर्डिंग, लॉजिंग, परिवहन, सामान की हैंडलिंग, भोजन, चिकित्सा सहायता और अन्य सेवाओं सहित सभी जमीनी व्यवस्थाओं को संभालेगी। अल्पसंख्यक कल्याण आयुक्त (तेलंगाना) यास्मीन बाशा ने प्रतिनिधियों का स्वागत किया और तेलंगाना हज समिति द्वारा नियोजित व्यवस्थाओं पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी। उन्होंने दोनों राज्यों के तीर्थयात्रियों के लिए प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने के लिए समन्वय, आवास और परिवहन में किए जा रहे सुधारों को रेखांकित किया। सरकार के सचिव (अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, एपी) चौ. श्रीधर ने अपने तीर्थयात्रियों का सहयोग करने में आंध्र प्रदेश के अधिकारियों से पूर्ण सहायता और सक्रिय भागीदारी का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि एपी की एक समर्पित टीम पूरे प्रस्थान चरण में तेलंगाना के अधिकारियों के साथ निकट समन्वय में रहेगी। बैठक में तेलंगाना हज समिति के अध्यक्ष सैयद गुलाम अफजल बियाबानी, आंध्र प्रदेश हज समिति के अध्यक्ष एसके हसन बाशा, एपी हज समिति के कार्यकारी अधिकारी एस मोहम्मद गौस पीर, तेलंगाना हज समिति के कार्यकारी अधिकारी सज्जाद अली, तेलंगाना वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष सैयद अजमतुल्ला हुसैनी, टीएमआरईआईएस के अध्यक्ष फहीम कुरैशी और राज्य ग्रांडालय संस्था के अध्यक्ष मोहम्मद रियाज सहित अन्य लोग उपस्थित थे। बैठक यह सुनिश्चित करने के लिए दोनों राज्यों की संयुक्त प्रतिबद्धता की पुष्टि के साथ संपन्न हुई कि हज-2025 दक्षता, गरिमा और निर्बाध समन्वय के साथ आयोजित किया जाए, जो तीर्थयात्रियों को सर्वोत्तम संभव तरीके से सेवा देने की साझा जिम्मेदारी को दर्शाता है।

1.5 लाख रुपये की ठगी के आरोप में गिरफ्तार

हैदराबाद, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद साइबर क्राइम पुलिस ने एक प्रतिष्ठित बहुराष्ट्रीय कंपनी में नौकरी दिलाने का वादा करके शहर की एक नौकरी इच्छुक महिला से 1.5 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने के आरोप में नई दिल्ली से मनीष (30) नामक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। वह दो मामलों में संलिप्त था, एक तेलंगाना में और दूसरा कर्नाटक में।

पुलिस ने बताया कि मनीष ने 27 वर्षीय महिला शिकायतकर्ता से अच्छे वेतन वाली नौकरी का वादा किया था। इस प्रस्ताव पर विश्वास करते हुए महिला ने रजिस्ट्रेशन, प्रोसेसिंग फीस, मेडिकल इंश्योरेंस और अन्य खर्चों के लिए कुल 1.5 लाख रुपये का भुगतान कर दिया। भुगतान के बाद, उन्होंने दावा किया कि भुगतान गेटवे अटक गया है और काम की प्रक्रिया को टालते रहे। महिला को एहसास हुआ कि यह एक साइबर धोखाधड़ी थी और उसने शिकायत दर्ज कराई।

टॉमकॉम ने प्रमुख जापानी एजेंसियों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

तेलंगाना के युवाओं के लिए वैश्विक रोजगार के अवसर बढ़ेंगे

टोक्यो/हैदराबाद, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के युवाओं के लिए वैश्विक रोजगार के अवसरों को बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण विकास में, तेलंगाना ओवरसीज मैनपावर कंपनी लिमिटेड (टॉमकॉम), तेलंगाना सरकार के श्रम, रोजगार, प्रशिक्षण और कारखानों विभाग के तहत एक राज्य संचालित संगठन है। जापान की अपनी चल रही आधिकारिक यात्रा के दौरान तेलंगाना के माननीय मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की उपस्थिति में दो प्रमुख कंपनियों- मेसर्स टर्न और मेसर्स राज ग्रुप के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस सहयोग का उद्देश्य जापान में कई उच्च मांग वाले क्षेत्रों में बढ़ती कार्यबल मांगों को पूरा करने के लिए तेलंगाना से कुशल पेशेवरों की भर्ती को सुविधाजनक बनाना है। टोक्यो के शिनागावा जिले में अपने क्षेत्रीय कार्यालय के साथ टर्न ग्रुप, जापान के भीतर सॉफ्टवेयर, इंजीनियरिंग और निर्दिष्ट कुशल कर्मचारी क्षेत्रों के लिए अंतरराष्ट्रीय भर्ती में विशेषज्ञता रखता है। जापान के प्रमुख नर्सिंग केयर नियोक्ता, सुकुई कॉर्पोरेशन लिमिटेड के साथ साझेदारी में राज ग्रुप, देखभाल करने वालों के प्रशिक्षण और भर्ती के लिए टॉमकॉम के साथ काम कर रहा है और नए एमओयू के साथ, गैर-स्वास्थ्य क्षेत्रों में सहयोग का विस्तार करेगा। दोनों जापानी नियोक्ताओं ने संयुक्त रूप से इन क्षेत्रों में अगले 1-2 वर्षों में लगभग 500 नौकरियों की आवश्यकता का संकेत दिया है। स्वास्थ्य सेवा- 200 पद "इंजीनियरिंग (ऑटोमोटिव, मैकेनिकल, कंप्यूटर विज्ञान/सूचना प्रौद्योगिकी)- 100 पद" आतिथ्य- 100 पद निर्माण (सिविल इंजीनियरिंग, भवन निर्माण कार्य, बुनियादी ढांचा विकास, उपकरण हैंडलिंग और रखरखाव सहित)- 100 पद शामिल हैं। यह पहल तेलंगाना के युवाओं के लिए अंतरराष्ट्रीय रोजगार के अवसरों में विविधता लाने के टॉमकॉम के व्यापक मिशन का हिस्सा है। यह वैश्विक कार्यबल गतिशीलता को बढ़ावा देने और युवा पेशेवरों को पुरस्कृत अंतरराष्ट्रीय कैरियर के अवसरों के साथ सशक्त बनाने की तेलंगाना सरकार की प्राथमिकताओं के साथ निकटता से जुड़ा हुआ है। इन समझौतों से दीर्घकालिक सहयोग का मार्ग प्रशस्त होने की उम्मीद है, जिससे तेलंगाना के कुशल श्रमिकों और पेशेवरों को जापान के उभरते श्रम बाजार में भाग लेने और योगदान करने के लिए एक मजबूत मंच मिलेगा। यह विकास वैश्विक प्रतिभा के एक भरोसेमंद और उच्च गुणवत्ता वाले स्रोत के रूप में तेलंगाना की प्रतिष्ठा को और बढ़ाता है।

22 अप्रैल को घोषित किए जाएंगे तेलंगाना इंटरमीडिएट परीक्षा परिणाम

हैदराबाद, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना इंटरमीडिएट पब्लिक एग्जामिनेशन (आईपीई) 2025 के परिणाम 22 अप्रैल को घोषित किए जाएंगे। उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क दोपहर 12 बजे के आसपास नतीजों की घोषणा करेंगे। इसके लिए इंटरमीडिएट शिक्षा बोर्ड आवश्यक व्यवस्थाएं कर रहा है। घोषणा के बाद, छात्र और अभिभावक बोर्ड की वेबसाइट https://tgbie.cgg.gov.in पर परिणाम देख सकते हैं। राज्य भर में 5 से 25 मार्च तक 1,532 केंद्रों पर आयोजित इंटरमीडिएट परीक्षाओं के लिए कुल 9,96,971 छात्रों ने पंजीकरण कराया था, जिनमें प्रथम वर्ष के 4,88,448 और द्वितीय वर्ष के 5,08,253 छात्र शामिल थे।

नवविवाहितों को 10 ग्राम सोना देने का कांग्रेस का वादा निकट भविष्य में संभव नहीं : सीपीआई विधायक

कोत्तागुडेम, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। क्या राज्य की कांग्रेस सरकार द्वारा कल्याण लक्ष्मी/शादी मुबारक योजना के तहत 10 ग्राम सोना देने का वादा पूरा करने की संभावना नहीं है? कांग्रेस की सहयोगी पार्टी सीपीआई के कोत्तागुडेम विधायक कुनामनेनी संबासिवा राव का ऐसा कहना है। गौरतलब है कि विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में गरीब परिवारों की नवविवाहित दुल्हनों को 1,00,116 रुपये के अलावा एक तोला सोना देने का वादा किया था। हालांकि, संबाशिव राव को लगता है कि कांग्रेस सरकार के लिए निकट भविष्य में एक तोला सोना देना संभव नहीं होगा। उन्होंने शुक्रवार को कल्याण लक्ष्मी और शादी मुबारक चेक बांटने के बाद यह टिप्पणी की। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार कर्मचारियों को समय

पर वेतन नहीं दे पा रही है, जो राज्य के खजाने की खराब स्थिति को दर्शाता है।

गौरतलब है कि जिन गरीब परिवारों ने अपनी लड़कियों की शादी करवाई है, वे कल्याण लक्ष्मी और शादी मुबारक योजनाओं के लिए धन जारी होने में देरी के कारण पहले से ही मुश्किलों का सामना कर रहे हैं। कई परिवारों को निजी फाइनेंसरों से पैसे उधार लेने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। रेवंत रेड्डी सरकार पहले ही धान, कपास, मक्का और लाल चना सहित 10 विभिन्न फसलों के लिए वादा किए गए 500 रुपये के बोनस को देने में विफल रही है। एससी, एसटी, बीसी और अल्पसंख्यक समुदायों के छात्रों के लिए वादा किया गया शुल्क प्रतिपूर्ति अभी तक नहीं किया गया है, इसके अलावा पुराने बकाए का भुगतान भी नहीं किया गया है। यही बात 2 लाख रुपये के फसल ऋण माफी के वादे के साथ भी थी, क्योंकि राज्य भर में कई किसान अभी भी अपने ऋण माफ होने का इंतजार कर रहे हैं, साथ ही वे ऋतु बंधु के तहत वित्तीय सहायता के निलंबन के बोझ से भी दबे हुए हैं।

महा लक्ष्मी योजना के तहत महिलाओं को 2,500 रुपये मासिक सहायता देने का वादा अभी तक पूरा नहीं हुआ है।

ज्वार की खरीद पर सीमा लगाने से आदिलाबाद के किसान नाराज

आदिलाबाद, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार द्वारा ज्वार की खरीद पर निर्धारित सीमा से जिले के किसान नाराज हैं। अधिकारियों ने बताया कि इस साल जिले में 79,000 एकड़ में ज्वार की फसल उगाई गई है। उन्हें उम्मीद है कि जिले में करीब 2.5 लाख क्विंटल ज्वार की पैदावार होगी। सरकार ने किसानों की सुविधा के लिए आदिलाबाद, जैनथ, इकोडा, बोथ, इंदरवेल्ली, नेराडिगोंडा, सिरिकोंडा और उटनूर मंडलों में खरीद केंद्र खोले हैं।

हालांकि, सरकार ने हाल ही में किसानों से ज्वार की खरीद की सीमा तय कर दी है। सरकार 3,371 रुपये प्रति क्विंटल का न्यूनतम समर्थन मूल्य देकर प्रत्येक किसान से केवल 8.65 क्विंटल ज्वार खरीद रही है। बड़े पैमाने पर ज्वार उगाने वाले किसान इस मानक को लेकर चिंतित हैं।

किसानों ने मजदूरों की कमी, सिंचाई सुविधा की कमी और प्रतिकूल जलवायु परिस्थितियों का सामना करते हुए फसल उगाई। उन्हें प्रति एकड़ 18 क्विंटल उपज मिल रही है। जिन किसानों ने 8.65 क्विंटल से अधिक उपज दर्ज की है, उन्हें अनाज बेचने में संघर्ष करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि खरीद पर सीमा के कारण उन्हें असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। बोथ के एक किसान शारथा नवीन ने कहा कि अनाज की खरीद पर सीमा लगाना अनुचित है, जिससे किसानों को परेशानी हो रही है। उन्होंने बताया कि हमें रात भर जागकर खरीद केंद्रों पर भेजी गई बची हुई उपज की रखवाली करनी पड़ती है। हमारे पास निजी व्यापारियों को अनाज बेचने के अलावा कोई विकल्प नहीं है, जिससे हमें नुकसान होता है।

किसानों ने सरकार से अनुरोध किया कि बिना सीमा के अनाज खरीदा जाए और फसल उगाने में उन्हें लाभ दर्ज करने में मदद की जाए। उन्होंने अधिकारियों से आग्रह किया कि वे जल्द से जल्द सभी केंद्रों पर खरीद शुरू करने के लिए कदम उठाएं। उन्हें इस बात का अफसोस है कि वे एक सप्ताह से प्रक्रिया शुरू होने का इंतजार कर रहे हैं।

तेलंगाना के तीन छात्र जेईई मेन में शीर्ष पर

हैदराबाद, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के छात्रों ने एक बार फिर संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) मेन 2025 में अपना परचम लहराया है, जिसमें तीन छात्रों ने पूरे 100 पर्सेंटाइल हासिल किए हैं। राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) द्वारा शुक्रवार रात घोषित परिणामों में राज्य के वांगला अजय रेड्डी, बानी ब्रता माजी और हर्ष ए गुप्ता ने 100 पर्सेंटाइल अंक हासिल किए हैं।

अजय रेड्डी ने कहा कि वह जेईई एडवांस्ड को क्रैक करने के लिए कमर कस रहे हैं। उन्होंने कहा कि पहले सत्र में मैंने 99.996 पर्सेंटाइल स्कोर किया। मैं अब टॉपर्स में से एक बनकर बहुत खुश हूं। वर्तमान में मैं जेईई एडवांस्ड की तैयारी कर रहा हूं और मैं आईआईटी-बॉम्बे में सीएसई करना चाहता हूं। अपनी तैयारी की रणनीति के बारे में अजय रेड्डी ने बताया कि वह प्रतिदिन लगभग 10 घंटे अध्ययन करते थे और श्री चैतन्य जूनियर कॉलेज में आयोजित साप्ताहिक और मासिक परीक्षा देते थे।

अजय रेड्डी ने कहा कि साप्ताहिक और मासिक टेस्ट ने मुझे परीक्षा की बेहतर तैयारी करने में मदद की। शिक्षकों ने मेरी तैयारी में वाकई मदद की है। उन्होंने आगे बताया कि उनके भाई, जो आईआईटी-खड़गपुर में छात्र हैं, ने परीक्षा पास करने के लिए टिप्स दिए। सबसे कठिन परीक्षाओं में से एक को पास करने पर ध्यान केंद्रित करते हुए अजय रेड्डी सोशल मीडिया से दूर रहे। उन्होंने कहा कि हालांकि मैं सोशल मीडिया पर हूं, लेकिन मैंने इसका इस्तेमाल केवल तभी किया जब मैं साल में तीन बार छुट्टियों के लिए घर गया था। मेरा ध्यान केवल जेईई मेन को पास करने पर है।

नारायण जूनियर कॉलेज के छात्र बानी ब्रता माजी ने उनसे उनकी सफलता के मंत्र के बारे में पूछा तो उन्होंने बताया कि उन्होंने तैयारी के लिए लगभग 12-14 घंटे समर्पित किए। उन्होंने कहा कि रसायन विज्ञान थोड़ा कठिन लगता था, लेकिन मैंने इसे चुनौती के रूप में लिया और तैयारी की। मेरे कॉलेज के शिक्षक हमेशा प्रोत्साहित करते हैं और हमेशा मेरी गलतियों को सुधारते हैं। मैंने भी अपनी गलतियों को पहचाना और समय-समय पर उन्हें सुधारा।

तनाव और दबाव से राहत पाने के लिए माजी ने शतरंज, टेबल टेनिस और बैडमिंटन खेलना शुरू कर दिया। उन्होंने कहा कि मैं जेईई एडवांस्ड की परीक्षा दूंगा और आईआईटी से कंप्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग प्रोग्राम करूंगा। कुल मिलाकर, देश भर से 24 छात्रों ने जेईई मेन पेपर-1 (बीई/बीटेक) में 100 पर्सेंटाइल हासिल किए।

दुबई में मारे गए तेलंगाना श्रमिकों के शव पहुंचे हैदराबाद

हैदराबाद, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के दो व्यक्तियों के पार्थिव शरीर शनिवार को उनके घर पहुंच गए, जिनकी पिछले सप्ताह दुबई में कथित तौर पर उनके पाकिस्तानी सहकर्मी ने हत्या कर दी थी। शवों को शुक्रवार रात एयर इंडिया द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार हैदराबाद ले जाया जाना था, लेकिन शनिवार की सुबह एमिरेट्स की दूसरी उड़ान से उन्हें हैदराबाद ले जाया गया और उसी दिन वे हैदराबाद पहुंच गए। शवों को हैदराबाद में राज्य के अधिकारियों की मौजूदगी में उनके रिश्तेदारों ने प्राप्त किया। उनके रिश्तेदारों के अनुसार निर्मल जिले के सोन गांव के अष्टपु प्रेमसागर (35) और जगतियाल जिले के धर्मपुरी मंडल के मूल निवासी स्वर्गम श्रीनिवास (40) की पिछले सप्ताह दुबई में उनके कार्यस्थल, एक बेकरी में कथित तौर पर उनके पाकिस्तानी सहकर्मी ने हत्या कर दी थी।

वन विनाश पर केंद्र की चुप्पी पर उठे सवाल

हैदराबाद, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस सरकार द्वारा हैदराबाद विश्वविद्यालय में 100 एकड़ वन भूमि को नष्ट करने पर देशव्यापी आक्रोश के बावजूद, केंद्र सरकार स्पष्ट रूप से चुप रही है, जिसकी कानूनी विशेषज्ञों, पर्यावरणविदों और नागरिक समाज ने तीखी आलोचना की है। तीन दिनों में, रेवंत रेड्डी सरकार ने कथित तौर पर चौबीसों घंटे यूओएच से सटे 100 एकड़ के हरित क्षेत्र को नष्ट करने के लिए लगभग 400 बुलडोजर तैनात किए, जिससे वन, वन्यजीव और वित्तीय उल्लंघन के आरोप लगे। पुलिस ने छात्रों पर लाठीचार्ज किया और कई दिनों तक परिसर की घेराबंदी की, जबकि सरकार ने कथित तौर पर उचित प्रक्रिया का उल्लंघन करते हुए भूमि हस्तांतरण को आगे बढ़ाया।

सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस सरकार के विध्वंस अभियान का स्वतः संज्ञान लिया और सभी अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने के आदेश जारी किए। सर्वोच्च न्यायालय ने क्षतिग्रस्त वन भूमि को बहाल करने का निर्देश दिया है और चेतावनी दी है कि यदि उसके आदेशों का पालन नहीं किया गया तो राज्य के अधिकारियों को जेल की सजा हो सकती है। केंद्रीय अधिकार प्राप्त समिति (सीईसी) ने सर्वोच्च न्यायालय को सौंपी गई अपनी 69 पन्नों की रिपोर्ट में अवैध भूमि हस्तांतरण, पर्यावरण उल्लंघन और वाणिज्यिक शोषण को भी चिन्हित किया है।

ईडी, सीबीआई, आईटी और पर्यावरण एवं वन मंत्रालय जैसी केंद्रीय एजेंसियों ने कोई तत्परता नहीं दिखाई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद रेवंत रेड्डी सरकार के कार्यों की आलोचना की है, लेकिन शिक्षा मंत्रालय, पर्यावरण एवं वन मंत्रालय या प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। पर्यावरण एवं वन मंत्रालय ने तथ्यात्मक रिपोर्ट मांगी है, लेकिन उसके बाद क्या हुआ, यह कोई नहीं जानता।

केंद्र की पिछली तत्परता की तुलना में यह चुप्पी बहुत ज़्यादा है- छोटे-मोटे रेत घोटालों के लिए टीमें भेजना या सूरत में 10 लाख रुपये के आभूषण निर्यात की जांच करना। यहां तक कि बेंगलुरू में 50 करोड़ रुपये के वुल्फ-डॉग के वायरल वीडियो के कारण ईडी की जांच हुई।

बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि

जगतियाल, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार शाम को जगतियाल जिले में कई जगहों पर बेमौसम बारिश के साथ ओलावृष्टि और आंधी आई। मेटपल्ली शहर के अलावा इब्राहिमपट्टनम, मल्लापुर, कोरुतला, मेटपल्ली और अन्य मंडलों में भी बारिश हुई। तेज हवाओं के कारण कटाई के लिए तैयार धान के साथ-साथ तिल की फसल को भी भारी नुकसान पहुंचा है। आम जमीन पर गिर गए हैं, जबकि मेटपल्ली बाजार में रखी हल्दी बारिश के पानी में भीग गई है। इब्राहिमपटनम मंडल के वड्डेरा कॉलोनी में एक मकान ढह गया।

सड़क दुर्घटना में दो की मौत, तीन घायल

जोगुलम्बा गदवाल, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग 44 पर इटिक्याला मंडल के होटल प्रियदर्शी में शनिवार तड़के हुए हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। मृतकों की पहचान हैदराबाद के मूल निवासी पुल्ला रेड्डी और लक्ष्मी सुब्बम्मा के रूप में हुई है। हैदराबाद के मूल निवासी धर्म रेड्डी अपने परिवार के सदस्यों के साथ एक समारोह में भाग लेने के लिए नांदयाल की ओर जा रहे थे। लेकिन, होटल प्रियदर्शी के पास, जिस कार में वे यात्रा कर रहे थे, उसका नियंत्रण खो गया और वह सड़क किनारे गिर गई, ऐसा रिपोर्ट में बताया गया है। पुल्ला रेड्डी और लक्ष्मी सुब्बम्मा की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए कुरनूल के सरकारी जनरल अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

खराब स्वास्थ्य से परेशान युवक ने की आत्महत्या

हैदराबाद, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। अपनी शादी में एक सप्ताह से भी कम समय बचा था, लेकिन कथित तौर पर अपनी खराब सेहत से परेशान एक युवक ने शुक्रवार को कुकटपल्ली के मूसापेट में अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मूसापेट के हबीबनगर निवासी मोहम्मद छोटू (25) एक स्थानीय बेकरी में काम करता था और अपनी मां और भाइयों के साथ रहता था। पुलिस के अनुसार, छोटू की चार महीने पहले कोडंगल के पास रावुलापल्ली की एक महिला से सगाई हुई थी और उसकी शादी 25 अप्रैल को होने वाली थी लेकिन पिछले तीन महीनों से उन्हें पीठ, कंधे और जोड़ों में बहुत ज़्यादा दर्द हो रहा था। उनका इलाज चल रहा था, लेकिन उनकी सेहत में कोई सुधार नहीं हुआ।

वे काम पर भी नहीं जा रहे थे और घर पर ही रहते थे। अपनी स्वास्थ्य स्थिति से परेशान होकर उन्होंने अपने घर में पंखे से लटककर आत्महत्या कर ली। उनके परिवार के सदस्यों ने उन्हें मृत पाया और पुलिस को सूचना दी। कुकटपल्ली पुलिस जांच कर रही है।

धोखा देने के आरोप में अघोरी के खिलाफ शिकायत

हैदराबाद, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। अघोरी उर्फ श्रीनिवास उर्फ शिव विष्णु ब्रह्मा अल्लूरी के खिलाफ एक ट्रांसजेंडर व्यक्ति ने शिकायत दर्ज कराई है कि वह शमीरपेट में अघोरी बनकर लोगों को ठग रहा है। शिकायतकर्ता केशवराम निवासी जोगिनी संध्या ने कहा कि अघोरी 'सनातन धर्म' के नाम पर लोगों से लाखों रुपये एकत्र कर रहा है और समस्त 'जोगिनियों' तथा ट्रांसजेंडर समुदाय को बदनाम कर रहा है। शिकायतकर्ता ने पुलिस से मामला दर्ज कर अघोरी को गिरफ्तार करने का अनुरोध किया। इस बीच, शमीरपेट पुलिस ने कहा कि मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

CLASSIFIEDS

HOUSE FOR SALE

A.S.Rao Nagar-ECIL, 294 Sq.Yds, E/F, Ind.House GHMC & SURARAM 72 Sq.Yds, West& South, 2 Sides Road Corner Commercial Plot & KUKATPALLY, Allwyn Colony, 82 Sq.Yds, G+3 Getting Rent 62000/- W/F, 9 Months Building Ph. 9044697989.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

सड़क किनारे खड़े डंपर से टकराई कार, चार की मौत

फतेहपुर, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। फतेहपुर जिले में कानपुर-प्रयागराज हाईवे पर खागा कोतवाली क्षेत्र के सुजानीपुर चौराहे के पास शनिवार भोर पहर एक तेज रफ्तार कार सड़क किनारे खड़े डंपर में पीछे जा टकराई। हादसे में कार सवार चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि महिला समेत दो लोग घायल हो गए। हादसे की आवाज सुनकर स्थानीय लोग पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। एम्बुलेंस से सभी को सीएचसी हरदो लाया गया। यहां चार कार सवारों को मृत घोषित कर दिया गया और दो को जिला अस्पताल भेजा गया। हादसे में मरने वाले दंपती अपने बेटे की अस्थियों को प्रयागराज विसर्जित करने के लिए झांसी से रात 10 बजे निकले थे। झांसी जनपद व शहर के दीनदयाल नगर निवासी रामकुमार शर्मा (55), इनकी पत्नी कमलेश भार्गव (50), रिश्तेदार गुरूसरायं झांसी निवासी शुभम (35), पराग चौबे

सास और दामाद की लव स्टोरी: 'फोन तोड़ दूंगी', इस सवाल पर भड़की सपना बोली- मैं आपके आगे हाथ जोड़ती हूं, प्लीज

अलीगढ़, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले में सास और होने वाले दामाद की लव स्टोरी में नया अपडेट आया है। महिला अब होने वाले दामाद राहुल के साथ ही रहेगी। परिवार परामर्श केंद्र में हुई काउंसिलिंग के बाद वह राहुल संग जाने की जिद पर अड़ी रही। तमाम प्रयास के बाद शुक्रवार शाम उसे होने वाले दामाद राहुल और उसके परिजनों के साथ भेज दिया गया। जाते समय सास सपना मीडिया पर भड़क गई। सपना के भड़ने के एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। एक पत्रकार ने महिला से सवाल पूछना चाहा तो उसने उसका मोबाइल तोड़ने की धमकी दे डाली। पत्रकार ने पूछा- कि 'आप होने वाले दामाद राहुल से शादी करेंगी?' इस पर महिला ने पत्रकार की ओर उंगली दिखाते हुए कहा कि 'आप मुझसे सवाल मत पूछो, नहीं तो मोबाइल तोड़ दूंगी। मैं इस बारे में कुछ नहीं

कहना चाहती हूं। पत्रकार ने दोबारा सवाल पूछा तो उसने कहा कि मैं आपके आगे हाथ जोड़ती हूं। आप से रिक्वेस्ट करती हूं आप वीडियो न बनाएं। आप चले जाइए प्लीज। इसके बाद उसने ड्राइवर से गाड़ी को आगे बढ़ाने के लिए कहा।

वहीं, होने वाले दामाद से जब पूछा कि आप कहां से आ रहे हैं और कहां जा रहे हैं तो वह बोला मडराक थाने से छूटे हैं और कहीं पर रूकेंगे। जब पूछा कि आप महिला को सास के रूप में ले जा रहे हो या पत्नी के रूप में तो उसने कहा कि पत्नी के रूप में ले जा रहा हूं। जब पूछा गया कि तुम्हारे पिता ने कहा है कि वह आपको घर में नहीं रखेंगे, बेदलख करेंगे, तो आप इस पर क्या कहेंगे, वह बोला इस पर अभी मैं कुछ नहीं बोलूंगा। उनसे पूछा कि आप इन्हें पत्नी के रूप में कैसे लेकर जा सकते हो क्या शादी या कोर्ट मैरिज हो गई है तो वह बोला सब फाइनल हो गया है। बाद में मीडिया वालों से बोला बस बहुत हो गया अब सब हटाओ। आपको बता दें कि दो दिन तक महिला की काउंसिलिंग की गई। उसके साथ होने वाले दामाद की भी काउंसिलिंग की गई। परिवार परामर्श केंद्र पर शुक्रवार को दिन भर दोनों को समझाया गया। मगर महिला एक ही जिद पर रही। वह पति संग जाने को राजी नहीं थी। इसी आधार पर उसे राहुल व उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। काउंसिलिंग से पहले महिला को वन स्टॉप सेंटर में रखा गया। यहां भी महिला से स्टाफ ने बातचीत की। महिला को बच्चों के विषय में बात करते हुए कहा कि कम से कम उनका तो कुछ सोचो, मगर महिला ने साफ कह दिया कि उसने जो झेला है। उसके आगे अब उसे कुछ समझ नहीं आ रहा। राहुल ने सहारा दिया है, उसी के साथ जाएगी।

यूपी में 20 अप्रैल तक यलो अलर्ट जारी, कुछ जिलों में ऑरेंज अलर्ट

लखनऊ, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में मौसम का मिजाज अचानक बदल गया है। कई जिलों में आंधी, बारिश और ओलावृष्टि से फसलों और जन-धन का नुकसान हुआ है। इस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि प्रभावित लोगों को राहत पहुंचाने में कोई देरी न हो। जिन जिलों में जनहानि या पशुहानि हुई है, वहां तुरंत आर्थिक सहायता दी जाए और घायलों का समुचित इलाज कराया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा है कि इस समय प्रदेश में सरकारी गेहूं खरीद भी चल रही है, ऐसे में मंडियों और खरीद केंद्रों पर गेहूं का सुरक्षित भंडारण सुनिश्चित किया जाए। फसलों को हुए नुकसान का त्वरित सर्वे कर रिपोर्ट शासन को भेजी जाए, ताकि आगे की कार्रवाई की जा सके।

मौसम विभाग ने उत्तर प्रदेश के अधिकतर हिस्सों में 20 अप्रैल तक यलो अलर्ट जारी किया है। कुछ जिलों में ऑरेंज अलर्ट भी जारी किया गया है, जहां तेज हवाओं के साथ ओले गिरने और बिजली गिरने की संभावना जताई गई है। जबकि लखनऊ में यह 36 डिग्री रहा। पश्चिमी विक्षोभ और उत्तर-पूर्वी हवाओं के असर से अगले 72 घंटे तक मौसम में बदलाव की संभावना बनी हुई है। वातावरण में नमी अधिक होने के कारण आंधी और बारिश की घटनाएं हो रही हैं। सहारनपुर से लेकर बलिया तक पश्चिमी विक्षोभ का असर दिख रहा है।

मदीना मस्जिद पर नहीं चलेगा बुलडोजर

इलाहाबाद हाई कोर्ट ने गिराए जाने पर लगाई रोक

प्रयागराज, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले में बनी एक मस्जिद में बुलडोजर कार्रवाई पर रोक लगा दी। फतेहपुर जिले की मदीना मस्जिद के ध्वस्तीकरण पर हाई कोर्ट ने 23 मई को अगली सुनवाई तक रोक लगा दी है।

कोर्ट ने दो हफ्ते के भीतर जवाब देने का निर्देश दिया

हाई कोर्ट के जज मनीष कुमार निगम ने राज्य सरकार को वक्फ सुन्नी मदीना मस्जिद समिति द्वारा दायर याचिका पर दो हफ्ते के भीतर जवाब देने का निर्देश दिया है। साथ ही मस्जिद के ध्वस्तीकरण के आदेश को चुनौती दी गई है।

हैदर अली ने हाई कोर्ट में दायर की थी याचिका

वक्फ सुन्नी मदीना मस्जिद समिति के अध्यक्ष हैदर अली द्वारा जिला राजस्व अधिकारियों द्वारा मस्जिद को गिराए जाने के आदेश के खिलाफ हाई कोर्ट में रिट याचिका दायर की थी। इसी याचिका पर सुनवाई करते हुए जज मनीष कुमार निगम ने गुरुवार को राज्य सरकार को दो हफ्ते में अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है।

सबूत दाखिल करने का नहीं दिया गया मौका

याचिकाकर्ता ने कोर्ट को तर्क दिया कि मस्जिद को गिराने का आदेश 22 अगस्त, 2024 को केवल इस आधार पर पारित किया गया था कि उसने ग्राम सभा की जमीन पर अतिक्रमण किया था। याचिकाकर्ता ने आगे कहा कि पूरी कार्यवाही 26 दिनों की अवधि के भीतर पूरी कर ली गई। उसे अपने मामले के समर्थन में सबूत दाखिल करने का कोई मौका नहीं दिया गया।

कुछ सालों से विवादों के केंद्र में है ये मस्जिद

बता दें कि फतेहपुर की मदीना मस्जिद फतेहपुर जिले के मलवां थाना क्षेत्र में कोटिया रोड पर स्थित है। कुछ सालों से ये मस्जिद विवादों के केंद्र में है। यह मस्जिद सुन्नी वक्फ बोर्ड द्वारा 1976 में आवंटित तीन बिस्वा जमीन पर बनाई गई थी। इसका उपयोग सालों से नियमित नमाज के लिए किया जाता रहा है। हालांकि, इस मस्जिद को लेकर कानूनी और प्रशासनिक विवाद चल रहे हैं।

दहेज के लिए पत्नी को उतारा मौत के घाट

नवादा, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। नवादा के एरुरी गांव में 24 वर्षीय विवाहिता पूजा कुमारी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया था। मृतका के पिता प्रकाश यादव ने महिला की दहेज के लिए हत्या करने का आरोप लगाया है। मृतका के पिता बेटी के पति शैलेन्द्र यादव समेत ससुराल वालों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। यह घटना पकरीबरावां थाना क्षेत्र की है। मृतका के पिता का आरोप है कि ससुराल पक्ष ने पूजा की मौत की सूचना तो दी, लेकिन जब तक मायके पक्ष मौके पर पहुंचता, शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया था। इससे हत्या को छुपाने की मंशा भी जताई जा रही है। मृतका के पिता प्रकाश यादव कौआकोल थाना क्षेत्र के गुआ गोगरा गांव के निवासी हैं।

मृतक आश्रित कोटे में सहायक अध्यापक पद पर नहीं हो सकेगी नियुक्ति, एचसी ने रद्द किया शासनादेश

प्रयागराज, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। इलाहाबाद उच्च न्यायालय (हाईकोर्ट) ने सहायक अध्यापक के पद पर अनुकंपा नियुक्ति मामले में बड़ा फैसला लेते हुए प्रदेश सरकार के शासनादेशों को रद्द कर दिया है। हाईकोर्ट ने मृतक आश्रित सेवा नियमावली के तहत आश्रित को सहायक अध्यापक पद पर नियुक्ति को अनुच्छेद 14, 16 व 21 ए के खिलाफ होने के कारण असंवैधानिक करार दिया है। हाईकोर्ट ने मृतक आश्रित को सहायक अध्यापक नियुक्त करने की अनुमति देने वाले 4 सितंबर 2000 और 15 फरवरी 2013 के शासनादेशों को रद्द कर दिया है और सरकार को इन पर अमल न करने का निर्देश दिया है। हालांकि याचिका में शासनादेशों की वैधता को चुनौती नहीं दी गई थी इसलिए कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेते हुए मामले की सुनवाई कर उसको रद्द कर दिया है।

इसी के साथ कोर्ट ने याची के आश्रित कोटे में नियमानुसार सहायक अध्यापक के अतिरिक्त अन्य किसी पद पर नियुक्ति पर तीन माह में विचार कर निर्णय लेने का निर्देश दिया है। यह फैसला न्यायमूर्ति अजय भनोट की सिंगल बेंच ने शैलेंद्र कुमार और पांच अन्य की समान याचिकाओं को निस्तारित करते हुए दिया है। कोर्ट ने कहा कि लोक पद खुली प्रतियोगिता से भरे जाने चाहिए। लोक पदों पर नियुक्ति में सभी को समान अवसर देने का संवैधानिक उपबंध है। ऐसे पदों को आश्रित कोटे से भरना कानून का दुरूपयोग करना है। यह बैंक डोर इंट्री है, जो लोक पदों पर नियुक्ति में समानता के खिलाफ है। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने कहा कि सहायक अध्यापक पद पर नियुक्ति सामाजिक स्टेटस का विषय है, जबकि आश्रित कोटे में नियुक्ति परिवार में अचानक आई आर्थिक विपदा से राहत देना है। याचीगण ने आश्रित कोटे में सहायक अध्यापक पद पर नियुक्ति की मांग की थी। कोर्ट ने इस मांग और शासनादेश को अनिवार्य शिक्षा कानून 2009 की धारा 3 व मृतक आश्रित सेवा नियमावली 1999के नियम 5 के खिलाफ करार दिया है। कोर्ट ने आदेश की प्रति प्रमुख सचिव बेसिक शिक्षा उत्तर प्रदेश को अनुपालन के लिए भेजने का आदेश दिया है।

प्रेमी संग रहने के लिए पति से बेवफाई मां ने चूहा मार दवा देकर की हत्या

बरेली, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या करने वाली महिला और उसके प्रेमी को लिए जेल भेज दिया गया। दोनों के विरुद्ध मृतक के भाई ने थाना फतेहगंज पश्चिमी में हत्या के आरोप में प्राथमिकी लिखाई थी। पुलिस ने जब दोनों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की तो मृतक की पत्नी ने स्वीकार लिया कि उसने अपने पति को चाय में मिलाकर जहर दिया था। उसकी इस साजिश में उसका प्रेमी भी शामिल है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी जहर की आशंका के चलते विसरा सुरक्षित किया गया, साथ ही दम घुटने की वजह से मृत्यु की बात कही गई। ऐसे में अभी कुछ सवाल बाकी हैं जिनका जवाब पुलिस तलाश रही है। अलीगंज के गांव खैलम बिहार जागीर निवासी 35 वर्षीय केहर पाल नगर पंचायत फतेहगंज पश्चिमी में आउटसोर्सिंग सफाई कर्मी के रूप में कार्य करता थे। पत्नी और बच्चों के साथ में वह फतेहगंज पश्चिमी कस्बा में किराए के मकान में रहते थे। पुलिस के मुताबिक, केहर पाल की पत्नी रेखा एक मेडिकल कॉलेज की मेस में खाना बनाने का काम करती थी। उसी मैस में बिजनौर निवासी युवक पिंटू भी काम करता है। रेखा और पिंटू के बीच वहीं पर प्रेम प्रसंग हुआ तो यह बात रेखा के पति को पता चली। जिससे दोनों में झगड़ा होने लगा। पति ने रेखा की मैस से नौकरी छुड़वाकर एक डॉक्टर के यहां खाना बनाने का काम दिला दिया। इसके बाद भी दोनों का प्रेम प्रसंग जारी रहा। बीते रविवार को केहर पाल की मौत हो गई।

मगध विवि के पूर्व कुलपति पर ईडी ने कसा शिकंजा

राजेंद्र प्रसाद सहित इन लोगों के खिलाफ दायर की चार्जशीट

पटना, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भ्रष्टाचार और आय से अधिक संपत्ति मामले में मगध विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद और उनके परिवार के खिलाफ आरोप-पत्र दाखिल कर दिया है। इसमें पूर्व कुलपति के साथ उनके बेटे डॉ। अशोक कुमार, भाई अवधेश प्रसाद और प्यारी देवी स्मारक कल्याण ट्रस्ट के खिलाफ अभियोजन पक्ष ने शिकायत दर्ज की है।

15 अप्रैल को दाखिल किया गया आरोप पत्र

ईडी ने बयान जारी कर बताया कि 15 अप्रैल को पटना में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की विशेष अदालत के समक्ष आरोप पत्र दाखिल किया गया और अदालत ने उसी दिन संज्ञान लिया। प्रवर्तन

निदेशालय (ईडी) ने यह कार्रवाई बिहार पुलिस की विशेष निगरानी इकाई द्वारा पूर्व कुलपति एवं अन्य पर दर्ज प्राथमिकी की जांच के आधार पर की है।

आय से अधिक संपत्ति का मामला

पूर्व कुलपति पर आरोप है कि सितंबर 2019 से नवंबर 2021 के बीच मगध विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में काम करते हुए उन्होंने 2.66 करोड़ की आय से अधिक संपत्ति अर्जित की। इस मामले में विशेष निगरानी इकाई ने प्राथमिकी दर्ज करने के बाद राजेंद्र प्रसाद के गया और गोरखपुर स्थित ठिकानों पर छापा भी मारा था।

64.53 लाख रुपये की संपत्ति कुर्क

जांच एजेंसी ने 64.53 लाख रुपये की संपत्ति कुर्क भी की थी। ईडी ने इस मामले की जांच में पाया कि डॉ। राजेंद्र प्रसाद ने इन पैसों का इस्तेमाल अपने बेटे अशोक कुमार के नाम पर संपत्ति हासिल करने में किया। आरपी कॉलेज के नाम पर अर्जित संपत्तियों को प्यारी देवी मेमोरियल वेलफेयर ट्रस्ट को पट्टे पर हस्तांतरित किया गया था, जिसका स्वामित्व उनके परिवार के पास है। इसमें दावा किया गया है कि ट्रस्ट के बैंक खाते में कुछ नकदी जमा की गई थी, ताकि इसे आय के रूप में दिखाया जा सके। जांच टीम का मानना है कि पूर्व कुलपति ने अपने परिवार के सदस्यों को शामिल करते हुए एक सुनियोजित साजिश रची, ताकि अपराध की आय से अर्जित संपत्तियों को बेदाग संपत्ति के रूप में पेश किया जा सके।

पत्नी की प्रताड़ना से परेशान युवक ने की आत्महत्या

मोदीनगर, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। गाजियाबाद के मोदीनगर इलाके में रहने वाले एक पति ने जहर खा कर जान दे दी। बताया जा रहा है कि ये व्यक्ति अपनी पत्नी की प्रताड़ना से तंग आ गया था। पहले वाट्सएप पर परिचितों को आत्महत्या का कारण पत्नी की प्रताड़ना बताया। गाजियाबाद के मोदीनगर की कृष्णापुरी के जयप्रकाश त्यागी के बेटे मोहित त्यागी एक निजी कंपनी में नौकरी करते थे। उनकी शादी संभल जिले की एक युवती से 2020 में हुई थी। शादी के अगले साल ही उन्हें बेटा हुआ। कुछ दिन बाद ही घर में कलह शुरू हो गई। आरोप है कि पत्नी उन्हें प्रताड़ित करने लगी। किसी ना किसी बात को लेकर मोहित से गाली गलौज करने लगी। अभद्रता करने का भी आरोप है। विरोध पर झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देती। घर बना रहे इसलिए मोहित सब सहन करते रहे। लेकिन प्रताड़ना कम नहीं हुई। छह महीने पहले पत्नी घर से जेवर लेकर मायके चली गई। इसको लेकर मोदीनगर थाने में शिकायत की गई, लेकिन सुनवाई नहीं हुई। तभी से मोहित परेशान चल रहा था। अब 15 अप्रैल को मोहित के परिजनों पर संभल पुलिस की कॉल आई और थाने बुलाया गया। शिकायत पत्नी की ओर से दी गई है। उन्होंने अपनी मौत का जिम्मेदार पत्नी को बताते हुए वाट्सएप पर परिचितों को मेसेज किया।

तेजस्वी यादव ने नीतीश सरकार पर जमकर बोला हमला

कहा- 'चुनाव का खर्च भी जनता के पैसे से निकाला'

पटना, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। पटना में राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) नेता तेजस्वी यादव ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने बिहार की नीतीश सरकार पर जमकर निशाना साधा। तेजस्वी ने कहा कि चुनाव का खर्च भी जनता के पैसे से निकाला जा रहा है। ठेकेदारों को ग्लोबल टेंडर के जरिए पैसे वसूला जा रहा है। बिहार के ठेकेदारों को कोई टेंडर नहीं दिया जा रहा है। 2025-26 का बजट 3 लाख 17 हजार करोड़ है। 2024-25 की तुलना में 38 हजार करोड़ रुपया बढ़ा है। उन्होंने कहा कि स्कीम इकोएंडेचर के लिए 1 लाख 16 हजार करोड़ दिया गया। कैबिनेट के जरिए 76 हजार करोड़ रुपये दे दिया गया। तेजस्वी ने सवाल करते हुए कहा कि सरकार बताए कि 1 लाख 16 हजार का क्या प्रावधान किया गया है, उसमें पिछले साल की राशि शामिल की गई या नहीं। अगर हां तो नई योजनाओं के लिए पैसा कहां से लाएंगे?

भ्रष्टाचार सभी रिकॉर्ड तोड़ चुका है- तेजस्वी यादव

आरजेडी नेता ने दावा किया कि सरकार के कुल बजट का 25 से 30 हजार करोड़ रुपया केवल ब्याज चुकाने में जा रहा है। बिहार सरकार का 4 लाख 6 हजार करोड़ का डेब्ट है। मैं पूछना चाहता हूं कि केंद्र सरकार जवाब दे कि इसमें केंद्र सरकार ने क्या मदद की है? केंद्र की इसमें क्या मदद है? बिहार सरकार खजाने को लूट के जा रही है। उनके मंत्रियों को पता है अब सरकार नहीं आएगी, जो अगली सरकार आएगी इन्हें पता है कि वो भुगतेगी। बिहार में संगठित भ्रष्टाचार सभी रिकॉर्ड तोड़ चुका है। बिहार की जनता रिश्वतखोरी, दलाली से त्रस्त हो चुकी है। ये सिर्फ विभाग का भ्रष्टाचार है। सीओ, बीडीओ और पुलिस का भ्रष्टाचार अलग है।

'नीतीश की यात्रा का कई बार नाम बदला गया'

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान तेजस्वी ने कागज दिखाते हुए कहा कि सीएम नीतीश की यात्रा का कई बार नाम बदला गया है। 2 अरब 25 करोड़ रुपये ग्रामीण विभाग ने यात्रा पर खर्च किया। 225 करोड़ रुपये में डिजिटल रथ बुलाकर महिला संवाद कार्यक्रम के नाम पर खर्च हो रहा है। सीएम नीतीश की पार्टी जदयू सरकारी पैसों से अपना प्रचार कर रही है। जनता के पैसों से जदयू ने महिला संवाद कार्यक्रम के लिए 600 चुनावी रथ मंगवाए हैं और प्रचार कर रही है। जिन्हें कल सीएम ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया है।

नल जल योजना में जमकर भ्रष्टाचार हुआ

तेजस्वी यादव ने आरोप लगाते हुए कहा कि नल जल योजना में जमकर भ्रष्टाचार हुआ है। पूरे सूबे में 5000 ऐसे पुल बनाए गए, जिसका कोई उपयोग नहीं है। इस तरह के पुलों का कोई एप्रोच रोड नहीं बनाया गया। बहुत गंभीर बात है कि पुल पुलिया बिना एप्रोच रोड के बनाने का निर्णय हुआ। यह निर्णय किसने लिया? सदन से लेकर सड़क की पीसी में भी प्रश्न करता हूं, लेकिन बिहार सरकार कोई जवाब नहीं देती है। आखिर जनता के 2 अरब 25 करोड़ रुपयों से सरकारी प्रचार क्यों किया जा रहा है।

रेड में करोड़ों रुपये बरामद हो रहे हैं

उन्होंने कहा कि बिहार में रेड में आए दिन करोड़ों रुपये बरामद हो रहे हैं। आज कहीं एक इंजीनियर के घर रेड पड़ती है तो करोड़ों रुपये मिलते हैं। आखिर ये पैसा कहां से आता है? उन इंजीनियरों पर बिहार की आर्थिक अपराध इकाई ईओयू ने केस क्यों नहीं किया? यह संगठित अपराध नहीं तो क्या है? ऐसे ही इंजीनियरों को रिटायर्ड होने के बाद एक्सटेंशन क्यों दिया जा रहा है?

महिला समेत 4 लोगों पर एसिड अटैक

छेड़खानी केस को लेकर मिली थी धमकी

समस्तीपुर, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार के समस्तीपुर जिले के सरायरंजन थाना क्षेत्र के भगवतपुर गांव में एक महिला और तीन अन्य लोगों पर एसिड अटैक का मामला सामने आया है। हमले में चरित्र दास, सुरेंद्र दास, उनकी पत्नी बबीता देवी और बालेश्वर दास गंभीर रूप से झुलस गए हैं। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए, और आस-पास के लोगों ने घायल व्यक्तियों को सदर अस्पताल में भर्ती कराया। पीड़िता बबीता देवी ने बताया कि हमले के आरोपी मोतीलाल राय के पुत्र चंदन, मुन्ना कुमार और धर्मेंद्र के साथ उनका पुराना विवाद चल रहा था। कुछ साल पहले, जब आरोपी उनके घर में घुसने की कोशिश कर रहे थे, तब इस पर पुलिस में शिकायत दर्ज की गई थी। मामला अभी भी कोर्ट में चल रहा था, और आरोपी लगातार केस वापस लेने का दबाव बना रहे थे।

बबीता देवी ने कहा कि शुक्रवार की शाम वह घर के पीछे किसी काम से जा रही थीं, जब चंदन और मुन्ना ने उन्हें बदतमीजी करने की कोशिश की।

ट्रांसपोर्ट नगर में गोदाम पर मारा छापा, डेढ़ करोड़ की 560 क्विंटल सुपाड़ी पकड़ी, नहीं मिले दस्तावेज

कानपुर, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। कानपुर में राज्य वस्तु एवं सेवाकर (एसजीएसटी) की टीम ने पहली बार रात में छापा मारने की कार्रवाई की। गुरुवार रात टीम ने ट्रांसपोर्टनगर में बिना पंजीयन के चल रहे सुपाड़ी कटिंग गोदाम पर छापा मारा। छापे में 855 बोरियों में भरी 567 क्विंटल सुपाड़ी पकड़ी गई। सुपाड़ी की कीमत करीब डेढ़ करोड़ रुपये है। गोदाम संचालक सुपाड़ी खरीद-फरोख्त के कोई भी दस्तावेज नहीं दिखा पाए। टीम ने गोदाम और माल सील कर दिया। एसजीएसटी विभाग को गुरुवार रात 10 बजे सूचना मिली कि वाहन संख्या यूपी 78 जीटी 9909 में कटी सुपाड़ी नए पुल के पास ट्रांसपोर्टनगर में लोड हो रही है। इसके बाद सचल दल की तीन यूनिटों ने संयुक्त आयुक्त रणकेंद्र सिंह के निर्देशन में ट्रांसपोर्टनगर में छापा मारा। जब टीम वाहन के पास पहुंची, तब तक इसमें तीन बोरी सुपाड़ी लोड हो चुकी थी। उपायुक्त एसआईबी विनय गौतम की अगुवाई में रात में ही जिस गोदाम से सुपाड़ी लोड हो रही थी, उस पर छापा मारा गया। जांच में पता चला कि गोदाम का संचालन वीर बहादुर रैकवार की ओर से पिछले दो महीनों से किया जा रहा है। गोदाम के अंदर जॉब वर्क पर काम होना बताया गया।

कोई खरीद बिक्री नहीं किए जाने की बात कही, जबकि गोदाम में सुपाड़ी कटिंग की आठ मशीनें लगी थीं। इनमें से छह पर सुपाड़ी कटिंग का काम हो रहा था। मौके पर मौजूद लोग कोई पंजीयन प्रमाणपत्र भी नहीं दिखा पाए। गोदाम में 855 बोरी सुपाड़ी मिली, जिससे संबंधित कोई इनवॉइस, चालान नहीं दिखाया गया।

कोई भी दस्तावेज नहीं मिलने पर माल को जब्त करते हुए गोदाम को सील कर दिया गया। रात तीन बजे तक कार्रवाई की गई। अपर आयुक्त ग्रेड दो एसआईबी जोन द्वितीय कुमार आनंद ने बताया कि सील की गई सुपाड़ी की अनुमानित कीमत डेढ़ करोड़ रुपये है। गोदाम भी सील कर दिया गया है। ये कटी सुपाड़ी कहां जा रही थी, इसकी जानकारी अभी तक संचालक ने नहीं दी है।

पूछताछ के साथ आगे की जांच की जा रही है।

कर्नाटक के रामनगर में पूर्व अंडरवर्ल्ड डॉन के बेटे रिकी राय पर जानलेवा हमला, अस्पताल में भर्ती

रामनगर, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। कर्नाटक के रामनगर जिले में पूर्व अंडरवर्ल्ड डॉन डॉन मुथप्पा राय के बेटे रिकी रॉय पर कल देर रात जानलेवा हमला हुआ। हमला रात साढ़े बारह बजे उस समय हुआ जब रिकी रॉय अपनी कार से बिडदी में मौजूद अपने फार्म हाउस से बेंगलुरु की ओर निकला था। हमले के समय कार में रिकी का ड्राइवर और एक प्राइवेट गन मैन मौजूद था। जानकारी के अनुसार, जैसे ही रिकी फार्म हाउस से बाहर निकला। एक कम्पाउंड वॉल के पीछे घात लगाकर बैठे हमलावरों ने रिकी की कार को निशाना बनाते हुए दो राउंड फायर किया, जिसमें से एक गोली पीछे की सीट पर बैठे रिकी को लगी। रिकी की हालत गंभीर बताई जा रही है। उसे अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। अब तक मिली जानकारी के मुताबिक, रिकी दो दिन पहले ही विदेश से लौटा था।

वो ज्यादातर वक्त विदेश में ही रहता है। ऐसे में पुलिस को शक है कि उस पर जानलेवा हमला करने वालों ने रिकी के मूवमेंट पर लगातार नज़र रखी हुई थी। पुलिस ने ये भी बताया कि रिकी के पिता मुथप्पा रॉय की तरह रिकी का अंडरवर्ल्ड से कोई डायरेक्ट लिंक नहीं है लेकिन वो बड़े स्केल पर रियल एस्टेट का काम कर रहा था। एफएसएल की टीम ने मौके पर पहुंचकर सुराग इक्कठा किये हैं। स्पेशल टीम बनाकर पुलिस हमलावरों की तलाश में जुट गई है।

गृह मंत्री जी परमेश्वर ने दी ये जानकारी

कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने समाचार एजेंसी एएनआई को बताया कि संबंधित पुलिस अधिकारी को आगे की जानकारी देने का निर्देश दिया गया है। फिलहाल, रिकी राय को कोई गंभीर चोट नहीं आई है और उनका बेंगलुरु के एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। बंदूक से हमले के पीछे का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। पुलिस जांच कर रही है।

सागर के सनौधा में मचा बवाल, भीड़ ने की तोड़फोड़, पुलिस ने किया हल्का बल प्रयोग

सागर, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। सागर के सानौधा में लव जिहाद के मामले में विवाद इतना बढ़ा कि भीड़ ने शनिवार सुबह दुकानों में तोड़फोड़ कर दी। इसी दौरान भीड़ ने एक दुकान में आग लगा दी। उपद्रव की सूचना मिलते ही सानौधा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और भीड़ को समझाइश देकर मामला शांत कराने की कोशिश की। लेकिन भीड़ ने पुलिस की बात नहीं मानी। हालात बिगड़ते देख आसपास के थानों और पुलिस लाइन से फोर्स मौके पर पहुंची। पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर मौके पर जमा भीड़ को खदेड़ दिया। इससे भीड़ तितर-बितर हो गई और हालात पर काबू पाने में सफलता मिली।

बोत्सवाना से लाए जाएंगे आठ और चीते, मई महीने में आएंगे चार

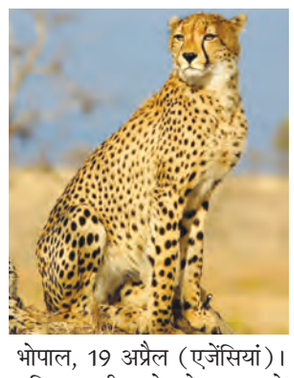

भोपाल, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। दक्षिण अफ्रीका के बोत्सवाना से आठ चीतों को दो चरणों में मध्य प्रदेश में लाया जाएगा। मई 2025 तक बोत्सवाना से चार चीतों को भारत लाने की योजना है। इसके बाद चार और चीतों को लाया जाएगा। प्रोजेक्ट चीता के तहत चीतों को अब गांधी सागर अभयारण्य में भी चरणबद्ध तरीके से स्थानांतरित किया जाएगा। जानकारी के अनुसार, भोपाल में केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव की उपस्थिति में चीता परियोजना की समीक्षा बैठक हुई। एनटीसीए अधिकारियों ने बताया कि अब तक देशभर में चीता परियोजना पर 112 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए जा चुके हैं, जिसमें से 67 प्रतिशत व्यय मध्य प्रदेश में चीता पुनर्वास पर खर्च किया गया है। प्रोजेक्ट चीता के तहत राजस्थान की सीमा से सटे गांधी सागर अभयारण्य में चरणबद्ध तरीके से चीतों को बसाया जाएगा। अतः मध्य प्रदेश और राजस्थान के बीच अंतरराज्यीय चीता संरक्षण क्षेत्र स्थापित करने के लिए सैद्धांतिक सहमति बन गई है। कुनो राष्ट्रीय उद्यान में चीतों के बारे में जानकारी देते हुए वन अधिकारियों ने बताया कि वहां 26 चीते हैं, जिनमें से 16 खुले जंगल में और 10 पुनर्वास केंद्र (बाड़ों) में हैं। अधिकारी ने बताया कि चीतों पर निगरानी रखने के लिए सैटेलाइट कॉलर आईडी का उपयोग करके 24 घंटे ट्रैकिंग की जाती है। अधिकारियों ने कहा कि चीतों की निगरानी के लिए 'सैटेलाइट कॉलर आईडी' का उपयोग करके 24 घंटे निगरानी की जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि मादा चीता ज्वाला, आशा, गामिनी और वीरा ने शावकों को जन्म दिया है।

उपचुनाव को लेकर कांग्रेस का बड़ा फैसला, क्या आप से करेगी गठबंधन?

अहमदाबाद, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। गुजरात की राजनीति में उपचुनाव को लेकर हलचल तेज है। एक ओर देशभर में इंडिया गठबंधन की बात हो रही है, वहीं गुजरात में कांग्रेस ने अलग राह चुन ली है। अब न कोई गठबंधन, न साझा रणनीति, कांग्रेस ने तय कर लिया है कि वह विसावदर और कड़ी विधानसभा उपचुनाव में अकेले ही मैदान में उतरेगी। गुजरात प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष शक्तिसिंह गोहिल साफ किया कि यह निर्णय पार्टी ने सर्वसम्मति से लिया है। उन्होंने कहा, गुजरात की जनता ने कभी तीसरे मोर्चे को समर्थन नहीं दिया। यहां लड़ाई हमेशा कांग्रेस और बीजेपी के बीच ही रही है। गोहिल ने आम आदमी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा, पिछले चुनावों में आम आदमी पार्टी ने पूरी ताकत लगाई, बड़े नेता प्रचार में आए, लेकिन उन्हें महज 10 से 11 प्रतिशत वोट ही मिले। इससे कांग्रेस को नुकसान पहुंचा और बीजेपी को फायदा हुआ। उन्होंने आगे कहा, अगर बीजेपी को हराना है तो कांग्रेस ही मुख्य विपक्ष है। हम आप से अपील करते हैं कि वे विसावदर और कड़ी सीटों पर अपने उम्मीदवार वापस लें। कांग्रेस इन दोनों सीटों पर अकेले चुनाव लड़ेगी। हालांकि, गोहिल ने यह भी कहा कि यह निर्णय केवल राज्य स्तर तक सीमित है। राष्ट्रीय स्तर पर हम इंडिया गठबंधन का हिस्सा हैं और एकजुट हैं। गुजरात की ये दोनों सीटें- विसावदर (जिला जूनागढ़) और कड़ी (जिला मेहसाणा, अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित) विभिन्न कारणों से रिक्त हुई हैं। विसावदर सीट दिसंबर 2023 में आम आदमी पार्टी के विधायक भूपेंद्र भयानी के इस्तीफे और बीजेपी में शामिल होने के कारण खाली हुई, जबकि कड़ी सीट फरवरी 2024 में बीजेपी विधायक कर्सन सोलंकी के निधन से खाली हो गई थी। उपचुनाव की तारीखों की घोषणा अभी चुनाव आयोग ने नहीं की है।

पटना में 24 को होगा महागठबंधन का मंथन, किन मुद्दों पर होगी चर्चा?

पटना, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर महागठबंधन ने दम खम लगाना शुरू कर दिया है। चुनाव को अपने हित में करने के लिए रणनीति तैयार की जा रही है। इसी के चलते गठबंधन की 17 अप्रैल को पहली बैठक हुई। इसके बाद अब 24 अप्रैल को पटना में दूसरी बैठक होने जा रही है। इस मीटिंग में सभी 6 दल शामिल होंगे। कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में यह बैठक होगी। सभी 6 दलों के नेता इस मीटिंग का हिस्सा बनेंगे। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव, बिहार कांग्रेस के प्रभारी कृष्ण अल्वरू, बिहार कांग्रेस के अध्यक्ष राजेश राम सहित वाम दलों के सभी प्रतिनिधि इस मीटिंग में शामिल होंगे। वहीं, विकासशील इंसान पार्टी के संरक्षक मुकेश सहनी भी इस मीटिंग का हिस्सा बनेंगे। सीटों की हिस्सेदारी को लेकर महा गठबंधन की यह पहली औपचारिक बैठक होगी।

किन मुद्दों पर होगी चर्चा

इससे पहले 17 अप्रैल को महागठबंधन की हुई बैठक में आरजेडी नेता तेजस्वी यादव को समन्वय समिति का अध्यक्ष बनाया गया था। बिहार चुनाव में सीट शेयरिंग और बाकी मुद्दों पर इस मीटिंग में चर्चा होने की संभावना है। इसी के साथ जानकारी के मुताबिक, बैठक के बाद मुकेश साहनी की तरफ से मछली चावल की पार्टी भी होगी। हालांकि, जहां महागठबंधन की लगातार बैठक हो रही है, वहीं अभी भी सीएम चेहरे को लेकर सस्पेंस बना हुआ है। अभी तक इस बात का खुलासा नहीं किया गया है कि गठबंधन का सीएम फेस कौन होगा, किसके चेहरे के साथ गठबंधन मैदान में उतरेगा या फिर बिना चेहरे के चुनाव लड़ा जाएगा। महागठबंधन में आरजेडी, कांग्रेस, वामपंथी दल, वीआईपी और पशुपति पारस की पार्टी शामिल रहेगी, लेकिन पहली मीटिंग में अभी सीट शेयरिंग का फॉर्मूला तय नहीं हो सका है कि किस पार्टी को कितनी सीट पर चुनाव लड़ना होगा। किस पार्टी का कितना प्रतिनिधित्व होगा यह अभी तय नहीं हुआ है। कांग्रेस को पिछली बार 70 सीटें गठबंधन के तहत मिली थीं, लेकिन महज 19 सीटों पर ही वो जीत दर्ज कर पाई थी। इसी के बाद सीट शेयरिंग और सीएम फेस की चर्चा को लेकर यह मीटिंग काफी अहम मानी जा रही है।

"हम लोग आपस में तय कर लेंगे"

बिहार विधानसभा चुनाव के चलते तेजस्वी यादव और कांग्रेस पार्टी के नेता राहुल गांधी, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की 15 अप्रैल को मीटिंग हुई थी। इस मीटिंग के बाद जब तेजस्वी यादव से सीएम फेस को लेकर सवाल पूछा गया था तो उन्होंने कहा था कि हम लोग आपस में बैठ कर तय कर लेंगे।

जाने-माने न्यूरोलॉजिस्ट डॉक्टर शिरीष वलसंगकर ने किया सुसाइड लाइसेंसी रिवाल्वर से खुद को मार ली गोली

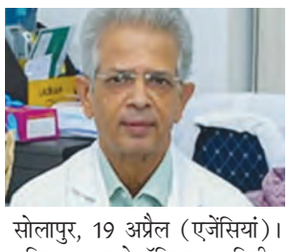

सोलापुर, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रसिद्ध न्यूरोलॉजिस्ट शिरीष वलसंगकर ने कथित तौर पर अपनी लाइसेंसी रिवाल्वर से खुद को गोली मार ली और उनकी मौत हो गई। सोलापुर के पुलिस आयुक्त एम राजकुमार ने इस घटना की पुष्टि की। राजकुमार ने कहा कि घटना रात 8।45 बजे हुई और इलाज कर रहे डॉक्टरों ने बाद में उन्हें मृत घोषित कर दिया। वलसंगकर ने सोलापुर के मोदी निवास स्थित आवास पर आत्महत्या कर लिया। वलसंगकर के परिवार में उनकी पत्नी, एक बेटा और एक बेटी है। बता दें कि डॉ। शिरीष वलसंगकर सोलापुर में एक सम्मानित न्यूरोलॉजिस्ट थे। वे मराठी, कन्नड़, अंग्रेजी और हिंदी बोलते थे, जो रोगियों के साथ संवाद को आसान बनाता था। उनकी योग्यता में एमबीबीएस और एमडी लंदन के रॉयल कॉलेज ऑफ फिजिशियन्स से एमआरसीपी शामिल है। डॉ। वलसंगकर एक डॉक्टर परिवार से ताल्लुक रखते थे। उनका बेटा न्यूरोलॉजिस्ट, बहू न्यूरोसर्जन और पत्नी जिनेकोलॉजिस्ट थी। उन्हें महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस द्वारा न्यूरोलॉजिकल सेवाओं में उत्कृष्ट योगदान के लिए सर्वश्रेष्ठ न्यूरोलॉजिस्ट पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। डॉक्टर शिरीष वलसंगकर ने आत्महत्या क्यों की इसकी जानकारी अभी तक नहीं मिल पाई है। वह कर्नाटक, आंध्र प्रदेश , तेलंगाना और महाराष्ट्र में लोगों के इलाज के लिए जाते थे। वह खुद के हेलीकॉप्टर से विजिट करते थे। डॉ। शिरीष वलसांगकर ने घरेलू कारणों से कई दिनों से अपनी प्रैक्टिस कम कर दी थी। जैसे ही उनकी प्रैक्टिस कम हुई,

निलंबित पुलिस अधिकारी का ईवीएम को लेकर चौंकाने वाला दावा

अब चुनाव आयोग ने क्या कहा?

मुंबई, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर निलंबित पुलिस अधिकारी के दावों ने नया विवाद खड़ा कर दिया है। निलंबित पुलिस सब-इंस्पेक्टर रंजीत कासले ने दावा किया कि परली में ईवीएम से छेड़छाड़ की गई थी, जिसके लिए उन्हें हटा दिया गया था और बाद में उनके खाते में 10 लाख रुपये दिए गए थे। इन आरोपों को चुनाव आयोग (ईसी) ने खारिज किया है। आयोग ने शुक्रवार (18 अप्रैल) को एक्स पर लिखा, "आरोप एक असंतुष्ट पुलिस अधिकारी (निलंबित) की ओर से लगाया गया है। सख्त कानूनी प्रशासनिक प्रोटोकॉल के तहत ईवीएम को रखा जाता है, ईवीएम को हटाने की कोई संभावना नहीं है। इसकी गंभीरता को देखते हुए डीएम और एसएसपी से लेकर सीईओ तक से रिपोर्ट मांगी गई है। रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।"

'रंजीत कासले चुनाव के दौरान ड्यूटी पर नहीं थे'

चुनाव आयोग ने शनिवार (19 अप्रैल) को कहा, "डीईओ और एसएसपी बीड की आधिकारिक रिपोर्ट: बर्खास्त पीएसआई रंजीत कासले महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के दौरान चुनाव ड्यूटी पर नहीं थे। आरोपों का उद्देश्य सार्वजनिक शांति और सौहार्द को भंग करना, लोगों को राज्य के खिलाफ हिंसा के लिए उकसाना है। डीईओ को कासले के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया।"

धनंजय मुंडे पर पूर्व अधिकारी का दावा

कासले ने पूर्व मंत्री और परली से एनसीपी के विधायक धनंजय मुंडे को लेकर भी दावा किया। उन्होंने कहा, "धनंजय मुंडे ने वाल्मिकी कराड का एनकाउंटर करने की पेशकश की थी।" रंजीत कासले ने आरोप लगाया कि धनंजय मुंडे ने इस डर से कराड के एनकाउंटर की पेशकश की थी कि वह भी इसमें फंस जाएंगे। रंजीत कासले ने इससे पहले भी एक वीडियो के जरिए धनंजय मुंडे पर कराड में एनकाउंटर करने के लिए करोड़ों रुपये की पेशकश करने का आरोप लगाया था।

इसके बाद उन्हें निलंबित कर दिया गया। उनके खिलाफ मामला भी दर्ज किया गया। रिपोर्ट के मुताबिक, रंजीत कासले ने कहा, "मैं परली में ईवीएम वाली जगह पर ड्यूटी पर था। वाल्मीक कराड ने हमें बताया कि ईवीएम के साथ छेड़छाड़ की जा रही है, इसलिए आपको इससे दूर रहना चाहिए। मैंने लोकसभा चुनाव के दौरान फर्जी मतदान की अनुमति नहीं दी। विधानसभा के दौरान धनंजय मुंडे की नकदी जब्त कर ली गई। इसीलिए मुझे दरकिनार कर दिया गया। मुझे ऊपर से आदेश मिला कि मैं छुट्टी ले लूं और ईवीएम ड्यूटी से हटा दिया गया।" रंजीत कासले ने बताया कि चुनाव के दिन 21 नवंबर को संत बालूमामा कंस्ट्रक्शन कंपनी के नाम से मेरे खाते में 10 लाख रुपये जमा किए गए।

बांदीपोरा के जंगलों में आग की घटनाएं तेजी से बढ़ीं, वन संपदा को करोड़ों का नुकसान

श्रीनगर, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। डिवीजनल फॉरेस्ट ऑफिसर ने बताया कि बांदीपोरा के जंगल आग की चपेट में आने के लिए अत्यधिक संवेदनशील हैं। एक छोटी सी चिंगारी भी आग के गोले में तब्दील हो सकती है। उन्होंने कहा, कुछ महीनों से सूखे की स्थिति इन घटनाओं का मुख्य कारण है। हालांकि हम किसी भी जंगल की आग से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

इसमें रोकथाम सबसे महत्वपूर्ण है। इसके लिए लोगों से जिम्मेदारी से व्यवहार करने की अपील करते हैं। पिछले महीने ही जिले भर में कई आग की घटनाएं सामने आईं हैं। इसमें करोड़ों रुपये की वन संपदा को नुकसान हुआ है। इस नुकसान ने न केवल वन संपदा को प्रभावित किया, बल्कि वन्यजीवों और समग्र पारिस्थितिकी तंत्र पर भी असर डाला है।

'मेरी भगवान से बात होती है

वोट बीजेपी को देना, नहीं तो अगले जन्म में जानवर बनेंगे: विधायक उषा ठाकुर

भोपाल, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की पूर्व मंत्री और महू से बीजेपी की विधायक उषा ठाकुर ने विवादित बयान दिया है। हासलपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने लोगों से कहा कि 'वोट बेचना एक पाप है, जो लोग बीजेपी को वोट नहीं देंगे और शराब-साड़ी के बदले अपना वोट बेचते हैं, वे अगले जन्म में ऊंट, भेड़-बकरी या कुत्ते-बिल्ली जैसे जानवर बनेंगे। ध्यान रखना, वोट बीजेपी को ही देना, जो संस्कृति और देश की बात करती है।' इस दौरान उषा ठाकुर ने एक बड़ा दावा कर दिया। उन्होंने कहा, मेरी भगवान से सीधी बात होती है। इस बात को समझ लेना। मंत्री ने कहा कि लाड़ली बहना योजना और किसान सम्मान निधि जैसी कई योजनाओं के माध्यम से लोगों के खातों में हजारों रुपये हर महीने आ रहे हैं। इसके बावजूद भी अगर 500 और 1000 हजार रुपये में वोट बिक जाए तो ये तो शर्मनाक बात है।

नवरात्रि पर होने वाले गरबा महोत्सव को लेकर दिया था ये बयान

बता दें कि उषा ठाकुर इससे पहले भी अपने बयानों को लेकर सुर्खियों में रही हैं। नवरात्रि पर होने वाले गरबा महोत्सव को लेकर पूर्व मंत्री उषा ठाकुर ने मध्य प्रदेश सरकार से मांग की थी कि गरबा महोत्सव में बिना पहचान पत्र के लोगों को प्रवेश न दिया जाए। उन्होंने कहा था कि नवरात्रि का पर्व शक्ति और साधना का पर्व है। संपूर्ण समाज अपनी शक्ति में वृद्धि करे। शस्त्र और शास्त्र की साधना करे, यही अपेक्षा नवरात्रि हम सब सनातनियों से करती है। उन्होंने कहा था कि मेरा मानना है कि गरबा में आईडी अनिवार्य होना चाहिए। जो आए अपनी पहचान छुपा कर न आए, आप अपनी पहचान के साथ आइए।अपने घर परिवार के साथ शामिल होइए, कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन आप पहचान छुपाकर लव जिहाद को बढ़ावा नहीं दे सकते।

दिल्ली पुलिस ने साइबर ठग को झारखंड से पकड़ा

बीएसईएस कस्टमर सपोर्ट बनकर करता था ठगी

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। साइबर अपराधियों के बढ़ते जाल को बेनकाब करने में दिल्ली पुलिस ने बड़ी सफलता प्राप्त की है। दक्षिण-पश्चिम जिले के साइबर थाना की टीम ने एक शातिर साइबर ठग को झारखंड के जामताड़ा जिले से गिरफ्तार किया है, जो बीएसईएस कस्टमर सपोर्ट के नाम पर लोगों से लाखों की ठगी कर रहा था। आरोपी की गिरफ्तारी से यह खुलासा हुआ है कि साइबर ठगों का नेटवर्क पूरे देश में सक्रिय है और उनका निशाना आम लोग बन रहे हैं। दिल्ली के आर.के। पुरम सेक्टर-1 निवासी एक व्यक्ति ने 2 फरवरी 2025 को बीएसईएस कनेक्शन के नामांतरण के लिए ऑनलाइन आवेदन किया था। इसके बाद उसने एक अज्ञात नंबर से कॉल प्राप्त की, जिसमें कॉल करने वाले ने खुद को बीएसईएस कस्टमर सपोर्ट से बताया और सीए नंबर अपडेट करने के लिए एक लिंक भेजा। जैसे ही शिकायतकर्ता ने लिंक पर क्लिक किया, उसके मोबाइल पर ओटीपी आए और कुछ ही देर में उसकी एसबीआई कार्ड से दो अलग-अलग ट्रांजैक्शन के जरिए 99,990 रुपये की रकम गायब हो गई। शिकायतकर्ता के मुताबिक, उस दिन उसके खाते से पूरी रकम उड़ गई, जिससे वह हैरान और परेशान हो गया। इस साइबर ठगी का मामला जैसे ही पुलिस के पास पहुंचा, साइबर थाना की टीम ने त्वरित कार्रवाई शुरू की। शुरुआती जांच में पता चला कि ठग ने जिस नंबर से कॉल की थी, वह झारखंड के देवघर जिले के कोरों गांव से ऑपरेट हो रहा था। इसके बाद पुलिस ने तकनीकी निगरानी के जरिए ठग के फोन और व्हाट्सएप अकाउंट की पहचान की। लेकिन, जब जांच में फर्जी सिम कार्ड और प्रॉक्सी नंबर सामने आए,

मंदिर टूटा है हौसला नहीं, गुस्से में जैन समुदाय, कांग्रेस भी हमलावर

मुंबई, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। मुंबई के विले पार्ले इलाके में स्थित पुराने पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर के तोड़े जाने पर देश भर के जैन समाज में नाराजगी है। शनिवार को मुंबई नगर निगम की कार्रवाई के खिलाफ जैन समुदाय ने अहिंसक रैली निकाली। इस रैली में बड़ी संख्या में जैन समुदाय के लोगों ने भाग लिया। रैली में शामिल लोग हाथों में तख्तियां लिये हुए थे, जिन पर लिखा था, 'मंदिर तोड़ा है, हौसला नहीं।' समाज के लोग मंदिर के पुनर्निर्माण की मांग कर रहे हैं। स्थानीय सांसद और कांग्रेस नेता वर्षा गायकवाड़ ने भी मार्च में भाग लिया है। उन्होंने इस कार्रवाई को लेकर सरकार की आलोचना की है। जैन समाज के समर्थन में स्थानीय सर्वदलीय नेता भी उतर आए हैं। जैन समुदाय ने शनिवार सुबह 9।30 बजे विरोध प्रदर्शन शुरू किया। विरोध प्रदर्शन से पहले जैन बंधुओं ने ध्वस्त मंदिर में आरती की। फिर आंदोलन शुरू हुआ। जैन समाज के समर्थन में उतरी कांग्रेस सांसद वर्षा गायकवाड़ ने कहा, "पूजा स्थलों की देखभाल करना सरकार का काम है। ऐसा होता नहीं दिख रहा है। यह कार्रवाई पहले से ही योजनाबद्ध थी। यह एक साजिश है। शांतिप्रिय जैन समुदाय को इस साजिश के खिलाफ सड़कों पर उतरना पड़ा है।" उन्होंने कहा," राजस्थान और मुंबई में जैन समुदाय की रैलियां हो रही हैं।?" इस रैली में सत्तारूढ़ पार्टी के विधायकों और मंत्रियों के शामिल होने पर वर्षा गायकवाड़ ने कहा, "यही बात मुझे हैरान करती है। सत्तारूढ़ पार्टी के विधायक और मंत्री रैली में शामिल होते हैं और वे ही सरकार हैं।" जैन समुदाय के सदस्य 'मंदिर नष्ट, कोई साहस नहीं' लिखी तख्तियां लेकर सड़कों पर उतर आए। मंदिर उसी स्थान पर होना चाहिए, यह मांग आंदोलन के माध्यम से की गई। भाजपा नेता एवं मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा , कांग्रेस नेता एवं सांसद वर्षा गायकवाड़, विधायक पराग अलवानी और अन्य स्थानीय नेता इस विरोध प्रदर्शन में भाग लेंगे। जैन समुदाय की महिलाएं भी बड़ी संख्या में इस आंदोलन में शामिल हो गई हैं। विरोध प्रदर्शन में भाग ले रही महिलाओं ने कहा है कि बीएमसी की कार्रवाई अनुचित है। समुदाय की मांग है कि नगर निगम अपने कृत्य के लिए माफी मांगे और मंदिर का पुनर्निर्माण कराया जाए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, मुंबई के विले पार्ले के नेमिनाथ कोऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी इलाके में 90 साल पुराना जैन मंदिर था। बीएमसी ने इस मंदिर को गिराने का नोटिस जारी किया था। जैन समुदाय इसके खिलाफ अदालत चला गया। निचली अदालत ने जैन समुदाय की याचिका खारिज कर दी, इसके बाद जैन समुदाय ने उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। जैन समुदाय का आरोप है कि बीएमसी प्रशासन ने हाईकोर्ट के फैसले का इंतजार किए बिना जल्दबाजी में मंदिर को ध्वस्त कर दिया। उच्च न्यायालय ने इस पर 16 अप्रैल को सुनवाई निर्धारित की थी। जैन समाज का आरोप है कि कार्यवाही पर रोक लगाने का भी आदेश दिया गया था। इसके बाद भी नगर निगम ने यह कार्रवाई की है। आरोप है कि बुधवार को हाईकोर्ट द्वारा तोड़फोड़ की कार्रवाई पर रोक लगाए जाने के

सीलमपुर हत्याकांड: बच कैसे गया था कुनाल!

वो बात जिसके बाद लेडी डॉन जिकरा पर सवार हुआ हत्या का भूत

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली के सीलमपुर में गुरुवार को 17 साल के लड़के कुनाल की हत्या हुई। इस मामले में पुलिस ने लेडी डॉन जिकरा को गिरफ्तार किया है। जिकरा के मौसी के बेटे साहिल और दिलशाद जिन्होंने कुनाल पर चाकुओं से हमला किया उनकी तलाश जारी है। इसी के बाद अब जिकरा ने इस बात का खुलासा कर दिया है कि उस पर किस बात की वजह से कुनाल की हत्या करने का भूत सवार हुआ। पुलिस इस समय लेडी डॉन से पूछताछ कर रही है। इसी बीच जिकरा ने इस बात का खुलासा कर दिया है कि ऐसी कौन सी वजह थी जिसके बाद ही जिकरा पर कुनाल की हत्या करने का भूत सवार हुआ। जिकरा ने हत्याकांड के पीछे की वजह बताई, उस ने कहा, नवंबर में इसके कजन साहिल पर जानलेवा हमला हुआ था, जिसमें लाला और शंभु नाम के लड़के शामिल थे जो कुनाल के दोस्त थे। जिकरा के मुताबिक, इस हमले में कुनाल भी मौजूद था पर उस समय वो नाबालिग था और उसका नाम एफआईआर में नहीं आया था। कुनाल की हत्या उसी हमले का रिवेंज है। साहिल पर जब हमला हुआ था उसमें वो बच गया था और हत्या की कोशिश का केस दर्ज हुआ था। जिकरा और साहिल को लगता है वो हमला कुनाल ने कराया था उसी का बदला लेने के लिए कुनाल की हत्या की गई। इसी के बाद अभी पुलिस साहिल और दिलशाद की तलाश कर रही है।

वृक्षारोपण के महा योद्धा : डी रामैया

अतुल कुमार

पर्यावरण संरक्षण आज की सबसे बडी ज़रूरत है . सर्वाइवल के लिये जल ,वायु , ऊर्जा और वन संरक्षण को अहम माना गया . इनका मुख्य स्रोत वृक्षा रोपण है . लेकिन आज जिस निर्मम और बेतहाशा ढंग से पेड काटे जा रहे हैं उसे यदि नहीं रोका गया तो पर्यावरण का भारी नुकसान होगा .जो हो रहा है .प्रकृति के अप्रत्याशित स्वरूप देखने मिल रहे हैं . कंक्रीट के जंगल खडा कर पैसे प्रापर्टी और ओनरशिप की चकाचौंध ने पूरी सोच को पर्यावरण संरक्षण से दूर कर दिया है . वृक्षारोपण या ट्री प्लांटेशन दिखावा भर रह गया है .वृक्ष पूजक होते हुए भी क्या कभी वृक्षों के महत्व और अस्तित्व को समझा गया ! पेड पौधों की ऐसी कई प्रजातियां हैं जो तेज़ी से लुप्त हो रही है . इस पर सेमिनारों में लेक्चर बाज़ी और आर्टिकल तो लिखे जाते हैं पर कोई ठोस कार्य या इंप्लीमेंटेशन दिखायी नहीं देता . गार्डनिंग पहले लोगों का शौक हुआ करता जो विलुप्त हो रहा है . तब वृक्ष मित्र डी रामैया जिनको लोग वनजीवी रामैया के नाम से जानते हैं का जाना अखरता है .

ताउम्र उनके जीवन का उद्देश्य वनों की रक्षा और वृक्षारोपण था . वृक्षारोपण को मिशन के रूप में अपनाया और बीते साठ सालों में स्वयं के प्रयासों से एक करोड से अधिक वृक्ष लगा उनकी परवरिश और देख भाल की इसलिये उनको तेलुगु में " चेट्ला रामैया " (वृक्ष रामैया) के रूप में ख्याति मिली .अपनी अथक कोशिशों से ऐसे 120 पेडों के बीजों को खोजा और रोपा जो मनुष्य के लिये लाभ कारी होते हुए भी लुप्त हो गये थे क्यों कि उन पेडों की किसी ने परवाह नहीं की और न उनको बचाये रखने की कोशिशें की . गांव गांव घूम कर दुर्लभ प्रजातियों के पेड पौधों के बीज इकट्ठे किये जिससे पर्यावरण संरक्षित रह सके . ठेठ गांव के होते हुए भी बडे पढे लिखे लोगों से अधिक सोचा कि कैसे पेडों को बचाया जाए . सोचिये ! क्या गज़ब का विसन था .

मनुष्य की लोभी मनोवृत्ती को वह जानते और समझते थे अतः सदैव पेडों की शाखाओं और पेडों की रक्षा करो का संदेश लिये अपनी मोटर साइकल पर घूमते और जहां पौधे सूखते दिखते उनको जल से सींचते . जहां पौधे आदमी या जानवरों द्वारा कुचले मिलते तो रुक कर उनको जल दे जीवन देते . जानते थे कि पेडों की रक्षा या सुरक्षा अब किसी की सोच का एजेंडा नहीं है अत; अकेले पहले 3 लाख पेड लगाने और उनको बचाने को ज़िंदगी का उद्देश्य बनाया . प्रत्येक बारिश के मौसम में सघन रूप से वृक्षा रोपण किया . बीज बोने के कुछ दिन बाद उसमें से पेड उगता तो खुशी से वैसे ही झूमते जैसे परिवार में संतान का जन्म हुआ हो . बच्चों की तरह उनकी देख भाल कर उसे पेड के रूप में विकसित करते और जब पेड बडा हो जाता तो उसे बेटे बेटी की तरह नाम दे उसकी परवरिश करते . सीमित संसाधनों के होते हुए भी उनके मन में यही फिक्र चला करती कि वृक्षों के न होने पर पर्यावरण को कैसे बचाया जा सकता है , भावी पीढियों का क्या होगा ?

आक्सीजन पाने का मुख्य स्रोत पेड हैं . आक्सीजन की क्या वैल्यू है इसको लोगों ने करोना काल में भली भांति देखा जाना और समझा . फिर भी इसके प्रति जो सीरीयसनेस होनी चाहिये उसको समझा नहीं गया वही कैसुअल अप्रोच का रवैया . हर पेड प्रति वर्ष 22 किलो कार्बन डाई आक्साइड सोखता है सोचिये पेड न हों तो इस कार्बन डाई आक्साइड का क्या होगा ? क्या वह मानवता के लिये कष्टदायी नहीं होगा . रामैया जैसी महान विभूतियों ने वृक्षरोपण के महत्व को अपने जीवन का उद्देश्य बनाया और पर्यावरण की रक्षा में अपने को झोंक कर काम किया.

दिल को छूने वाला प्रसंग है जब उनके पास लुप्त होते पेडों को बचाने के लिये पैसे नहीं होते ,तब लोगों को समझा बुझा कर आर्थिक मदद की गुहार लगाते किसी को आगे आता न देख अपनी तीन एकड ज़मीन बेच दी और उनसे पेड पौधों की खाद और बीज खरीदे लेकिन अपने मिशन में कोई रुकावट नहीं आने दी . लोगों ने समझाया रामैया यह क्या कर रहे हो ! अपने लिये कुछ बचा कर रखो ,कहते पेड होंगे तो भविष्य होगा और मानवता बचेगी . अन्यथा सब खत्म हो जायेगा . सोचिये ! मानवता के हित में कोई महान पुरुष ही यह सोचता और करता होगा .गांवों में चर्चा हुई कि वृक्षा रोपण के लिये रामैया ने अपनी ज़मीन बेच दी .

लोगों ने ताने कसे ! किसी ने नादान बताया . इसको ले बैठक हुई कि उन्होंने ऐसा क्यों किया ? तब खडे हो कहा मेरा काम आपको भले ही अजीब और फिज़ूल लगता हो ! लेकिन एक इंसान के रूप में मेरी यह ज़िम्मेदारी और ड्यूटी है कि मैं आने वाली नस्लों के लिये अपनी प्रकृति को बचा कर रखूं . वर्ना जल ,जंगल और ज़मीन सब उजड जायेंगे यह मेरी ह्यूमन ड्यूटी और ज़िम्मेदारी है कि सुनहरे भविष्य के लिये उन सब को सुरक्षित और संरक्षित कर रखूं जो हमें कुदरत ने दिया है . वास्तव में हरित योद्धा थे जिन्होंने अपने जुनून से एक करोड 10 लाख से अधिक पेड अपने जीवन काल में लगाये .

इनमें 600 वृक्ष ऐसी प्रजातियों के हैं जिन्हे सबसे दुर्लभ की श्रेणी में रखा गया ,मिशन मोड में पौधे लगाने और पोषण करने के उनके अथक प्रयासों ने उन्हें " ट्री मैन " की उपाधि दी .कम पढे लिखे थे लेकिन सबसे अधिक पढे लिखे लोगों से बडा काम कर गये . अपने जीवन काल में खम्मम ग्रामीण मंडल में मुख्य रूप से फलदार प्रजातियों के पेडों और बायो डीजल पौधों के अनगिनत पौधे लगा वृक्षों के आवरण को बढाने में ऐतिहासिक योगदान दिया . पेडों के महत्व पर किसी ने लिखा " आज का वृक्ष कल की पीढी का सहारा / पत्तों की सरसराहट ,पेडों की कहानी / लगाओ पौधा ,दो धरती को ज़िंदगानी / सूरज की किरणें ,हवा का सहारा / पेड लगाओ धरती को बनाओ प्यारा // वृक्ष मित्र दरिपल्ली रामैया ने यही किया .

डी रामैया की पहचान पूरी दुनिया में " ट्री मैन आफ इंडिया " के रूप मे हुई . उनके सुनहरे और अविश्वसनीय योगदान से दुनिया हैरान है . एनवायरलिस्ट उनके इस अजूबे योगदान को चकित भाव से देखते हैं . उनका सपना धरती को हरा भरा बनाना था जब भी अपने घर से बाहर निकलते अपनी जेब में बीज और साइकल पर पौधों को लाद रास्ते में जहां कोई खाली जगह मिलती वहां पौधा रोप देते .रोपने के बाद उनकी खास देख भाल करते . रेड्डी पल्ली गांव के रहने वाले इस वन जीवी व्यक्ति ने पूरे समाज को पर्यावरण सुरक्षा की नयी राह दिखायी . जहां कोई पेड को काटता या उसकी शाखाओं को तोडता दिखायी देता तो उससे अनुरोध करते " अन्ना ! ऐसा मत कीजीये यह हमारे प्राण दाता हैं ये होंगे तो ज़िंदगी होगी वर्ना जीवन खतरे में पड जायेगा " कह उसे पेड काटने से रोकते .

बीती 11 अप्रेल को 87 वर्ष की उम्र में उन्होंने इस दुनिया को अलविदा कहा लेकिन पूरी ज़िंदगी " ट्री प्लांटेशन " में लगा अपने पीछे एक करोड दस लाख पेड छोड गये जो पर्यावरण की अद्भुत अमूल्य सेवा के प्रतीक हैं . उनके जुनून को इसी से समझा जा सकता है कि अपनी अंतिम इच्छा को बताया कि जहां मेरा अंतिम संस्कार हो वहां एक सपोटे (चीकू) का पेड लगाना . वैसा ही हुआ . सोचिये ! क्या गज़ब का फितूर इस महान व्यक्ति के जीवन का था . सन 2017 में उन्हें पद्मश्री सम्मान से नवाज़ा गया . क्या यह योगदान किसी भी क्षेत्र के बडे कांट्रीब्यूशन से कम है ? किसी शायर ने खूब लिखा " सीढियां उन्हें मुबारक हो जिन्हें छत तक जाना है / मेरी मंज़िल तो आसमान है रास्ता मुझे खुद बनाना है // वृक्ष योद्धा डी रामैया ने अपने प्रेरक जीवन से यही किया .

काव्य कुंज

तुम मिले

कुमुद बाला, हैदराबाद

तुम मिले हो ज़िंदगी में
मुझको आयत की तरह
लग रहा है आज सावन
इक इबादत की तरह
धड़कनों की बात पर
आँखों ने कुछ सपने बुने
तुम यूँ दिल में छुप गये हो एक शरारत की तरह
रात भर शबनम को साथी मान के रोती रही
गुजरती है अब भी हवा इक शिकायत की तरह
तुम कहाँ थे जब पुकारा था अभी मैंने यहीं
नाव मेरी लड़खड़ाई इक इमारत की तरह
प्यार जब हो ही गया फिर बात भी उठने लगी
होंट थे खामोश मेरे इक अमानत की तरह
साथ रहने की कसम खाई थी तुमने भी कभी
वह है गुजरी सी कहानी एक अदावत की तरह
नाम मेरा लिख के तुमने रेत से पूछा था ये
क्या समंदर यूँ रहेगा इक हिफाज़त की तरह
इक लहर ने ये कहीं कश्ती के बारे में कहा
जां हथेली पर रखी है इक ज़ियारत की तरह
दूर मुझसे वे रहें जो इश्क़ रब से ना करें
पाक है इसकी ज़मीं वो इक लियाकत की तरह
कर लिया कैसे भरोसा आज उनकी बात पर
प्यार जिनके है लिए इक तिज़ारत की तरह
इश्क़ करना है नहीं आसान जितना सुन लिया
ये इबादत है कुमुद बस इक रिवायत की तरह।।

मेरे राम

गजानन पाण्डेय

मेरे राम , तुम्हीं हो तारणहार
इस जीवन के सर्वाधार
मैं तेरी शरण में आया
नैया को लगा दो पार ।
हर बुराई से बचाना
अपने चरणों में जगह देना
तेरे विराट रूप के
मुझे दर्शन करा देना ।
' मैं तेरा हूं , राम है मेरे '
ये रहे मन के भाव
मन भजन में लगा रहे
तेरे नाम का हो गुणगान । मेरे राम - -

ना समझा करो गरीब...!

संजय एम. तराणेकर, इंदौर

खुद को ना समझा करों गरीब,
क्योंकि तुम हो बहुत ही शरीफ।
तुम्हें कभी पर्याप्त नहीं मिलता,
कम हैं कमाई संतोष है खिलता।
ना किया करों गरीबी का ऐलान,
ईश्वर-अल्लाह सभी हैं मेहरबान।
खुद को ना समझा करों गरीब,
क्योंकि तुम हो बहुत ही शरीफ।
बताओ तुम्हारे पास क्या नहीं है,
इस ज़िन्दगी का एहसास नहीं है।
सांस ले रहें हो ये पर्याप्त नहीं है,
मांगकर ना लेना भाग्य में नहीं हैं।
खुद को ना समझा करों गरीब,
क्योंकि तुम हो बहुत ही शरीफ।
वह आदत छोड़ो कि पीड़ित हो,
सबसे बड़ी नेमत हैं जीवित हो।
तुम सिर्फ खुद से ही रूठें हुए हो,
मानसिक स्थिति बदलों डटे रहो।

नये सूरज की रोशनी लिखो !

रमेश गायकवाड रागा, हैदराबाद

लिखो तो लिखो जीवन सार लिखो
बीतती हर हकीकत
का इतिहास लिखो
दर्द है पीडा है तडप है
आँसू है सिसकियाँ हैं
संसार के समंदर में
तैर और डुबकियाँ लिखो
जीवन साहित्य हो
साहित्य ही जीवन मार्ग हो
मेरे और आपके बीच सच का मुख दर्पण लिखो
रास्ते देढे मेढे काँटों भरी पगडंडी है अवश्य
कल के लिए अद्भुत बदला नया सफर लिखो

मुट्ठी भर चंद आशाएँ लिए इंतजार कर रहे
सुवर्ण अक्षरों में नए सूरज की रोशनी लिखो

जन्मभूमि

टी तारासिंह हैदराबाद

यही है मेरी धरती , यही है मेरी जन्मभूमि
यही मेरी मां यही मेरी पालनकर्ता
तुझ पर है मेरा विश्वास
तुझ से है हमारा गर्व
मेरे साथी है हल ओर बैल
जो सुख-दुःख मे साथ देते
वर्षा से हमारे खेत ऊपजाउ होते
हो जाते हरे भरे लहराते
किसान की जिंदगी ही है खेत
आकाल आये, बाढ आये तो क्या !
उसे तो निडर बनकर रहना है
कुछ कम , कुछ ज्यादा नुकसान हुआ तो
उसे तो खेत बेचना या गिरवी रखना नही है
कर लेगा गुजारा रूखी-सूखी खा कर
मां ने उसे जन्म दिया
मगर खेत उसे जीवन दिया
जीना सिखाया , मेहनत करना सिखाया
वो है अन्नदाता, अन्नपूर्णा का रखवाला ।।

हम ही को मिलेगी सजा जानते हैं

संजीव ठाकुर, रायपुर

है दुनिया बड़ी दिलरुबा जानते हैं
मोहब्बत को हम तो खुदा मानते हैं।
बहाव में हम भी तो बहे जा रहे हैं
है तिनके का ही सहारा जानते हैं।
मोहब्बत है तो विश्वास कायम रहेगा
बेशकीमती है बहुत वफा जानते हैं।
बनाएंगे हम अपना हमवार यकीनन
मुखालिफ़ अभी है हवा जानते हैं।
हम कितनी भी पैरवी कर ले अपनी
वो हमको ही हमेशा बेवफा मानते हैं।
हां हम हैं गुनहगारे उल्फत संजीव
हम ही को मिलेगी सजा जानते हैं।

सीखो गिलहरी-तोते से

सत्यवान सौरभ

पेड़ की डाली पर बैठे,
गिलहरी और तोते।
न जात पूछी, न मज़हब देखा,
बस मिलकर चुग ली रोटियाँ छोटे।
न तर्क चले, न वाद हुआ,
न मन में कोई दीवार थी।
एक थाली में बँटी मोहब्बत,
जहाँ बस भूख ही सरकार थी।
और हम, नाम के इंसान,
द्वेष के रंग चढ़ाए फिरते हैं।
सगे भी सगों से कटते हैं,
अपनेपन को दरकिनार करते हैं।
भाई-भाई में खाई क्यों?
क्यों मन में ज़हर उगाते हो?
सीखो उन परिंदों से,
जो बिना शोर के प्रेम निभाते हो।
धरती सबकी, अन्न सबका,
हवा न किसी की जागीर है।
प्रकृति पुकारे हर साँझ-सवेरे,
इजो बाँटे वही गंभीर है।
कब सीखोगे इंसान बनना,
गिलहरी और तोते से?
कब छोड़ोगे नफ़रत की आदत,
चलो कुछ लज्जा लो खुद से।

एक लघु संवाद

प्रियंका सौरभ

वट-वृक्ष की शीतल छाया में,
बैठे थे दो प्राणी चुपचाप
एक चंचला चपल गिलहरी,
दूजा हरा-पीला तोता आप।
थाली में कुछ दाने गिरे थे,
ना पूछी जात, ना वंश, ना गोत्र।
नहीं कोई मंत्र, न यज्ञ, न विधि,
बस भूख थी, और सहज भोग पात्र।
न वहाँ कोई 'ऊँच' का झंडा लहराया,
न 'नीच' के नाम पर थूक गिरा।
न रोटी को छूने से धर्म डिगा,
न पानी पर पहरा किसी ने दिया।
गिलहरी बोली—ɜसखी! कैसा है तेरा कुल?ɜ
तोते ने मुस्कराकर कहा—ɜहम बस प्राणी हैं, सरल मूल।
पंख हैं, पेट है, और प्रेम की चाह,
और क्या चाहिए जीने को एक राह?
सुनकर यह, पेड़ भी झूम उठा,
हवा ने सरसराते हुए ताली बजाई।
पर दूर किसी गाँव की मिट्टी में,
मानव जाति ने फिर दीवार उठाई।
सगे भाई ने थाली अलग की,
बहन के हिस्से का जल रोका।
नाम मात्र का मानव बना वह,
पर भीतर था पशु से भी धोखा।
कैसा यह व्यंग्य रचा है सृष्टि ने,
जहाँ मनुष्य ज्ञान का अधिकारी है,
पर संवेदना में, प्रेम में, एक तोते से भी हारी है।

मैं और कविता

डॉ टी महादेव राव

मैं चाहता हूं
पकड़ना कविता को
शब्दों के जाल में
और उस कविता को
बिखेरना चाहता हूं
बीजों की तरह सुनसान
बीहड़ जगहों पर
ताकि पनप उठे वहां
मानवता और फैले संदेश प्रेम का
मैं चाहता हूं
पकड़ूं उस कविता को
जो तितली की तरह आती है
मन मस्तिष्क के बाग में
और बारिश की बिजली सी
कौंधकर हो जाती है गायब
लेकिन कुछ पल की रोशनी
कुछ पलों का बदलाव
परिसर में भर देता है
एक नया कोलाहल।।

जीवन की न्यारी सौगातें

गीता अग्रवाल हैदराबाद

जीवन की न्यारी सौगाते,
किसी ने करके तोड़ दिए वादे।
कोई फकीर बनकर रहा,
कोई बनके रहे शहजादे।।
जीवन की न्यारी सौगाते.....
रोज जगने लगे अभिलाषा
तकदीर पलट रही है पासा,
प्रेम कम, किसी से ज्यादा
किसी के प्रेम में बन गए दासा,
'हुनर है तो कदर' समाये
कोई सफलता से जल जाए,
ऐसे ही बीती हमारी राते।
जीवन की न्यारी सौगाते....
रख 'जीवन अनुभव' का मान
छोटे, बड़े को दिया सम्मान,
कहते तो सब यही हैं लेकिन
मौका मिले करें अपमान,
आज संस्कार कम हुए हैं
अश्रुपूरित नयन हुए है,
आज के युग की हैं ये बाते।
जीवन की न्यारी सौगाते....
कैसा युग, ये कलियुग आया
कौवा, हंस को समतुल पाया,
दूसरे के दुख दिखते कहाँ अब
मन मदिर उथल-पुथल पाया,
कलियुग मे ये गुण समाये
अपने में मस्त सब की हवाये,
अपेक्षाओं से क्यों दिल लगाते।
जीवन की न्यारी सौगाते....
किसी ने करके तोड़ दिए वादे।
कोई फकीर बनकर रहा,
कोई बनके रहे शहजादे।।

सजल

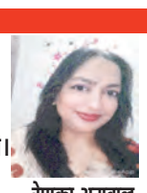

रेणुका अग्रवाल हैदराबाद

पलकों के रास्ते गम बाहर निकल गए।
दिल हल्का हो गया हम भी सम्भल गये।
मुनादी हर तरफ करा दी राजा ने
उसे मोहब्बत करने वाले खल गए।
फांसी दे देगा आशिकी करने वालों को
सलीम अनारकली जिंदा ही जल गए।
आज का ज़माना बेहतर लगता है।
देखो आशिक माशूक सब बदल गए।
बातें ऐसी बनाते रहे एक दूसरे से
की दोनों खुद को ही छल गए।
करनी इंसान की होती है लेकिन।
नसीब को दोष देकर बाजू से निकल गए।
आज किसी को किसी की पड़ी नहीं है
वो समझते हैं की लोग उनसे जल गए।
बुत खाने में सजदा सभी करते हैं।
दुआओं में चाहे की मुसीबतें टल गए।
रेणू को किसी से कोई उम्मीद ही रही नहीं।
वो देखती है की अपनों के रवैया बदल गए।
मयखाना जाना जरुरी हो गया है
दिलजलों के दिल जो दहल गए।
हिफाज़त किस वजह से करूं अपनी मैं
अपने ही मुझपर कई इल्जाम मल गए।
परिवार संभाला जिम्मेदारी से
गरज निकली हम भी ढल गए।
वक्त का तकाज़ा यही था रेणू
चुपचाप हम घर से निकल गए।

चंद उम्मीदें...

दर्शन सिंह हैदराबाद

मत कुरेदो पुरानी यादों को
ज़ख्म दिल का उधड़ न जाए कहीं
फिर वही खुश्क रेत का दरिया
मेरे रास्ते में पड़ न जाए कहीं
बस अब और नहीं चला जाता
कब तक हवाओं को समझाने निकले
चंद उम्मीदें निचोड़ी तो आहें टपकी
दिल को पिघलाएं तो हो सकता सांसे निकले
यादें जो बीते पलों की बाते हैं
दिल में गहराई से समाई हैं
करूं कितनी भी कोशिश भूलने की
पर आंखों में बन पानी उतर आई हैं
हाथों में हाथ लिए जीने का किया था वादा
और कितना इंतजार, स्वयं से बतियाने निकले
चंद उम्मीदें...
अकेलापन लगता अजीब पर
वफादार साथी है मेरा
साथ रहता है हरदम मेरे
साथ कभी नहीं छोड़ता मेरा
क्या कहा जाए, किसको कहा जाए
नैय्या है मझधार में, किनारे लगाने निकले
चंद उम्मीदें...

उलझन

डॉ डी डी देसाई

कोई तो पूछो...उलझन मेरी..
जो दिमाग़ में अँधेरा कर बैठी हैं।
प्रज्वालित हो स्वयं से कोई जुगनू...
अलोकित करे दिमागी संदूक को,
मिटाना चाहता हूँ...अँधेरा....
जो मेरी नींद भी खा गया हैं।
बिस्तर से अभी उठा नहीं...कि....
सोफे पर फैली पड़ी हैं एक और उलझन,
मेरी निद्राभंग के इंतजार में...
लालच भरी नेत्रों से ताकती खड़ी हैं..
पुनः मुझपर सवार होने के लिए...।
मैं बेबस.... लाचार...हतबल....
उसे रोक न सका...।
अब उलझने मुझपर हैं सवार,
मस्ती में धुत...अपनी ही धून में सवार।
बोझ तले दबी साँसे भी मेरी...
धड़कनें भी थरथरा रही हैं।
खुली हवा की चाहत में,
घर से बाहर निकला.....।
दरवाजे पर खड़ी मेरे अतिथ्य में,
फिर एक उलझन दूसरी उलझन के बाद।
उलझनों की कतार बढ़ती ही गयी...

लंका दहन में हनुमान की पूँछ हो जैसे।
मैं बेबस...असमर्थ...असहाय...।
सवारी पर सवारी बैठती गयी।
मैं जीवन रथ खिंचता रहा...।
साँसे भी दबी...आवाज़ भी दबी,
कदम भी लड़खड़ाने लगे।
खुद को घसीटते ले जा रहा हूँ।
मैं ठहरा आम आदमी...
अब निभाह भी मुश्किल हैं।
फिर भी ढ़ो रहा हूँ...बोझ उलझनों का.....।

एक छोटी सी जरूरी बात

जे गंगाधर 'गंध' हैदराबाद

जिंदगी में सानंद व स्वस्थ
रहना हो तो रहा करो मस्त,
सुस्त को मारकर रहना चुस्त,
सदा सामाजिक सेवा में मस्त।
अगर कोई सामने वाला गरम,
हुआ तो बुद्धिमानी है हो जाए नरम।
अगर कोई हम पर करने लगे क्रोध,
तो तनिक शांत से सामना करें बोध।
अगर कोई हमारे सामने दिखाए जोश,
तो उतावले ना बन हम रह जाना होश।
अगर कोई अनाप-शनाप बक दें गाली,
तो मुस्करा कर ऊपरवाले का नाम लेली।
गाली तो गली न गीली मन बुद्धि मटमैली,
हमने तो परमात्मा से दोस्ती यूं क्या करली,
देखा तो ऊपर वाले ने सबको खूब निपटली।

जख्म

हेमंत सुराना, उदयपुर

जिंदगी जख्मो से भरी है,
कभी अपने, कभी पराये दे जाते हैं
दिखते नहीं, पर दुखते बहुत है,
दिखाते अगर, तो आईने को रुलाते हैं
देखे हैं कुछ को, नमक लिए घूमते हैं,
मौका मिलने पर, कुरेदने से भी नहीं जिझगते हैं
झूठी हंसी से जख्म और बढ़ाते हैं ,
जख्म के साथ दाग भी खिलाते हैं
कांटे तो क्या फूल भी जख्म देने लगे हैं,
शांत चेहरे के पीछे जख्म गहरे होते हैं
जिंदगी गुजर जाती है इम्तिहानो के दौर में,
एक जख्म भरता है दूसरा तैयार हो जाता है
अब छुपाने का हुनर सीख लिया है,
खामोशी से सहना सीख लिया है
भर जाएंगे कुछ जख्म वक्त के साथ,
कुछ गहरे ताउम्र साथ देंगे,कुछ गहरे ताउम्र साथ देंगे ।

दर्द एकाकीपन का

परदेस की धरती पर उनके कदम
जमते चले गये, और एकाकीपन का दर्द लिए,
मां बापू के थकते क़दम,
उम्र की ढलान की तरफ बढ़ते चले गए।
मृत्यु के भय से बढ़ा है आकार,
एकाकीपन का, खालीपन का,
शरीर की व्याधि तो दवा के उपचार से ठीक हो सकती है,
पर वीराने का विकार ऐसा जो,
प्रतिपल उत्तरोत्तर बढ़ता ही चला जाता है।
किसी वैद्य के पास नहीं कोई उपचार इसका,
इस मर्ज का नहीं कोई, इलाज पुख्ता।।
जिंदगी भर की मशक्कतों- मुसीबतों को,
झेलते गये,अपनों का लेकर प्यार,
पर जिंदगी के इस पड़ाव पर,
जिंदगी जैसे लगने लगी है एक भार।।
कभी-कभी रिश्ते और संबंध,
ऐसे लगते हैं जैसे हो व्यापार,
मोह और प्रेम का ब्याज चुकाते -चुकाते ही,
खत्म होने लगता है संसार,
शायद मूल चुकाने के लिए,
करना पड़ेगा अगले जन्म का इंतजार।।

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA, Publications, Ltd,
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

हैदराबाद, निज़ामाबाद, विशाखापट्टणम

स्वतंत्र वार्ता साप्ताहिकी

रविवार 20, अप्रैल 2025

'लेडी डॉन' जिकरा के खौफ से हिंदू पलायन को मजबूर

'हिंदू पलायन कर रहा है, सीलमपुर बांग्लादेश बन चुका है,हेल्प मी योगी जी।'

दिल्ली के सीलमपुर में हिंदुओं ने अपने घरों के बाहर ये पोस्टर चिपका रखे हैं। 18 अप्रैल की सुबह इलाके के लोग सड़क ब्लॉक कर धरने पर बैठ गए। लोगों का कहना है कि इलाके में डर का माहौल है और हिंदू अपना घर छोड़ने को मजबूर हैं। हिंदू परिवार यूपी के सीएम योगी और पीएम मोदी से सुरक्षा की मांग कर रहे हैं।

दरअसल इन सबकी शुरुआत 17 अप्रैल की शाम 8 बजे सीलमपुर के जे-ब्लॉक से हुई। यहां 17 साल के कुणाल की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। कुणाल की मां का आरोप है कि हत्या 'लेडी डॉन' जिकरा और उसके भाई साहिल ने की है। एक हफ्ते पहले वो लाला को पूछते घर आए थे। पता न बताने पर जान के मारने की धमकी देकर गए। आरोपी मुस्लिम परिवार से हैं। लिहाजा, घटना के बाद से इलाके का माहौल बिगड़ गया

सीलमपुर के जे-ब्लॉक में हिंदू परिवार का प्रदर्शन जारी है। मुस्लिम पक्ष के लोग बात करने से कतराते हैं। तनाव के हालात को देखते हुए यहां भारी पुलिस बल तैनात है। मर्डर सीलमपुर में ही पुंढीर क्लिनिक के बाहर हुआ। रात 8 बजे कुणाल को चार लोगों ने चाकू मारा। फिर उसे घसीटते हुए क्लिनिक के अंदर ले गए। घर वालों को पता चला तो कुणाल को पास के ही अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटनास्थल पर खून के निशान अब भी हैं।

कुणाल की मां पदमिनी बताती हैं, 'मेरा बेटा शाम 7 बजे पास की दुकान से दूध लेने गया था। बस 15-20 मिनट में खबर आ गई कि उसे चाकू से मार दिया है। मेरा बेटा चला गया। मुझे इंसाफ चाहिए। मुझे पूरा यकीन है कि इसके पीछे जिकरा और साहिल का हाथ है। ये बात पुलिस को भी पता है। दोनों भाई-बहन हैं। उनका एक ग्रुप है, जो मारपीट, लड़ाई-झगड़े और मर्डर जैसे काम करता है। एक हफ्ते पहले जिकरा और साहिल मेरे घर आए थे। वो कुणाल से लाला के बारे में पूछ रहे थे। वो हमारे पड़ोस में रहता था। वो कुछ समय पहले ही यहां से चला गया। लाला से कुणाल की दोस्ती थी क्या? इसके जवाब में पदमिनी कहती हैं, 'लाला 35 साल का आदमी है। मेरा बेटा सिर्फ 17 साल का था। उनकी दोस्ती कहां से होगी? कुणाल ने मुझे बताया था कि दोनों बदमाश हैं और उसे जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। कुणाल की चाची गुड़िया बताती हैं, 'मैं जब अस्पताल पहुंची तो देखा कुणाल चाकुओं से गुदा पड़ा था। उसकी मौत हो चुकी थी। हमें कुछ नहीं पता, उसे क्यों मारा गया। इतने सालों में यहां 6 मर्डर हो चुके हैं। यहां हम हिंदुओं का रहना मुश्किल हो गया है। कोई गोलियों, चाकुओं और पत्थर से मार देता है। हमारे बच्चों को खतरा है। हम खुलकर नहीं जी पा रहे। हमारी बेटियां घर से बाहर निकलकर खड़ी नहीं हो सकती हैं। बाजार नहीं जाती हैं। हमारे बच्चों को गालियां दी जाती हैं। हर कोई बर्दाश्त नहीं कर सकता है। कभी तो सामने वाला भी कुछ कहेगा।

कौन है जिकरा और साहिल

जिकरा और साहिल रिश्ते में भाई-बहन हैं। मोहल्ले के लोगों ने बताया कि जिकरा यहीं अपनी नानी के साथ रहती थी। उसकी नानी का घर कुणाल के घर से सिर्फ 300 मीटर दूर है। लोगों से पता चला कि जिकरा शादीशुदा है, लेकिन वो पति के साथ नहीं रहती। उसकी एक बेटी भी है। वो नानी और नाना के साथ ही रहती थी। जिकरा जेल भी जा चुकी है। हालांकि, किस मामले में जेल गई, वो नहीं बता सके।

यहां धरने पर बैठी तनूजा के घर के बाहर पोस्टर पर लिखा है, 'हिंदू पलायन कर रहा है। सीएम रेखा गुप्ता हेल्प मी।' तनूजा बचपन से सीलमपुर में रह रही हैं। वे कहती हैं, 'इस मोहल्ले में लड़ाई-झगड़े बहुत होते हैं। पुलिस कुछ नहीं करती। बस दो-चार दिन इस तरह भीड़ बैठती है। इसके बाद प्रशासन कोई कदम नहीं उठाता।' 'इस बार हम चाहते हैं कि हम हिंदुओं के लिए कोई कुछ करे। यूपी में जो सुरक्षा योगी जी ने दी है हमें भी वही चाहिए।' जिकरा को सब जानते हैं। वो यहां अपने ग्रुप के साथ आकर खड़ी रहती है। मजाल है फिर कोई उस रास्ते से गुजर जाए। यहां उसका नाम लेकर लोगों को धमकाया जाता है।

उनके बगल में बैठी शालू के हाथ में पोस्टर पर लिखा है, 'योगी मॉडल सीलमपुर में चाहिए। नहीं तो हिंदुओं का पलायन होता रहेगा। मदद करो मोदी जी। शालू कहती हैं, 'हम बहुत डरे हुए हैं। इसी वजह से हम यहां से घर छोड़कर भागने पर मजबूर हैं। हम लोगों पर दबाव बनता जा रहा है। यहां खुलेआम ड्रग्स बिकती है। गेट पर लोग नशा करके बैठे रहते हैं। आप उन्हें उठाने की हिम्मत नहीं कर सकते। हम चाहते हैं इस मामले की जांच हो। सच सबके सामने आए। इसके बाद हम लाला के बारे में पता लगाने उसके पुराने घर पहुंचे। यहां वो किराए पर रहता था। पड़ोस में रहने वाली सोनम बताती हैं, 'पिछले साल लाला के भाई की चाकू मारकर ही हत्या कर दी गई थी। आरोपी मोहल्ले के ही लोग थे। दो महीने पहले ही लाला ने अपने भाई का बदला लेने का सोचा। उसकी मोहल्ले के लोगों से बहस और लड़ाई हुई। उसके बाद रात को लोगों की भीड़ गली में घुस आई और तोड़फोड़ की। उसमें साहिल भी शामिल था। इस घटना के बाद लाला की मां उसे यहां से लेकर चली गई। अब यहां दूसरे किरायेदार रहते हैं।

नीम मस्जिद के पास ज्यादातर मुस्लिम परिवार रहते हैं। यहां जिकरा की नानी का भी घर है। लोगों ने बताया कि 17 को हुई वारदात के बाद ही जिकरा के नाना, नानी और उसके मामा घर छोड़कर चले गए। रात 12 बजे गुस्साई भीड़ उसकी नानी के घर में घुस गई। हम जब जिकरा की नानी के घर पहुंचे, तो वहां घर के बाहर लगा बिजली का मीटर और सीसीटीवी कैमरे टूटे हुए थे। उसके पड़ोसी शकील अंसारी बताते हैं, 'कल रात करीब 12 बजे भीड़ गली में घुस गई। वे 'जय श्री राम' के नारे लगा रहे थे। गलियां भी दे रहे थे। मोहल्ले के लोग डर गए। घर पर कोई नहीं था। उन्होंने घर का ताला तोड़ दिया।' यहीं रहने वाले परवेज बताते हैं, 'रात को ज्यादातर लोग घर में थे। सुबह उठकर देखा तो हर तरफ पुलिस थी। जो भी घटना हुई वो बहुत गलत है। हम इसके खिलाफ हैं। हिंदू, मुस्लिम या सिख, जिसके भी बच्चे को चोट लगेगी, दर्द सबको होगा। जिसके बच्चे को मारा है, उसे तो दर्द होगा ही। जिसको मारा है और जिन्होंने मारा सभी इसी इलाके के बच्चे हैं।' हमने पूछा आपको किस पर शक है? इस पर वो कहते हैं, 'जो हुआ है, उसकी पूरी जानकारी किसी को नहीं है। ये सभी हम उम्र हैं। बचपन से ही साथ खेलते बड़े हुए हैं। सब एक दूसरे की गली में जाते थे। इनका आपस में क्या विवाद हुआ, इसके बारे में किसी को नहीं पता। इसमें कोई सांप्रदायिक मामला नहीं है।' हम चाहते हैं कि पुलिस और प्रशासन सख्ती करे, ताकि ऐसे हादसे सीलमपुर में न हो। परिवार को भी अपने बच्चों पर नजर रखनी चाहिए कि वे कहां जाते हैं और किसके साथ उठते-बैठते हैं।

जिकरा के बारे में पूछने पर परवेज कहते हैं, 'वो इसी मोहल्ले की बच्ची है। डॉन वाली बात फिजूल है। जो हुआ, वो गलत हुआ है। पुलिस को कार्रवाई करनी चाहिए। पूरे इलाके के लोग पुलिस का सहयोग करेंगे। हमारे देश का दुर्भाग्य है कि जो मुद्दे नहीं होने चाहिए, उन्हें उठाया जा रहा है। परवेज के साथ ही खड़े सतीश कहते हैं, 'मैं हिंदू हूं और मस्जिद के पास रहता हूं। यहां दोनों पक्षों के बीच कोई विवाद नहीं है। इस घटना में प्रशासन की भी गलती है। इलाके में दुकाने बंद होने का कोई समय नहीं है। रात को 1-2 बजे तक दुकानें खुली रहती है। बच्चे वहां बैठते हैं। उनमे बातें होती हैं। लड़ाई-झगड़ा होता है।

मुर्शिदाबाद हिंसा ममता बनर्जी के लिए बन चुकी है गले की हड्डी

वक्फ संशोधन कानून के विरोध के नाम पर पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में जिस तरह से हिंसा को अंजाम दिया गया, उसकी हकीकत की परतें अब खुलने लगी हैं। पहले जिस तरह से इन हिंसक वारदातों की जानकारियां सामने आईं, उससे इसकी भयानकता का अंदाजा नहीं लग पा रहा था। लेकिन, जब राष्ट्रीय महिला आयोग (NCW) और पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस के सामने हिंसा पीड़ितों ने अपने हालात बयां किए हैं तो यकीन करना मुश्किल हो रहा है कि यह सब उस राज्य में हो रहा है, जहां 14 वर्षों से एक महिला मुख्यमंत्री शासन कर रही हैं।

पश्चिम बंगाल में ममताराज में इससे पहले कई ऐसी घटनाएं हुई हैं, जो सियासी दावों और प्रतिदावों में उलझकर हवा हो चुकी हैं। लेकिन, इस बार मामला बहुत ही भयानक है। तृणमूल सरकार इस हकीकत से मुंह नहीं फेर सकती कि आज बंगाल के ऐसे दिन हो गए हैं कि अपने ही प्रदेश में लोगों को शरणार्थी बनकर रहने को मजबूर कर दिया गया है। जो राज्य सरकार मुर्शिदाबाद को जलने से रोक नहीं पाई, वह प्रदेश के राज्यपाल को कानून-व्यवस्था के नाम पर दंगा पीड़ितों से मुलाकात नहीं करने की सलाह दे रही थी।

खैर बंगाल के गवर्नर सीवी आनंद बोस ने राज्य सरकार की सलाह को नजरअंदाज कर राहत शिविरों में रह रहे मुर्शिदाबाद हिंसा पीड़ितों से मुलाकात की। एएनआई के मुताबिक राज्यपाल ने पीड़ितों से बातचीत के बाद मीडिया वालों से कहा है, 'वे (पीड़ित) सुरक्षा का माहौल चाहते हैं और निश्चित रूप से कुछ अन्य मांगें या उनके द्वारा दिए गए सुझाव भी हैं...सब पर विचार किया जाएगा। मैं उचित कार्रवाई के लिए इसे भारत सरकार और राज्य सरकार के समक्ष उठाऊंगा.... इसका मैं अनुसरण करूंगा... मैंने एक बार उनसे कहा कि वे मुझसे बेझिझक बात करें। इसके लिए फोन नंबर भी दिया गया है। हम उनके संपर्क में रहेंगे। निश्चित रूप से, बहुत प्रभावी और सक्रिय कदम उठाए जाएंगे...

दो दिनों से चेयरपर्सन विजया रहाटकर की अगुवाई में राष्ट्रीय महिला आयोग (NCW) का एक प्रतिमंडल भी बंगाल के हिंसा पीड़ित इलाकों के दौरे पर है और मौके पर पीड़ितों से उनकी आपबीती सुन रहा है। इसी कड़ी में शनिवार को जब राष्ट्रीय महिला आयोग की टीम मुर्शिदाबाद पहुंची तो पीड़ित महिलाओं की पीड़ा देखकर वह भी भौंचक्की रह गई। 11 अप्रैल की हिंसा में मारे गए पिता-पुत्र के परिवार वालों से मुलाकात के बाद NCW की चेयरपर्सन ने कहा, उनके पास इतना दर्द है...मैं अभी निःशब्द हूं...मेरे पास अभी शब्द नहीं है, उनका दर्द बयां करने के लिए..। एक जगह उन्होंने कहा, बहुत ज्यादा हो गया है...इस तरीके से...ये सब अमानवीय है। इतनी तकलीफ इन सबको हो रही है।..उन्होंने जो मांगें की हैं, हम सरकार के पास रखेंगे...।

पीड़ितों से मुलाकात के बाद राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य अर्चना मजूमदार ने कहा, ...भयंकर..कोई महिला का पति गया, कुछ ने अपने बेटे खो दिए। उनको घर से खींचकर... उनको कसाई की तरह काट दिया....यह भयानक है। मुझे नहीं पता कि ऐसी घटनाएं पश्चिम बंगाल में पहले कभी हुई हैं। हम यह सबकुछ पहली बार देख रहे हैं।

कांग्रेस: कर्नाटक में आगे कुआं पीछे खाई

कर्नाटक में कांग्रेस पार्टी और मुख्यमंत्री सिद्धारमैया एक मुश्किल स्थिति में फंस चुके हैं। यह मुश्किल जाति जनगणना को लेकर है। पार्टी नेता राहुल गांधी इस जाति जनगणना का समर्थन कर रहे हैं और सिद्धारमैया उनके इस अभियान को लागू करने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन, अब यह उनके लिए ही मुसीबत बन गई है। जाति जनगणना की रिपोर्ट पर उनके अपने ही मंत्रिमंडल में मतभेद हैं। डेटा को लेकर भी कई सवाल उठाए जा रहे हैं। बीजेपी इस मुद्दे पर सरकार पर हमला कर रही है। लोगों में भी इस रिपोर्ट को लेकर शंका और संदेह भरे पड़े हैं। ऐसे में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के लिए आगे कुआं और पीछे खाई वाली स्थिति बन गई है।

कर्नाटक की राजनीति में इन दिनों उथल-पुथल मची हुई है। कांग्रेस पार्टी और मुख्यमंत्री सिद्धारमैया हर कदम सावधानी से रख रहे हैं। इसकी वजह है जाति जनगणना को लेकर उठा विवाद। राहुल गांधी इस जाति जनगणना का समर्थन कर रहे हैं और लगता है कि उन्हें ही खुश रखने के लिए सिद्धारमैया इसे जल्द लागू करने की कोशिश कर रहे हैं। राहुल गांधी 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले से ही जाति जनगणना को एक बड़ा मुद्दा बनाने की कोशिश में हैं। हालांकि, लोकसभा चुनावों में कांग्रेस को इससे कोई खास फायदा नहीं हुआ। पार्टी सिर्फ 99 सीटें ही जीत पाई। फिर भी राहुल गांधी के एजेंडे को आगे बढ़ाने की कोशिश में सिद्धारमैया खुद ही मुश्किल में फंसते नजर आ रहे हैं।

कर्नाटक राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग ने एक सर्वे किया था। एच कांतराज इसके अध्यक्ष थे। यह सर्वे 2015 में शुरू हुआ था। इसमें लोगों की सामाजिक, आर्थिक और शिक्षा से जुड़ी जानकारी जुटाई गई। लगभग 5.9 करोड़ लोगों को शामिल किया गया। 1.3 करोड़ घरों तक टीम पहुंची। सर्वे 2018 में पूरा हो गया। लेकिन रिपोर्ट को कई सालों तक जारी नहीं किया गया। बाद में जयप्रकाश हेगड़े की अध्यक्षता में एक और आयोग बना। इस आयोग ने कांतराज आयोग के डेटा का इस्तेमाल करके रिपोर्ट में सुधार किए। इस रिपोर्ट पर भी कांग्रेस सरकार महीनों से कुंडली मारकर बैठी रही और अब अचानक इसे जारी करने की कोशिश हो रही है।

इस रिपोर्ट को जारी करने की ओर कदम बढ़ाने का फैसला अब मुख्यमंत्री के लिए ही मुसीबत बन गया है। रिपोर्ट को लेकर उनके अपने ही मंत्रिमंडल में मतभेद हैं। वोक्कालिगा और लिंगायत समुदायों के मंत्रियों ने इसकी विश्वसनीयता पर सवाल उठाए हैं। रिपोर्ट के विरोध का सबसे बड़ा कारण यह है कि डेटा इकट्ठा करने में कई गलतियां हुई हैं। कई मंत्रियों ने आरोप लगाया है कि उनके इलाकों में पिछले दस सालों में कोई भी गणना करने वाला उनके घर नहीं आया। बेंगलुरु जैसे शहरों में इस तरह के आरोपों की भरमार है। कहा जा रहा है कि गेटेड कम्युनिटी और ऊंची इमारतों में रहने वाले लोग सर्वे में शामिल ही नहीं हो पाए।

टाइम्स ऑफ इंडिया के अनुसार जाजीनगर और दावणगेरे जैसे इलाकों में सर्वे करने वालों ने खुद माना है कि उन्हें बहुत कम समय में बड़े इलाकों का जाति जनगणना करने के लिए कहा गया था। इसलिए उन्होंने कई फ्लैटों और इमारतों से लौटना ही ठीक समझा। इसका नतीजा यह हुआ कि कई प्रमुख जातियों की सही संख्या का आंकड़ा नहीं मिल पाया। इसके अलावा, डेटा भरने में भी गड़बड़ी हुई। उप-जातियों के वर्गीकरण में भ्रम था। लोगों को यह समझ नहीं आ रहा था कि वे अपने आप को किस जाति के रूप में दर्ज करें। कई चीजें हाथ से भरी गईं, जिससे नियमों का उल्लंघन हुआ।

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया का दावा है कि रिपोर्ट 95% तक सही है। उन्होंने कहा कि इसे बिना वैज्ञानिक जांच के खारिज नहीं किया जाना चाहिए। वहीं, सरकार के कुछ सूत्रों का कहना है कि शहरी डेटा की दोबारा जांच के लिए एक पैनल बनाया जा सकता है। ऐसे सवाल यह है कि क्या रिपोर्ट जारी करने की दिशा में उठाया गया कदम राजनीतिक दबाव में हो रहा रहा है? क्या राहुल गांधी के 'समाजवादी एजेंडे' को आगे बढ़ाने के लिए राज्य सरकार स्थिरता को खतरे में डाल रही है?

यह भी ध्यान देने वाली बात है कि सिद्धारमैया पहले से ही मुडा (मैसूर अर्बन डेवलपमेंट अथॉरिटी) घोटाले और एससी-एसटी फंड के गलत इस्तेमाल के आरोपों से घिरे हुए हैं। अब जातिगत जनगणना का मुद्दा उनके लिए एक और परेशानी बन गया है; और यह सब तब हो रहा है जब उनके डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार, जो वोक्कालिगा समुदाय से आते हैं, खुद उनकी कुर्सी पर नजर गड़ाए हुए हैं।

विपक्ष भी बना रहा सरकार को निशाना

प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र ने सरकार पर हमला करते हुए कहा है कि इस सर्वे पर 150 करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च कर दिए गए, लेकिन खुद कांग्रेस के मंत्री ही इसकी विश्वसनीयता पर सवाल उठा रहे हैं। बीजेपी और अन्य विपक्षी दल लगातार यह मांग कर रहे हैं कि इस रिपोर्ट को सार्वजनिक किया जाए और इसके 'रॉ डेटा' को स्वतंत्र ऑडिटरों के माध्यम से जांचा जाए। विजयेंद्र ने कहा, '150 करोड़ रुपये से अधिक इस सर्वे पर खर्च कर दिए गए, लेकिन इसकी विश्वसनीयता खुद कांग्रेस के मंत्री ही नहीं मानते।'

जानकार भी उठा रहे सवाल

सामाजिक और राजनीतिक विश्लेषकों का भी मानना है कि जब तक पारदर्शिता नहीं बरती जाती, तब तक इस तरह की रिपोर्ट समाज में सिर्फ विभाजन को बढ़ावा दे सकती हैं। कुछ जानकार सुझाव दे रहे हैं कि डेटा जारी करने से पहले यह भी बताना चाहिए कि इसे इकट्ठा कैसे किया गया?

डोलो 650 दवा को टॉफी की तरह गटक रहे भारतीय

ये शरीर के लिए जानलेवा भी बन जाती है

अमेरिका में रहने वाले डॉ. पलानियप्पन के इस तंज ने पैरासिटामॉल पर एक नई डिबेट छेड़ दी है। बुखार हो या बदन दर्द, जुकाम हो या हरारत...भारतीयों में Dolo 650 खाने की आदत पड़ गई है, लेकिन क्या ये आदत जानलेवा भी बन सकती है?

डोलो 650 टैबलेट पैरासिटामॉल का एक ब्रांड है। पैरासिटामॉल एक जेनरिक सॉल्ट है, जिसका इस्तेमाल आमतौर पर दर्द और बुखार में किया जाता है। फार्मा कंपनियां क्रोसिन, कालपोल या डोलो जैसे अलग-अलग ब्रांड के नाम से पैरासिटामॉल सॉल्ट ही बेचती हैं। जिस तरह से बोतल बंद पानी के लिए बिसलेरी और फोटो कॉपी के लिए जेरॉक्स इस्तेमाल होता है, उसी तरह भारत में कोरोना महामारी के बाद पैरासिटामॉल को भारतीय डोलो बोलने लगे।

डोलो 650 को बेंगलुरु की दवा कंपनी माइक्रो लैब्स लिमिटेड बनाती है। कंपनी ने जानबूझकर इस बात पर फोकस किया कि सिर्फ हम पैरासिटामॉल की 650 mg देते हैं। बाकी ब्रांड्स 500 mg में ही हैं। माइक्रो लैब्स ने अपने ब्रांड प्रमोशन में FUO यानी 'Fever of Unknown Origin' टर्म का इस्तेमाल किया। अगर बुखार का कारण पता नहीं है तो डॉक्टर डोलो 650 प्रिस्क्राइब करने लगे। कोरोना की लहर में एक दूसरे की देखा-देखी लोग खुद भी मेडिकल स्टोर जाकर डोलो 650 खरीदने लगे। यानी, ओवर द काउंटर मेडिसिन में डोलो ने क्रोसिन को रिप्लेस कर दिया और महज 20 महीने में बिक्री के रिकॉर्ड तोड़ दिए। भारत में डोलो की पॉपुलैरिटी पर जमकर मीम्स बनते हैं...

दर्द एक संकेत है जो बताता है कि शरीर में कुछ गड़बड़ है। जब शरीर पर चोट लगती है या अंदर कोई गड़बड़ी होती है, तो नसों के जरिए दिमाग को संदेश जाता है कि इस हिस्से में कुछ गलत हो रहा है। यही संदेश हमें 'दर्द' के रूप में महसूस होता है। अब इस प्रोसेस को साइंस की भाषा में समझते हैं। शरीर के जिस हिस्से पर चोट लगती है, वहां से प्रोस्टाग्लैंडिन्स जैसे केमिकल निकलते हैं। ये केमिकल दिमाग को सिग्नल भेजते हैं कि यहां गड़बड़ी है। दिमाग का हिस्सा 'हाइपोथैलेमस' और 'कॉर्टेक्स' इसे प्रोसेस करता है। इससे हमें उस जगह दर्द या जलन महसूस होती है। अगर आपको बुखार है तो प्रोस्टाग्लैंडिन्स हाइपोथैलेमस से कहते हैं, 'तापमान बढ़ाओ।' तो आपको बुखार का एहसास होता है। अगर दर्द है, तो यह कॉर्टेक्स को कहते हैं, 'घुटने में दर्द हो रहा है।' जिससे आपको दर्द होना शुरू हो जाता है। अब समझते हैं कि पैरासिटामॉल शरीर में जाकर काम कैसे करती है...

एक वयस्क व्यक्ति 24 घंटे में अधिकतम 4,000 mg पैरासिटामॉल ही ले सकता है। यानी अगर आप 500mg की क्रोसिन 500 लेते हैं, तो आप दिन में 4 से 6 घंटे के गैप से मैक्सिमम 8 गोलियां खा सकते हैं। अगर आप 650mg की डोलो 650 लेते हैं, तो एक दिन में मैक्सिमम 6 गोलियां खा सकते हैं। बच्चों की खुराक उनकी उम्र और वजन पर निर्भर करती है। आमतौर पर 1 किग्रा. वजन पर 10-15mg की खुराक दे सकते हैं। इसमें भी 4 से 6 घंटे का गैप जरूरी है। अगर 10 किलो का बच्चा है, तो एक बार में 100-150mg दी जा सकती है। यानी एक दिन में मैक्सिमम 600mg। इसमें डॉक्टर की सलाह जरूरी है।

पैरासिटामॉल सही मात्रा में लेना बेहद जरूरी है। इस दवा के ओवरडोज से बचना चाहिए। अगर एडल्ट्स प्रतिदिन 4000mg और बच्चों को 600mg से ज्यादा पैरासिटामॉल दी जाए, तो यह ओवरडोज हो जाती है। आमतौर पर देखा जाता है कि घरों में पैरासिटामॉल के एक-दो पत्ते पड़े होते हैं। जब भी दर्द या बुखार होता है, तो उसमें से एक गोली निकाल कर खा लेते हैं, जिससे फायदा भी मिलता है, लेकिन फिर 2 दिन बाद तबीयत खराब होने पर गोली खाना समझदारी नहीं है। इसके कई गंभीर नुकसान हो सकते हैं। बिना डॉक्टर के प्रिसक्रिप्शन के लंबे समय तक हाई डोज की पैरासिटामॉल टैबलेट खाना भी एक तरह का ओवरडोज ही है।' पैरासिटामॉल के ओवरडोज से पेट दर्द, उल्टी, पीलिया, लिवर डैमेज, किडनी फेल्योर या मौत भी हो सकती है। ओवरडोज इंटरनल ऑर्गन को बुरी तरह प्रभावित करती है। इससे एक समय सीमा तक तो बचा जा सकता है, लेकिन देरी होने पर मृत्यु हो सकती है। ओवरडोज से 4 बड़ी समस्याएं होती हैं...।

गैसट्रिकः पैरासिटामॉल की ओवरडोज से सबसे पहले गैस की शिकायत होती है। पेट में दर्द और डाइजेस्टिव सिस्टम बिगड़ने लगता है। खाना भी नहीं खाया जाता। अगर आपने बिना कुछ खाए पैरासिटामॉल ले ली, तो यह समस्या और बढ़ जाती है।

नॉजियाः पैरासिटामॉल के ओवरडोज से थकान, कमजोरी, उल्टी और बेचैनी होने लगती है। ओवरडोज के 24 से 48 घंटे बाद त्वचा और आंखें पीली होने लगती हैं, जो जॉन्डिस यानी पीलिया के संकेत हैं।

लिवर डैमेजः लिवर पैरासिटामॉल को तोड़कर उसे शरीर से बाहर निकालने का काम करता है। इस दौरान NAPQI नाम का एक जहरीला पदार्थ बनता है। सामान्य खुराक में लिवर NAPQI को ग्लूटाथियोन केमिकल से खत्म कर देता है और कोई नुकसान नहीं होता, लेकिन जब पैरासिटामॉल की ओवरडोज होती है, तो ग्लूटाथियोन सही तरीके से काम नहीं करता और NAPQI लिवर को डैमेज करने लगता है। जो मौत का कारण भी बन सकता है। 48 से 72 घंटे में लक्षण दिखने लगते और चक्कर आना या बेहोशी भी हो सकती है।किडनी डैमेजः लिवर डैमेज होने के बाद शरीर में जहरीले पदार्थ जमा होने लगते हैं, जो किडनी और दिमाग को प्रभावित करते हैं। इससे मल्टी-ऑर्गन फेल्योर या कोमा जैसी स्थिति हो सकती है। अगर फेल्योर ज्यादा हो गया तो मौत हो जाती है।

पैरासिटामॉल को सही संकेतों पर ही खाना चाहिए। अगर बुखार या दर्द की शिकायत हो तभी पैरासिटामॉल लें क्योंकि अलग-अलग जगहों पर दर्द की फ्रीक्वेंसी अलग होती है। यह न करें कि बीमारी कुछ और होने पर भी पैरासिटामॉल खा लीं। इससे गंभीर नुकसान हो सकते हैं। यह टैबलेट सही मात्रा में सही समय पर खानी चाहिए। यह लम्बे समय तक खाने वाली दवा नहीं है, इसे बेहद कम समय के लिए खाना चाहिए। अगर तकलीफ ज्यादा है और आसपास डॉक्टर नहीं है, तो खुद से खरीदकर भी पैरासिटामॉल खा सकते हैं, लेकिन डॉक्टर की प्रिसक्रिप्शन के बिना 1 या 2 दिनों तक ही पैरासिटामॉल लेनी चाहिए। वो भी कम मात्रा में। जैसे ही दवा से आराम मिले, तो फौरन डॉक्टर के पास जाकर पूरा इलाज कराना चाहिए। कई बार शरीर में दर्द होना किसी बड़ी बीमारी से पहले के संकेत हो सकते हैं। इसलिए खुद डॉक्टर बनने की बजाय डॉक्टर के पास जरूर जाएं।

क्सपर्ट्स कहते हैं, 'भारत में डोलो 650 की मांग ज्यादा है क्योंकि यह अन्य 250mg और 500mg की तुलना में ज्यादा असरदार होती है। कई मरीजों और डॉक्टरों को यह ज्यादा प्रभावी लगती है। लोगों की सोच है कि 1 गोली खाकर फौरन तंदुरुस्त हो जाएं, लेकिन वे यह नहीं देखते कि इससे कितना ज्यादा नुकसान भी होता है। डोलो 650 के जल्दी असर करने की वजह से मार्केट में इसकी डिमांड बढ़ गई।'

लेकिन डोलो 650mg के बाजारों में बिकने की यही एक वजह नहीं है। इसके पीछे भारत सरकार की नेशनल लिस्ट ऑफ एसेंशियल मेडिसिन्स यानी NLEM की पाबंदियां भी हैं। दरअसल, NLEM और ड्रग प्राइस कंट्रोल ऑर्डर (DPCO) भारत में दवाइयों की कीमतों को कंट्रोल करते हैं। NLEM में शामिल दवाओं की कीमत सरकार तय करती है ताकि यह सस्ती और सभी के लिए उपलब्ध हो। पैरासिटामॉल 250mg और 500mg NLEM में शामिल है, इसलिए इसकी कीमत पर सख्त नियंत्रण है। यानी कंपनियां अपनी मर्जी से इन दवाइयों की कीमतें नहीं बढ़ा सकतीं। 650mg की पैरासिटामॉल NLEM में शामिल नहीं है।

इस कारण कंपनियों ने 650mg की दवाएं बनानी शुरू कीं, जिसमें Dolo 650 भी शामिल है। इन दवाओं की कीमतें कंपनियां खुद तय करती हैं और ज्यादा मुनाफा कमाती हैं। कंपनियों ने डॉक्टरों को 650mg लिखने के लिए फोर्स किया, ताकि वे NLEM की सस्ती 500mg गोलियों से बच सकें। इसके लिए कंपनियों ने डॉक्टरों को रिश्वत भी दी।

2022 में फेडरेशन ऑफ मेडिकल एंड सेल्स रिप्रेजेंटेटिव्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की। इसमें दावा किया गया कि Dolo 650 बनाने वाली माइक्रो लैब्स लिमिटेड ने डॉक्टरों को 1 हजार करोड़ रुपए के फ्रीबीज दिए, जिससे वे Dolo 650 को प्रिस्क्राइब करें।

सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्ट टैक्सेज ने जुलाई 2022 में बेंगलुरु की माइक्रो लैब्स लिमिटेड के 36 ठिकानों पर छापेमारी की। इसमें पाया गया कि कंपनी ने डॉक्टरों को फ्रीबीज दिए। इनमें नकदी, गहने, विदेश यात्राएं और अन्य उपहार शामिल थे। छापेमारी में 1.20 करोड़ रुपए की अघोषित नकदी और 1.40 करोड़ रुपए के सोने और हीरे के गहने जब्त किए गए। साथ ही, कंपनी पर 300 करोड़ रुपए की टैक्स चोरी का भी आरोप लगा।

FMRAI ने दावा किया कि 650mg की खुराक को बेवजह का डोज कॉम्बिनेशन कहा गया, क्योंकि 500mg पैरासिटामॉल भी उतनी ही असरदार है, जितनी 650mg। लेकिन 650mg को ज्यादा मुनाफे के लिए प्रचारित किया गया। इससे ज्यादा mg की दवाओं ने मार्केट पर कब्जा जमा लिया।

महाभारत युद्ध के अंतिम दिन दुर्योधन को देखने के लिए गांधारी ने अपनी आंखों से क्यों हटाई पट्टी?

कुरुक्षेत्र का युद्ध इतिहास का सबसे भयानक युद्ध माना जाता है। ये हमें जीवन के मूल सिद्धांत भी सिखाता है। जैसे-जैसे कुरुक्षेत्र का युद्ध अपने आखिरी चरण में पहुंचा, कौरवों की मां गांधारी ने अपने बेटे दुर्योधन की रक्षा के लिए अपनी दिव्य शक्ति का उपयोग करने का निश्चय किया।

गांधारी ने अपने पति धृतराष्ट्र की तरह विवाह के बाद से ही आंखों पर पट्टी बांध रखी थी, ताकि वह उनके दुख को बांट सकें। वर्षों के तप और संयम से उन्होंने अपार आध्यात्मिक शक्ति अर्जित कर ली थी।

गांधारी ने दुर्योधन को बिना कपड़ों के बुलाया गांधारी जानती थीं कि अगर वह अपनी आंखों से दुर्योधन को देख लेंगी, तो उनका आशीर्वाद उसे अजेय बना सकता है। इसलिए उन्होंने दुर्योधन से कहा कि वह रात को बिना कपड़ों के उनके पास आए, ताकि वे पहली बार अपनी आंखों की पट्टी हटाकर उसे देख सकें और अपनी सारी शक्ति उसके शरीर में उतार सकें।

श्रीकृष्ण ने विफल की योजना

श्रीकृष्ण को गांधारी के इस इरादे की भनक लग गई। उन्होंने एक योजना बनाई जिससे दुर्योधन की रक्षा पूरी न हो पाए और पांडव युद्ध जीत सकें। जब दुर्योधन अपनी मां से मिलने जा रहा था, तभी श्रीकृष्ण रास्ते में उससे टकरा गए। उन्होंने बातों-बातों में दुर्योधन से कहा, "राजकुमार होकर बिना कपड़ों के घूमना ठीक नहीं है। अगर किसी ने देख लिया तो बदनामी हो सकती है।"

जब गांधारी ने पट्टी हटाई

दुर्योधन को श्रीकृष्ण की बात लग गई और वह अपनी लज्जा के कारण कमर के नीचे केले के पत्ते से ढककर अपनी मां के पास पहुंचा।

अंक 1 (किसी भी माह की 1, 10, 19 और 28 तारीख को जन्मे लोग)

गणेशजी कहते हैं कि आज का दिन आपके लिए चुनौतियों से भरा हो सकता है, लेकिन शाम तक समस्याओं का समाधान हो जाएगा. कार्यक्षेत्र में आपको कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी, जिससे मानसिक तनाव हो सकता है. परिवार का सहयोग मिलेगा, लेकिन प्रेम संबंधों में आप खुलकर बात नहीं कर पाएंगे. आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी.

गांधारी ने जैसे ही अपनी पट्टी हटाई और दुर्योधन को देखा, उनका आशीर्वाद केवल उसके उन अंगों पर ही असर कर सका जो खुले थे। उसकी जांघ और कमर, जो केले के पत्तों से ढकी थी, उस पर उनका आशीर्वाद नहीं लग सका और वह हिस्सा कमजोर रह गया।

श्रीकृष्ण ने भीम को उसकी प्रतिज्ञा याद दिलाई युद्ध के अंतिम दिन, श्रीकृष्ण समझ जाते हैं कि अगर भीम नियमों का पालन करता रहा तो वह दुर्योधन को नहीं हरा पाएगा।

इसलिए वह अर्जुन से कहते हैं कि वह भीम को उसकी प्रतिज्ञा याद दिलाए। दरअसल, भीम ने कसम खाई थी कि वह दुर्योधन की जांघ तोड़ेगा, क्योंकि दुर्योधन ने द्रौपदी को अपनी जांघ पर बैठने को कहा था।

श्रीकृष्ण के इशारे पर भीम ने दुर्योधन की जांघों पर गदा से प्रहार किया और यही उसकी हार का कारण बना।

इस प्रकार पांडवों की विजय निश्चित हुई। इस तरह श्रीकृष्ण की समझदारी और गांधारी के आशीर्वाद की अधूरी रक्षा, दोनों मिलकर दुर्योधन के पतन का कारण बने।

मूंगा रत्न से बढ़ जाता है प्रॉपर्टी और रियल एस्टेट का काम, ये लोग बिल्कुल भी ना पहनें!

ज्योतिष शास्त्र में रत्न का विशेष महत्व होता है। अधिकतर लोगों में मान्यता है कि रत्न धारण करने से उनकी किस्मत बदल जाती है। जीवन में आ रही समस्याओं से छुटकारा मिल जाता है। ज्योतिष शास्त्र में कुल 84 प्रकार के रत्नों का विवरण मिलता है। हर राशि एवं ग्रह के लिये अलग अलग रत्न पहनने का नियम है। रत्न को पहनने में हमें बहुत सावधानी रखनी चाहिये। कोई रत्न अच्छा होने पर जितने अच्छे परिणाम देता है उससे अधिक खराब होने पर बुरे परिणाम देता है।ऐसा ही एक रत्न है मूंगा, जिसे पहनने से जीवन में ऊर्जा, साहस एवं पुलिस, सेना तथा प्रॉपर्टी के कामों में लाभ मिलता है।आइये मूंगा रत्न के बारे में विस्तार से जानते हैं।

क्या है मूंगा रत्न : मूंगा समुद्र में पाए जाने वाला एक कीमती रत्न है। यह लाल, गुलाबी, नारंगी, गेरुआ, सिंदूरी और सफेद रंग में पाया जाता है। जन्म कुंडली में मंगल ग्रह के कमजोर होने की स्थिति में उसे बल देने के लिए मूंगा धारण किया जाता है। यह समुद्र की गहराई में पाए जाने वाली एक विशेष प्रकार की लकड़ी होता है।

यदि आप गोमेद या लहसुनिया रत्न पहले से धारण किए हुए हैं तो आपको मूंगा नहीं पहनना चाहिए।

मिथुन कन्या मकर कुंभ तुला वृषभ लग्न के जातकों को मूंगा रत्न धारण नहीं करना चाहिए। विशेष परिस्थितियों में आवश्यकता होने पर ज्योतिष की सलाह से कुछ समय के लिए धारण किया जा सकता है।इन लग्नों में मंगल अकारक अथवा मारक होता है।

नीलम, पन्ना या हीरा रत्न के साथ भी मूंगा रत्न को धारण नहीं करना चाहिए।

लग्न कुंडली में यदि मंगल 6, 8 या 12वे भाव में है तो भी मूंगा रत्न धारण नहीं करना चाहिए।

यह लोग करें मूंगा धारण : मेष, वृश्चिक, कर्क, सिंह, धनु, मीन लग्न के जातक जन्मकुंडली के परिक्षण के पश्चात मूंगा रत्न धारण कर सकते हैं। इससे इन्हें विशेष लाभ की प्राप्ति होगी।इन लग्नों में मंगल योगकारक ग्रह होता है।

इस मूलांक के जातक कर सकते हैं धारण : जिन जातकों का मूलांक 9 है यानि किसी भी माह की 9,18, 27 तारीख को जन्म लेने वाले जातक मूंगा रत्न धारण कर सकते हैं।

साढ़ेसाती से बचाव के लिये करें धारण : वर्ष 2025 का मूलांक 9 है। मेष राशि के जातकों की साढ़ेसाती शुरू हुई है। उन्हें शनि के कुप्रभाव से सिर्फ मंगलदेव ही मुक्ति दिला सकते हैं। मेष राशि के जातक मूंगा रत्न धारण करके मंगल को मजबूत करें। इससे उन्हें साढ़ेसाती के प्रभाव से राहत मिलेगी।

इस व्यवसाय के लोग करें धारण : जो लोग प्रॉपर्टी डीलिंग, रीयल एस्टेट से सम्बंधित व्यवसाय में हैं वो लोग जन्म कुंडली में मंगल की स्थिति जांच कर मूंगा रत्न अवश्य धारण करें। इससे उनके व्यवसाय में जबरजस्त बढ़ोत्तरी होगी।

भूलकर भी 4 राशि के जातक न पहनें काला धागा

अक्सर लोग काला धागा पहनते हैं ताकि बुरी नजर और नकारात्मक ऊर्जा से बचाव हो सके। खासकर बच्चों और युवाओं के हाथ या पैर में काले धागे को बांधना आम बात हो गई है। मान्यता है कि इससे न केवल नजर से बचाव होता है, बल्कि मन से डर और चिंता भी दूर होते हैं। परंतु हर चीज हर किसी पर अच्छी असर नहीं डालती, ऐसा ही कुछ काले धागे के साथ भी है।

ज्योतिष के अनुसार काला धागा सीधे सीधे शनि और राहु जैसे ग्रहों से जुड़ा होता है। ये ग्रह अगर किसी व्यक्ति की कुंडली में ठीक स्थिति में नहीं हैं, तो काला धागा फायदेमंद हो सकता है। लेकिन कुछ राशियों के लिए यह उल्टा असर भी कर सकता है।

1. मेष राशि

मेष राशि का स्वामी मंगल ग्रह होता है, जिसे तेज और ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है। वहीं काले धागे का संबंध शनि से होता है, जो धीरे असर करने वाला और संयम से जुड़ा ग्रह है। इन दोनों ग्रहों के स्वभाव में अंतर होने की वजह से मेष राशि के लोगों को काला धागा पहनने से बचना चाहिए। इससे उनके आत्मविश्वास में कमी आ सकती है और रोजमर्रा के कामों में अड़चनें आ सकती हैं।

2. कर्क राशि

कर्क राशि के स्वामी चंद्रमा होते हैं, जो मन और भावनाओं पर असर डालते हैं। चंद्रमा जितना शांत और कोमल है, शनि और राहु उतने ही अलग प्रवृत्ति के माने जाते हैं। ऐसे में अगर कर्क राशि वाले काला धागा पहनते हैं, तो मानसिक तनाव और बेचैनी बढ़ सकती है। नींद की परेशानी या चिंता की स्थिति बन सकती है।

3. सिंह राशि

सिंह राशि के स्वामी सूर्य हैं। इन्हें ज्योतिष में सबसे ऊंचा दर्जा प्राप्त है। सूर्य आत्मबल, नेतृत्व और प्रतिष्ठा का प्रतीक माने जाते हैं। परंतु सूर्य और शनि के बीच हमेशा से विरोध का भाव देखा गया है। अगर सिंह राशि का व्यक्ति काला धागा पहनता है, तो उसकी सामाजिक छवि या आत्मविश्वास पर असर पड़ सकता है। इस राशि के लोगों को खासतौर पर इस बात का ध्यान रखना चाहिए।

4. वृश्चिक राशि

वृश्चिक राशि का स्वामी भी मंगल है, जो मेष की तरह ही शक्ति और हिम्मत से जुड़ा हुआ ग्रह है। शनि और मंगल की आपसी पटती नहीं है। अगर वृश्चिक राशि वाला कोई व्यक्ति काला धागा पहनता है, तो उसे नौकरी, सेहत या पैसों से जुड़ी परेशानियां हो सकती हैं। कई बार ऐसे लोगों के जीवन में अकारण रुकावटें आने लगती हैं।

पितरों को खुश करने के लिए इस खास दिन करें उपाय, देंगे आशीर्वाद, पूरी होगी हर इच्छा!

हिंदू धर्म में पितृ पक्ष के लिए आश्विन मास का विशेष महत्व होता है। इन दिनों में पितृ संबंधित कोई भी धार्मिक अनुष्ठान, धार्मिक क्रिया, पिंडदान आदि करने का महत्व होता है। वही साल में होने वाली सभी 12 अमावस्या पर भी पितृ पक्ष की पूजा, अनुष्ठान आदि करने का विधान बताया गया है। धर्म कर्म के लिए वैशाख मास यानी हिंदू वर्ष का दूसरा महीना बेहद ही खास बताया गया है। वैशाख अमावस्या पर पितृ दोष से पीड़ित व्यक्ति पितरों की शांति के लिए पूजा पाठ, तर्पण, पिंडदान आदि कर सकते हैं।

पितृ दोष होने पर जीवन में अनेक प्रकार की समस्याएं घर कर लेती हैं। अपने पितरों, पूर्वजों को तृप्त करने और पितृ दोष से मुक्ति पाने के लिए वैशाख अमावस्या का दिन खास होता है। इस दिन पितृ तृप्त होकर अपने लोक चले जाते हैं और अपने वंशजों को सुख शांति से जीवन व्यतीत करने का आशीर्वाद देते हैं।

करें ये खास उपाय

पितृ नाराज हैं तो अमावस्या के दिन क्या खास उपाय करें इसकी जानकारी देते हुए हरिद्वार के विद्वान ज्योतिषी पंडित श्रीधर शास्त्री बताते हैं कि वैशाख अमावस्या हिंदू धर्म में विशेष फल प्रदान करने वाली होती है। इस दिन अपने पितरों के निमित्त कोई भी धार्मिक कार्य करने पर संपूर्ण लाभ प्राप्त होता है। वह बताते हैं कि पितृ दोष होने पर जीवन में अनेक प्रकार की समस्याएं आनी शुरू हो जाती हैं।

पितृ दोष की शांति के लिए वैशाख अमावस्या के दिन जानकारी पितृ निवारण दोष के निवारण का अनुष्ठान करने पर पितृ प्रसन्न होते हैं और जीवन में चल रही समस्याएं खत्म हो जाती है हरिद्वार में वैशाख अमावस्या के दिन धार्मिक अनुष्ठान पूजा पाठ तर्पण पिंडदान पितरों को जलांजलि पितरों को तिलांजलि आदि देने पर जीवन में सुख शांति सुख समृद्धि आती है। साल 2025 में वैशाख अमावस्या 27 अप्रैल को होगी। इस दिन हरिद्वार में ब्रह्म मुहूर्त से कोई भी कर्मकांड करने का विशेष विशेष फल की प्राप्ति होगी।

पीपल के वृक्ष की पूजा करने से पहले जान लें जरूरी बातें

पीपल के पेड़ में सभी देवी-देवताओं का वास माना जाता है। ऐसे में इस वृक्ष की पूजा करने से जातक को कई प्रकार के लाभ प्राप्त होते हैं। माना जाता है कि पीपल के पेड़ में भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी का भी वास होता है। ऐसे में इसकी विशेष दिनों पर पूजा करने से भगवान की कृपा के साथ-साथ पितरों का आशीर्वाद भी प्राप्त होता है। लेकिन पीपल के वृक्ष की पूजा करने से पहले दिन, समय और कुछ नियमों का ख्याल रखना बहुत जरूरी माना गया है। ऐसा न करने से व्यक्ति के घर में दरिद्रता आ सकती है। ऐसे में आइए विस्तार से जानें पीपल के पेड़ की पूजा करने के महत्वपूर्ण नियम...

इन विशेष दिनों पर करें पीपल के पेड़ की पूजा

ऐसा माना जाता है कि पीपल के पेड़ की पूजा अमावस्या और शनिवार के दिन करनी चाहिए। इन दो दिनों पर पीपल की पूजा करने से व्यक्ति को शुभ फल प्राप्त हो सकता है। अमावस्या के दिन पीपल के वृक्ष की विधिपूर्वक पूजा करने से पितृ दोष से मुक्ति मिल सकती है और साथ ही, पितरों का आशीर्वाद भी प्राप्त होता है। इससे जातक के घर में खुशहाली आने लगती है। वहीं, शनिवार के दिन पीपल के पेड़ की पूजा करने से शनिदेव प्रसन्न होते हैं और इससे जीवन के दुखों से मुक्ति मिल सकती है। शनिवार को पीपल के पेड़ के नीचे सरसों के तेल का दीपक जलाना बहुत फलदायी माना जाता है।

इस दिन भूलकर भी न करें पीपल के पेड़ की पूजा

कहा जाता है कि रविवार के दिन गलती से भी पीपल के पेड़ की पूजा नहीं करनी चाहिए। रविवार और अन्य दिनों के दिन पीपल की पूजा करने से अशुभ फल प्राप्त हो सकता है। साथ ही, शनिवार के अलावा अन्य दिनों पर पीपल के वृक्ष को स्पर्श करने की भी मनाही होती है। माना जाता है कि इन दिनों पर पीपल के पेड़ की पूजा करने या उसे स्पर्श करने से व्यक्ति को जीवन में कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। साथ ही, जीवन में

दरिद्रता आने लगती है और घर की आर्थिक स्थिति पर भी इसका बुरा प्रभाव पड़ सकता है।

सूर्यास्त के बाद न करें पीपल के पेड़ की पूजा

मान्यता है कि शाम होने से पहले पीपल के पेड़ की पूजा कर लेनी चाहिए। इसके बाद पीपल की पूजा करना शुभ नहीं होता है। शाम ढलने के बाद पीपल की पूजा करने से व्यक्ति को कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। शास्त्रों के अनुसार, पीपल पर दिन के समय मां लक्ष्मी का वास होता है। वहीं, सूर्यास्त के बाद अलक्ष्मी का वास होता है। ऐसे में शाम को पीपल के पेड़ को स्पर्श करने या उसकी पूजा करने से जातक के घर में कंगाली छा सकती है। साथ ही, जीवन से सुख-समृद्धि जाने लगती है।

शुभ संकल्प और सेवा भाव से जागती हैं मन की असीमित शक्तियां

आज जूनापीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद जी गिरि के जीवन सूत्र में जानिए जीवन में उत्साह कब आता है?

हमारे मन के पास असीमित ऊर्जा, शक्ति, सामर्थ्य और क्षमता है। इसलिए इसकी शक्तियों को जगाने की कोशिश करें। ये शक्तियां तभी जागती हैं, जब हमारे संकल्प और विचार शुभ होते हैं। जब हमारा मन सेवा पथ की ओर बढ़ता है, तब इसकी संपूर्ण शक्तियां जागने लगती हैं। अगर मन की शक्तियों को नहीं जगाएंगे तो ये बंधन का कारण बन जाएगा।

पति-पत्नी के बीच की दूरियां होंगी खत्म, बेडरूम में रखें ये 5 लकी चीजें

वास्तु शास्त्र में घर की हर चीज को लेकर कई ऐसे नियम और उपाय बताए गए हैं, जिनका ख्याल रखने से व्यक्ति के घर और जीवन में सकारात्मकता बनी रह सकती है। वहीं, पति-पत्नी के बीच के रिश्ते को भी मजबूत बनाने के लिए वास्तु और ज्योतिष शास्त्र के उपायों को आजमाया जा सकता है। शादीशुदा लोग अगर अपने बेडरूम में कुछ खास चीजों को रख लें, तो इससे जीवनसाथी के साथ चल रहा मनमुटाव दूर हो सकता है और दोनों के बीच का रिश्ता मजबूत होता है। आइए विस्तार से जानें कि कपल्स को अपने कमरे में कौन-सी 5 शुभ चीजें रखनी चाहिए।

मैंडरिन डक की फोटो लगाएं

पति-पत्नी के रिश्ते में सुधार लाने के लिए आप अपने बेडरूम में मैंडरिन डक की फोटो या मूर्ति रख सकते हैं। ऐसा करने से वैवाहिक जीवन में खुशहाली बनी रहती है और जीवनसाथी के साथ चल रहा मनमुटाव दूर हो सकता है। साथ ही, रिश्ते में मिठास आने लगती है।

राधा-कृष्ण की ऐसी तस्वीर लगाएं

अपने बेडरूम में भगवान कृष्ण और राधा रानी की ऐसी तस्वीर लगाएं जिसमें दोनों एक दूसरे को प्रेम भाव से देख रहे हों। इस प्रकार की तस्वीर पति-पत्नी को अपने कमरे

में जरूर लगानी चाहिए। ऐसा करने से जीवनसाथी के साथ रिश्ता मजबूत होता है और पति-पत्नी के बीच प्रेम बढ़ता है।

समुद्री नमक कमरे से नकारात्मकता रखेगा दूर

एक छोटी कटोरी में थोड़ा सा समुद्री नमक रखकर इसे अपने कमरे के बेड के नीचे रख लें। साथ ही, इसे सप्ताह में एक बार जरूर बदलें। इस नमक के उपाय को करने से नकारात्मक ऊर्जा दूर रहती है और कमरे में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। इसके अलावा, इस उपाय से वैवाहिक जीवन में भी खुशहाली आती है।

ताजे फूल रखें

पति-पत्नी के रिश्ते में मिठास और प्रेम बढ़ाने के लिए आप बेडरूम में ताजे फूल भी रख सकते हैं। लेकिन इस बात का ख्याल रखें की इन फूलों को रोज जरूर बदलना चाहिए। मुरझाए हुए फूल बेडरूम में रखने से अशुभ परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। अगर आप रोज कमरे में ताजे फूल रखती हैं, तो इनकी महक से कमरे में खुशनुमा माहौल बना रहता है और पति-पत्नी के जीवन में प्रेम बढ़ता है।

पति-पत्नी की मुस्कुराती तस्वीर

जीवनसाथी से चल रहा मनमुटाव दूर करने और रिश्ते को मजबूत बनाने के लिए आप बेडरूम में पति-पत्नी की मुस्कुराती हुई तस्वीर लगा सकते हैं। इस प्रकार की फोटो कमरे में लगाने से आपके गृहस्थ जीवन में खुशहाली बनी रहेगी और दोनों के रिश्ते में मिठास आएगी।

आचार्य चाणक्य से किन 4 लोगों का साथ मृत्यु समान

चाणक्य नीति आचार्य चाणक्य द्वारा रचित एक महान ग्रंथ है, जिसमें जीवन, राजनीति, समाज, अर्थव्यवस्था और नैतिकता से जुड़ी व्यवहारिक बातें वर्णित हैं। यह नीति शास्त्र आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना प्राचीन काल में था। उनकी नीतियों को अपने बात व्यवहार में अपनाकर हम अपने जीवन में भी सुख शांति हासिल कर सकते हैं। चाणक्य नीति के इस श्लोक में बताया गया है कि अगर आप इन ऐसे 4 लोगों के साथ रहते हैं और जीते आपका जीवन मृत्यु के समान हो जाता है।

दुष्टा भार्या शठं मित्रं भृत्यश्चोत्तरदायकः ।
ससर्पे च गृहे वासो मृत्युरेव न संशयः ।।

एक गुस्सैल पत्नी, कड़वे वचन बोलने वाली महिला, धोखा देने वाली स्त्री और धूर्त दोस्त जीवन के लिए खतरे हैं। गुस्सैल स्वभाव का मित्र, मुंहफट नौकर, और सांप वाले घर में रहना भी मृत्यु के समान है। एक घर जिसमें झगड़ालू पत्नियां हों, एक बुरा दोस्त, जवाब देने वाला नौकर और सांपों से भरी जगह, ये सभी खतरे से खाली नहीं हैं। ये स्थितियां गृहस्वामी के लिए मृतक के समान हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि उसका कोई नियंत्रण नहीं होता। वह अंदर ही अंदर घुटता रहता है और मृत्यु की ओर बढ़ता है।

इसको और विस्तार से जानें तो झगड़ालू स्वभाव वाला मित्र विश्वास के लायक नहीं होता। वह कभी भी धोखा दे सकता है।

इसी तरह, जो नौकर या कर्मचारी पलटकर जवाब देता है, वह असहनीय नुकसान पहुंचा सकता है। ऐसे सेवक के साथ रहना अविश्वास के घूंट पीने के समान है।

जो नौकर अथवा आपके अधीन काम करने वाला कामचोरी करके उलटकर आपके सामने जवाब देता है, वह कभी भी आपको असहनीय हानि पहुंचा सकता है, ऐसे सेवक के साथ रहना अपमान के घूंट पीने के समान है। इसका मतलब है कि ऐसे लोगों से सावधान रहना चाहिए।

जहां सांपों का वास हो, वहां रहना भी खतरनाक है। न जाने कब सर्पदंश का शिकार होना पड़ जाए। यानी, पता नहीं कब सांप काट ले। इसलिए, इन सभी स्थितियों से बचकर रहना चाहिए। ये जीवन में दुख और खतरे ला सकती हैं।

अपना सपना जी रही हूं : भूमि पेडणेकर

अगले 10 वर्षों में, मैं बस यही उम्मीद करती हूं कि मैं ऐसा काम करती रहूं जो मुझे अपने लिए बनाए गए हर तरह के स्टीरियोटाइप को तोड़ने में मदद करे, यथास्थिति को चुनौती दे और दर्शकों का मनोरंजन करे।

भूमि पेडणेकर ने यशराज फिल्म्स में एक सहायक कास्टिंग निर्देशक के रूप में अपने करियर की शुरुआत की और स्टूडियो की 2015 की फिल्म 'दम लगा के हईशा' से अभिनय में कदम रखा। शरत कटारिया द्वारा निर्देशित इस फिल्म ने एक अधिक वजनी महिला और उसे नापसंद करने वाले पति के बीच एक हार्दिक प्रेम कहानी दिखाकर बॉलीवुड के पारंपरिक रोमांटिक ढर्रे को तोड़ दिया था।

अब एक दशक बाद भूमि ने कहा है कि वह हर ओर से वर्षों से मि ले प्या र और समर्थन के लिए आभारी है । भूमि ने बताया, "मैं 10 साल से एक अभिनेत्री हूं। मैं अपना सपना जी रही हूं। हर दिन जब मैं उठती हूं तो खुद को चिकोटी काटती हूं और सोचती हूं कि यह वास्तव में आपके साथ हो रहा है। मुझे लगता है कि मेरे दर्शकों ने मेरे हर उ ता र - चढ़ाव में बहुत बड़ी भूमिका निभाई है... मैं उन सभी दौर से गुजरी हूं क्योंकि मुझे दर्शकों से बार-बार आत्मविश्वास और प्यार मिला है।

अपने डेब्यू के बाद उसने 'शुभ मंगल सावधान', 'बाला', 'सांड की आंख', 'बधाई दो' और ' भक्षक' जैसी समीक्षकों द्वारा प्रशंसित फिल्मों में काम किया। अपरंपरागत भूमिका के साथ अपनी अभिनय यात्रा शुरू करने के बाद, वह इस तरह के परिवर्तन की 'कल्पना भी नहीं कर सकती ।'

उसने कहा, वैब सीरीज 'द रॉयल्स' के लिए, यह एक नायिका की बढ़िया भूमिका है जिसे मैं निभा रही हूं। बेशक मैं आज ऐसी दिखती हूं लेकिन अगर मुझे किसी फिल्म के लिए खुद को बदलना पड़े, तो मैं इसे पलक झपकते ही कर दूंगी। मेरी सफलता इस तथ्य में ही है कि जिस लड़की ने 10 साल पहले 'दम लगा के हईशा' से शुरुआत की थी, वह यह किरदार भी कर रही है।

वह कमर्शियल सिनेमा से प्यार करती है लेकिन साथ ही उसे खुद अपने काम के माध्यम से यथास्थिति को चुनौती देना चाहती है। उसके अनुसार, अगले 10 वर्षों में, मैं बस यही उम्मीद करती हूं कि मैं ऐसा काम करती रहूं जो मुझे अपने लिए बनाए गए हर तरह के 'स्टीरियोटाइप' को तोड़ने में मदद करे, यथास्थिति को चुनौती दे और दर्शकों का मनोरंजन करे। साथ ही मैं एक कलाकार के रूप में आगे बढ़ना चाहती हूं। यही मेरी एकमात्र प्राथमिकता है। कम से कम यही तो मैंने पिछले 10 वर्षों में सीखा है ।

वैब सीरीज में करेगी डेब्यू

हिंदी फिल्म उद्योग में एक दशक पूरा करने के बाद भूमि इस साल एक नए फील्ड में कदम रखने के लिए तैयार है। वह 'द रॉयल्स' के साथ वैब सीरीज में डेब्यू करने जा रही है।

भूमि इसमें ईशान खट्टर के साथ अभिनय करती नजर आएगी। उसने कहा, "मैं ' द रॉयल्स' के लिए बहुत उत्साहित हूं। मैं अपनी उम्मीदें ज्यादा नहीं रखना चाहती; मैं बस चाहती हूं कि शो को सब पसंद करें। अब तक, हमने जो भी पेश किया है, उसके लिए मुझे बहुत प्यार मिला है। यह मुझे बहुत खुश करता है कि लोग ईशान और मुझे साथ देखने के लिए उत्साहित हैं । वह एक बेहतरीन अभिनेता हैं।

भूमि इस सीरीज में एक ग्लैमरस उद्यमी की भूमिका निभा रही है और वह स्वीकार करती है कि 'दम लगा के हईशा' में एकपर गर्व है जिसमें कई सामाजिक रूप से प्रासंगिक फिल्में शामिल रही हैं । उसे लगता है कि यह सब 2014 में शुरू हुआ था ।

उसने कहा, मेरी पहली फिल्म ने मुझे एक खास रास्ते पर ला खड़ा किया। मैंने इसके साथ असली सिनेमा का स्वाद चखा और मुझे एहसास हुआ कि यही मैं करना चाहती हूं- ऐसा, जो लोगों का भरपूर मनोरंजन करे लेकिन साथ ही बदलाव भी लाए ।'

भूमि ने बताया, यह मेरे लिए जगह न का तरीका भी था। मैं स्पष्ट थी कि पारंपरिक भूमिकाएं मुझे नहीं, मिलेंगी क्योंकि मैं एक पारंपरिक अभिनेत्री जैसी नहीं हूं इसलिए, शायद मुझे अपने लिए अपरंपरागत जगह बनानी चाहिए। यह मेरे लिए अस्तित्व की रणनीति भी है। अगर मैंने पारंपरिक भूमिकाएं निभाई होतीं, तो मैं 10 साल बाद यहां नहीं होती।

पसंद है पर्यावरण हितैषी फैशन

भूमि फैशन को लेकर अपनी पसंद बारे में कहती है, "मैं पर्यावरण हितैषी फैशन की बहुत बड़ी समर्थक हूं। मुझे विंटेज शॉपिंग पसंद है, मुझे थ्रिफ्टिंग पसंद है, मुझे अपने पुराने कपड़ों को फिर से इस्तेमाल करना पसंद है... यह एक जीवनशैली विकल्प है, जिसे हम अपने ग्रह, अपने घर और अपनी आने वाली पीढ़ियों के लिए अपनाते हैं। "

'रेड 2' से क्या संभलेगी वाणी कपूर के लड़खड़ाते करियर की गाड़ी?

बॉलीवुड में वाणी कपूर के करियर को 12 साल हो चुके हैं। अब तक इस एक्ट्रेस के खाते में चुनिंदा फिल्में ही हैं। साथ ही चंद फिल्मों में से कुछ ही बॉक्स ऑफिस पर सफल रहीं। जल्द ही वाणी, अजय देवगन की फिल्म 'रेड 2' में दिखेंगी। जानिए, 'रेड 2' से पहले वाणी की फिल्मों का बॉक्स ऑफिस पर क्या हाल रहा है?

शुद्ध देसी रोमांस

यशराज फिल्म्स की फिल्म 'शुद्ध देसी रोमांस(2013)' से वाणी कपूर ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की। मनीष शर्मा निर्देशित इस फिल्म में वाणी के अलावा सुशांत सिंह राजपूत और परिणीति चोपड़ा ने भी अभिनय किया। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 46.60 करोड़ रुपये कमाए और इसका बजट 22 करोड़ रुपये बताया जाता है। ऐसे में बॉक्स ऑफिस पर 'शुद्ध देसी रोमांस' को हिट माना गया है।

बेफ्रिके

वाणी ने 2016 में दूसरी हिंदी फिल्म 'बेफ्रिके' भी यशराज बैनर तले ही की। इसमें वह रणवीर सिंह के साथ रोमांस करती नजर आईं। इस फिल्म को आदित्य चोपड़ा ने डायरेक्ट किया था। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 60.24 करोड़ रुपये का बिजनेस किया। इस फिल्म को एवरेज ही माना गया।

वॉर

ऋतिक रोशन और टाइगर श्रॉफ के एक्शन से सजी फिल्म 'वॉर(2019)' में वाणी कपूर भी नजर आईं। इस फिल्म में वह ऋतिक रोशन के किरदार कबीर की गर्लफ्रेंड के रोल में दिखीं। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 318 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया, जबकि इसका बजट 170 करोड़ रुपये बताया गया है। इस तरह वाणी को ऋतिक की वजह से अपने करियर में एक बड़ी हिट फिल्म मिली। इस फिल्म को सिद्धार्थ आनंद ने निर्देशित किया था।

चंडीगढ़ करे आशिकी

साल 2021 में आयुष्मान खुराना के साथ वाणी कपूर ने एक फिल्म 'चंड़ीगढ़ करे आशिकी' की। इस फिल्म को अभिषेक कपूर ने निर्देशित किया था। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई। इसने 28.26 करोड़ रुपये का कलेक्शन बॉक्स ऑफिस पर किया, जबकि इसका बजट 40 करोड़ रुपये बताया गया था।

शमशेरा

वाणी कपूर ने रणबीर कपूर के साथ साल 2022 में फिल्म 'शमशेरा' की। इस एक्शन ड्रामा फिल्म को यशराज बैन ने ही बनाया था और करण मल्होत्रा ने डायरेक्ट किया। इसका बजट लगभग 150 करोड़ रुपये था जबकि 42.48 करोड़ रुपये का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन ही फिल्म ने किया। इस तरह यह फिल्म फ्लॉप साबित हुई।

खेल खेल में

अक्षय कुमार स्टारर फिल्म 'खेल खेल में (2024)' में वाणी कपूर ने राइटर का रोल किया। इस फिल्म ने 40.36 करोड़ रुपये का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन किया जबकि इसका बजट 100 करोड़ रुपये था। यह फिल्म भी अपना बजट नहीं वसूल कर पाई और फ्लॉप की लिस्ट में खड़ी हो गई। फिल्म को मुद्दसर अजीज ने

15 साल में बनीं मिस इंडिया, पहली फिल्म के लिए ही यश चोपड़ा के सामने रख दी बड़ी शर्त

अगर 80 के दशक की चुनिंदा अभिनेत्रियों का जिक्र हो, तो पूनम ढिल्लों की गिनती उसमें टॉप की अभिनेत्रियों में होती है। सिर्फ 16 साल की उम्र में अपना फिल्मी करियर शुरू करने वाली अभिनेत्री पूनम ढिल्लों फेमिना मिस इंडिया का खिताब भी अपने नाम कर चुकी हैं। पूनम ढिल्लों ने बॉलीवुड से लेकर टीवी सीरियल तक में अपने अभिनय का जलवा बिखेरा है। आज अभिनेत्री अपना 63वां जन्मदिन मना रही हैं। इस मौके पर जानते हैं, उनसे जुड़े कुछ रोचक किस्से और कैसे पूनम ढिल्लों को मिली उनकी पहली फिल्म।

कानपुर में हुआ जन्म

18 अप्रैल 1962 को उत्तर प्रदेश के कानपुर में जन्मीं पूनम ढिल्लों एक ऐसे परिवार से आती हैं, जहां फिल्में ज्यादा नहीं देखी जाती हैं। पूनम ढिल्लों ने साल 1977 में फेमिना मिस इंडिया का खिताब अपने नाम किया और सिर्फ 16 साल की उम्र में ही बॉलीवुड में एंट्री मार दी, वो भी यश चोपड़ा जैसे निर्देशक की फिल्म से। पूनम ढिल्लों ने अपने करियर में तकरीबन 90 फिल्में की हैं। इस दौरान उनकी जोड़ी राजेश खन्ना के साथ कई फिल्मों में नजर आई।

ऐसे मिली पहली फिल्म

पूनम ढिल्लों को उनकी पहली फिल्म कैसे मिली, इसके पीछे भी एक बड़ा ही रोचक किस्सा है। मिस इंडिया का खिताब जीतने के बाद पूनम ढिल्लों सुर्खियों में आ गईं। जब वह स्कूल में ही थीं तभी बॉलीवुड के दिग्गज निर्माता-निर्देशक यश चोपड़ा पूनम ढिल्लों के पास फिल्म 'त्रिशूल' का ऑफर लेकर पहुंच गए थे। हालांकि, पूनम और उनका परिवार इसके लिए राजी नहीं था। इसलिए खुद यश चोपड़ा पूनम के परिवार से बात करने और उनके पिता को समझाने उनके घर गए थे। लेकिन पूनम ढिल्लों ने यश चोपड़ा के सामने एक शर्त रख दी थी। उन्होंने यश चोपड़ा जैसे निर्देशक के सामने शर्त रखी कि वो फिल्म की शूटिंग सिर्फ स्कूल की छुट्टियों में ही करेंगी। यश चोपड़ा ने पूनम की ये शर्त मानी और कुछ इस तरह हुई पूनम ढिल्लों की फिल्मों में एंट्री।

पहली ही फिल्म में शशि कपूर ने जड़ दिया था थप्पड़

पूनम ढिल्लों को अपनी पहली ही फिल्म 'त्रिशूल' में अमिताभ बच्चन, शशि कपूर, संजीव कुमार और हेमा मालिनी जैसे बड़े स्टार्स के साथ काम करने का मौका मिला। इस फिल्म से जुड़ा भी एक किस्सा काफी चर्चित है। फिल्म के एक सीन में शशि कपूर को पूनम ढिल्लों को थप्पड़ मारना था। लेकिन निर्देशक यश चोपड़ा चाहते थे कि सीन ज्यादा रियल लगे, इसलिए उन्होंने इस सीन के बारे में पूनम ढिल्लों को नहीं बताया। जब सीन शूट हुआ तो शशि कपूर ने पूनम ढिल्लों को सच में एकदम से तेज थप्पड़ मार दिया। पूनम ढिल्लों इससे पूरी तरह से अनजान थीं, इसलिए वो अवाक रह गईं। हालांकि, बाद में शशि कपूर ने पूनम ढिल्लों से माफी भी मांगी थी।

राजेश खन्ना को नहीं जानती थीं पूनम ढिल्लों

पूनम ढिल्लों ने बताया कि पहली बार जब राजेश खन्ना से मिली थी तो वो चंडीगढ़ में शूटिंग कर रहे थे। मैं स्कूल में पढ़ती थी, 8वीं क्लास में थी। तो जब हमें पता चला कि राजेश खन्ना पास में ही शूटिंग कर रहे हैं, तो हम सब लड़कियां गैंग बना कर सेट पर जा पहुंचीं। खूब चर्चा हो रही थी कि राजेश खन्ना-डिंपल कपाड़िया साथ में आए हैं, उन्हें देखना है। वहां लड़कियों की भीड़ लगी हुई थी। सारी लड़कियां स्कूल ड्रेस में थीं। तो भीड़ में उन्होंने मुझे देखा और उंगली से इशारा करते हुए अपने पास बुलाया। तो पहले मैंने पीछे मुड़कर देखा और फिर उन्हें देखा तो फिर उन्होंने इशारा किया कि तुमको ही बुला रहा हूं। तो मैं उनके पास गई, उन्होंने कहा कि तुम्हारी आंखे बहुत प्यारी हैं। मैं उनकी बातें सुनती ही रह गई। ऐसे हुई थी मेरी उनसे पहली मुलाकात।

पति से मिला धोखा, हुआ तलाक

पूनम ढिल्लों की प्रोफेशनल लाइफ तो काफी हिट रही, लेकिन उनकी पर्सनल लाइफ हमेशा चर्चाओं में रही। अपने व्यक्तिगत जीवन में वो कई परेशानियों से घिरी रहीं। उन्होंने पति की बेवफाई से लेकर एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर तक का सामना किया है। पूनम ढिल्लों ने साल 1988 में फिल्म प्रोड्यूसर अशोक ठकेरिया से शादी की थी। कपल के दो बच्चे भी हैं।

हालांकि, दोनों का रिश्ता ज्यादा दिन अच्छा नहीं चल सका और 1997 में दोनों का तलाक हो गया और दोनों अलग हो गए। दरअसल, पूनम को अपने पति की बेवफाई के बारे में पता चला। उन्हें पता चला कि उनके पति अशोक ठकेरिया का कहीं अफेयर चल रहा है। जिसके बाद दोनों के रिश्ते में तनाव आने लगा और साल 1997 में दोनों अंततः अलग हो गए।

पति को सबक सिखाने के लिए किया एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर

पति से धोखा मिलने के बाद और एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर का पता चलने के बाद पूनम ढिल्लों ने पति को सबक सिखाने के लिए खुद का एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर किया। ताकि उनके पति अशोक ठकेरिया वापस आ जाएं। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। दोनों का तलाक हो गया है और पूनम का अपने बॉयफ्रेंड से भी ब्रेकअप हो गया। इसके बाद पूनम ने अपने दोनों बच्चों की अकेले देखभाल की और दोबारा कभी शादी नहीं की।

हमेशा से चाहा मेरी 'तारीफ' हो : निक्की तम्बोली

जब भी मैं आती हूं, कैमरे मेरी वजह से चालू हो जाते हैं। बड़े पर्दे से लेकर छोटे पर्दे तक मेरी जर्नी बहुत बढ़िया और हमेशा चर्चित रही है।

मॉडलिंग और दक्षिण भारतीय फिल्मों से अपने करियर की शुरुआत करने वाली खूबसूरत और ग्लैमरस निक्की तम्बोली अपनी साफगोई के लिए जानी जाती है। हाल ही में उसका इमोशनल वीडियो सामने आया, जिसमें उसने अपने असली नाम का खुलासा किया है।

उसने 'सैलिब्रिटी मास्टरशैफ' का हिस्सा बनने के पीछे का कारण भी बताया। इसके अलावा, निक्की ने अपने और अपने पिता के रिश्ते पर भी खुलकर बात की। उसने बताया कि उसके पिता उसके सुपरहीरो हैं और इस वक्त वह उससे नाराज हैं।

निक्की ने कहा, जब भी मैं आती हूं, कैमरे मेरी वजह से चालू हो जाते हैं। बड़े पर्दे से लेकर छोटे पर्दे तक मेरी जर्नी बहुत बढ़िया और हमेशा चर्चित रही है । मैंने इंडस्ट्री में अब अपना नाम बना लिया है।

निक्की ने आगे कहा, कहीं न कहीं मेरे अपने लोगों ने मुझसे मुंह मोड़ लिया। खासकर मेरे पिता ने। शुरुआत में मेरे पिता मुझे इस इंडस्ट्री में आने से रोका था, लेकिन निक्की तो निक्की है, मैंने उनकी बात नहीं मानी। मेरे पिता हमेशा से मेरे सुपरहीरो रहे हैं। जब सुपरहीरो आपकी जिंदगी से चला जाता है न, तो ऐसा लगता है मानो किसी ने आपसे आपके पंख ले लिए हों। ये दुनिया की सबसे बुरी फीलिंग होती है ।

निक्की ने कहा, "मैंने हमेशा से चाहा कि मेरी फैमिली मेरी तारीफ करे। मैं अपने सुपरहीरो, अपने पिता से तारीफ सुनने के लिए तरस गई हूं। यह सुनने के लिए तरस गई हूं तुमने जो भी किया है, मुझे तुम पर गर्व है ।

उसने यह भी बताया कि उसका असली नाम निकिता है, जो एंटरटेनमैंट इंडस्ट्री में प्रसिद्धि पाने से पहले हुआ करता था । निक्की ने कहा, "मैंने सोचा था कि 'सैलिब्रिटी मास्टरशैफ' पर मैं जो भी खाना बनाऊंगी, वह कहीं न कहीं, मेरी तरफ से मेरे परिवार के लिए एक ट्रिब्यूट होने वाला है । मुझे लगता है कि मेरे और मेरे डैड का कनैक्शन वापस बनना चाहिए । जब भी वह मुझे टी.वी. पर देखें, उन्हें लगेगा कि निकिता वापस आ गई है।

मैंने खुद 'को साबित किया है

'सैलिब्रिटी मास्टरशैफ' में नजर आई निक्की पर इस शो में फैसल शेख को धोखा देने के आरोप लगे और आलोचना हुई। उसे सोशल मीडिया पर भी ट्रोल किया गया। दरअसल, शो में निक्की ने फैसल को झींगे के बदले ब्राऊन राइस सिरप देने के लिए राजी किया। बाद में फैसल ने जो मांगा वह देने से मना कर दिया।

निक्की ने ट्रोल्स को खरी-खरी सुनाते हुए लिखा, ₹क्या कोई मुझे विश्वासघात का सही अर्थ समझा सकता है ? 'सैलिब्रिटी मास्टरशैफ' इस बारे में नहीं है कि कौन सबसे अच्छी सामग्री से सबसे अच्छा खाना बनाता है, बल्कि इस बारे में है कि आपके पास सबसे कम सामग्री होने पर भी कौन सबसे अच्छा खाना बनाता है। मिठाई से नमकीन में बदलने के लिए हिम्मत की जरूरत होती है ।

44 'मैंने खुद को साबित किया है । पाखंड करना बंद करो। सोशल मीडिया पर अपना समय बर्बाद करने के बजाय जीवन जीना और कमाना तथा खुद पर गर्व करना बेहतर है। कुत्ते पीठ पीछे भौंकते हैं, लेकिन सामने खड़े होने के लिए हिम्मत की जरूरत होती है, जैसे जंगल में शेर नी करती है ।

सस्ती हो जाएगी अरहर दाल, सरकार ने खरीद डाली 3.40 लाख टन तुअर

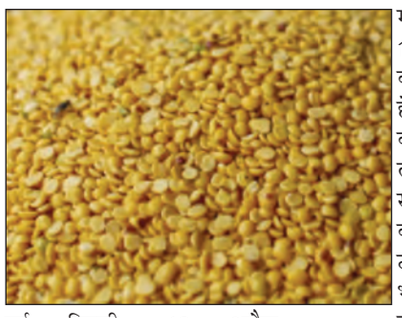

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने देश में अरहर दाल के दामों को कंट्रोल करने के लिए बड़ा ऐलान किया है। सरकार ने मूल्य समर्थन योजना (पीएसएस) के तहत इस साल अब तक 3,40,000 टन तुअर (अरहर) की खरीद की है। इससे आने वाले समय में अरहर के दाम कम हो सकती है। कृषि मंत्रालय की ओर से जारी किए गए आंकड़ों में यह जानकारी सामने आई है। सरकार ने पीएसएस के तहत न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर तुअर की दाल खरीदी है। मंत्रालय ने नौ राज्यों से 13.22 लाख टन तुअर की खरीद को मंजूरी दी है। सरकार का लक्ष्य कीमतों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से खुले बाजार में जारी करने के लिए 10 लाख टन तुअर दाल का भंडार (बफर स्टॉक) बनाए रखना है। मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, 13 अप्रैल तक तुअर की खरीद 3,40,000 टन तक पहुंच गई है। कर्नाटक से सर्वाधिक 1,30,000 टन की खरीद की गई, जहां किसानों को 7,550 रुपये प्रति क्विंटल के एमएसपी के ऊपर 450 रुपये प्रति क्विंटल का राज्य बोनस मिल रहा है। इसके अलावा आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, हरियाणा, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, तेलंगाना और उत्तर प्रदेश से खरीद की गई। सरकार ने तेलंगाना और मध्य प्रदेश से 17,000 टन चना भी खरीदा है। 27 लाख टन चना खरीद की मंजूरी के बावजूद खरीद धीमी बनी हुई है। क्योंकि 10 प्रतिशत आयात मूल शुल्क लगाए जाने के बाद घरेलू कीमतें 5,650 रुपये प्रति क्विंटल के एमएसपी से अधिक हो गई हैं। मसूर की खरीद 13 अप्रैल तक 28,700 टन और मूंग की खरीद 3,000 टन तक पहुंच गई है। पीएसएस तब लागू होता है जब कुछ कृषि वस्तुओं के बाजार मूल्य एमएसपी से नीचे गिर जाते हैं।

केंद्रीय एजेंसियां खरीदेंगी दाल

सरकार ने 2024-25 के बजट में दालों के उत्पादन में आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए 2028-29 तक राज्य में जिस हिसाब से अरहर, मसूर और उड़द की दाल उगाई जाएगी। उस हिसाब से केंद्रीय एजेंसियां दाल को खरीदेंगी। हाल के वर्षों में घरेलू उत्पादन में बढ़ोतरी के बावजूद भारत घरेलू दालों की आपूर्ति में कमी को पूरा करने के लिए आयात पर निर्भर है।

एक जुलाई से ट्रैफिक रडार उपकरणों के लिए नए नियम होंगे लागू, आपको कैसे होगा फायदा?

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। सरकार ने एलान किया है कि देशभर में सड़क सुरक्षा और ट्रैफिक नियमों के सख्त पालन को सुनिश्चित करने के लिए ट्रैफिक रडार उपकरणों के अनिवार्य सत्यापन और स्टैम्पिंग से जुड़े नए नियम 1 जुलाई 2025 से लागू किए जाएंगे। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने ये नियम भारतीय विधिक माप विज्ञान संस्थान, क्षेत्रीय रेफरेंस प्रयोगशालाओं, उपकरण निर्माताओं और वाहन प्रमाणन संगठनों जैसे विभिन्न हितधारकों से सलाह-मशविरा करने के बाद अधिसूचित किए हैं। मंत्रालय ने जारी अपने बयान में कहा कि ये नियम 1 जुलाई 2025 से प्रभावी होंगे ताकि उद्योगों और प्रवर्तन एजेंसियों को इन प्रावधानों के पालन के लिए पर्याप्त समय मिल सके।

किन उपकरणों पर लागू होंगे ये नियम?

ये नए नियम 'विधिक माप विज्ञान (सामान्य) नियम, 2011' के तहत लाए गए हैं और खासतौर पर उन 'माइक्रोवेव डॉप्लर रडार उपकरणों' पर लागू होंगे, जिनका इस्तेमाल सड़कों पर वाहनों की रफ्तार नापने के लिए बड़े पैमाने पर किया जाता है। नियमों में तकनीकी और सुरक्षा से जुड़ी बेहद बारीकियां तय की गई हैं। इनमें यह सुनिश्चित किया गया है कि उपकरणों की कैलिब्रेशन (माप सटीकता), अलग-अलग पर्यावरणीय परिस्थितियों में स्थिर संचालन और छेड़छाड़ से सुरक्षा पुख्ता हो। इन कदमों से तकनीकी विश्वसनीयता और कानूनी जवाबदेही की मजबूत संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा।

क्या होगा नए ढांचे का असर?

नए नियमों के तहत अब हर स्पीड मापन उपकरण को उपयोग में लाने से पहले अनिवार्य तौर पर सत्यापन (वेरिफिकेशन) और सरकारी स्टैम्पिंग करानी होगी। इसका मकसद यह है कि वाहन की गति और दूरी के माप बिल्कुल सटीक हों ताकि ट्रैफिक कानूनों का निष्पक्ष तरीके से पालन हो सके।

आम जनता को क्या फायदा होगा?

साधारण नागरिकों के लिए इसका सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि अब गति मापन उपकरणों के सटीक सत्यापन के बाद ही चालान किए जाएंगे। इससे गलत तरीके से कटने वाले चालानों की गुंजाइश बहुत कम हो जाएगी और सड़क सुरक्षा भी बेहतर होगी। जो उद्योग रडार आधारित गति मापन उपकरण बनाते हैं, उनके लिए अब एक स्पष्ट तकनीकी और नियामकीय ढांचा तैयार हो गया है, जो अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप है। इससे उत्पादों की गुणवत्ता और भरोसेमंदता बढ़ेगी।

कानून प्रवर्तन एजेंसियों के लिए मजबूत सहारा

पुलिस और ट्रैफिक विभाग जैसी एजेंसियों के लिए सत्यापित और स्टैम्प किए हुए उपकरणों का इस्तेमाल उनके काम को और ज्यादा प्रभावी और विश्वसनीय बनाएगा। इससे न्यायसंगत कार्रवाई सुनिश्चित हो सकेगी।यह पहल ट्रैफिक मैनेजमेंट में डेटा-आधारित गवर्नेंस को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे सड़क हादसों में कमी आएगी, राजमार्गों पर अनुशासन बढ़ेगा और सड़क दुर्घटनाओं, वाहन क्षति और इंफ्रास्ट्रक्चर के नुकसान से जुड़ी सामाजिक और आर्थिक लागतों को भी काफी हद तक घटाया जा सकेगा।

अब महज 7 दिन में हो जाएगा जीएसटी रजिस्ट्रेशन

कारोबारियों को नहीं करनी होगी ज्यादा माथापच्ची

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने शुक्रवार को जीएसटी रजिस्ट्रेशन आवेदनों की प्रोसेसिंग के लिए अधिकारियों को संशोधित निर्देश जारी किए हैं, इससे करदाताओं पर अनुपालन का बोझ कम होगा और नियम-आधारित पारदर्शिता को बढ़ावा मिलेगा। इसके मुताबिक कारोबारियों को सात दिन में जीएसटी रजिस्ट्रेशन मिल जाएगा। वहीं जिन आवेदनों को रिस्की माना जाएगा, उनकी प्रोसेसिंग कारोबारी परिसरों के फिजिकल वेरिफिकेशन के बाद 30 दिनों के भीतर हो जाएगी। सरकार के इस कदम को व्यापार में आसानी करने के एक प्रयास के तौर पर देखा जा रहा है। जीएसटी रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया के दौरान आवेदकों को होने वाली परेशानियों को लेकर राजस्व विभाग (सीबीआईसी) को कई शिकायतें प्राप्त हुई हैं। ये शिकायतें मुख्य रूप से जीएसटी रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया के दौरान अधिकारियों की ओर से मांगे जाने वाले अतिरिक्त दस्तावेजों को लेकर थीं। शिकायतों का निवारण करने और जीएसटी रजिस्ट्रेशन प्रोसेस को आसान बनाने के लिए सीबीआईसी ने नए दिशानिर्देश जारी किए हैं। वित्त मंत्रालय ने कहा, 'अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे रजिस्ट्रेशन आवेदन पत्र में दिए गए दस्तावेजों की निर्धारित सूची का सख्ती से पालन करें। नए निर्देशों में विशिष्ट मामलों की स्थिति में रजिस्ट्रेशन आवेदन पत्र के साथ अपलोड किए जाने वाले आवश्यक दस्तावेजों की भी जानकारी दी गई है।' सरकारी एजेंसी ने अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे छोटी-मोटी विसंगतियों या ऐसे अतिरिक्त दस्तावेजों के आधार पर नोटिस जारी न करें, जो आवेदनों के प्रोसेसिंग के लिए आवश्यक नहीं हैं। इसके अतिरिक्त सरकारी एजेंसी ने कहा है कि विशिष्ट मामलों में संबंधित उप/सहायक आयुक्त से अनुमोदन लेने का भी निर्देश दिया गया है, जहां सूचीबद्ध दस्तावेजों के अलावा अन्य दस्तावेज मांगे जाने की आवश्यकता है।सरकारी एजेंसी की ओर से मुख्य आयुक्तों को सलाह दी गई है कि वे जहां भी आवश्यक हो, बारीकी से निगरानी रखें और जरूरी ट्रेड नोटिस जारी करने के लिए सिस्टम विकसित करें। साथ ही, यह भी सलाह दी गई है कि इन निर्देशों का उल्लंघन करने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।

इंफोसिस ने सीईओ सलिल पारेख के लिए 51 करोड़ रुपये की स्टॉक विकल्प योजना की मंजूरी दी

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत की दूसरी सबसे बड़ी आईटी कंपनी इंफोसिस के बोर्ड ने सीईओ और एमडी सलिल पारेख को 51 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य का स्टॉक प्रोत्साहन या कर्मचारी स्टॉक विकल्प योजना (ईएसओपी) देने को मंजूरी दे दी है।

ये स्टॉक प्रोत्साहन ईएसजी और इक्विटी सहित विभिन्न मदों के तहत हैं, और इनकी कुल राशि 51 करोड़ रुपये से अधिक है। एक दस्तावेज में कंपनी ने कहा है कि बोर्ड ने नामांकन और पारिश्रमिक समिति की सिफारिशों के आधार पर शेयरधारकों की मंजूरी के बाद पारेख के लिए इस वार्षिक अनुदान को मंजूरी दे दी है।

कंपनी के अनुसार इस अनुदान में प्रतिबंधित स्टॉक इकाइयों (आरएसयू) के रूप में वार्षिक प्रदर्शन-आधारित स्टॉक प्रोत्साहन (वार्षिक प्रदर्शन इक्विटी अनुदान) भी शामिल है। 2015 की स्टॉक प्रोत्साहन मुआवजा योजना में अनुदान की तिथि तक 34.75 करोड़ रुपये के बाजार मूल्य वाले कंपनी के इक्विटी शेयर शामिल हैं। इंफोसिस ने कहा कि पारेख को यह अनुदान घोषणा की की तारीख से 12 महीने के भीतर दिया जाएगा, बशर्ते कि कंपनी बोर्ड की ओर से प्रदर्शन के लिए निर्धारित लक्ष्यों हासिल कर ले। कंपनी ने गुरुवार को बीएसई को दी गई सूचना में बताया कि ईएसओपी 2 मई, 2025 से प्रदान किए जाएंगे और आरएसयू की संख्या की गणना 2 मई, 2025 को कारोबार बंद होने के समय के बाजार मूल्य के आधार पर की जाएगी। कंपनी ने इस दौरान चौथी तिमाही और पूरे वित्त वर्ष 25 का स्कोरकार्ड जारी किया।

2,000 रुपए से ज्यादा के यूपीआई ट्रांजैक्शन पर जीएसटी लगाने का कोई विचार नहीं : केंद्र सरकार

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। वित्त मंत्रालय की ओर से यह स्पष्ट कर दिया गया है कि सरकार 2,000 रुपए से अधिक के यूपीआई ट्रांजैक्शन पर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) लगाने के किसी प्रस्ताव पर विचार नहीं कर रही है। वित्त मंत्रालय ने कहा, यह दावा कि सरकार 2,000 रुपए से अधिक के यूपीआई ट्रांजैक्शन पर जीएसटी लगाने पर विचार कर रही है, पूरी तरह से गलत, भ्रामक और निराधार है। फिलहाल सरकार के पास ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है।किसी खास इंस्ट्रूमेंट्स का इस्तेमाल कर की जाने वाली पेमेंट से जुड़े मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) जैसे चार्जेस पर लगाया जाता है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने पर्सन-टू-मर्चेंट (पीटूएम) यूपीआई ट्रांजैक्शन से 30 दिसंबर, 2019 की गैजेट नोटिफिकेशन के जरिए एमडीआर को हटा दिया है। सीबीडीटी का यह निर्णय जनवरी 2020 से प्रभावी है। मंत्रालय

की ओर से कहा गया है कि वर्तमान में यूपीआई ट्रांजैक्शन पर एमडीआर नहीं लगाया जाता है इसलिए इन ट्रांजैक्शन पर किसी तरह जीएसटी लागू नहीं है। सरकार यूपीआई के जरिए डिजिटल पेमेंट को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। यूपीआई के विकास को समर्थन देने और बनाए रखने के लिए, वित्त वर्ष 2021-22 से एक प्रोत्साहन योजना चालू की गई है। आधिकारिक बयान में बताया गया है कि यह योजना विशेष रूप से कम मूल्य वाले यूपीआई (पीटूएम) ट्रांजैक्शन को टारगेट करती है। योजना के तहत ट्रांजैक्शन लागत को कम करने के साथ डिजिटल पेमेंट में भागीदारी और इनोवेशन को बढ़ावा देकर छोटे व्यापारियों को लाभ होता है। पिछले कुछ वर्षों में इस योजना के तहत आवंटन में वित्त वर्ष 2021-22 के लिए 1,389 करोड़ रुपये, वित्त वर्ष 2022-23 के लिए 2,210 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 3,631 करोड़ रुपये शामिल हैं।इन उपायों ने भारत के मजबूत डिजिटल पेमेंट इकोसिस्टम में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। एसीआई वर्ल्डवाइड रिपोर्ट 2024 के अनुसार,2023 में ग्लोबल रियल-टाइम ट्रांजैक्शन में भारत की भागीदारी 49 प्रतिशत थी, जो डिजिटल पेमेंट इनोवेशन में ग्लोबल लीडर के रूप में देश की मजबूत स्थिति को दिखाता है। यूपीआई ट्रांजैक्शन वैल्यू में तेजी से वृद्धि दर्ज की गई है, जो वित्त वर्ष 2019-20 में 21.3 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर मार्च 2025 तक 260.56 लाख करोड़ रुपये हो गई है।

वैश्विक अनिश्चितता के बीच सोने का आयात 192 % बढ़ा

सुरक्षित निवेश के लिहाज से निवेशकों का भरोसा मजबूत

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। टैरिफ वार के कारण दुनियाभर में उपजी वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच देश का सोना आयात मार्च, 2025 में 192.13 फीसदी की भारी बढ़ोतरी के साथ 4.47 अरब डॉलर पहुंच गया। चालू खाता घाटे पर असर डालने वाले सोना के आयात में फरवरी, 2025 में करीब 62 फीसदी की गिरावट आई थी, जबकि जनवरी में इसमें 40.8 फीसदी और दिसंबर, 2024 में 55.39 फीसदी का उछाल देखने को मिला था। हालांकि, मार्च में चांदी का आयात 85.4 फीसदी घटकर 11.93 करोड़ डॉलर रह गया। वाणिज्य मंत्रालय के मुताबिक, बीते वित्त वर्ष 2024-25 में सोने का आयात 27.27 फीसदी बढ़कर 58 अरब डॉलर पहुंच गया, जो 2023-24 में 45.54 अरब डॉलर रहा था। देश के कुल आयात में सोने की हिस्सेदारी 8 फीसदी है। बीते वित्त वर्ष में चांदी का आयात 11.24 फीसदी घटकर 4.82 अरब डॉलर

रह गया। कीमतों में लगातार उछाल के बावजूद बहुमूल्य धातु के आयात में वृद्धि से संकेत मिलता है कि निवेशकों का सोने पर भरोसा मजबूत बना हुआ है, क्योंकि यह निवेश का एक सुरक्षित साधन है। विशेषज्ञों का कहना है कि वैश्विक अनिश्चितताओं और कई देशों में तनाव के बीच सोने की ओर एसेट डायवर्सिफिकेशन, केंद्रीय बैंकों के बीच बढ़ती मांग और कीमतों में उछाल भी आयात वृद्धि के कारक हो सकते हैं।करीब 40 फीसदी हिस्सेदारी के साथ स्विट्जरलैंड भारत के लिए सोना आयात का सबसे बड़ा स्रोत है। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) 16 फीसदी से अधिक हिस्सेदारी के साथ दूसरा और दक्षिण अफ्रीका करीब 10 फीसदी के साथ तीसरा सबसे बड़ा आयात स्रोत है।

इस साल 18,780 रुपये बढ़ी कीमत

सोने की कीमतों में इस साल अब तक 18,780 रुपये या 23.65 फीसदी की तेजी देखने को मिली है। एक जनवरी, 2025 को यह 79,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव बंद हुआ था, जबकि 17 अप्रैल को बढ़कर 98,170 रुपये प्रति 10 ग्राम की रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया।सोना आयात में उछाल से देश का व्यापार घाटा (आयात व निर्यात के बीच अंतर) मार्च में बढ़कर 21.54 अरब डॉलर पहुंच गया। बीते वित्त वर्ष 2024-25 में यह 282.82 अरब डॉलर के सार्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। देश का विदेशी मुद्रा (फॉरेक्स) भंडार 11 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में 1.57 अरब डॉलर बढ़कर 677.83 अरब डॉलर पहुंच गया। यह भंडार में लगातार छठे सप्ताह तेजी है। आरबीआई के मुताबिक, विदेशी मुद्रा संपत्ति 89.2 करोड़ डॉलर बढ़कर 574.9 अरब डॉलर पहुंच गई।

प्रधानमंत्री आवास योजना : शहर में सरकार ने अब तक झुग्गीवासियों को वितरित किए 90 लाख घर

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। सरकार द्वारा संसद में कहा गया कि 3 मार्च 2025 तक प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी (पीएमएवाई-यू) के तहत शहरों में झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले लोगों को 90.60 लाख घर दिए गए हैं।

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री तोखन साहू ने राज्यसभा में एक प्रश्न के उत्तर में बताया कि पीएमएवाई-यू के तहत मंत्रालय द्वारा कुल 118.64 लाख मकानों को मंजूरी दी गई है, जिनमें से 112.46 लाख मकानों का निर्माण कार्य शुरू हो चुका है और 3 मार्च 2025 तक 90.60 लाख मकान पूरे हो चुके हैं या लाभार्थियों को वितरित किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि फंडिंग पैटर्न और कार्यान्वयन पद्धति में बदलाव किए बिना स्वीकृत घरों को पूरा करने के लिए योजना की अवधि 31 दिसंबर, 2025 तक बढ़ा दी गई है।

राज्य मंत्री ने कहा कि आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय (एमओएचयूए) 25 जून, 2015 से पीएमएवाई-यू के तहत केंद्रीय सहायता प्रदान करके राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों की सहायता कर रहा है, जिससे देश भर में मलिन बस्तियों सहित शहरी क्षेत्रों में

पक्के मकान उपलब्ध कराए जा सकें। राज्य मंत्री साहू ने कहा कि पीएमएवाई-यू के कार्यान्वयन के नौ वर्षों के अनुभवों से सीख लेकर मंत्रालय ने इस योजना को नया रूप दिया है और एक करोड़ अतिरिक्त पात्र लाभार्थियों के लिए 1 सितंबर, 2024 से पीएमएवाई-यू 2.0 'सभी के लिए आवास' मिशन शुरू किया है।

राज्य मंत्री ने कहा कि अब तक 30 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों ने समझौता ज्ञापन (एमओए) पर हस्ताक्षर किए हैं और ऐसे राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को 6.77 लाख घरों की सैद्धांतिक मंजूरी दी गई है। सरकार के आंकड़ों के अनुसार, देश भर में 1.39 करोड़ परिवारों के कुल 6.54 करोड़ लोग झुग्गियों में रह रहे हैं। झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले परिवारों का यह आंकड़ा 2011 में की गई अंतिम जनगणना पर आधारित है।

गौतम अडानी कराएंगे सरकार की कमाई, केदारनाथ रोपवे प्रोजेक्ट में पैसा देने को हुए तैयार

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। केदारनाथ यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए बड़ी राहत की खबर है। अब 8-9 घंटे की कठिन पैदल यात्रा को महज 36 मिनट में पूरा किया जा सकेगा, वो भी रोपवे के ज़रिए। करीब 13 किलोमीटर लंबे इस रोपवे प्रोजेक्ट के लिए सरकार ने 4,081 करोड़ रुपये की पीपीपी मोड पर मंजूरी दी है। इस प्रोजेक्ट को छह साल में पूरा किया जाएगा और इसका संचालन 35 वर्षों तक निजी कंपनी करेगी। सरकार के इस प्रोजेक्ट में गौतम अडानी भी सरकार की कमाई बढ़ाएंगे।

इतना देंगे पैसा

इस परियोजना में अडानी एंटरप्राइजेज ने 42% रेवेन्यू शेयरिंग का प्रस्ताव दिया है। कुल चार में से तीन बोलीदाताओं ने एनएचएलएमएल (नेशनल हाईवे लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट लिमिटेड) के साथ रेवेन्यू साझा करने की इच्छा जताई है। रोपवे प्रोजेक्ट ट्राई-केबल डिटैचेबल गोंडोला (3एस) तकनीक पर आधारित होगा, जिसमें एक बार में 36 यात्री यात्रा कर सकेंगे। रोज़ाना 18,000 और सालभर में 32 लाख श्रद्धालु इस सुविधा का लाभ ले सकेंगे।

रोपवे प्रोजेक्ट क्या है?

केदारनाथ रोपवे प्रधानमंत्री मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट में से एक है। यह दुनिया का सबसे लंबा रोपवे होगा जो सोनप्रयाग से केदारनाथ धाम तक बनेगा। इस रोपवे के बनने से केदारनाथ आने वाले लाखों तीर्थयात्रियों को काफी सुविधा होगी। पहले चरण में गौरीकुंड से केदारनाथ धाम तक 9.7 किमी लंबे रोपवे का निर्माण होगा। यह योजना केवल केदारनाथ तक सीमित नहीं है। गोविंदघाट-घांघरिया-हेमकुंड साहिब तक 12.4 किमी लंबे दूसरे रोपवे प्रोजेक्ट के लिए भी बोलियां आमंत्रित की गई हैं, जिसकी लागत करीब 2,730 करोड़ रुपये आंकी गई है। इससे प्रतिदिन 11,000 लोग यात्रा कर पाएंगे।इस रोपवे के बनने से न केवल तीर्थयात्रियों की यात्रा आसान होगी, बल्कि सरकार को भी बिना निवेश के राजस्व अर्जन का मौका मिलेगा। साथ ही उत्तराखंड की पर्यटन और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मेष	मे	मेष---	05-40 बजे
चंद्र-	धनु	मे	वृष---	07-24 बजे
मंगल	कर्क	मे	मिथुन..	09-25 बजे
बुध-	मीन	मे	कर्क---	11-37 बजे
गुरु-	वृष	मे	सिंह---	13-49 बजे
शुक्र-	मीन	मे	कन्या--	15-56 बजे
शनि-	मीन	मे	तुला---	18-01 बजे
राहु-	मीन	मे	वृश्चिक--	20-12 बजे
केतु-	कन्या	मे	धनु.....	22-26 बजे
			मकर...	00-31 बजे
			कुंभ....	02-21 बजे
			मीन....	04-00 बजे

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947,सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 06-00
भोग्य कलि वर्ष-426874 सूर्यास्त - 18-29
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126
दिशाशूल - पश्चिम - पान खाकर घर से निकले
तिथि- सप्तमी 19-00 तक उपरान्त अष्टमी
मास - वैशाख कृष्ण , रविवार 20 April
नक्षत्र - पूर्वाषाढा 11-48 तक उपरान्त उत्तराषाढ़ा
योग - सिद्ध 00-12 तक उप साध्य
करण- विष्टी 06-46 तक उप बव
विशेष:-
व्रत त्योहार - भद्राकाल - 06-46 से

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 16:58 से 18:32 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
उत्पात	06:00 - 07:32 अशुभ	शुभ.	18:29 - 19:58 शुभ
चंचल.	07:32 - 09:07 शुभ	अमृत	19:58 - 21:23 शुभ
लाभ.	09:07 - 10:41 शुभ	चंचल	21:23 - 22:49 शुभ
अमृत	10:41 - 12:15 शुभ	रोग	22:49 - 00:15 अशुभ
काल	12:15 - 13:49 अशुभ	काल	00:15 - 01:40 अशुभ
शुभ	13:49 - 15:24 शुभ	लाभ।	01:40 - 03:06 शुभ
रोग .	15:24 - 16:58 अशुभ	उत्पात	03:06 - 04:32 अशुभ
उत्पात	16:58 - 18:29 अशुभ	शुभ .	04:32 - 06:00 शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)

कुछ समय से आप झूठ बोल रहे है । आज आप आय के नए तरीकों का लाभ उठाने के लिए अपने निर्णय में नयापन ला सकते हैं। आप में अपनी ताक़त या कुर्सी का आनंद लेने के लिए दीवानापन रहेगा और वह काफी सशक्त होगा । आपकी वित्तीय स्थिति किसी भी अन्य दिन की तरह सामान्य रहेगी ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

आज उत्तरार्द्ध में एक व्यापारिक यात्रा आपको करनी पड़ सकती है । यह बौद्धिक विवेक को बढ़ाने के लिए एक महान अवसर होगा। अगर आप अपने आप को बोझिल महसूस कर रहे है , तो पूर्वार्द्ध में अवकाश लेकर अपने आप को तैयार करे की किस तरह से आप अपने आप को औरो के सामने प्रस्तुत करेंगे ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)

आप स्वभाव से गंभीर हैं और अपने कार्य करने के लिए प्रतिबद्धता का फल अब मिलने का समय है । दिन के अंत में प्रमुख वित्तीय लाभ की भी संभावना है जो आपने ईमानदारी और कड़ी मेहनत से अर्जित की है। लेकिन आपको केवल जिम्मेदारी और कर्तव्य की भावना से कार्य नहीं करना चाहिए बल्कि कार्यों को करने में हास्य की भावना विकसित करे ताकि आप को कार्य करते हुए आनंद की प्राप्ति हो ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)

आप अपनी इच्छाओं को पूर्ण करने के लिए चाल चलने की कोशिश कर रहे हैं , लेकिन आप इन बातों में लिप्त न हो नहीं तो आप मुसीबत में पड़ सकते हैं । लोग इसे एक अपराध के रूप में लेंगे और हमेशा के लिए आप अपना विश्वास खो सकते हैं जो इतने सालों में अपने अपने लिए बनाया है।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

आपको इस बात का आभास नहीं है की आपके सहकर्मियों को कितनी चिन्ताओ और तनाव से गुजरना पड़ रहा है । अपने समय को बचाने की बजाय उनकी चिंता को समझना आपके लिए आज ज्यादा जरुरी होगा । अगर आप फिर भी बिना सोचे समझे आगे बढ़ते जायेंगे तो आपको कड़ाई से सबक मिल सकता है।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

आपका ध्यान आज भटकने की संभावना है , हालाँकि आपका कार्य जमा होता जा रहा है, लेकिन आपका ध्यान अनुत्पादक गतिविधियों में लिप्त रहेगा , लेकिन फिर भी आपको आराम करने का अवसर नहीं मिल पायेगा क्योंकि जागरूकता और चिंता हमेशा आपके मन पर हावी रहेगी की आपका कार्य अभी अधूरा है ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

बदलाव आपके कैरियर में संकेत दे रहे है, लेकिन ये परिवर्तन आपको आनंद देगा । आपको नयी नौकरी की पेशकश मिल सकती है , या एक नए विभाग में आपको स्थानांतरित किया जा सकता है । पदोन्नति का भी संकेत मिल रहा है । आप अपनी नई जिम्मेदारियों से प्यार करेंगे और अपने आप को साबित करने के लिए उत्साह से भर जाएंगे ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)

आप आभूषण या कुछ बहुमूल्य रत्नो या मॉडलिंग या उस तरह के समान पेशे से जुड़े हुए है । आपको अपने व्यापारिक गतिविधियों या किसी समारोह के लिए विदेश यात्रा करनी पड़ सकती है । आपके सफल होने के आसार हैं, इसलिए चिंता छोड़ो और आगे बढ़ो । आपको अपनी उम्मीदों से कहीं अधिक पैसे की प्राप्ति होगी।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)

अगर आप अपने कार्यक्षेत्र या अपने आर्थिक लक्ष्यों के लिए किसी पारंगत व्यक्ति या अपने निकट जानने वाले व्यक्ति से परामर्श लेते है तो ये सुझाव आपको काफी लाभ दे सकता है । आज का दिन इंजीनियरों और कंप्यूटर में प्रवीण व्यक्तियों के लिए काफी अछा रहेगा । आपको दूसरी नौकरी का प्रस्ताव भी मिल सकता है।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)

आज का दिन उन लोगों के लिए सबसे अनुकूल है , जो किसी भी स्वास्थ्य से संबंधित व्यवसायों में हैं । डॉक्टरों, नर्सों, चिकित्सकों, अस्पताल प्रशासकों और यहां तक कि मेडिकल छात्रों की सफलता के लिए आज का दिन उपयुक्त है । अगर आप किसी विशेषज्ञ से परामर्श लें रहे है।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)

आप अपने परिवार के हित और अपने व्यावसायिक हित के बीच अपने आप को फंसा हुआ पाएंगे । अपने परिवार के कल्याण को चुने और थोड़ी देर के लिए अन्य बातों को बस्ते में डाल दे । आपका वित्तीय भाग्य बहुत मजबूत है। आप आज बोली भी लगा सकते हैं और उसमे जीतने की संभावना काफी प्रबल है।

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

एक छोटा लेकिन बेहद आकर्षक अवसर आज आप के लिए खुलने की संभावना है। निर्माण या अचल संपत्ति के कारोबार में निवेश आपके लिए लाभदायक सिद्ध हो सकता है । हालांकि, अगर आप समय पर निर्णायक कार्रवाई करते है तभी आपको लाभ मिलेगा । अगर आप समय बर्बाद करेंगे तो अवसर आपके हाथ से निकल जाएंगे ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

नान घोटाला, सीबीआई ने 3 सीनियर अफसरों पर दर्ज किया केस

इनमें आलोक शुक्ला, अनिल टुटेजा और सतीश चंद्र वर्मा शामिल, दस्तावेजों में छेड़छाड़ का आरोप

रायपुर, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। नान घोटाले में सीबीआई ने तीन सीनियर अफसरों पर केस दर्ज किया है। ये अफसर तत्कालीन छत्तीसगढ़ सरकार में बड़े पदों पर पदस्थ थे। इनमें तत्कालीन प्रधान सचिव डॉ. आलोक शुक्ला, तत्कालीन संयुक्त सचिव अनिल टुटेजा और तत्कालीन महाधिवक्ता सतीश चंद्र वर्मा शामिल हैं। इन पर आरोप है कि इन्होंने जांच को प्रभावित किया है।

जिसके बाद सीबीआई ने शुक्रवार को अनिल टुटेजा के रायपुर निवास के अलावा एक अन्य ठिकाने पर तलाशी अभियान चलाया। तलाशी के दौरान कुछ आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद हुए हैं, जिनकी जांच की जा रही है। सीबीआई ने इस मामले में ईओडब्ल्यू में दर्ज एफआईआर को अपने हाथ में लेकर नए सिरे से जांच शुरू कर दी हैं।

सीबीआई के मुताबिक, इन अफसरों पर आरोप है कि इन्होंने अपने पद और प्रभाव का दुरुपयोग करते हुए एनएएन (नागरिक आपूर्ति निगम) मामले में ईडी और ईओडब्ल्यू/एसीबी की कार्रवाई को प्रभावित करने की कोशिश की। आरोपों के मुताबिक, आयकर विभाग की तरफ से जब्त डिजिटल सबूत से पता चला है कि, आरोपियों ने मामले की जांच को कमजोर करने के लिए लगातार कोशिश की।

सीबीआई की शुरुआती जांच में यह भी सामने आया है कि, तत्कालीन महाधिवक्ता सतीश चंद्र वर्मा को अनुचित लाभ पहुंचाने के लिए प्रयास किए गए। आरोप है कि इन अधिकारियों ने न सिर्फ खुद के लिए अग्रिम जमानत बनवाने करने की कोशिश की, बल्कि राज्य आर्थिक अपराध शाखा में तैनात अधिकारियों को डॉक्यूमेंट में हेरफेर करने के लिए भी राजी किया।

सीबीआई ने संकेत दिए हैं कि इस मामले में और नाम जुड़ सकते हैं। साथ ही जिन अधिकारियों और कर्मचारियों ने जांच में बाधा डालने का प्रयास किया, उनकी भूमिका भी जांच के दायरे में है।

10 लाख की रंगदारी नहीं देने पर मारी गोली

बिजनेसमैन के पैर और जांघ में लगी बुलेट, 4 बदमाशों ने दुकान में घुसकर की फायरिंग

जमशेदपुर (पूर्वी सिंहभूम), 19 अप्रैल (एजेंसियां)। सरायकेला जिले में चार बदमाशों ने शनिवार को एसबी ट्रेडर्स के मालिक संजय बर्मन को गोली मार दी। दो गोली उनके पैर और जांघ में लगी है। घटना कांड्रा थाना क्षेत्र के कांड्रा-डुमरा मुख्य मार्ग पर हुई।

संजय बर्मन से दुकान में घुसकर बदमाशों ने पहले 10 लाख रुपए मांगे। नहीं देने पर उनपर फायरिंग कर भाग निकले। संजय बर्मन की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है।

घटना की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। संजय के भतीजे यश बर्मन ने बताया कि शॉप में बाइक सवार चार लोग पहुंचे थे। इनमें से तीन ने अपने चेहरे को कपड़े से ढंक रखा था। जबकि एक का चेहरा खुला था।

यश ने बताया कि चारों ने चाचा से 10 लाख रुपए मांगे। जब चाचा ने रुपए देने से इंकार किया तो उन्हें गोली मार दी।

बदमाशों ने पिस्टल के बट से उनके सिर पर भी हमला किया और मौके से भाग निकले। इसके बाद हमलोग चाचा को लेकर अस्पताल पहुंचे।

इधर, इस घटना से क्षेत्र के व्यवसायियों में आक्रोश है। पुलिस मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है। बदमाशों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए टीमें गठित की गई हैं।

रांची के आसमान पर विमानों ने बनाया तिरंगा

एयर शो में दिखा सेना का शौर्य, आज भी आकाश में दिखेंगे हैरतअंगेज करतब

रांची, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। रांची के नामकुम के खोजा टोली स्थित आर्मी ग्राउंड में शनिवार को ट्रेंड पायलट ने हॉक विमान से आसमान में एक घंटे तक करतब दिखाया। आसमान पर फॉग से तिरंगा बनाया। 5 मीटर से भी कम की दूरी मेंटेन करते हुए पायलट आसमान में तिरंगा बनाया। यह आयोजन रविवार को भी किया जाएगा।

वायुसेना के पायलट हॉक विमान से डीएनए मनोहर, लूप और क्रॉस समेत अन्य कई तरह के हैरतअंगेज करतब दिखाया। एयर शो के दौरान रांची के लोगों ने आसमान में विमान से तिरंगे को लहराते हुए देखा।

एयर शो दो भागों में बंटा। पहले भाग में 9 विमान एक साथ उड़ान भरा। ये विमान 5 मीटर की दूरी मेंटेन करते हुए एक साथ उड़े।

दूसरे भाग में सभी 9 विमान अलग-अलग दिशाओं से अपनी गति का प्रमाण देते हुए अलग-अलग आकृतियां आसमान में बनाया। इसके अलावा विमान उलटी उड़ान भरते हुए भी नजर आए। टीम के पायलटों ने 6 महीने कठिन अभ्यास कर अपनी तैयारी पूरी की है।

अजय दशरथी, जशदीप सिंह, कुलदीप हुड्डा, सिद्धेश कार्तिक, विष्णु, अंकित वशिष्ठ, गौरव पटेल, अर्जुन पटेल और दिवाकर शर्मा। सूर्यकिरण की टीम में शामिल ये जांबाज अपने करतब से रांची को आश्चर्यचकित कर दिया।

इधर, एयर इंडिया एक्सप्रेस की दिल्ली फ्लाइट री-शेड्यूल कर 9.20 बजे की गई। रांची से दिल्ली जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट का री-शेड्यूल, 9.25 बजे गई। रांची से हैदराबाद की फ्लाइट ने एयर शो खत्म होने के बाद उड़ान भरा।

ससुराल गए युवक की संदिग्ध स्थित में मौत

घर से 500 मीटर दूर पेड़ से लटकी मिली लाश, सास और साले पर हत्या का आरोप

पलामू, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। पलामू के रामगढ़ थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक घटना सामने आई है। साले की शादी में गए 25 वर्षीय मंटू भुइयां का शव शनिवार को पेड़ से बने फंदे से लटका मिला। ससुराल से 500 मीटर दूरी पर युवक की लाश मिली।

मृतक की मां हिरोइया देवी और भाई चंदन कुमार ने सास और साले पर युवक की हत्या करने का आरोप लगाया है। परिवार का कहना है कि पीटने के बाद हत्या कर आत्महत्या का रूप देने के लिए शव को फंदे पर लटका दिया गया। परिजनों के पहुंचने से पहले ही ससुराल पक्ष ने शव को पेड़ से उतार लिया था। मृतक के परिजनों का कहना है कि 14 अप्रैल को मंटू अपने चचेरे साले के तिलक समारोह में हुटार पंचायत के चाड़ो गया था।

इस दौरान ही सास और साले ने उसकी पिटाई की थी। चंदन के अनुसार, मंटू ने रात में फोन पर मारपीट की जानकारी दी थी। आधे घंटे बाद ही उसकी मौत की खबर मिली। मृतक के शरीर पर चोट के निशान मिले हैं। उसकी बड़ी बेटी ने भी नानी और मामा द्वारा पिता की पिटाई की पुष्टि की है। मृतक के दो बच्चे हैं। इधर, रामगढ़ थाना प्रभारी ओमप्रकाश शाह ने बताया कि शव का पोस्टमॉर्टम कराया गया है। रिपोर्ट आने के बाद मौत का कारण स्पष्ट होगा। परिजनों की शिकायत पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

आपस में भिड़े भाजपा के युवा नेता

भाजयुमो और एबीवीपी नेता के बीच जमकर झड़प, मारपीट और हत्या के प्रयास का मामला दर्ज

भिलाई, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के राजनीतिक जिला भिलाई में दो दिन पहले भाजयुमो और एबीवीपी नेताओं के बीच जमकर मारपीट हुई। इस मामले में स्मृति नगर पुलिस ने भाजयुमो नेता रोहन सिंह और उनके साथियों के खिलाफ मारपीट और एबीवीपी नेता मिहिर जायसवाल के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया है। मिहिर को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। इस मारपीट का वीडियो भी सामने आया है।

एबीवीपी नेता मिहिर जायसवाल ने उसके ऊपर पुलिस की गलत कार्रवाई का आरोप लगाते हुए कहा कि वो अपने साथियों के साथ चाय की दुकान पर बैठा था, तभी रोहन सिंह और उसके साथी वहां पहुंचे और उनके साथ मारपीट की। मिहिर का कहना है कि उनके पास इस घटना का सीसीटीवी फुटेज भी है। इसके बाद उनके लोगों ने रोहन सिंह के साथ मारपीट की है।

मिहिर का कहना है कि पुलिस को दोनों पक्षों के खिलाफ मारपीट का मामला दर्ज करना था, लेकिन पुलिस ने रोहन सिंह के कहने पर उनके खिलाफ हत्या के प्रयास की धारा लगाकर मामला दर्ज किया गया, जबकि रोहन और उसके साथियों के खिलाफ सिर्फ जमानती धाराएं लगाई गईं। मिहिर को कोर्ट ने न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

वहीं इस बारे में रोहन सिंह ने बताया कि कुछ दिन पहले मिहिर और उसके साथियों ने उसके मामा के बेटे से मारपीट की थी। जब उसने फोन कर इस बारे में पूछताछ की और मिहिर से मिलने की कोशिश की, तो चाय की दुकान पर उससे गाली-गलौज की। उसके बाद वो वहां से चला गया। इसके बाद मिहिर और उसके 40-50 लड़कों ने गैंग बनाकर उसको मारने के लिए खोजना शुरू किया। पुलिस को जब इसकी जानकारी लगी तो स्मृति नगर पुलिस भी उन्हें रोकने के लिए चाय दुकान पर पहुंची। रोहन का कहना है कि वो भी वहां पहुंचा तो मिहिर के कुछ लोगों ने हाथ में पंच और बेस बल्ला लेकर हमला किया।

इसमें रोहन और उसके दोस्तों को चोटें आई हैं। हमलावरों में एक नाम अमित ठाकुर का भी सामने आया है, जो एनकाउंटर में मारे गए बदमाश अमित जोश का दोस्त है। वहीं इस बारे में मिहिर का कहना है कि पहले रोहन उनके पास मारपीट करने आया था। उसका सीसीटीवी फुटेज भी उनके पास है।

मिहिर जायसवाल ने यह भी आरोप लगाया कि स्मृति नगर पुलिस ने उनके साथ अपराधियों जैसा व्यवहार किया। उन्होंने कहा कि वह उस समय झगड़े से दूर खड़ा था, फिर भी पुलिस ने उनके खिलाफ हत्या के प्रयास की धारा लगाई। हिरासत में उन्हें थर्ड डिग्री दी गई, जिससे उनके शरीर पर गंभीर चोट के निशान हैं।

शरीयत पर बयान देने वाले झारखंड के मंत्री पलटे

हफीजुल हसन ने कहा– भारतीय संविधान सर्वोपरि, बाबा साहेब के प्रति श्रद्धा

देवघर, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। झारखंड के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री हफीजुल हसन ने अपने विवादित बयान पर सफाई दी है। उन्होंने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि उनके लिए भारतीय संविधान सर्वोपरि है। मंत्री ने कहा कि उनकी भारतीय संविधान में अटूट आस्था है। उन्होंने बाबा साहेब आंबेडकर के प्रति गहरी श्रद्धा व्यक्त की। मंत्री ने बताया कि उन्होंने सार्वजनिक जीवन में समावेशिता और सामाजिक न्याय के लिए काम किया है।

हफीजुल हसन ने स्पष्ट किया कि उनका कोई भी कथन या कार्य कभी संवैधानिक मूल्यों के खिलाफ नहीं रहा। उन्होंने कहा कि संविधान अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़े वर्ग और अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा की गारंटी देता है।

मंत्री ने कहा कि संविधान हर नागरिक को धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार देता है। साथ ही सरकारों को ऐसा माहौल बनाने का निर्देश देता है, जिसमें सभी नागरिक अपनी भाषाई और धार्मिक पहचान बनाए रख सकें। उन्होंने अल्पसंख्यकों के प्रति की जा रही टिप्पणियों पर चिंता जताई। मंत्री ने कहा कि हर व्यक्ति को अपने धर्म से प्रेम करने का अधिकार है। लेकिन यह प्रेम दूसरे धर्म के प्रति नफरत नहीं बनना चाहिए। उन्होंने सभी समुदायों के लिए न्याय, समानता और समृद्धि सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता जताई।

इंस्टा लाइव आकर फांसी के फंदे पर झूला प्लेयर

कहा–जंगल आकर खोज लेना, दुर्ग से बिलासपुर कबड्डी खेलने निकला था, 2 दिन बाद मिली लाश

दुर्ग, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। दुर्ग जिले का एक कब्बडी प्लेयर इंस्टाग्राम में लाइव आकर फांसी के फंदे में झूल गया। बिलासपुर के जंगल में 17 साल के लक्की ने पेड़ पर फांसी लगाकर खुदकुशी की। इस दौरान 22 लोग उसे लाइव देखते रहे और उसे रोकने का प्रयास किया। इस दौरान उसने यह भी कहा कि, पापा बिलासपुर के जंगल में आकर मुझे खोज लेना। सीएसपी छावनी हरीश पाटिल ने बताया कि लक्की के पिता राजेंद्र साहू ने 17 अप्रैल को कुम्हारी थाने में उसकी गुमशुदगी की सूचना दी थी। उसने बताया कि उनका बेटा प्रेक्षा उर्फ लक्की साहू 15 अप्रैल की सुबह 7.30 बजे से गायब है।

15 अप्रैल को उसने कबड्डी खेलने के लिए बिलासपुर जाने की बात घर में कही थी। जब देर शाम तक घर नहीं लौटा तो परिजनों ने उसकी खोजबीन शुरू की। 16 अप्रैल को भी जब उसका पता नहीं चला तो 17 अप्रैल को उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई। परिजनों ने बताया कि, वो लक्की की तलाश कर ही रहे थे कि 18 अप्रैल को उन्हें इंस्टाग्राम का वीडियो मिला, जिसमें लक्की फंदा लगाते हुए दिख रहा है। इस बीच उन्होंने उसके मोबाइल में कई बार फोन किया, लेकिन संपर्क नहीं हो पाया। छावनी सीएसपी हरीश पाटिल ने बताया कि 17 वर्षीय लक्की कुम्हारी थाना के जंजगिरी गांव का रहने वाला था। वहीं के मानसरोवर स्कूल में 12वीं पढ़ता था और कबड्डी भी खेलता था। पुलिस ने लोकेशन ट्रेस किया, तो 17 अप्रैल को उसका लास्ट लोकेशन बिलासपुर के तोरवा-सरकंडा क्षेत्र में मिला। छात्र के पिता और परिजन पुलिस के साथ मृतक की तलाश कर रहे थे, 19 अप्रैल की सुबह उसकी लाश सरकंडा इलाके के चिल्हाटी में मिली है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है, और आत्महत्या के वजह जानने जांच में जुटी है। सीएसपी छावनी हरीश पाटिल ने बताया कि लक्की ने जो इंस्टाग्राम में पोस्ट डाला है, वो बिलासपुर के तोरवा में रहने वाले उसके दोस्त के आईपी एड्रेस से डाला है। पुलिस उसकी भी तलाश कर रही है।

भाजपा नेता ने मारी जानलेवा टक्कर

कांग्रेसी सरपंच की हालत नाज़ुक, देवर की मौत, इलाके में भारी पुलिस बल तैनात

रायपुर, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। कोंडागांव में एक बड़ी घटना हुई। भाजपा नेता पूर्णेंदु कौशिक ने कांग्रेसी सरपंच चंपी भोयार और उनके देवर हेमेंद्र भोयर पर जानलेवा हमला किया। उन्होंने अपनी कार से उनकी बाइक को टक्कर मार दी। इस हादसे में हेमेंद्र भोयर की मौत हो गई। सरपंच चंपी भोयर गंभीर रूप से घायल हैं। घटना के बाद क्षेत्र में तनाव है। पुलिस ने आरोपी भाजपा नेता को गिरफ्तार कर लिया है। यह हमला निजी विवाद या राजनीतिक दुश्मनी के कारण हुआ, यह अभी स्पष्ट नहीं है।

यह घटना डोंगरी गुडा के पास हुई। हेमेंद्र भोयर पंच और युवा कांग्रेस के विधानसभा उपाध्यक्ष थे। उनकी भाभी, चंपी भोयर, मुलमला गांव की सरपंच हैं। बाइक पर हेमेंद्र भोयर, सरपंच चंपी भोयर और आरोपी की पहली पत्नी सवार थे।

घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल है। पुलिस बल को तैनात किया गया है। पुलिस ने आरोपी भाजपा नेता पुर्णेंदु कौशिक को गिरफ्तार कर लिया है। कांग्रेसी सरपंच को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनका इलाज चल रहा है। पुलिस ने आरोपी भाजपा नेता के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। स्थानीय पुलिस अधिकारी ने इस घटना के बारे में बताया। उन्होंने कहा, 'हमें सूचना मिली कि दो राजनीतिक व्यक्तियों के बीच झड़प हुई है, जिसमें एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हुआ है। एक की मौत हो गई है। मामले की जांच की जा रही है। दोषी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।' इस घटना के बाद कांग्रेस समर्थकों में गुस्सा है। पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने जल्द से जल्द कार्रवाई की मांग की है। गुस्से में आए कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नेशनल हाईवे पर चक्काजाम किया।

ईश्वर साहू की फेसबुक आईडी से एससी-जज पर आपत्तिजनक पोस्ट

दीपक बैज बोले– विधायक माफी मांगें, एमएलए ने कहा– आईडी फर्जी, मुझे टारगेट किया गया

रायपुर, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। बेमेतरा जिले के साजा से बीजेपी विधायक ईश्वर साहू एक बार फिर से विवादों में हैं। उनके नाम से चल रहे फेसबुक अकाउंट से सुप्रीम कोर्ट, जज और वकीलों के खिलाफ अपशब्दों का इस्तेमाल करते हुए एक के बाद एक कई आपत्तिजनक पोस्ट किए गए। पोस्ट वायरल होते ही पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज ने एमएलए को माफी मांगने कहा है, तो ईश्वर साहू ने खुद को इससे अलग बताते हुए कहा कि, ये फर्जी फेसबुक आईडी है। जिस पर पोस्ट कर मुझे टारगेट किया जा रहा है।

ईश्वर साहू के फेसबुक से किए गए एक पोस्ट में लिखा गया है कि, "हमारे देश में दो कोठा हैं, एक हाई कोठा और सुप्रीम कोठा जिसमें वकील और जज के रूप में कांग्रेस के बैठे हुए आतंकवादी हैं जो देश के हिंदुओं की बर्बादी के लिए बनाए गए हैं।"

दूसरे पोस्ट में कहा गया है कि "हजारों साल पुराने राम मंदिर के लिए कागज मांगने वाला सुप्रीम कोठा बोल रहा है कि मस्जिद दरगाह वाले वक्फ बोर्ड कहां से कागज लाएगा, वाह रे, सुप्रीम कोठा हाई कोठा।" इन पोस्ट्स को लेकर सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रियाएं शुरू हो गई हैं। पोस्ट के स्क्रीनशॉट वायरल हो चुके हैं। कांग्रेस ने विधायक के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है।

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि, उनके फेसबुक अकाउंट से जो पोस्टर जारी हुआ है। न्यायालय और उनसे जुड़े जज और वकीलों के लिए आप शब्दों का प्रयोग किया है। भारतीय संविधान में न्यायालय का जो स्थान है उसे इन्होंने तार तार किया है।

जिस तरह के शब्दों का प्रयोग किया है मैं समझता हूं कि भारतीय जनता पार्टी की मानसिकता क्या है वह इस पोस्ट से देखा जा सकता है। कोर्ट को लेकर इस तरह के टिप्पणी करना जिसका लोकतंत्र में कोई स्थान नहीं है। भाजपा विधायक ईश्वर साहू को इसके लिए माफी मांगनी चाहिए।

विवाद बढ़ने के बाद विधायक ईश्वर साहू ने कहा कि, मेरे नाम से कोई फर्जी फेसबुक अकाउंट बनाकर गलत पोस्ट कर रहा है। इसकी जानकारी मुझे नहीं थी। मेरी छवि को धूमिल करने के लिए यह षडयंत्र किया जा रहा है। इसमें विरोधी पार्टी का हाथ हो सकता है। इस मामले की जानकारी मैंने बेमेतरा एसपी को दी है और एफआईआर भी दर्ज कर रहा हूं। उन्होंने लोगों से अपील की कि ऐसी आईडी को रिपोर्ट और अनफॉलो करें। हालांकि, जिन फेसबुक अकाउंट्स से यह पोस्ट हुए हैं। वे पहले से ईश्वर साहू के नाम और पहचान के साथ सक्रिय रहे हैं। ऐसे में यह सफाई कितनी प्रभावी है, यह भी सवालों के घेरे में है।

मामला अब केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि कानूनी दायरे में भी आ गया है। सोशल मीडिया पर की गई इस टिप्पणी को लेकर ईश्वर साहू ने एफआई दर्ज करा दी है। अब बेमेतरा पुलिस आगे की कार्रवाई करेगी।

चोरी के शक में युवकों की बांधकर पिटाई

महिलाओं को भी पीटा, एक ही परिवार के 6 लोग घायल, सिर पर लगे टांके

सरगुजा, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। अंबिकापुर से लगे सद्भावना ग्राम तकिया में युवकों ने चोरी के शक पर किराए में रहने वाले युवकों और महिलाओं को पीट दिया। मारपीट के दौरान युवकों के हाथ-पैर बांध दिए, फिर लाठी-डंडों से उनकी बेदम पिटाई की। महिलाओं के साथ मारपीट कर उन्हें बकरी बांधने वाले कमरे में बंद कर दिया। मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पीड़ितों को पुलिस ने आरोपियों के चंगुल से छुड़ाया और हॉस्पिटल भेजा। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, शुक्रवार को तकिया में किराए के मकान में रहने वाले शाहिद हुसैन, उसकी पत्नी पारूल कश्यप, भाई वाहिद हुसैन, मां शबाना खातून समेत परिवार के बाकी सदस्य घर पर थे। तकिया निवासी रमजान, आतिक, छोटू और अन्य साथी शाहिद हुसैन के घर पहुंचे। चोरी का आरोप लगाकर उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। उन्होंने घर से लाखों रुपए के नगदी और जेवर की चोरी का आरोप लगाया। रमजान और साथियों ने वाहिद समेत उसके भाई और अन्य सदस्यों को घर से निकालकर बांध दिया। बीच-बचाव करने आई महिलाओं को भी डंडे से मारा। उन्हें बकरी बांधने वाले कमरे में बंद कर दिया। महिलाओं ने आरोप लगाया कि, आरोपियों ने उनके साथ अभद्रता की और उनके साथ बैड टच किया।

इस दौरान वाहिद से मिलने पहुंचे गोधनपुर निवासी मंजीत सिंह समेत अन्य लोग भी मौजूद थे। उनके साथ भी मारपीट की गई। मारपीट के दौरान लोग सहमे रहे। भीड़ ने भी मारपीट में बचाव की कोशिश नहीं की। घटना की सूचना पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने पीड़ितों को आरोपियों के चंगुल से छुड़ाया। कमरे में बंद महिलाओं को बाहर निकाला और हॉस्पिटल भेजा। मारपीट में सभी को चोटें आई हैं। महिलाओं के सिर पर भी चोटें आई हैं। जिसके टांके भी लगे हैं। शनिवार को पीड़ित पक्ष कोतवाली थाने पहुंचा और मारपीट की शिकायत दर्ज कराई।

धनबाद जाने के लिए बस में बैठी महिला लापता

रांची से बच्चे संग दोस्त की शादी में जा रही थी पति से आखिरी बार 17 अप्रैल को हुई थी बात

धनबाद, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। रांची स्थित कोकर निवासी एक महिला अपने ढाई साल के बच्चे के साथ रहस्यमय तरीके से लापता हो गई। महिला की पहचान वर्षा देवी के रूप में हुई है। वह 17 अप्रैल को बगोदर में एक दोस्त की शादी में शामिल होने के लिए घर से निकली थी।

बगोदर की बस छूट जाने के बाद वर्षा रांची से धनबाद जाने वाली बस में सवार हुईं। बस कंडक्टर के अनुसार, वह अपने बच्चे के साथ धनबाद बस स्टैंड पर उतरी थी। उसी दिन पति आकाश राम से दो बार फोन पर बात हुई। आखिरी बातचीत रात 8 बजे हुई, उसके बाद से उनका फोन स्विच ऑफ है। वर्षा की तलाश में आकाश राम, उनके नाना-मामा और मित्र धनबाद पहुंचे। उन्होंने धनबाद थाने में शिकायत करने की कोशिश की। हालांकि, पुलिस ने उन्हें वर्षा के निवास स्थान के संबंधित थाने में रिपोर्ट दर्ज कराने को कहा। गौरतलब है कि आकाश और वर्षा की शादी 2020 में लॉकडाउन के दौरान हुई थी। पत्नी और बच्चे के अचानक लापता होने से पूरा परिवार चिंतित है। पुलिस से जल्द कार्रवाई की मांग की जा रही है।

बांका में प्यार, आसनसोल में प्रेमी जोड़े ने की शादी

युवक-युवती को पुलिस ने जामताड़ा से पकड़ा, 12 अप्रैल को घर से भागे थे दोनों

जामताड़ा, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार के बांका जिले के एक प्रेमी जोड़े ने पश्चिम बंगाल के आसनसोल में मंदिर में शादी कर ली। अजय कुमार दास और गुलशन कुमारी दोनों 21 वर्षीय हैं। दोनों पिछले 4 साल से एक-दूसरे से प्रेम करते हैं। गुलशन 12 अप्रैल को अपने घर से भाग गई थी। परिजन उसकी इच्छा के विरुद्ध शादी करवाना चाहते थे। दोनों ने कहा कि अगर उन्हें साथ रहने नहीं दिया गया तो वे आत्महत्या कर लेंगे। अजय ने बताया कि पुलिस उनके परिवार को परेशान कर रही है। वे जहां भी जाते हैं, पुलिस उनका पीछा करती है। दोनों का कहना है कि वे बालिग हैं और एक साथ रहना चाहते हैं।

बंगाल में हिंसा पर विहिप-बजरंग दल सख्त

राष्ट्रपति शासन की मांग, कहा– वक्फ कानून के बहाने हिंदुओं पर हमले

पाकुड़, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने कड़ा रुख अपनाया है। संगठन के कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग को लेकर जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। विहिप के जिला मंत्री अरविंद घोष के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल समाहरणालय पहुंचा। इस दौरान प्रांत गौ रक्षा प्रमुख संदीप कुमार मंडल, विशेष संपर्क प्रमुख उदय सिंह और बजरंग दल के अमित पाल समेत कई कार्यकर्ता मौजूद थे। ज्ञापन में कहा गया है कि वक्फ कानून के विरोध की आड़ में पूरे बंगाल को हिंसा की आग में झोंका जा रहा है। हिंदुओं को प्रताड़ित किया जा रहा है।

राष्ट्र विरोधी तत्वों को खुली छूट दी जा रही है। मुर्शिदाबाद से शुरू हुई हिंसा अब पूरे बंगाल में फैल रही है। शासकीय तंत्र दंगाइयों के सामने न केवल निष्क्रिय है, बल्कि कई जगह उनका सहयोगी बन गया है। 11 अप्रैल को वक्फ कानून के विरोध के नाम पर हुए हिंसक प्रदर्शन में 200 से ज्यादा हिंदू परिवारों के घर और दुकानें जला दी गईं।

बांग्लादेश में हिंदू नेता की पीट-पीटकर हत्या

दो बाइक पर 4 लोग घर से किडनैप कर ले गए, अधमरी हालत में वैन से घर भिजवाया

ढाका, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। बांग्लादेश में अज्ञात लोगों ने एक बड़े हिंदू नेता की हत्या कर दी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, भाबेश चंद्र रॉय (58) को गुरुवार दोपहर को उनके घर से किडनैप किया गया और पीट-पीटकर मार डाला गया। वे बांग्लादेश पूजा उद्यापन परिषद की बीराल इकाई के उपाध्यक्ष थे। हिंदू समुदाय में उनकी बड़ी पकड़ थी। पुलिस ने बताया कि वे ढाका से कुछ 330 किमी दूर दिनाजपुर के बसुदेवपुर गांव के रहने वाले थे। भाबेश चंद्र रॉय की पत्नी शांतना ने बताया कि गुरुवार को करीब 4:30 बजे उनके पति को एक फोन आया था। फोन करने वाला सिर्फ यह जानना चाहता था कि भाबेश घर पर हैं या नहीं। इसके करीब आधे घंटे बाद दो बाइक पर सवार चार लोग उनके घर आए और भाबेश को जबरदस्ती उठाकर ले गए। चश्मदीदों के मुताबिक, उन्हें पास के नराबाड़ी गांव ले जाया गया और वहां बेरहमी से पीटा गया। गुरुवार शाम को ही हमलावरों ने भाबेश को बेहोश हालत में वैन से

उनके घर भिजवा दिया। पहले उन्हें नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, फिर दिनाजपुर मेडिकल कॉलेज भेजा गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

बीराल पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकारी अब्दुस सबूर ने कहा कि इस मामले में केस दर्ज करने की तैयारी चल रही है। उन्होंने बताया कि पुलिस संदिग्धों की पहचान करने और उन्हें गिरफ्तार करने के लिए काम कर रही है। भाबेश की पत्नी शांतना ने कहा कि वह हमलावरों में से दो को पहचान सकती हैं। एक दिन पहले यानी शुक्रवार को भारत ने बांग्लादेश से कहा था कि पश्चिम बंगाल में हिंसा को लेकर नैतिक उपदेश देने के बजाय अपने यहां अल्पसंख्यकों की रक्षा पर ध्यान दे। दरअसल, बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के चीफ एडवाइजर मोहम्मद यूनुस के प्रेस सेक्रेटरी ने कहा था कि भारत को उन अल्पसंख्यक मुस्लिमों की रक्षा करनी चाहिए, जो पिछले हफ्ते बंगाल के मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा से प्रभावित हुए हैं। इसके साथ ही उन्होंने इस बात से इनकार कर दिया कि इस हिंसा को भड़काने में बांग्लादेश का हाथ है।

भारत ने कड़ा विरोध करते हुए कहा कि बांग्लादेश का यह बयान धूर्तता और कपट से भरा है। वह अपने यहां अल्पसंख्यकों के नरसंहार से ध्यान भटकाना चाहता है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, पश्चिम बंगाल में हुई घटनाओं को लेकर बांग्लादेश की ओर से की गई टिप्पणियों को हम खारिज करते हैं। बांग्लादेश इस तरह के बयान दे रहा है, जबकि वहां अल्पसंख्यकों पर अत्याचार करने वाले अपराधी आजाद घूम रहे हैं।

5 अगस्त, 2024 को बांग्लादेश में लंबे छात्र आंदोलन के बाद शेख हसीना सरकार का तख्तापलट हुआ था। हसीना को देश छोड़कर भागना पड़ा। इसके साथ ही बांग्लादेश में हालात बिगड़ गए। पुलिस रातों-रात अंडरग्राउंड हो गई। लॉ एंड ऑर्डर ध्वस्त हो गया।

बेकाबू भीड़ के निशाने पर सबसे ज्यादा अल्पसंख्यक, खासतौर पर हिंदू आए। बांग्लादेश हिंदू बुद्धिस्ट क्रिश्चियन यूनिटी काउंसिल की रिपोर्ट के मुताबिक, यहां सांप्रदायिक हिंसा में 32 हिंदुओं की जान चली गई। रेप और महिलाओं से उत्पीड़न के 13 केस सामने आए। करीब 133 मंदिर हमलों का शिकार हुए। ये घटनाएं 4 अगस्त 2024 से 31 दिसंबर 2024 के बीच हुईं।

काउंसिल के मुताबिक, तख्तापलट के बाद महज 15 दिनों में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की 2010 घटनाएं हुईं। 11 जनवरी 2025 को बांग्लादेश सरकार ने इनमें से 1769 केस कन्फर्म किए। इनमें से 1415 मामलों में जांच पूरी हो चुकी है।

21 साल की भारतीय स्टूडेंट की गोली लगने से मौत

गैंगवॉर के बीच फायरिंग में आ गई थी

ओंटारियो, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। कनाडा के ओंटारियो के हैमिल्टन शहर में भारत से पढ़ाई करने गई एक 21 साल की स्टूडेंट हरसिमरत कौर की गोली लगने से मौत हो गई। वह मोहॉक कॉलेज में पढ़ाई कर रही थी और बस स्टॉप पर खड़ी थीं, तभी गैंग के बीच हुई फायरिंग में एक गोली उन्हें लग गई। पुलिस के अनुसार हरसिमरत गलती से गोली की चपेट में आ गईं। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उनकी जान नहीं बच सकी। गोलीबारी एक काली मर्सिडीज एसयूवी और सफेद कार के बीच हुई थी। भारत के टोरंटो स्थित वाणिज्य दूतावास ने इस घटना पर दुख जताया है और परिवार को हर संभव मदद देने की बात कही है।

रूस-यूक्रेन को अमेरिका का अल्टीमेटम

ट्रम्प बोले- अगर रूस या यूक्रेन शांति के लिए तैयार नहीं, तो हम पीस डील से बाहर आ जाएंगे

पेरिस, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका जल्द ही खुद को रूस-यूक्रेन पीस डील से बाहर कर सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रूस-यूक्रेन पीस डील से हटने की धमकी दी है। उन्होंने कहा है कि अगर रूस या यूक्रेन में से कोई एक भी डील के लिए तैयार नहीं होता है तो यह एक बेवकूफी भरा कदम होगा और हम पीस डील से बाहर आ जाएंगे। इससे पहले अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियों ने कहा था कि आने वाले दिनों में अगर रूस और यूक्रेन जंग को खत्म करने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाते हैं, तो अमेरिका शांति के प्रयास छोड़ देगा।

डोनाल्ड ट्रम्प का दूसरा कार्यकाल शुरू हुए लगभग 90 दिन बीत चुके हैं। इस दौरान अमेरिका और रूस के बीच कई बार यूक्रेन जंग के समाधान पर बातचीत हो चुकी है। लेकिन ट्रम्प प्रशासन को शांति कायम करने में कोई खास सफलता हाथ नहीं लगी है।

शुक्रवार को पेरिस दौरे से

लौटते वक्त रुबियो ने कहा कि अगर यूक्रेन जंग को खत्म करना संभव नहीं है, तो अमेरिका को अगले कुछ दिनों में अपनी कोशिशें छोड़ देनी चाहिए और आगे बढ़ जाना चाहिए।

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियों और विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने गुरुवार को पेरिस में यूरोपीय और यूक्रेनी नेताओं के साथ मुलाकात की थी। यह बैठक जंग को खत्म करने के लिए की जा रही ट्रम्प प्रशासन की कोशिश के तौर पर आयोजित किया गया।

इस बैठक में अमेरिका ने शांति के लिए एक प्लान पेश किया। अमेरिकी विदेश विभाग के मुताबिक इस प्लान को सभी पक्षों ने सराहा है। हालांकि इस प्लान में क्या शामिल किया गया है, यह अभी सार्वजनिक नहीं किया गया है।

बैठक के बाद रुबियो ने कहा कि वह ठोस समझौते के लिए पेरिस आए हैं। रूबियो ने कहा कि अगर दोनों पक्ष इतने दूर हैं कि समझौते की कोई संभावना नहीं है, तो राष्ट्रपति ट्रम्प जल्द यह कहेंगे कि बहुत हो गया।

अमेरिका और यूकेन के बीच जल्द ही मिनरल डील या खनिज समझौता हो सकता है। गुरुवार रात को यूक्रेन की अर्थव्यवस्था मंत्री यूलिया स्विरीडेन्को ने बताया कि कीव और वॉशिंगटन के बीच डील को लेकर एक एमओयू पर दस्तखत हुए हैं।

दरअसल अमेरिका ने यूक्रेन को रूस के खिलाफ जंग में 350 बिलियन डॉलर के हथियार दिए हैं। ट्रम्प प्रशासन ने इस मदद के बदले यूक्रेन से कीमती खनिज देने की मांग की है।

इससे पहले 31 मार्च को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की पर मिनरल डील से पलटने का आरोप लगाया था।

अमेरिका में वीजा रद्द होने वाले छात्रों में 50% भारतीय

चीनी छात्र दूसरे नंबर पर, विदेश विभाग का छात्रों को देश छोड़ने का आदेश

वॉशिंगटन, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिकी सरकार ने हाल ही में कई विदेशी छात्रों को वीजा रद्द होने का मेल भेजा था। इस मेल में इन छात्रों से अमेरिका छोड़ने के लिए कहा गया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक इनमें से 50% भारतीय छात्र हैं।

अमेरिकन इमिग्रेशन लॉयर्स एसोसिएशन (एआईएलए) ने ऐसे ही 327 छात्रों की जानकारी इक्ट्ठा की है। इनमें से 50% से ज्यादा भारतीय छात्र हैं। भारत के बाद दूसरा नंबर चीन का है। इस लिस्ट में शामिल 14% छात्र चीनी हैं।

अमेरिकी विदेश विभाग पिछले चार महीनों से विदेशी छात्रों के डेटा की जांच कर रहा है। इसके जरिए इजराइल के खिलाफ और हमास के समर्थन में प्रदर्शन करने वाले विदेश छात्रों का वीजा रद्द किया जा रहा है। विदेश मंत्री मार्को रुबियो के मुताबिक 26 मार्च तक 300 से ज्यादा 'हमास समर्थक' छात्रों का एफ-1 वीजा रद्द किया जा चुका है। इसमें कई भारतीय छात्र भी शामिल हैं। अमेरिकी सरकार एआई ऐप 'कैच एंड रिवोक' की मदद से ऐसे छात्रों की पहचान कर रही है। विदेश मंत्री मार्को रुबियो के मुताबिक 26 मार्च तक 300 से ज्यादा 'हमास समर्थक' छात्रों का एफ-1 वीजा रद्द किया जा चुका है। इसमें कई भारतीय छात्र भी शामिल हैं। इस ऐप की मदद से सबसे पहले 5 मार्च को तुर्किये की एक छात्रा रुमेसा ओजतुर्क की पहचान की गई थी। वह टफ्ट्स यूनिवर्सिटी, बोस्टन में पढ़ाई कर रही थी। उसने सोशल मीडिया पर फिलिस्तीन के समर्थन में पोस्ट किया था, जिसके बाद अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने उसका वीजा रद्द कर दिया। यह मेल कई यूनिवर्सिटी के छात्रों को भेजा गया है। इसमें हार्वर्ड, कोलंबिया, येल, कैलिफोर्निया और मिशिगन यूनिवर्सिटी जैसे चर्चित संस्थान हैं। हालांकि कितनी यूनिवर्सिटीज के कितने छात्रों को यह मेल भेजा गया है, इसकी सटीक जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

कॉपर बना दूसरा सोना

खनन के लिए कंपनियों में मची होड़, कहां हैं दुनिया की 5 सबसे बड़ी खदानें

सैंटियागो, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। कॉपर यानी तांबा, आज वैश्विक अर्थव्यवस्था से सबसे ज्यादा जुड़ी हुई धातु है। परिवहन से लेकर विनिर्माण और विद्युतीकरण तक के क्षेत्र में इसकी अहम भूमिका है। वर्तमान ग्रीन एनर्जी पर पूरी दुनिया का जोर है, जो बताता है कि आने वाले समय में तांबे की वैश्विक मांग और बढ़ने वाली है। यही वजह है कि कॉपर को आज की दुनिया में दूसरा सोना (सेकंड गोल्ड) कहा जा रहा है। दुनिया की सबसे बड़ी खनन कंपनी बीएचपी का अनुमान है कि साल 2050 तक तांबे की मांग में 70 प्रतिशत की वृद्धि होगी और यह सालाना 5 करोड़ टन तक पहुंच जाएगी।

अमेरिका-ईरान आज रोम में न्यूक्लियर डील पर बात करेंगे

ईरान मंत्री बोले- हमें अमेरिका के इरादों पर शक, फिर भी बातचीत करेंगे

रोम, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका और ईरान के बीच आज इटली की राजधानी रोम में न्यूक्लियर डील पर बात होगी। इस बातचीत में अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराकची शामिल होंगे। दोनों के बीच डील पर बातचीत का यह दूसरा फेज है। इससे पहले ईरानी विदेश मंत्री अराकची ने गुरुवार को रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से बात की। इस दौरान अराकची ने कहा कि अमेरिका के इरादों पर भरोसा नहीं है, लेकिन फिर भी बातचीत करेंगे। अमेरिका और ईरान के बीच 12 अप्रैल को दोनों देशों के ओमान में बीच पहली बातचीत हुई थी। इसकी मध्यस्थता ओमान के विदेश मंत्री बदर अल-बुसैदी ने की थी। यह दोनों देशों में एक दशक के बाद न्यूक्लियर डील पर होने वाली पहली आधिकारिक बातचीत थी।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ईरान को न्यूक्लियर प्रोग्राम नहीं छोड़ने पर खामियाजा भुगतने की धमकी दे चुके हैं। व्हाइट हाउस की प्रेस

सचिव कैरोलिन लेविट के मुताबिक ट्रम्प की प्राथमिकता है कि ईरान कभी परमाणु हथियार हासिल न कर सके।

लेविट ने पिछले हफ्ते एक प्रेस ब्रीफिंग के दौरान बताया कि राष्ट्रपति ट्रम्प पहले भी साफ कर चुके हैं कि इस मामले में सभी विकल्प खुले हैं। ईरान के पास दो विकल्प हैं- या तो ट्रम्प की मांगों को माने, या गंभीर परिणाम भुगतने को तैयार रहे। यही इस मुद्दे पर ट्रम्प की दृढ़ भावना है। पॉलिटिको की रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रम्प ने ईरान को एक नई परमाणु डील पर सहमति के लिए 60 दिनों का समय दिया है, नहीं तो सैन्य कार्रवाई की चेतावनी दी है। यह चेतावनी एक चिट्ठी के जरिए ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई को भेजी गई।

इस पत्र में साफ तौर पर कहा गया कि तेहरान को वाशिंगटन के साथ बातचीत के लिए तैयार रहना होगा, चाहे यह बातचीत सीधे ही क्यों न हो। नहीं तो ऐसे परिणाम भुगतने होंगे जो ईरानी सरकार की स्थिरता को खतरे में डाल सकते हैं। इससे पहले 30 मार्च को ट्रम्प ने ईरान को धमकी दी थी कि अगर वह अपने न्यूक्लियर प्रोग्राम पर किसी समझौते पर नहीं पहुंचता तो अमेरिका उस पर बमबारी कर सकता है। ट्रम्प ने ईरान पर सेकेंडरी टैरिफ लगाने की भी धमकी दी।

2018 में ट्रम्प के ईरान से परमाणु करार रद्द करने के बाद ईरान की बम बनाने की क्षमता में इजाफा हुआ है। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के अनुसार ईरान ने 60% शुद्धता का 275 किलो यूरेनियम बना लिया है। यह छह परमाणु बम बनाने के लिए काफी है। अगर अमेरिका-ईरान के बीच कोई समझौता नहीं होता है तो इस साल के अंत तक अमेरिका या इजराइल या दोनों ईरान के परमाणु ठिकानों पर बमबारी का फैसला ले सकते हैं। अमेरिकी, इजराइली और अरब सूत्रों का कहना है कि ट्रम्प कुछ माह तक बातचीत की प्रक्रिया जारी रखेंगे।

अफगानिस्तान में भूकंप के झटकों से कांपी धरती

भारत के जम्मू कश्मीर में भी महसूस किए गए झटके

काबुल, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत के पड़ोसी देश अफगानिस्तान में आज भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर इस भूकंप की तीव्रता 5.8 मांपी गई। इन झटकों से किसी बड़े नुकसान की खबर नहीं है। भूकंप के झटके भारत के जम्मू कश्मीर और पड़ोसी देश पाकिस्तान में भी महसूस किए गए। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के अनुसार, शनिवार दोपहर 12.17 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। अभी तक किसी बड़े नुकसान की खबर नहीं है।

राष्ट्रीय भूकंपीय निगरानी केंद्र के अनुसार, भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान-ताजिकिस्तान सीमा क्षेत्र के पास 94 किलोमीटर की गहराई पर स्थित था। भूकंप आते रहते हैं। इस्लामाबाद, लाहौर, पेशावर, रावलपिंडी और खैबर पख्तूनख्वा के विभिन्न हिस्सों सहित पाकिस्तान के एक बड़े क्षेत्र में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। सबसे तेज झटके खैबर पख्तूनख्वा के निचले दीर, बाजौर, मलकंद, नौशेरा, दीर बाला, शबकादर और मोहमंद क्षेत्रों से आए, जिससे निवासियों में दहशत फैल गई। पाकिस्तान में भी अभी तक, किसी के हताहत होने या बुनियादी ढांचे के नुकसान की खबर नहीं है। यह एक सप्ताह में पाकिस्तान में दूसरा भूकंप है। पिछले शनिवार को भी पाकिस्तान की राजधानी और खैबर पख्तूनख्वा और पंजाब प्रांतों के कुछ हिस्सों में भूकंप के झटके महसूस किए गए। पाकिस्तान में अक्सर अलग-अलग तीव्रता के

ट्रंप का एक और अहम फैसला

मूल निवासी अमेरिकी बोर्डिंग स्कूलों के रिसर्च प्रोजेक्ट्स की फंडिंग रोकी

वॉशिंगटन, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। ट्रंप प्रशासन ने एक अहम फैसले में मूल निवासी अमेरिकी बोर्डिंग स्कूलों में मूल निवासी बच्चों के साथ हुए उत्पीड़न का डिजिटलीकरण करने के प्रोजेक्ट की फंडिंग रोक दी है। ट्रंप प्रशासन ने इस मद में आवंटित धन में करीब 16 लाख डॉलर की कटौती की है। नेशनल नेटिव अमेरिकन बोर्डिंग स्कूल हीलिंग कोएलिशन की सीईओ डेबोरा पार्कर ने सरकार के फैसले की आलोचना की है। उन्होंने कहा, 'अगर हम अमेरिका को फिर से महान बनाना चाहते हैं, तो मुझे लगता है कि इसकी शुरुआत सच्चे अमेरिकी इतिहास के बारे में सच्चाई बताने से होनी चाहिए।' कटौती के नेटिव बोर्डिंग स्कूल रिकॉर्ड के 100,000 से अधिक पृष्ठों को डिजिटल करने का काम रुक गया।

पार्कर ने कहा कि देश भर के मूल अमेरिकी अपने प्रियजनों को खोजने के लिए इस साइट पर निर्भर हैं, जिन्हें इन बोर्डिंग स्कूलों में भेजा गया।

नेटिव अमेरिकन बोर्डिंग स्कूल को अमेरिकन रेजीडेंशियल स्कूल भी कहा जाता है। इन्हें 17वीं शताब्दी में स्थापित किया गया था।

इन स्कूलों का मकसद अमेरिका के मूल निवासियों को आधुनिक अंग्रेजी शिक्षा और संस्कृति सीखाना था। इन स्कूलों को ईसाई मिशनरियों द्वारा स्थापित किया गया था। आरोप है कि इन स्कूलों के जरिए मूल निवासियों की संस्कृति और उनकी भाषा को खत्म किया गया। मूल निवासियों के बच्चों को उनके घरों से पकड़कर इन बोर्डिंग स्कूलों में रखा जाता था। आरोप है कि इन स्कूलों में मूल निवासियों के बच्चों का उत्पीड़न किया गया। इस दौरान 973 मूल निवासी बच्चों की इन स्कूलों में मौत भी हुई।

बीते समय में इन बोर्डिंग स्कूलों में मूल निवासियों के बच्चों के साथ हुई ज्यादती के दस्तावेजों के डिजिटलीकरण के लिए सरकार फंडिंग देती है। इसी फंडिंग में ट्रंप प्रशासन द्वारा कटौती की गई है। पूर्व राष्ट्रपति बाइडन ने अपने कार्यकाल के दौरान नेटिव बोर्डिंग स्कूलों में मूल निवासियों के बच्चों के साथ हुई ज्यादती के लिए माफी भी मांगी थी।

इटली में पाकिस्तानी लड़की की ऑनर किलिंग

अदालत ने माता-पिता और रिश्तेदारों की उम्रकैद की सजा बरकरार रखी

रोम, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। इटली में पाकिस्तानी मूल की लड़की के ऑनर किलिंग में एक अपील अदालत ने अहम फैसला सुनाया है। जहां अपील अदालत ने 18 साल की पाकिस्तानी मूल की लड़की समन अब्बास की हत्या के मामले में उसके माता-पिता और रिश्तेदारों की उम्रकैद की सजा को बरकरार रखा है। यह मामला इटली में ऑनर किलिंग यानी 'इज्जत के नाम पर हत्या' का बेहद चर्चित केस बन गया है।

बता दें कि पाकिस्तान से आकर इटली में रह रही समन अब्बास ने अपने माता-पिता द्वारा तय की गई शादी को मानने से इनकार कर दिया था। वह वेस्टन कल्चर अपना रही थी, और एक पाकिस्तानी युवक से प्रेम कर रही थी, जिससे उसके परिवार वाले नाराज थे। इसके बाद

30 अप्रैल 2021 को वह आखिरी बार देखी गई थी। कुछ दिनों बाद उसके माता-पिता इटली से पाकिस्तान चले गए। बाद में समन का शव 2022 में एक फार्महाउस से बरामद हुआ।

लड़की की ऑनक किलिंग मामले में अदालत ने पिता शब्बीर अब्बास, मां नाज़िया शाहीन और दो चचेरे भाई को उम्रकैद की सजा सुनाई है। वहीं चाचा दानिश हसनैन की सजा 14 साल से बढ़ाकर बढ़ाकर 22 साल कर दी गई है। वहीं मामले में इतालवी जांचकर्ताओं के मुताबिक, एक सोशल मीडिया पोस्ट, जिसमें समन और उसके प्रेमी को सार्वजनिक रूप से चूमते हुए देखा गया था, उसके माता-पिता को गुस्से में ला दिया। समन ने अपने प्रेमी से यह भी कहा था कि उसे डर है कि उसके माता-पिता पाकिस्तान में जबरन शादी करवाना चाहते हैं और वो उसकी जान भी ले सकते हैं।

तालिबान का डबल गेम ट्रंप को पड़ेगा भारी

अमेरिका के दुश्मनों को बेच डाले उसी के हथियार, पाकिस्तान में भी तस्करी

काबुल, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। अगस्त 2021 में जब बाइडेन प्रशासन के तहत अमेरिकी सैनिकों ने जल्दबाजी में काबुल से वापसी की थी, तो अपने पीछे अमेरिकी हथियारों को बहुत बड़ा जखीरा छोड़ आए थे। बाद में ये हथियार तालिबान के हाथों में पहुंच गए थे।

अब इन हथियारों को लेकर जानकारी सामने आ रही है कि तालिबान के कब्जे से ये हथियार अब पूरे क्षेत्र में आतंकी समूहों को बेचे जा रहे हैं। खास बात ये है कि अफगानिस्तान में छोड़े गए अमेरिका के हथियार अब उसके दुश्मनों के हाथ में पहुंच गए हैं। इनमें यमन में हूती चरमपंथी भी शामिल हैं, जिनके खिलाफ वर्तमान में अमेरिकी सेना बड़ा सैन्य अभियान चला रही है।

बीबीसी की रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि तालिबान के हाथों में छोड़े गए कई हथियार पूरे क्षेत्र में आतंकी समूहों को बेचे जा रहे हैं, जिनमें हूती भी शामिल हैं। एक पूर्व अफगान अधिकारी ने बताया कि अमेरिका ने करीब 10 लाख हथियार और सैन्य उपकरण छोड़े थे, जो तालिबान के हाथों में पड़ गए थे। माना जाता है कि इनमें से पांच लाख हथियार अब तक खो गए हैं, बेचे गए हैं या तस्करी किए गए हैं।

एसीएलयू की अपील पर सुप्रीम कोर्ट का अहम फैसला

वेनेज़ुएला के लोगों के निर्वासन पर अस्थायी रूप से लगाई रोक

वाशिंगटन, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने शनिवार को एक अहम फैसला लेते हुए टेक्सास के डिटेंशन सेंटर में बंद वेनेज़ुएला के लोगों को फिलहाल उनके देश वापस भेजने पर रोक लगा दी है। यह फैसला 18वीं सदी के पुराने कानून एलियन एनिमीज़ एक्ट (1798) के तहत किए जा रहे निर्वासन के खिलाफ दायर याचिका पर आया है।

बता दें कि यह मामला अमेरिकन सिविल लिबर्टीज यूनियन (एसीएलयू) द्वारा सुप्रीम कोर्ट में की गई आपात अपील से जुड़ा है, जिसमें एसीएलयू का कहना था कि ट्रंप प्रशासन इस युद्धकालीन कानून का इस्तेमाल

करके वेनेज़ुएला के लोगों को अवैध तरीके से वापस भेजने की कोशिश कर रहा है। मामले में एसीएलयू की अपील पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल यह आदेश दिया है कि इन लोगों को अगले आदेश तक डिपोर्ट न किया जाए। हालांकि, जस्टिस क्लेरेंस थॉमस और सैमुअल एलिटो ने इस फैसले से असहमति जताई।

गौरतलब है कि मामले में एसीएलयू ने आरोप लगाते हुए कहा था कि प्रशासन जानबूझकर उन्हें ऐसे डिटेंशन सेंटर में भेज रहा है जहाँ कोर्ट ने कोई रोक नहीं लगाई है, ताकि निर्वासन किया जा सके। साथ ही एसएलयू के वकील ली गेलरेंट ने दावा किया कि प्रशासन इन लोगों को शुक्रवार की रात बसों में भरकर एयरपोर्ट ले गया ताकि शनिवार को डिपोर्ट कर सके। इसी के चलते सुप्रीम कोर्ट में आपात याचिका दायर की गई। गौरतलब है कि ब्लूबोनेट डिटेंशन सेंटर (उत्तरी टेक्सास) में कुछ वेनेज़ुएला के नागरिक बंद हैं। आव्रजन अधिकारी उन्हें ट्रेन डी अरागुआ नाम के खतरनाक गैंग का सदस्य बताकर तुरंत निर्वासित करना चाहते हैं।

व्हाइट हाउस के कार्यक्रम में बेहोश हुई लड़की

राष्ट्रपति ट्रंप ने तुरंत खत्म किया इवेंट

वॉशिंगटन, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। शुक्रवार को मेडिकेयर एंड मेडिकेड सर्विस सेंटर के प्रमुख के तौर पर मेहमत ओज ने पद की शपथ ली। इस दौरान मेहमत ओज के परिवार की एक लड़की बेहोश होकर गिर गई। जिसके बाद राष्ट्रपति ट्रंप ने कार्यक्रम को जल्द खत्म कर दिया। दरअसल मेहमत ओज का शपथ ग्रहण कार्यक्रम व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में हो रहा था। इसी दौरान मेहमत की 11 साल की पोती फिलोमेना बेहोश होकर गिर गई। इससे कार्यक्रम में अफरा-तफरी मच गई। तुरंत बेहोश लड़की की मदद की गई और लोगों को उसकी तस्वीर लेने से मना कर दिया गया। राष्ट्रपति ट्रंप खुद लड़की के पास पहुंचे और उसका हालचाल जाना। इसके बाद शपथ कार्यक्रम होते ही राष्ट्रपति ट्रंप ने कार्यक्रम को तुरंत समाप्त कर दिया। गौरतलब है कि मेहमत ओज एक कार्डियोथोरेसिस सर्जन और अवार्ड विजेता टीवी शो के पूर्व होस्ट रह चुके हैं। मेहमत मेडिकेयर एंड मेडिकेड सर्विस सेंटर के 17वें प्रमुख होंगे। मेडिकेयर एंड मेडिकेड सर्विस सेंटर का बजट करीब 1.7 खरब डॉलर और यह एजेंसी 16 करोड़ लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं देती है।

अजमेर दरगाह मामले में सिविल कोर्ट में होने वाली सुनवाई टली, अगली तारीख 31 मई

अजमेर, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। अजमेर स्थित सूफी संत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह को लेकर हिंदू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता द्वारा किए गए दावे पर शनिवार को सिविल कोर्ट में सुनवाई होनी थी, लेकिन यह सुनवाई टल गई। कोर्ट ने अब इस मामले की अगली सुनवाई की तारीख 31 मई निर्धारित की है। विष्णु गुप्ता ने अपनी याचिका में दरगाह के गर्भगृह में संकट मोचन महादेव मंदिर होने का दावा किया है, जिसे लेकर मामला लगातार चर्चा में बना हुआ है।

कोर्ट में प्रस्तुत की गई जानकारी के अनुसार शनिवार को दो प्रमुख कारणों से सुनवाई नहीं हो सकी। पहले तो अजमेर जिला न्यायालय की नई बिल्डिंग के उद्घाटन समारोह के चलते कोर्ट की नियमित कार्रवाई प्रभावित रही। दूसरा सुप्रीम कोर्ट से जुड़े वकील की अनुपस्थिति और नए प्रार्थना-पत्रों के प्रस्तुत होने के कारण जवाब दाखिल करने के लिए अतिरिक्त

समय की आवश्यकता महसूस की गई।

इससे पहले याचिकाकर्ता विष्णु गुप्ता ने अदालत से यह मांग की थी कि जब तक इस मामले का निपटारा नहीं हो जाता, तब तक किसी भी सरकारी विभाग की ओर से दरगाह में चादर पेश न की जाए। इस बाबद उन्होंने एक स्थगन प्रार्थना-पत्र दाखिल किया था, जिस पर शनिवार को अल्पसंख्यक मंत्रालय और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग ने अपना जवाब अदालत के समक्ष प्रस्तुत किया।

इसके साथ ही प्रतिवादी संख्या 2 और 3 की ओर से एक प्रार्थना-पत्र दाखिल कर यह मांग की गई कि वादी की याचिका खारिज की जाए क्योंकि इसमें भारत संघ की ओर से कोई स्पष्ट प्रार्थना नहीं की गई है। इस पर विष्णु गुप्ता को जवाब देने के लिए कहा गया है।

गौरतलब है कि यह मामला 27 नवंबर 2024 को उस वक्त चर्चा में आया, जब अजमेर सिविल कोर्ट ने विष्णु गुप्ता द्वारा दाखिल याचिका को स्वीकार करते हुए अल्पसंख्यक मंत्रालय, दरगाह कमेटी और ASI को नोटिस जारी किया था। इसके बाद दरगाह कमेटी ने याचिका को खारिज करने की मांग करते हुए कोर्ट में जवाबी एप्लीकेशन दायर की थी। वहीं दरगाह से जुड़ी अंजुमन कमेटी ने भी राजस्थान हाईकोर्ट में इस याचिका को चुनौती दी है।

मामले की गंभीरता और सामाजिक प्रभाव को देखते हुए अन्य पक्षकारों ने भी इस विवाद में हिस्सा लेने की मांग की है। इनमें अंजुमन कमेटी, दरगाह दीवान गुलाम दस्तगीर, ए इमरान (बेंगलुरु) और राज जैन (होशियारपुर, पंजाब) शामिल हैं। इन्होंने स्वयं को पक्षकार बनाने के लिए कोर्ट में अर्जी लगाई है।

अब सबकी निगाहें 31 मई को होने वाली अगली सुनवाई पर टिकी हैं, जहां यह तय हो सकता है कि अदालत इस ऐतिहासिक और संवेदनशील स्थल को लेकर आगे क्या दिशा-निर्देश देती है।

भरतपुर के पूर्व राजपरिवार और मिशनरी स्कूल में विवाद

लक्ष्यराज बोले- हमारी जमीन दबाई, फादर ने चैलेंज दिया- दीवार गिराकर बताओ

भरतपुर, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। भरतपुर के पूर्व राजपरिवार और मिशनरी स्कूल प्रबंधन के बीच जमीन को लेकर विवाद हो गया। पूर्व राजपरिवार के सदस्य कुंवर लक्ष्यराज ने मिशनरी स्कूल प्रबंधन पर 3 बीघा जमीन दबाने का आरोप लगाया है। कहा- स्कूल के फादर ने चैलेंज किया कि दीवार गिराकर दिखाओ। दीवार गिराई तो पुलिस बुला ली। पुलिस ने 6 घंटे थाने में बैठाए रखा और बिना वारंट घर की तलाशी ली। कुंवर लक्ष्यराज महाराजा सूरजमल की 14वीं पीढ़ी हैं।

दरअसल, भरतपुर के पूर्व राजपरिवार सदस्य के घर और सेंट पीटर्स स्कूल के बीच 3 बीघा जमीन का विवाद चल रहा है। यह जमीन पुलिस लाइन के ठीक सामने है। शुक्रवार को पूर्व राजपरिवार ने निर्माण के लिए दीवार तोड़ दी थी। इसके बाद विवाद बढ़ गया।

चैलेंज दिया तो दीवार तुड़वा दी

पूर्व राजपरिवार की सदस्य भावना सिंह ने बताया- हमारी दीवार में एक गेट था, जिसे कल हम रिपेयर करवा रहे थे। दो मजदूर काम कर रहे थे। फादर ने कहा- यह हमारी दीवार है। उन्होंने धमकी दी- मैं तुम सभी को जेल करवा दूंगा। उन्होंने मुझे चैलेंज दिया तो मैंने तुरंत बुलडोजर बुलाया और दीवार को तुड़वाना शुरू कर दिया।

15 फीट दीवार तोड़ दी।

कुंवर लक्ष्यराज बोले- स्कूल के फादर ने दादागिरी की

पूर्व राजपरिवार के सदस्य कुंवर लक्ष्यराज सिनसिनवार ने बताया- 13 दिसंबर 2024 को तहसीलदार और पटवारी ने जमीन के हिस्से पर निशान लगाए थे। शुक्रवार सुबह 10 बजे हम अपनी तरफ की दीवार पर निर्माण करवा रहे थे। इस दौरान 10.30 बजे के करीब स्कूल के फादर शिजू पल्लिप्पदन हमारे घर आए। उनके साथ 10-12 लोगों का स्कूल स्टाफ भी था। घर आकर वे लोग दादागिरी करने लगे। स्टाफ के लोगों ने हमारे साथ गाली-गलौज की।

पुलिसकर्मी थाने में बंद करने की धमकी देते रहे

इसके बाद फादर ने मथुरा गेट थाना पुलिस को बुला लिया। पुलिस ने दोनों पक्षों को शिकायत लेकर थाने आने को कहा। कुंवर लक्ष्यराज ने कहा- डीएसपी सिटी पंकज यादव को हमने जमीन के कागज दिखाए। इसके बाद भी थाने में हमारी सुनवाई नहीं हुई। पुलिस ने कहा कि अगर ज्यादा बोले तो थाने में बंद कर देंगे। हम करीब 6 घंटे तक थाने में रहे। बार-बार पुलिसकर्मी हमें बंद करने की धमकी देते रहे। पुलिस ने अभद्रता की।

पुलिस ने घर की तलाशी ली

कुंवर लक्ष्यराज ने कहा- इस दौरान पुलिस की 3 गाड़ियां हमारे घर गई। वहां मेरी बुआ कमल कौर अकेली थीं। बिना सर्च वारंट के पुलिस ने घर की तलाशी ली। शाम 6.30 बजे हम अपने व्यक्ति की जमानत कराकर घर पहुंचे।

डीएसपी बोले- जांच कर रहे

डीएसपी सिटी पंकज यादव ने कहा- जमीन विवाद को लेकर सूचना मिली थी। पुलिस ने पूर्व राजपरिवार और स्कूल प्रशासन से शिकायत ले ली है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई होगी। पुलिसकर्मी ने पूर्व राजपरिवार सदस्यों के साथ अभद्रता नहीं की। उन्हीं की तरफ के लोगों ने अभद्रता की थी।

इस मामले को लेकर सेंट पीटर्स स्कूल के फादर शिजू पल्लिप्पदन से सवाल किया तो उन्होंने किसी भी तरह की प्रतिक्रिया देने से इनकार कर दिया।

विधायक-मंत्रियों को पढ़ाया जाएगा गुडगवर्नेंस का पाठ!

दिल्ली में सीएम भजनलाल से इन मुद्दों पर हुई चर्चा

जयपुर, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान में कई दिनों से मंत्रिमंडल फेरबदल, राजनीतिक नियुक्तियों और संगठन विस्तार की चल रही चर्चाओं के बीच मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दिल्ली में पार्टी के संगठन महामंत्री बी.एल. संतोष और संघ कार्यालय में आरएसएस के सह सरकार्यवाह अरुण कुमार से मुलाकात की। बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री शर्मा की दोनों से मुलाकात इन्हीं मुद्दों के साथ गुडगवर्नेंस को लेकर चर्चा हुई। हालांकि, अभी भी सवाल यही है कि क्या राजस्थान में मंत्रिमंडल विस्तार होगा?

सूत्रों के मुताबिक, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव और टीम के गठन से पूर्व भाजपा ने प्रमुख राज्यों के मुख्यमंत्रियों को बुलाकर उनसे रायशुमारी करने की रणनीति अपनाई है। इसी के तहत राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और त्रिपुरा के डॉ. माणिक साहा की भाजपा मुख्यालय पर संगठन महामंत्री बीएल संतोष के

साथ बैठक हुई।

राज्यों की जरूरतों को जानने के बाद संगठन महामंत्री ने दोनों मुख्यमंत्रियों से राष्ट्रीय टीम में राज्य के प्रतिनिधित्व को लेकर सुझाव भी लिए। राजस्थान में प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव हो चुका है। लेकिन निगम, आयोगों की नियुक्तियां अभी होनी शेष है। जबकि त्रिपुरा में अभी प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव लंबित है।

सूत्रों के मुताबिक राजस्थान के विधायक व मंत्रियों को संगठन और सरकार में गुडगवर्नेंस का पाठ पढ़ाए जाने को लेकर जल्दी ट्रेनिंग दी जा सकती है। चर्चा है कि यह ट्रेनिंग कार्यक्रम अगले माह पहले या दूसरे सप्ताह में गुजरात में स्टेच्यू ऑफ यूनिटी पर होगा। यह ट्रेनिंग कार्यक्रम काफी दिनों से लंबित बताया जा रहा है।

विद्यालयों में स्वस्थ विद्यार्थियों को स्वास्थ्य राजदूत बनाएंगे

प्रधानमंत्री की सलाह के बाद शिक्षा विभाग एक्शन मोड में

भीलवाड़ा, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बचपन में मोटापे पर चिंता जताने के बाद शिक्षा विभाग एक्शन मोड में आ गया है। विभाग ने प्रधानमंत्री की सलाह के बाद बच्चों को तैलीय खाद्य पदार्थ का सेवन कम करने के साथ स्वस्थ रहने के टिप्स देने का निर्णय किया है। इसके लिए प्रत्येक कक्षा में मोटे बच्चों को संतुलित खानपान के बारे में जानकारी देने के लिए स्वस्थ विद्यार्थियों को स्वास्थ्य राजदूत नियुक्त करने की तैयारी की है। ताकि वे अपने साथियों को शिक्षित कर सकें तथा बेहतर भोजन विकल्पों का समर्थन कर सकें। जिला, ब्लॉक और विद्यालय स्तर पर सत्र, कार्यशालाएं, चिकित्सकों, स्वास्थ्य विशेषज्ञों और पोषण विशेषज्ञों के माध्यम से अतिथि व्याख्यानों के माध्यम से जागरुकता अभियान चलाया जाएगा। ताकि विद्यार्थियों को अत्यधिक खाद्य तेल सेवन के खतरों के बारे में शिक्षित किया जा सके।

विद्यार्थियों को भोजन तैयार करने का तरीका सिखाया भी जाएगा। विद्यालयी कैंटीन को स्वास्थ्यवर्धक, कम तेल वाले भोजन के विकल्प उपलब्ध कराने तथा पौष्टिक विकल्पों को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। स्वस्थ खान-पान की आदतों पर स्कूल में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता भी होगी।

जीवनशैली पर जोर

अत्यधिक खाद्य तेल सेवन से मोटापा, हृदय रोग, पाचन संबंधी समस्याएं होती हैं। इसलिए विद्यार्थियों के बीच एक स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए दैनिक भोजन में तेल के सेवन के बारे में बताएंगे। पोषण उद्यानों में उगाई सब्जियों के उपयोग की भी जानकारी दी जाएगी। कैलोरी खर्च करने के लिए नियमित व्यायाम और योग के महत्व पर जोर दिया जाएगा।

उपमुख्यमंत्री को लेकर खाचरियावास की टिप्पणी से भड़का राजपूत समाज

सार्वजनिक माफी की मांग की

जयपुर, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रदेश की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी को लेकर कांग्रेस नेता व पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रतापसिंह खाचरियावास की टिप्पणी को लेकर विवाद बढ़ गया है। दीया कुमारी पर कथित टिप्पणी को लेकर राजपूत समाज के सबसे बड़े संगठन राजपूत सभा ने इस संबंध में एक पत्र लिखकर अपनी कड़ी आपत्ति जता दी है। इसके साथ ही प्रतापसिंह से माफी की मांग भी की गई है।

गौरतलब है कि खाचरियावास पर आरोप है कि उन्होंने दीया कुमारी को लेकर भद्दी टिप्पणी की थी। हालांकि खाचरियावास का कहना है कि उन्होंने इस टिप्पणी में किसी का नाम नहीं लिया। दरअसल विवाद उस वक्त शुरू हुआ, जब पिछले दिनों ईडी के खिलाफ प्रदर्शन को लेकर प्रतापसिंह खाचरियावास ने आरोप लगाया कि सरकार ने गोविंद देवजी के मंदिर को आवंटित 100 करोड़ की राशि काट दी, जबकि आईफा अवार्ड्स के लिए इतनी ही राशि खर्च की। इसी दौरान उन्होंने फिजिकल टच को लेकर भी टिप्पणी कर दी। खाचरियावास की इस

टिप्पणी को लेकर अब हंगामा खड़ा हो गया है।

राजपूत सभा ने पत्र लिखकर पूर्व मंत्री के बयान की कड़ी आलोचना की है। पत्र में लिखा है कि खेद के साथ कहना पड़ रहा है कि कि आप जैसे नेता पार्टी तुष्टिकरण के लिए राजपूत समाज की मर्यादा को खराब कर रहे हैं। यह आपको बिल्कुल शोभा नहीं देता। पार्टी पॉलिटिक्स करना आपका अधिकार है लेकिन इसके साथ ही समाज की मर्यादा का ध्यान रखना प्रथम कर्तव्य है। आपके इस बयान से राजपूत समाज आहत हुआ है। नारी की अस्मिता और संस्कृति की रक्षा करना हमारे लिए सर्वोपरि है। हम आपकी अमर्यादित टिप्पणी की कड़ी निंदा करते हैं अतः आप सार्वजनिक रूप से इस वक्तव्य पर खेद प्रकट करते हुए अपने शब्दों को वापस लें।

खेत में पड़ा मिला पति का आधा शव

देखते ही निकली पत्नी की चीख, पूरे इलाके में दहशत

डूंगरपुर/पूंजपुर, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। जिले के दोवड़ा थाना क्षेत्र के लापिया गांव में एक बुजुर्ग का शव मिला है। शरीर का आधा हिस्सा किसी वन्यजीव की ओर से खाए जाने के अंदेशे से क्षेत्र में दहशत फैल गई है। वहीं, वन विभाग की टीम वन्यजीव की तलाश में जुट गई है।

जानकारी के अनुसार लापिया निवासी 66 वर्षीय मानजी पुत्र रामा मीणा गुरुवार सुबह 9 बजे घर से निकला था। इसके बाद से वह घर नहीं लौटा था। मानजी की पत्नी किसी कार्य से घर से बाहर निकली, तो उसने घर से महज तीन सौ मीटर की दूरी पर उसके पति का शव खेत में पड़ा हुआ देख अवाक रह गई।

शव का कमर से नीचे का हिस्सा किसी वन्यजीव द्वारा खाया हुआ प्रतीत हुआ। इस पर मानजी की पत्नी चिल्लाई। आवाज सुनकर ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जुट गई। पूर्व सरपंच राकेश मीणा भी मौके पर पहुंचे और पुलिस को घटना की जानकारी दी। सूचना पर बनकोड़ा चौकी प्रभारी लालसिंह, विजयपाल मौके पर पहुंचे।

वहीं, दोवड़ा थाना थानाधिकारी तेजकरण सिंह ने भी घटना स्थल का जायजा लिया। वन्य जीव के हमले की सूचना पर आसपुर वनपाल राजेन्द्र सिंह, वनरक्षक देवेंद्र सिंह ने भी मौका मुआयना किया। पुलिस ने वन्यजीव द्वारा बुजुर्ग के कमर के नीचे के हिस्से को खाने की संभावना जताई है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंपा।

घटना की सूचना के बाद उपवन रक्षक गोतमलाल मीणा, क्षेत्रीय वन अधिकारी आसपुर सोनम मीणा ने घटना स्थल का जायजा लेते हुए लोगों को सचेत रहने का आह्वान किया। रेंजर सोनम ने बताया कि वन्य जीव का अंदेशा होने पर दो अलग-अलग स्थानों पर पिंजरा लगाते हुए विभागीय कार्मिकों को भी नियुक्त किया है।

जलदाय विभाग ने अवैध जल चोरी करने वालों से वसूले दो लाख 78 हजार 430 रुपये, कई कनेक्शन भी काटे

बालोतरा, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। बालोतरा में जल संकट के समय में पानी की बर्बादी और चोरी पर सख्ती दिखाते हुए जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग ने गुरुवार को एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। पोकरण-फलसूण्ड-बालोतरा-सिवाना परियोजना की मुख्य पाइपलाइन से अवैध रूप से पानी चोरी कर व्यवसायिक उपयोग करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की। विभाग ने दो लाख 78 हजार 430 रुपये की जुर्माना और पेनल्टी की राशि वसूल की, जिसे राजकोष में जमा कराया गया है।

विभाग के अधिशासी अभियंता बाबूलाल मीणा ने बताया कि जलदाय विभाग की ओर से अवैध जल कनेक्शनों और जल चोरी के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। परियोजना खण्ड बालोतरा के अधिकारियों द्वारा तीन अलग-अलग टीमें गठित की गईं, जिन्होंने पंचायत

समिति गिड़ा, बायतु और सिणधरी क्षेत्र के विभिन्न गांवों में छापामारी की।

गिड़ा क्षेत्र के ग्राम पंचायत खींवसर के गांवों और बायतु क्षेत्र के ग्राम पंचायत अकदड़ा में सहायक अभियंता मोहनराम तथा राकेश शर्मा के नेतृत्व में कार्रवाई की गई। इस दौरान अवैध रूप से जल चोरी करते हुए 18 लोगों को चिन्हित किया गया। इन सभी के अवैध जल कनेक्शन तत्काल प्रभाव से हटाए गए और उनके खिलाफ पुलिस थाना गिड़ा में मुकदमा दर्ज कराने की प्रक्रिया शुरू की गई है।

पंचायत समिति सिणधरी के अंतर्गत पंचायत समिति भूका भगत सिंह के गांवों में सहायक अभियंता कन्हैयालाल द्वारा आठ अवैध जल संबंध हटाए गए। इन मामलों में भी संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

अधिशासी अभियंता ने यह भी बताया कि विभाग की टीमें स्थानीय पुलिस के सहयोग से रात के समय भी क्षेत्र की पाइपलाइनों की पेट्रोलिंग कर रही हैं, ताकि किसी भी तरह की अवैध गतिविधि को समय रहते रोका जा सके। विभाग का यह अभियान लगातार जारी रहेगा और अवैध जल कनेक्शन रखने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस पूरी कार्रवाई में जिला प्रशासन और पुलिस विभाग ने पूर्ण सहयोग प्रदान किया, जिससे यह त्वरित और प्रभावी कार्रवाई संभव हो पाई।

जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग ने आमजन से अपील की है कि वे जल जैसे अमूल्य संसाधन की रक्षा करें और किसी भी प्रकार की अवैध जल आपूर्ति या जल चोरी से बचें। विभाग ने स्पष्ट किया कि उनके पास ऐसे सभी लोगों की सूची मौजूद है जो इस तरह की गतिविधियों में लिप्त हैं। अगर समय रहते उन्होंने अवैध कनेक्शन नहीं हटाए, तो उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई निश्चित है।

आर्किटेक्ट ने 14वीं मंजिल से कूदकर की आत्महत्या

सुसाइड नोट में आरएएस पर लगाए आरोप

जयपुर, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर में एक आर्किटेक्ट ने आरएएस अफसर के अपार्टमेंट की 14वीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। भारत सैनी नाम के इस आर्किटेक्ट ने मरने से पहले सुसाइड नोट लिखा, जिसमें आरएएस मुक्ता राव पर काम के पैसे न देने का आरोप लगाया।

जयपुर में एक आरएएस ने अपने घर में काम करवाने की एवज में आर्किटेक्ट को पैसा नहीं दिया। परेशान आर्किटेक्ट ने आरएएस के अपार्टमेंट की 14वीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। भारत सैनी नाम के इस आर्किटेक्ट ने मरने से पहले सुसाइड नोट लिखा, जिसमें उसने आरएएस अफसर मुक्ता राव पर आरोप लगाए। उसने लिखा कि मुक्ता राव ने अपने फ्लैट में 39 लाख 60 हजार रुपये का काम करवाया। अफसर के भरोसे भारत सैनी ने वेंडर्स से सामान उधार ले लिया। काम पूरा करने के लिए उसने अपनी पत्नी के गहने भी गिरवी रख दिए। लेकिन आरएएस अफसर ने उसे 21 लाख रुपये देकर आगे का भुगतान करने से मना कर दिया।

भारत सैनी ने अपने सुसाइड नोट में यह भी लिखा कि उसने मुक्ता राव को यह सुसाइड नोट दिखाते हुए कहा कि वह आत्महत्या कर लेगा, क्योंकि उसके पास अब जहर खाने के पैसे भी नहीं बचे और वेंडर्स उससे हर रोज तकाजा कर रहे हैं। इस पर मुक्ता राव उसे कहा कि कल करता आज आत्महत्या कर ले।

बिंदायका थाना क्षेत्र का है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए मॉर्चरी में भिजवाया है। वहीं, मृतक के पिता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी आरएएस के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने की जांच शुरू कर दी है।

बाइक एक्सीडेंट में माता-पिता और बेटे की मौत

दौसा, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। करीब 5 साल पूर्व सवाई माधोपुर जिले के बामनवास उपखण्ड के गांव चांदनहोली से लालसोट उपखण्ड के मंडावरी कस्बे में आकर एक किराए के मकान में रहने वाले हमीद मजदूरी करते हुए अपने परिवार का पालन पोषण कर रहा था। हमीद का बड़ा बेटा बाइक सुधारकर एवं छोटा बेटा बादल जाली सेक्शन का कार्य करते हुए परिवार के पालन पोषण में अपने पिता का हाथ बंटा रहे थे। हमीद भी अब धीरे धीरे अपनी पारिवारिक जिम्मेदारी को पूरा करने प्रयास में जुटा हुआ था और इसके तहत उसने गंगापुर सिटी में बड़े बेटे अरबाज का निकाह तय कर दिया और गत 10 अप्रेल को अरबाज का निकाह हुआ था और पूरा परिवार इस मौके पर काफी खुश था। इसी खुशियों के बीच परिवार में बड़ी बहू आगमन के बाद मुंह मीठा कराने की रस्म को पूरा करने के लिए हमीद को अपने ससुराल बौंली जाना था, लेकिन ईश्वर को कुछ और ही मंजूर था और बड़े बेटे की शादी की खुशियों पर आठवें दिन ही ग्रहण लग गया एवं हमीद (50) के साथ उसकी पत्नी मुमताज (45) एवं छोटे बेटे बादल (18) की गुरुवार को सड़क दुर्घटना में दर्दनाक मौत हो गई।

ताला तोड़कर लाखों के जेवर और नकदी ले उड़े चोर

अलवर, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। जिले के टहला थाना क्षेत्र के गोलाकाबास गांव में बुधवार रात घर की छत पर सो रही सास-बहू के कमरे का ताला तोड़कर अज्ञात चोर लाखों रुपये के जेवरात और नकदी चुरा ले गए। चोरी की यह वारदात देर रात 12 बजे के बाद अंजाम दी गई। पीड़ित महिला ने बताया कि बुधवार को चौथ का व्रत था। व्रत खोलने के बाद रात्रि करीब 12 बजे दोनों सास-बहू सो गईं। उस दिन घर में अन्य कोई सदस्य मौजूद नहीं था। सुबह जब वे उठीं तो देखा कि घर का मुख्य गेट खुला पड़ा था और कमरे के ताले टूटे हुए थे। कमरे के अंदर अलमारी से कपड़े बिखरे पड़े थे और पीड़ित परिवार के सदस्य मोनू पांचाल ने टहला थाने में चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई, जिसमें चोरी गए सामान का पूरा विवरण दिया गया है। ग्रामवासियों और पीड़ित परिवार का आरोप है कि पुलिस गश्त में लापरवाही बरत रही है, जिसके चलते इलाके में चोरी की वारदातें लगातार बढ़ रही हैं। लोगों का कहना है कि पुलिस की निष्क्रियता के कारण चोर बेखौफ होकर वारदातों को अंजाम दे रहे हैं।

रोड किनारे 3 बाघों को पानी पीते देख रुके लोग

अलवर, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। सरिस्का टाइगर रिजर्व से वन्यजीव प्रेमियों के लिए एक खुशखबरी सामने आई है। रिजर्व के खोह दरिबा क्षेत्र में एक बाघिन को दो शावकों के साथ देखा गया है। इस रोमांचक दृश्य को वहां से गुजर रहे राहगीरों और वन विभाग के कैमरों ने कैद कर लिया, इसके साथ ही अब यहां बाघों की कुल संख्या बढ़कर 44 हो गई है। बताया जा रहा है कि बीती रात लगभग 1 बजे एक कार सवार परिवार ने बाघिन और उसके दोनों शावकों को सड़क किनारे पानी के स्रोत से पानी पीते देखा। जैसे ही कुछ वाहन तेज गति से निकले, बाघिन सतर्कता दिखाते हुए शावकों को जंगल की ओर ले गई। कुछ देर बाद शांति होने पर वे वापस आए और पानी पीकर

फिर से जंगल की ओर चले गए।

वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार पाराशर ऋषि धाम के पास गरेठ क्षेत्र में बरसों बाद बाघिन और शावकों की उपस्थिति देखी गई है, जो यह दर्शाता है कि सरिस्का का पारिस्थितिकी तंत्र मजबूत और सक्रिय है। इस तरह शावकों के साथ बाघिन दिखाई देने के बाद पर्यटकों में खुशी की लहर दौड़ गई।

बीआरएस हैदराबाद स्थानीय निकाय एमएलसी चुनावों का करेगी बहिष्कार

हैदराबाद, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामाराव ने शनिवार को आगामी हैदराबाद स्थानीय निकाय एमएलसी चुनावों का बहिष्कार करने के पार्टी के फैसले की घोषणा की। उन्होंने कहा कि पार्टी पार्षदों को व्हिप जारी किया जाएगा और चेतावनी दी कि इसका उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। बीआरएस रजत जयंती समारोह से पहले तेलंगाना भवन में पार्टी नेताओं और निर्वाचित प्रतिनिधियों की तैयारी बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने राज्य में आसन्न उपचुनावों का भी संकेत दिया और सदस्यों से आगे की चुनौतियों के लिए तैयार रहने का आग्रह किया।

तत्काल चुनावी लड़ाइयों से परे, रामाराव ने पार्टी के भविष्य की योजनाओं की रूपरेखा प्रस्तुत की, जिसमें 27 अप्रैल की रैली के बाद डिजिटल सदस्यता अभियान की शुरूआत और निर्वाचन क्षेत्र स्तर के कार्यकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण सत्रों का आयोजन शामिल है। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि पार्टी अक्टूबर में अपना अध्यक्षीय चुनाव कराएगी, जो आंतरिक लोकतंत्र और संगठनात्मक मजबूती के प्रति प्रतिबद्धता का संकेत है। पार्टी के आगामी राजनीतिक कार्यक्रमों के लिए एक व्यापक रोडमैप पेश करते हुए उन्होंने तेलंगाना के विकास के लिए पार्टी की अटूट प्रतिबद्धता और किसी भी चुनावी चुनौती का सामना करने की अपनी तत्परता पर जोर दिया। रामाराव ने पार्टी की ताकत पर भरोसा जताते हुए कहा कि बीआरएस का झंडा हमेशा ऊंचा रहेगा और उन्होंने पार्टी के प्रभुत्व की तुलना राज्य भर में चल रहे तूफान से की।

उन्होंने भविष्यवाणी की कि बीआरएस प्रमुख के. चंद्रशेखर राव एक बार फिर राज्य का नेतृत्व करेंगे, जिससे तेलंगाना की राजनीति में पार्टी की स्थिति मजबूत होगी। परिसीमन के संभावित प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए, रामाराव ने कहा कि ग्रेटर हैदराबाद में विधानसभा और संसदीय सीटों में वृद्धि हो सकती है, जिससे क्षेत्र में पार्टी का प्रभाव और मजबूत होगा। उन्होंने हैदराबाद में बीआरएस पार्टी की मजबूत उपस्थिति को रेखांकित किया, जो कांग्रेस और भाजपा जैसी राष्ट्रीय पार्टियों से कहीं आगे है। रामाराव ने पार्टी सदस्यों से 27 अप्रैल की रैली की तैयारी में अपने प्रयासों को तेज करने का आह्वान किया, और उनसे हर इलाके में पार्टी का झंडा फहराने का आग्रह किया। उन्होंने कांग्रेस और भाजपा की आलोचना करते हुए उन्हें दिल्ली-केंद्रित पार्टियां बताया जो तेलंगाना के कल्याण के प्रति उदासीन हैं। उन्होंने उन पर राज्य की प्रगति के प्रति नाराजगी रखने का आरोप लगाया।

दीवार गिरने से मजदूर की मौत

हैदराबाद, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार देर शाम पेटबशीराबाद के दुलापल्ली में एक निर्माणाधीन बहुमंजिला इमारत की दीवार गिरने से एक निर्माण श्रमिक की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान चेन्नईया (55) के रूप में हुई है, जो कोम्पल्ली का निवासी है और दुर्घटना के समय अन्य श्रमिकों के साथ निर्माण स्थल पर काम कर रहा था।

जानकारी के अनुसार, साइट पर निर्माण कार्य हाल ही में शुरू हुआ था। चेन्नईह नवनिर्मित परिसर की दीवार के पास काम कर रहा था, तभी अचानक दीवार ढह गई और ईंटें और मोर्टार उसके ऊपर गिर गए। चेन्नई को कई गंभीर चोटें आईं और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। उसके सहकर्मी उसे बचाने के लिए दौड़े, लेकिन तब तक चेन्नई की मौत हो चुकी थी। पेटबशीराबाद पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए गांधी अस्पताल के मुर्दाघर में रखवा दिया है।

आईएएस स्मिता सभरवाल ने दर्ज कराया बयान

कांचा गच्चीबावली मामला

हैदराबाद, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। वरिष्ठ आईएएस अधिकारी और राज्य पर्यटन सचिव स्मिता सभरवाल शनिवार को गच्चीबावली पुलिस के समक्ष पेश हुईं और कांचा गच्चीबावली विवादित भूमि मामले से संबंधित उन्हें दिए गए नोटिस के संबंध में अपना बयान दर्ज कराया। बाद में अपने आधिकारिक 'एक्स' अकाउंट पर प्रतिक्रिया देते हुए सभरवाल ने कहा कि उन्होंने गच्चीबावली पुलिस के साथ पूरा सहयोग किया है।

उन्होंने लिखा कि एक कानून का पालन करने वाले नागरिक के रूप में, मैंने आज बीएनएसएस अधिनियम के तहत गच्चीबावली पुलिस अधिकारियों को अपना विस्तृत बयान दिया है। वरिष्ठ नौकरशाह ने आगे कहा कि इस पोस्ट को सोशल नेटवर्किंग साइट पर 2,000 से अधिक व्यक्तियों द्वारा पुनः साझा किया गया और उन्होंने यह स्पष्टीकरण मांगा कि क्या सभी के लिए समान कार्रवाई शुरू की गई थी।

उन्होंने कहा कि यदि ऐसा नहीं है, तो इससे चयनात्मक लक्ष्यीकरण के बारे में चिंता पैदा होती है, जो बदले में कानून के समक्ष प्राकृतिक न्याय और समानता के सिद्धांतों से समझौता करता है। स्मिता सभरवाल ने 31 मार्च को अपने 'एक्स' हैंडल से कांचा गच्चीबावली की ज़मीन के बारे में एक घिबली-शैली की तस्वीर शेयर की थी। उस पोस्ट में मशरूम रॉक के सामने बड़ी संख्या में बुलडोजर तैनात थे, जबकि बुलडोजर के सामने मोर और हिरण खड़े थे। जांच कर रही गच्चीबावली पुलिस ने कहा कि यह फर्जी फोटो है। इस मामले में उन्होंने स्मिता सभरवाल को नोटिस भेजकर उनका बयान मांगा है।

एमएलसी चुनाव बहिष्कार पर विधायक राजा सिंह ने केटीआर की आलोचना की

हैदराबाद, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। गोशामहल विधायक राजा सिंह ने बीआरएस पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर द्वारा दिए गए सनसनीखेज बयान पर प्रतिक्रिया दी कि उनकी पार्टी हैदराबाद स्थानीय निकाय एमएलसी चुनावों का बहिष्कार कर रही है। शनिवार को इस मुद्दे पर बोलते हुए उन्होंने तीखी टिप्पणी की कि केटीआर की टिप्पणियों से बीआरएस पार्टी की योजना उजागर हो गई है। उन्होंने कहा कि एआईएमआईएम पार्टी को जिताने के लिए बीआरएस हैदराबाद स्थानीय निकाय एमएलसी चुनावों में मतदान से दूर रह रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और बीआरएस पार्टियों ने हैदराबाद को मजलिस को सौंपने की साजिश रची। उन्होंने सनसनीखेज आरोप लगाया कि इन तीनों पार्टियों के बीच एक धोखाधड़ी वाला समझौता हुआ है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि राज्य की राजधानी में बीआरएस पार्टी का सफाया हो जाएगा। उन्होंने कांग्रेस और बीआरएस पार्टी के पार्षदों को चेतावनी दी कि अगर मजलिस पार्टी जीतती है, तो उनका राजनीतिक भविष्य बर्बाद हो जाएगा। राजा सिंह ने सुझाव दिया कि मतदान में भाग न लेना लोकतंत्र का उल्लंघन है और उन्हें अपने विवेक के अनुसार मतदान करना चाहिए। केटीआर ने कहा कि वह अपनी पार्टी का उम्मीदवार इसलिए नहीं उतार रहे हैं क्योंकि उनके पास चुनाव लड़ने के लिए आवश्यक संख्या में उम्मीदवार नहीं हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि जो कोई भी वोट डालने के लिए परिषद में न जाने के आदेश का उल्लंघन करेगा, उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

एनआईएमएस के आपातकालीन विंग में लगी आग

हैदराबाद, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पंजागुट्टा स्थित निजाम इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एनआईएमएस) के आपातकालीन विंग में शनिवार को आग लग गई। किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन उपकरण क्षतिग्रस्त हो गये। जानकारी के अनुसार, अस्पताल भवन की पांचवीं मंजिल पर स्थित वार्ड में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट होने का संदेह है। अस्पताल परिसर में मौजूद लोगों ने प्रबंधन को इसकी सूचना दी, जिन्होंने अग्निशमन नियंत्रण कक्ष को फोन किया। अग्निशमन विभाग के अधिकारी दमकल की गाड़ी के साथ मौके पर पहुंचे और आग और धुएं पर काबू पाया गया। क्षतिग्रस्त सामग्री का आकलन किया जाना था।

हाइड्रा ने जीएचएमसी सीमा में अवैध निर्माणों को ध्वस्त किया

हैदराबाद, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हाइड्रा ने आज राज्य की राजधानी और जीएचएमसी सीमा में अवैध निर्माणों को ध्वस्त कर दिया। वनस्थलीपुरम क्षेत्र की सीमा के अंतर्गत इंजापुर में ध्वस्तीकरण अभियान चलाया गया। स्कूप्स आइसक्रीम कंपनी ने कई कॉलोनियों को जाने वाली मुख्य सड़क पर कब्जा कर लिया है। तुर्कयांजल नगर पालिका के सर्वेक्षण क्रमांक 213, 214, 215, 216 में कई कॉलोनियों में यातायात को अवरुद्ध करके सड़क पर दीवार खड़ी कर दी गई थी। यातायात बुरी तरह बाधित होने पर संबंधित कॉलोनियों के लोग हाइड्रा के पास पहुंचे। हाइड्रा अधिकारियों ने कॉलोनी निवासियों की शिकायतों के आधार पर सर्वेक्षण किया और विवरण एकत्र किया। हाइड्रा ने श्रीरंगपुरा कॉलोनी, सुंदरय्या कॉलोनी, एप्पल कॉलोनी, लक्ष्मी नगर कॉलोनी, इंदिराम्मा कॉलोनी और लगभग 7-8 कॉलोनियों को जाने वाली सड़क पर अतिक्रमण पाए जाने के बाद ध्वस्तीकरण किया। दूसरी ओर, मियापुर सीमा के अंतर्गत हाफिजपेट में भी हाइड्रा द्वारा तोड़फोड़ जारी है। कोंडापुर आरटीए कार्यालय के पास तोड़फोड़ की गई। हाफिजपेट के सर्वे नंबर 79 में 39 एकड़ जमीन पर जमीन विवाद जारी है। वसंता हाउस नाम से एक नया कार्यालय बनाया गया है और बड़े शेड लगाए गए हैं। भूमि विवाद के बारे में हाइड्रा को शिकायत मिलने के बाद, भारी पुलिस सुरक्षा के बीच कार्यालय को ध्वस्त कर दिया गया। साइट के चारों ओर की बाड़ और बड़े शेड को जेसीबी से हटा दिया गया। हाइड्रा ने टीडीपी के मायलावरम विधायक वसंता कृष्ण प्रसाद को झटका दिया। हाफिजपेट में अवैध संरचनाओं को ध्वस्त करते हुए, इसने विधायक की 17 एकड़ जमीन पर अवैध संरचनाओं को ध्वस्त कर दिया। ऐसा लगता है कि विधायक का कार्यालय भी तोड़फोड़ अभियान में शामिल था। ऐसा लगता है कि हाइड्रा ने कुल 2,000 करोड़ रुपये की भूमि पर अतिक्रमण को रोका है। इस बीच, विधायक वसंत कृष्ण प्रसाद ने तोड़फोड़ पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि उन्होंने 2005 में यह ज़मीन खरीदी थी। उन्होंने कहा कि रंगारेड्डी कलेक्टर ने यह कहते हुए अनापत्ति प्रमाण पत्र दिया था कि इस ज़मीन पर कोई आपत्ति नहीं है। उन्होंने कहा कि उन्होंने व्यक्तिगत रूप से हाइड्रा कमिश्नर रंगनाथ से मुलाकात की और ज़मीन से जुड़े दस्तावेज़ जमा किए। हालांकि, उन्होंने इस बात पर आश्चर्य व्यक्त किया कि हाइड्रा अधिकारियों ने उनका पूरा दफ़्तर ही ध्वस्त कर दिया।

बिजली कटौती के बीच ग्रामीणों ने पानी और फोन चार्जिंग के लिए किया जनरेटर का इंतजाम

विकाराबाद, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बिजली आपूर्ति बहाल करने में अधिकारियों की उदासीनता से परेशान होकर यहां पेद्दामुल मंडल के ताटेपल्ली गांव के निवासियों ने चंदा एकत्र किया और घरों में पानी की आपूर्ति करने तथा अपने मोबाइल फोन चार्ज करने के लिए एक जनरेटर की व्यवस्था की।

भारी बारिश और तूफान के कारण कुछ पेड़ उखड़ गए, खड़ी फसलें नष्ट हो गईं और बिजली के तार टूट गए, जिससे गांव में पिछले तीन दिनों से बिजली आपूर्ति बाधित है। ग्रामीणों ने बिजली आपूर्ति बहाल करने के लिए बिजली विभाग में शिकायत दर्ज कराई। लेकिन समस्या ज्यों की त्यों बनी रही, तातेपल्ली के सभी निवासियों ने चंदा इकट्ठा करके डीजल जनरेटर का इंतजाम किया।

अब इसका इस्तेमाल घरों में पीने के पानी की आपूर्ति के लिए पंप चलाने और मोबाइल फोन चार्ज करने के लिए सॉकेट के रूप में किया जा रहा है। शुक्रवार को बोरवेल से पानी लाने के लिए महिलाओं के संघर्ष और कॉमन सॉकेट के माध्यम से अपने मोबाइल चार्ज करने वाले पुरुषों के वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल हो रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, ग्रामीणों की शिकायत के बाद शनिवार को ही बिजली बहाल की गई। इस बीच, केला, पपीता और अन्य फसलों की खेती करने वाले किसानों को नुकसान उठाना पड़ा क्योंकि पिछले कुछ दिनों से हो रही बेमौसम बारिश और आंधी के कारण उनकी खड़ी फसलें नष्ट हो गईं। वे सरकार से सहायता देने और उन्हें इस संकट से उबारने की अपील कर रहे हैं।

श्री खेतारामजी महाराज का जन्मोत्सव 22 को

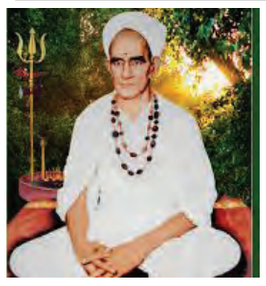

हैदराबाद, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बलकमपेट स्थित गुजराती पाटीदार भवन में समस्त राजपुरोहित समाज बन्धुओं के तत्वावधान में

श्री खेतारामजी महाराज का जन्मोत्सव मंगलवार 22 अप्रैल भव्य रूप से आयोजित किया जाएगा।

जारी प्रेस विज्ञप्ति में विजयसिंह जाणुंदा ने बताया कि हर वर्ष की भांति ब्रह्मर्षि श्रीश्री 1008 श्री खेतारामजी महाराज का जन्मोत्सव (जयंती) कार्यक्रम समाज बन्धुओं के सानिध्य में गुजराती पाटीदार समाज भवन बलकमपेट में भव्य रूप से आयोजित किया जाएगा। मंगलवार 22 अप्रैल प्रात: 8.15 बजे में श्री कनकदुर्गा मंदिर अमीरपेट से भव्य शोभा यात्रा नाचते-गाते हुए कार्यक्रम स्थल तक जायेगी।

प्रात: अल्पहार की व्यवस्था गणेश ज्वैलर्स अमीरपेट के पास रहेगी। प्रात: 9.15 बजे श्री खेतारामजी महाराज के दरबार को विशेष फूलों व लाईटिंग से सजाकर, तस्वीर पर माल्यार्पण, पुजा-अर्चना व ज्योत प्रज्वलितकर, श्रीफल भेंटकर समाज बन्धु परिवार की सुख-समृद्धि के लिए कामना करेंगे। प्रात: 9.30 बजे से अर्जुनसिंह राजपुरोहित भिवली की मधुर आवाज में भजनों का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में पधारे सम्मानित अतिथियों का राजस्थानी परम्परा से विशेष स्वागत किया जाएगा।

पधारे समाज बन्धुओं के लिए भोजन-प्रसादी की व्यवस्था लाभार्थी विजयसिंह, महावीरसिंह, कृष्णासिंह जाणुंदा परिवार द्वारा कार्यक्रम स्थल पर रहेगी। कार्यक्रम के सफल आयोजन में समस्त राजपुरोहित समाज हैदराबाद-सिकंदराबाद समाज बन्धु व भक्तगण सपरिवार उपस्थित रहेंगे। समाज बन्धुओं व भक्तों से निवेदन है उपरोक्त कार्यक्रम में सपरिवार समय पर पधारकर कार्यक्रम का लाभ लेवे।

पुलिस ने नाकाम की हत्या की साजिश

5 लोगों को किया गिरफ्तार

हैदराबाद, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। टास्क फोर्स (दक्षिण-पश्चिम) टीम ने लंगर हौज पुलिस के साथ मिलकर शुक्रवार को एक हत्या की साजिश को नाकाम कर दिया और पांच लोगों को गिरफ्तार कर दो देशी पिस्तौल और अन्य सामग्री जब्त की, जिसकी कुल कीमत 5 लाख रुपये है। गिरफ्तार किए गए लोगों में सैयद अफरोज, मोहम्मद शाह ओवैस और मोहम्मद अरबाज खान, सैयद फिरदोस और सैयद इम्तियाज अली शामिल हैं। ये सभी लंगर हौज के निवासी हैं। फरार संदिग्धों में जब्बर और जमील शामिल हैं।

व्यापारिक लेन-देन और वित्तीय लेनदेन में शामिल व्यक्तियों ने कथित व्यापारिक प्रतिद्वंद्विता, वित्तीय विवाद और व्यवसाय के दौरान उत्पन्न व्यक्तिगत दुर्भावना के कारण अपने विरोधियों को खत्म करने की साजिश रची। पुलिस के अनुसार, सैयद अफरोज, अहमद अली उर्फ अशरफ और इब्राहिम रियल एस्टेट के कारोबार में हैं, खास तौर पर मुकदमेबाजी के मामले में। नरसिंगी थाने का लिस्टेड बदमाश अशरफ पिछले कुछ समय से कारोबार में अपना हिस्सा नहीं दे रहा था। अशरफ 2020 में सैयद इम्तियाज अली के छोटे भाई की हत्या में भी शामिल है।

अशरफ को खत्म करने की साजिश रचने वाले संदिग्धों ने जब्बर और जमील से आग्नेयास्त्र और गोला-बारूद खरीदा और हत्या की योजना को अंजाम देने के लिए मौके का इंतजार करने लगे। मुखबिरों से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने हत्या की योजना को नाकाम कर दिया और संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया तथा हथियार भी जब्त कर लिए।

दक्षिण मध्य रेलवे के जीएम ने सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन के चल रहे पुनर्विकास कार्यों का विस्तृत निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उनके साथ सिकंदराबाद डिवीजन के डिवीजनल रेलवे मैनेजर भरतेश कुमार जैन और अन्य वरिष्ठ रेलवे अधिकारी मौजूद थे। उन्होंने स्टेशन पर चल रहे पुनर्विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने रेलवे स्टेशन के दोनों तरफ (यानी प्लेटफार्म नंबर 1 और 10 की तरफ) उन्नयन कार्यों की प्रगति का जायजा लिया और अधिकारियों को काम में और तेजी लाने की सलाह दी, ताकि परियोजना को जल्द से जल्द पूरा किया जा सके। महाप्रबंधक ने स्टेशन पर यात्री सुविधाओं की भी समीक्षा की और अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्लेटफार्म विस्तार कार्यों

को सुविधाजनक बनाने के लिए कुछ प्लेटफार्मों को अस्थायी रूप से बंद करने के मद्देनजर यातायात की भीड़ से बचने के लिए अतिरिक्त सावधानी बरतें। उन्होंने आगामी स्टेशन बुकिंग, पार्किंग और सर्कुलेटिंग एरिया आदि के चल रहे कार्यों का भी निरीक्षण किया। महाप्रबंधक ने सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास कार्यों, सुरक्षा और सुरक्षा के उच्चतम मानकों को बनाए रखते हुए यात्रियों की सुचारू आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए सिकंदराबाद डिवीजन के अधिकारियों द्वारा किए गए व्यापक उपायों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे के संशोधनों से जुड़े पुनर्विकास कार्य के मद्देनजर प्रभावी भीड़ प्रबंधन, सुरक्षा बढ़ाने और यात्री सहायता पहल की आवश्यकता है।

पत्नी के सामने की आत्महत्या

करीमनगर, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। रामदुगु मंडल मुख्यालय के पास 32 वर्षीय पूनम सागर ने अपनी पत्नी के सामने ग्रेविटी नहर में कूदकर आत्महत्या कर ली। हालांकि अभी तक सही कारण का पता नहीं चल पाया है, लेकिन पारिवारिक विवाद को आत्महत्या का कारण बताया जा रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार गोपालरावपेट निवासी सागर शुक्रवार को गंगाधर स्थित अपने ससुराल गया था और रात में पत्नी के साथ अपने पैतृक गांव लौटा। ग्रेविटी नहर से गुजरते समय सागर ने अचानक नहर के पास बाइक रोक दी। पत्नी के मना करने के बावजूद उसने नहर में छलांग लगा दी। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और सागर की तलाश शुरू की। हालांकि शनिवार सुबह उसका शव बरामद हुआ। शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया।

सड़क दुर्घटना में हुजूराबाद के युवक की मौत

करीमनगर, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के मणिकोंडा में हुई सड़क दुर्घटना में हुजूराबाद के एक युवक की मौत हो गई। ग्रामीणों के अनुसार हुजूराबाद नगरपालिका के बोरनापल्ली निवासी कुठाडी जीवन (21) सिकंदराबाद में किराए के मकान में दोस्तों के साथ रहकर स्विगी में डिलीवरी बॉय का काम करता है। पुप्पलागुडा में ईआईपीएस मोड़ पर अपने आगे चल रही एक लॉरी को ओवरटेक करने के प्रयास में वह दुर्घटना का शिकार हो गया। विपरीत दिशा से आ रही एक कार ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी, जिसके बाद वह लॉरी के पहियों के नीचे आ गया। ट्रक के नीचे आने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही नरसिंगी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को उस्मानिया अस्पताल के शवगृह में रखवाया।

वक्फ कानून लागू करने की मांग को लेकर भाजपा ने रैली निकाली

हैदराबाद, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष और उप्पल के पूर्व विधायक एनवीएसएस प्रभाकर के नेतृत्व में रमंतापुर में भाजपा की विशाल रैली निकाली गई। रैली में केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा हाल ही में पारित वक्फ संशोधन विधेयक को तत्काल लागू करने की मांग की गई।

रैली को संबोधित करते हुए प्रभाकर ने कहा कि कई मुस्लिम बुद्धिजीवियों और संगठनों ने वक्फ अधिनियम में कुछ धाराओं में संशोधन की आवश्यकता को समझा है, और प्रधानमंत्री को समर्थन देते हुए कहा कि वर्तमान विधेयक संपत्तियों की सुरक्षा में उपयोगी होगा, और अधिनियम के दुरूपयोग को रोकेगा, जो पहले हो रहा था। कांग्रेस, कम्युनिस्ट और छद्म धर्मनिरपेक्ष नेता जो अल्पसंख्यकों की कीमत पर वक्फ संपत्तियों का आनंद ले रहे हैं, वे केवल इसका विरोध कर रहे हैं। प्रभाकर ने राज्य के सीएम से इसे लागू करने वाले देश के पहले सीएम बनने की मांग की।

करीमनगर में कुएं में डूबकर बालक की मौत

करीमनगर, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। करीमनगर शहर के बाहरी इलाके रेकुर्थी में शनिवार को एक बालक, अज़मान, एक कृषि कुएं में डूब गया। स्थानीय लोगों के अनुसार, अज़मान अपने दोस्तों के साथ मछली पकड़ने के लिए एक कुएं पर गया था और गलती से पानी में फिसल गया। अचानक हुई इस घटना से घबराए अन्य लड़के मौके से भाग गए और स्थानीय निवासियों को इसकी जानकारी दी। हालांकि, जब तक स्थानीय लोग कुएं की ओर दौड़े, तब तक लड़का डूब चुका था। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और अग्निशमन विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और स्थानीय लोगों की मदद से शव को बाहर निकाला।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

जोस बटलर के 97 रन से जीता गुजरात

दिल्ली को 7 विकेट से हराया, प्रसिद्ध कृष्णा ने 4 विकेट लिए

अहमदाबाद, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। जोस बटलर और शेरफाने रदरफोर्ड की शानदार साझेदारी की मदद से गुजरात टाइटंस ने दिल्ली कैपिटल्स को सात विकेट से हराया। दिल्ली ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में आठ विकेट पर 203 रन बनाए थे। जवाब में बटलर ने 54 गेंदों पर 11 चौकों और चार छक्कों की मदद से नाबाद 97 रन बनाए जिससे गुजरात ने 19.2 ओवर में तीन विकेट पर 204 रन बनाकर मैच जीत लिया। गुजरात की ओर से राहुल तेवतिया ने चौका लगाकर टीम को जीत दिलाई। हालांकि, बटलर शतक लगाने से चूक गए। लक्ष्य का पीछा करते हुए गुजरात की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी और उसने जल्द ही कप्तान शुभमन गिल का विकेट गंवा दिया था। रदरफोर्ड और बटलर के बीच तीसरे विकेट के लिए शतकीय साझेदारी हुई। रदरफोर्ड 34 गेंदों पर एक चौका और तीन छक्के की मदद से 43 रन बनाकर आउट हुए। गुजरात ने 19

ओवर की समाप्ति के बाद तीन विकेट पर 194 रन बना हैं। उ

बटलर और रदरफोर्ड के बीच 90 से ज्यादा रनों की साझेदारी हो चुकी है। गुजरात ने 16 ओवर की समाप्ति तक दो विकेट पर 165 रन बना लिए हैं। गुजरात टाइटंस के बल्लेबाज जोस बटलर ने 32 गेंदों पर अर्धशतक पूरा किया। इसके साथ ही उन्होंने रदरफोर्ड के साथ तीसरे विकेट के लिए अर्धशतकीय साझेदारी भी पूरी कर ली है। गुजरात ने 13 ओवर की समाप्ति तक दो विकेट पर 128 रन बनाए हैं। गुजरात टाइटंस का स्कोर 100 रन के पार पहुंच गया है। गुजरात ने 12 ओवर की समाप्ति के बाद दो विकेट पर 110 रन बना हैं। क्रीज पर जोस बटलर के साथ शेरफाने रदरफोर्ड मौजूद हैं। रदरफोर्ड इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतरे हैं। गुजरात टाइटंस को साई सुदर्शन के रूप में दूसरा झटका लगा है। सुदर्शन और बटलर के बीच अच्छी साझेदारी चल रही थी, लेकिन सुदर्शन 21 गेंदों पर पांच चौकों और एक छक्के की मदद से 36 रन बनाकर आउट हुए। दिल्ली के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करते हुए गुजरात ने छह ओवर की समाप्ति के बाद एक विकेट पर 67 रन बना लिए हैं। गुजरात टाइटंस को कप्तान शुभमन गिल के रूप में पहला झटका लगा। गिल पांच गेंदों पर एक चौके की मदद से सात रन बनाकर आउट हुए।

रजत पाटीदार ने सचिन को पीछे छोड़ा

बनाया रिकॉर्ड, ऐसा करने वाले पहले बल्लेबाज

बेंगलुरु, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के कप्तान रजत पाटीदार के लिए पंजाब किंग्स के खिलाफ प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा. उन्होंने धीमी पारी खेली और 18 गेंद में सिर्फ 23 रन बना सके. वहीं उनकी टीम को घर पर लगातार तीसरी हार का सामना करना पड़ा. इसके बावजूद वो एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम करने में सफल रहे. दरअसल, आईपीएल में सबसे तेज 1000 रन बनाने वाले वो दूसरे भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं. इसके साथ ही उन्होंने भारत के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर को भी पीछे छोड़ दिया है. सचिन ने ये कारनामा 31 पारियों में किया था, जबकि पाटीदार ने इसके लिए 30 पारियां खेली हैं. गुजरात टाइटंस के साई सुदर्शन इस मामले में नंबर-1 भारतीय हैं. उन्होंने आईपीएल की सिर्फ 25 पारियों में 1000 रन ठोके हैं.

ऐसा करने वाले पहले भारतीय

रजत पाटीदार को आईपीएल में 1000 रन पूरे करने के लिए सिर्फ 15 रन की जरूरत थी. उन्होंने पंजाब किंग्स के खिलाफ 23 रन की जुझारू पारी खेली और ये उपलब्धि हासिल की. इसके अलावा उन्होंने एक और अनोखा रिकॉर्ड अपने नाम किया. दरअसल, आईपीएल में 1000 रन बनाने वाले सभी खिलाड़ियों में पाटीदार एकमात्र भारतीय हैं जिनका औसत 35 से अधिक और स्ट्राइक रेट 150 से ज्यादा है.

इसके साथ ही वो क्रिस गेल, डेविड मिलर, हेनरिक क्लासेन, शिमरॉन हेटमायर और ट्रेविस हेड जैसे चुनिंदा खिलाड़ियों की इस लिस्ट में शामिल हो गए हैं. इतना ही नहीं रजत पाटीदार टूर्नामेंट के 18 सालों में आरसीबी के लिए 1000 रन बनाने वाले सिर्फ तीसरे भारतीय खिलाड़ी भी बन गए हैं. उनसे पहले सिर्फ विराट कोहली और देवदत्त पडिक्कल ने ही ऐसा किया है.

ऐसे मिली थी आरसीबी में एंट्री

रजत पाटीदार 2022 के सीजन में इंजरी रिप्लेसमेंट के तौर पर आरसीबी से जुड़े थे. तब से उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा है. 3 सालों के भीतर पाटीदार आरसीबी के सबसे अहम खिलाड़ी बन गए हैं और टीम की कमान भी संभाल ली है. उनकी कप्तानी में बेंगलुरु की टीम ने इस सीजन शानदार प्रदर्शन किया है. पहले 7 मुकाबलों में से उसे मैचों में जीत मिली है. आरसीबी ने इस सीजन कई सालों के रिकॉर्ड को तोड़ा. उसने 17 सालों के बाद सीएसके को उसके घर पर मात दी. फिर मुंबई इंडियंस को 10 साल के बाद उसके घर पर हराया. हालांकि, अपने घर पर उसने तीनों मैचों में हार का सामना करना पड़ा है.

जोश हेजलवुड ने पर्पल कैप लिस्ट में मचाई खलबली

एक झटके में नंबर-2 पर पहुंचा

मुंबई, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल 2025 में बीती रात रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और पंबाज किंग्स के बीच रोमांचक मुकाबला खेला गया। बारिश के चलते ये मैच देरी से शुरू हुआ था, जिसके चलते ओवर घटाकर 14 कर दिए गए थे। इस मैच में आरसीबी को 5 विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। सीजन-18 में ये आरसीबी की अपने होम ग्राउंड पर तीसरी हार है। हालांकि मैच में आरसीबी के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड ने कमाल की गेंदबाजी का नजारा पेश किया था। एक समय हेजलवुड ने मैच पर आरसीबी की पकड़ काफी मजबूत करवा दी थी, लेकिन अंत में टीम हार गई। वहीं इस मैच में कमाल की गेंदबाजी के चलते हेजलवुड की पर्पल कैप लिस्ट में एंट्री हो चुकी है।

पर्पल कैप लिस्ट में हेजलवुड की लंबी छलांग

जोश हेजलवुड आईपीएल 2025 में कमाल की गेंदबाजी कर रहे हैं। पंजाब किंग्स के खिलाफ उनकी इस सीजन की बेस्ट गेंदबाजी देखने को मिली। हेजलवुड ने इस मैच में गेंदबाजी करते हुए 3 ओवर में महज 14 रन देकर सबसे ज्यादा 3 विकेट चटकाए थे।

इस सीजन अब जोश के नाम 12 विकेट दर्ज हो गए हैं। 12 विकेट के साथ हेजलवुड पर्पल कैप की लिस्ट में लंबी छलांग लगाकर दूसरे पायदान पर पहुंच गए हैं। फिलहाल चेन्नई सुपर किंग्स के स्पिन गेंदबाज नूर अहमद 12 विकेट के साथ पहले पायदान पर बने हुए हैं।

95 रन बना पाई थी आरसीबी

पंजाब किंग्स के खिलाफ आरसीबी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 14 ओवर में 9 विकेट खोकर 95 रन बनाए थे। इस मैच में आरसीबी की बल्लेबाजी बेहद खराब रही थी। टिम डेविड के अलावा कोई बल्लेबाज खास कमाल नहीं कर पाया था। टिम डेविड ने इस मैच में नाबाद 50 रन की पारी खेली थी। इसके बाद पंजाब किंग्स ने इस लक्ष्य को 12.1 ओवर में 5 विकेट खोकर हासिल कर लिया था। नेहाल वढेरा ने पंजाब की तरफ से सबसे ज्यादा 33 रन की पारी खेली थी।

आईपीएल 2025 की पर्पल कैप की लिस्ट

खिलाड़ी	टीम	खेले गए मैच	विकेट
नूर अहमद	चेन्नई सुपर किंग्स	7	12
जोश हेजलवुड	रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर	7	12
कुलदीप यादव	दिल्ली कैपिटल्स	6	11
खलील अहमद	चेन्नई सुपर किंग्स	7	11
हार्दिक पांड्या	मुंबई इंडियंस	6	11

केडी सिंह बाबू स्टेडियम में संसद खेल महाकुंभ का उद्घाटन

रक्षा मंत्री राजनाथ रहे मौजूद

लखनऊ, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। लखनऊ के केडी सिंह बाबू स्टेडियम में 'संसद खेल महाकुंभ' का आगाज हो चुका है। रक्षा मंत्री और लखनऊ से सासंद राजनाथ सिंह ने इसका उद्घाटन किया।

उनके साथ उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और मंत्री दिनेश शर्मा मौजूद रहे। इस दौरान बच्चों ने स्टेडियम में करतब दिखाए।

आरती ने एशियाई अंडर-18 एथलेटिक्स में दूसरा कांस्य पदक जीता

फर्राटा धाविका आरती ने सऊदी अरब के दम्माम में लड़कियों की 200 मीटर स्पर्धा में तीसरा स्थान हासिल करते हुए एशियाई अंडर-18 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में अपना दूसरा कांस्य पदक जीता। इससे पहले बुधवार को लड़कियों की 100 मीटर स्पर्धा में पोडियम पर जगह बनाने वाली भारतीय खिलाड़ी ने 24.31 सेकंड का समय निकालकर यूएई की मरियम करीम (23.99 सेकंड) और जापान की शिबाता मिसाटो (24.16 सेकंड) से पीछे रहीं। इस स्पर्धा में अन्य भारतीय धावक प्रिशा मिश्रा ने 25.16 सेकंड का समय लेकर आठवां स्थान हासिल किया।

ट्रॉफी जीतने के आसार नहीं हैं

वीरेंद्र सहवाग ने आरसीबी की हार के बाद साधा निशाना

मुंबई, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को लगातार तीसरी बार अपने घर पर हार मिली. पंजाब किंग्स ने 18 अप्रैल को उसे 11 गेंद रहते ही 5 विकेट से से हराया. आरसीबी की इस करारी शिकस्त में बल्लेबाजों का बड़ी भूमिका रही. वो 14 ओवर में सिर्फ 95 रन ही बना सके. बेंगलुरु की पूरी बैटिंग लाइन अप ध्वस्त हो गई. कप्तान रजत पाटीदार (23 रन) और टिम डेविड (50 रन) ने किसी तरह टीम की लाज बचाई. इस लचर प्रदर्शन को देखकर पूर्व भारतीय क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग ने बेंगलुरु के बल्लेबाजों पर जमकर निशाना साधा और मिडिल ऑर्डर को टीम की सबसे बड़ी कमजोरी बताई.

वीरेंद्र सहवाग ने क्रिकबज के शो पर मैच का विश्लेषण करते हुए आरसीबी के मिडिल ऑर्डर को उसकी सबसे बड़ी कमजोरी बताई. उनका मानना है कि जितेश शर्मा, लियम लिविंगस्टन और क्रुणाल पंड्या ने अपनी बल्लेबाजी से

काफी निराश किया है. वो किसी भी मैच में ठीक से योगदान नहीं दे रहे हैं, जिसकी वजह से बेंगलुरु ये हालत हुई है. सहवाग के मुताबिक आरसीबी टॉप ऑर्डर के बल्लेबाज विराट कोहली, फिल सॉल्ट और रजत पाटीदार पर जरूरत से ज्यादा निर्भर है. वहीं नीचले क्रम में टिम डेविड भी अच्छा काम कर रहे हैं. लेकिन जिस दिन ऊपर के तीनों बल्लेबाज फ्लॉप हुए हैं, उस दिन बेंगलुरु ने संघर्ष किया है. पंजाब के खिलाफ भी यही देखने को मिला.

सहवाग ने कहा, "लिविंगस्टन दूसरे मैक्सवेल होंगे. जितेश शर्मा और क्रुणाल पंड्या ने भी कुछ नहीं किया. ऊपर से विकेट गिरने पर किसी एक को जिम्मेदारी तो लेनी होगी. टिम डेविड अच्छा खेल रहे हैं लेकिन उन्हें कम गेंद मिलती है. इन्हें ज्यादा गेंद मिलती है लेकिन वो आउट होकर चले जाते हैं. इन तीनों को लगातार बल्ले से योगदान देना होगा. तभी होमग्राउंड पर जीत मिलेगी. नहीं तो दुआ करनी होगी कि विराट कोहली और फिल सॉल्ट ही 15 ओवर खेलें और अंतिम के 5 ओवर में लप्पे मारकर रन बनाओ, जितने बन जाएं. लेकिन ये फिर ट्रॉफी जीतने वाले आसार नहीं है."

वीरेंद्र सहवाग इस दौरान आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार पर भी भड़क गए. सहवाग ने कहा "उन्हें सोचना होगा कि वो घर पर क्यों नहीं जीत पा रहे हैं. उनसे कहां गलती हो रही है. ये कोई नहीं बात नहीं होती है कि हम इस बारे में नहीं सोच रहे हैं. आपको इसका हल निकालना होगा. आपकी गेंदबाजी मैच बनाकर दे रही है, लेकिन जहां आपकी बल्लेबाजी चल रही है, वहां चल नहीं रही है." बता दें बारिश की वजह से हुए 14 ओवर के खेल में आरसीबी ने पहले 4 ओवर में 26 पर 3 विकेट गंवा दिए थे. वहीं 42 के स्कोर पर 7 बल्लेबाज पवेलियन लौट गए थे. अंत में किसी तरह टिम डेविड 26 गेंद में 50 रन की पारी से लाज बचाई. बेंगलुरु ने 9 विकेट के नुकसान पर महज 95 रन बनाए. इस दौरान 7 बल्लेबाज दहाई के आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके.

पीएसएल के 8वें मैच में डेविड वॉर्नर की टीम कराची किंग्स को मिली दमदार जीत

इस्लामाबाद, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। पीएसएल 2025 के 8वें मैच में कराची किंग्स ने दमदार जीत हासिल की और उसने क्वेटा ग्लेडिएटर्स को 56 रनों से हराया. डेविड वॉर्नर की कप्तानी वाली कराची ने पहले बैटिंग करते हुए 176 रनों का लक्ष्य रखा था. इसके जवाब में क्वेटा की टीम 20 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर सिर्फ 119 रन ही बना सकी.

पाकिस्तान सुपर लीग 2025 का 8वां मैच कराची किंग्स और क्वेटा ग्लेडिएटर्स के बीच खेला गया. डेविड वॉर्नर की कप्तानी वाली कराची की टीम ने इस मुकाबले में दमदार जीत दर्ज की. कराची ने पहले बैटिंग करते हुए 176 रनों का लक्ष्य रखा था. इसके जवाब में क्वेटा की टीम ने भारत की लड़की सामिया आरजू से शादी करने वाले पाकिस्तानी खिलाड़ी हसन अली के सामने घुटने टेक दिए. उन्होंने 4 ओवर में सिर्फ 28 रन देकर 3 खिलाड़ियों का शिकार किया. उनकी घातक गेंदबाजी की वजह से क्वेटा 20 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर सिर्फ 119 रन ही बना सकी. इस तरह कराची ने उसे 56 रनों से रौंद दिया.

वॉर्नर-विंस का तूफान

डेविड वॉर्नर ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने का फैसला किया था. इसके बाद वो टिम साइफर्ट के साथ ओपनिंग के लिए उतरे. दोनों ने आते ही ताबड़तोड़ बैटिंग शुरू कर दी और महज 5 ओवर में 51 रन ठोक दिए. हालांकि, छठे ओवर में कप्तान वॉर्नर 20 गेंद में 155 के स्ट्राइक रेट से 31 रन बनाकर अबरार अहमद का शिकार हो गए. वहीं इसके अगले ही ओवर में साइफर्ट

15 गेंद में 180 के स्ट्राइक रेट से 27 रनों की तूफानी पारी खेलकर पवेलियन लौट गए.

इसके बावजूद कराची के रनों की रफ्तार रुकी नहीं. दोनों ओपनर के आउट होने के बाद इस सीजन शतक जड़ चुके जेम्स विंस ने कमान संभाली. हालांकि, दूसरे छोर से लगातार विकेट गिरते रहे, फिर भी उन्होंने हमला जारी रखा और 47 गेंद में 70 रन ठोक दिए. उनकी इस तूफानी पारी की बदौलत कराची ने 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर बोर्ड पर 175 रन लगाए. विंस को उनकी जबरदस्त पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया.

हसन अली के सामने लड़खड़ाई क्वेटा

176 रन के लक्ष्य को चेज करने उतरी क्वेटा ग्लेडिएटर्स की टीम शुरू में ही लड़खड़ा गई. आधी टीम पावरप्ले में ही पवेलियन लौट गई. पहले ही ओवर में ओपनर फिल एलेन मीर हमजा का शिकार हो गए. वहीं दूसरे ओवर नें हसन अली ने हसन नवाज को चलता कर दिया. चौथे ओवर में 34 रन के स्कोर पर अफगानिस्तान के दिग्गज खिलाड़ी मोहम्मद नबी ने कुसल मेंडिस के तौर पर एक और झटका दे दिया. इसके बाद पांचवें ओवर में हसन अली ने ख्वाजा नफे को आउट करके क्वेटा को चौथा झटका दिया.

फिर पावरप्ले के आखिरी ओवर में नबी ने राइली रुसो को अपना शिकार बनाया. इस तरह महज 37 रन पर क्वेटा ने 5 विकेट गंवा दिए. इस झटके से वो उबर नहीं पाई और उसका 100 रन बनाना भी मुश्किल हो गया था. लेकिन अंत में मोहम्मद आमिर ने 16 गेंद में 30 रनों की पारी से टीम की लाज बचाई. क्वेटा ने किसी तरह 20 ओवर खेला और 119 रन बनाकर 56 रनों की करारी हार झेली. इस दौरान हसन अली ने 3 विकेट, नबी और अब्बास अफरीदी ने 2-2 और मीर हमजा ने 1 विकेट चटकाए.

वीर और अनहत ने किया शानदार प्रदर्शन

विश्व स्क्वाश चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में पहुंचे

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। दूसरी वरीयता प्राप्त वीर ने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए मलयेशिया के मोहम्मद सयाफिक कमाल पर 9-11, 11- 6, 11- 6, 11- 7 से जीत दर्ज की। वहीं महिलाओं के क्वार्टर फाइनल में 17 साल की पांचवीं वरीय अनहत ने दबदबे भरा प्रदर्शन करते हुए जापान की अकारी मिडोरिकावा को 11-1, 11-7, 11-5 से मात दी।

भारतीय स्क्वाश खिलाड़ी वीर चोटरानी और अनहत सिंह ने अपने मुकाबले जीतकर विश्व चैंपियनशिप क्वालिफाइंग टूर्नामेंट (एशिया) के सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

दूसरी वरीयता प्राप्त वीर ने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए मलयेशिया के मोहम्मद सयाफिक कमाल पर 9-11, 11- 6, 11- 6, 11- 7 से जीत दर्ज की। वहीं महिलाओं के क्वार्टर फाइनल में 17 साल की पांचवीं वरीय अनहत ने दबदबे भरा प्रदर्शन करते हुए जापान की अकारी मिडोरिकावा को 11-1, 11-7, 11-5 से मात दी। अब वह शनिवार को होने वाले सेमीफाइनल में आठवीं वरीयता प्राप्त हांगकांग की हेलेन तांग से भिड़ेंगी जिन्होंने भारत की तन्वी खन्ना को शिकस्त दी। तन्वी 5-11,6-11,12-10,9-11 से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गई।

हसन अली ने रच दिया इतिहास, 3 विकेट लेकर बन गए दुनिया के नंबर-1 गेंदबाज

इस्लामाबाद, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान सुपर लीग 2025 में बीते दिन कराची किंग्स और क्वेटा ग्लैडिएटर्स के बीच मुकाबला खेला गया। इस मैच में कराची किंग्स के तेज गेंदबाज हसन अली का जलवा देखने को मिला, जिन्होंने अपनी शानदार गेंदबाजी से विपक्षी टीम के बल्लेबाजों के छक्के छुड़ाए। इस मैच में हसन अली ने 3 विकेट हासिल करके इतिहास रच दिया, जिसके बाद पीएसएल में हसन एक बड़ा कारनामा करने वाले दुनिया के पहले गेंदबाज बन गए हैं।

हसन अली ने रचा इतिहास

हसन अली ने क्वेटा ग्लैडिएटर्स के खिलाफ 4 ओवर में महज 27 रन देकर 3 विकेट चटकाए थे।

इसके साथ ही हसन अली अब पाकिस्तान सुपर लीग में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। हसन अली के नाम अब पीएसएल में 116 विकेट दर्ज हो गए हैं। इससे पहले ये रिकॉर्ड तेज गेंदबाज वहाब रियाज के नाम था। जिन्होंने 113 विकेट चटकाए थे।

महिला कांग्रेस निकाय चुनावों में उदाहरण बनें : सुनीता राव

हैदराबाद , 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हनमकोंडा जिले में जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष बांका सरला यादव और महासचिव एन. राजिता की अध्यक्षता में जिला कार्यकारिणी की बैठक हुई। बैठक से पहले, राष्ट्रीय कांग्रेस नेताओं और राज्य नेताओं के आह्वान पर, बैठक की शुरुआत अशोक जंक्शन स्थित महान नेता की प्रतिमा तक महिलाओं के मार्च के साथ हुई, जिसमें "जय बापू, जय भीम, जय संविधान" का नारा लगाया गया और बाबा साहेब अंबेडकर को श्रद्धांजलि दी गई।

महिलाओं ने अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर बैठक की शुरुआत की। डीसीसी कार्यक्रम में स्थानीय विधायक नायिनी राजेंद्र रेड्डी से मिलना एक विशेष अवसर था। कार्यक्रम में महिला कांग्रेस अध्यक्ष मोगाली सुनीता राव ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया और जिला महिला नेताओं को दिशा-निर्देश दिए तथा सभी को शहर, कस्बे, बूथ और मंडल स्तर पर कांग्रेस को मजबूत करने की दिशा में काम करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि तेलंगाना महिला कांग्रेस को आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में एक उदाहरण पेश करना चाहिए। बाद में राष्ट्रीय महिला कांग्रेस अध्यक्ष अलका लांबा के आदेशानुसार केंद्र सरकार द्वारा आवश्यक वस्तुओं पेट्रोल, डीजल व गैस सिलेंडर के दामों में की गई वृद्धि के विरोध में रसोई गैस के दामों में वृद्धि के विरोध में पीएम मोदी का पुतला फूंका गया। कार्यक्रम में राज्य महिला कांग्रेस की नेत्रियां, जिला प्रभारी, जिला प्रमुख, हनुमानकोंडा के विभिन्न निर्वाचन क्षेत्र अध्यक्ष, ब्लॉक, मंडल, प्रभाग, नगर अध्यक्ष और विभिन्न महिला समिति की नेत्रियां बड़े पैमाने पर शामिल हुईं।

पानी हमारी संस्कृति और विकास का प्रतीक : रेवंत रेड्डी

जापान में सीएम रेवंत रेड्डी का तेलुगु फेडरेशन ने किया स्वागत

जापान/ हैदराबाद , 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने शनिवार को जापान में जापान तेलुगु फेडरेशन द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि तेलंगाना राज्य में आईटी और फार्मा क्षेत्रों में काफी प्रगति हासिल की। राज्य में एक ड्राई पोर्ट स्थापित करने की योजना की परिकल्पना की। उन्होंने कहा कि आप सभी से तेलंगाना के विकास के लिए आगे आने और दुनिया के साथ प्रतिस्पर्धा करने की अपील की। मुख्यमंत्री ने कहा कि टोक्यो में रिवर फ्रंट का दौरा किया और सुविधाओं की जांच की। पानी हमारी संस्कृति और विकास का प्रतीक है। कुछ राजनीतिक ताकतें मूसी कायाकल्प परियोजना में बाधा उत्पन्न कर रही हैं। दिल्ली में अनियंत्रित वायु प्रदूषण देखा जा रहा है और संस्थानों को छुट्टियां घोषित करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। सीएम ने कहा कि क्या हमें दिल्ली में अनियंत्रित वायु प्रदूषण से सबक सीखने की ज़रूरत नहीं है, जहाँ सार्वजनिक जीवन ठप हो गया है? इसे गंभीरता से लेते हुए, हमने हैदराबाद में मुसी रिबर को बहाल करने और पुनर्जीवित करने का प्रस्ताव रखा। मुसी परियोजना, मेट्रो रेल विस्तार, क्षेत्रीय रिंग रोड और रेडियल सड़कों को तेलंगाना की प्रगति के लिए सबसे महत्वपूर्ण माना जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का इरादा तेलंगाना में भारी निवेश को आमंत्रित करना, औद्योगिक विकास को बढ़ावा देना और अधिक रोजगार के अवसर पैदा करना है। तेलंगाना के विकास के लिए सहयोग बढ़ाने की अपील है। अगर सभी लोग मदद के लिए आगे आएं तो तेलंगाना दुनिया से प्रतिस्पर्धा कर सकता है। सुझाव मांगने के लिए तैयार हैं। अपने विचार राज्य सरकार के साथ साझा करें। हम अपने क्षेत्र के विकास से पहले से ही उत्साहजनक क्षणों का अनुभव कर रहे हैं।

एनआईआरडीपीआर प्रशासन ने पेंशनरों को परिसर में प्रवेश करने से रोका

हैदराबाद , 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। एनआईआरडीपीआर शैक्षणिक संघ, एनआईआरडीपीआर कर्मचारी संघ और एनआईआरडीपीआर पेंशनर्स संघ के प्रतिनिधियों ने आज एसके राव हॉल, एनआईआरडीपीआर में अध्यक्ष और स्थायी समिति के सदस्यों के साथ मुलाकात की। यह इस वर्ष एनआईआरडीपीआर को अनुदान सहायता बंद करने से संबंधित कर्मचारियों और पेंशनरों के मुद्दों और चिंताओं पर एक अनौपचारिक चर्चा थी। प्रतिनिधियों ने अपने मुद्दों और चिंताओं को समझाया और समिति के अध्यक्ष और सदस्यों को एक प्रतिनिधित्व सौंपा। इस चर्चा के दौरान लगभग 150 कर्मचारी और पेंशनर बाहर मौजूद थे। इससे पहले, सुबह में, एनआईआरडीपीआर प्रशासन ने पेंशनरों को परिसर में प्रवेश करने से रोक दिया और उन्हें चिलचिलाती गर्मी में मुख्य द्वार पर रोक दिया गया। एक पेंशनर बीमार हो गया और उसे अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। इस दौरान ऐतिहात के तौर पर पुलिस बुला ली गई थी।

सिंगरेणी के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर : जनक प्रसाद

ओडिशा में नैनी कोयला ब्लॉक का शुभारंभ

हैदराबाद , 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य न्यूनतम वेतन सलाहकार परिषद् के अध्यक्ष और आईएनटीयूसी केंद्रीय महासचिव जनक प्रसाद ने सिंगरेणी के सीएमडी बलराम नायक आईआरएस द्वारा सभी क्षेत्रों के अधिकारियों और यूनियन नेताओं के साथ आयोजित एक वीडियो कॉन्फ्रेंस बैठक में भाग लिया और संबोधित किया। इस अवसर पर बोलते हुए जनक प्रसाद ने कहा कि "सिंगरेणी कोलियरीज कंपनी के लिए यह गर्व की बात है कि वह अपने 136 साल के इतिहास में पहली बार किसी दूसरे राज्य में प्रवेश कर रही है। ओडिशा के अंगुल जिले में नैनी कोल ब्लॉक का 16 अप्रैल को राज्य के उपमुख्यमंत्री और ऊर्जा मंत्री भट्टी विक्रमार्क मल्लू ने वर्चुअली उद्घाटन किया। सिंगरेनी के सीएमडी बलराम नायक आईआरएस और खुद निदेशकों की मौजूदगी ने इस कार्यक्रम को ऐतिहासिक बना दिया।"

इस अवसर को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले सीएमडी बलराम नायक को विशेष बधाई। यह ब्लॉक 2016 में केंद्रीय कोयला मंत्रालय द्वारा आवंटित किया गया था, लेकिन अनुमति, भूमि संबंधी मुद्दों और पर्यावरण मंजूरी के कारण इसमें देरी हुई है। हालाँकि, हाल ही में, सीएम रेवंत रेड्डी, उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क मल्लू के सक्षम नेतृत्व और सीएमडी बलराम नायक के प्रयासों से केंद्र और ओडिशा सरकारों के साथ समन्वय स्थापित करने में सफलता मिली। इसमें केंद्रीय कोयला मंत्री किशन रेड्डी का सहयोग भी शामिल है। उन्होंने कहा कि वहां जल्द ही थर्मल पावर प्लांट स्थापित किया जाना चाहिए। प्रतिष्ठित वीकेओसी को भी शीघ्र पूरा किया जाना चाहिए। कंपनी का लक्ष्य न केवल सिंगरेणी कोयला खदानों तक बल्कि अन्य खनिज खदानों तक भी विस्तार करना है। उन्होंने बताया कि सीएमडी के रूप में कार्यभार संभालने के बाद उत्पादन क्षमता के साथ-साथ श्रमिक कल्याण में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ है। उन्होंने बताया कि कई विकास कार्यक्रम शुरू किए गए हैं, जैसे कि हैदराबाद में शीघ्र ही एक सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल का निर्माण किया जाएगा। इस कार्यक्रम में एटक महासचिव राज कुमार, जीएम समन्वय शुभानी, जीएम मार्केटिंग राजशेखर, एडमिन भास्कर, सभी क्षेत्रों के महाप्रबंधक, मान्यता प्राप्त एवं अधिकृत यूनियनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इसके बाद यूनियन नेताओं और अधिकारियों ने कंपनी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक बलराम नायक का अभिनंदन किया।

तेलंगाना गरीबों को बढ़िया चावल उपलब्ध कराने वाला एकमात्र राज्य : तुम्मला

मंत्री ने लाभार्थी राजा राव के घर दोपहर का भोजन किया

खम्मम, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। कृषि मंत्री तुम्माला नागेश्वर राव ने कहा कि तेलंगाना भारत का एकमात्र राज्य है जो गरीबों को बढ़िया चावल उपलब्ध कराता है। राज्य सरकार के महत्वाकांक्षी बढ़िया चावल वितरण कार्यक्रम के तहत, मंत्री ने पुलिस आयुक्त सुनील दत्त और जिला प्रभारी कलेक्टर डॉ. पी. श्रीजा के साथ शनिवार को खम्मम जिले के रघुनाथपालम मंडल के बुदिदमपाडु गांव में लाभार्थी गुडीबदला राजा राव के घर दोपहर का भोजन किया। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री तुम्माला नागेश्वर राव ने कहा कि पिछली बीआरएस सरकार के दौरान, मोटे चावल को अक्सर बिना इस्तेमाल किए या काला बाजार में बेच दिया जाता था। खराब गुणवत्ता वाले मोटे चावल को खाने में असमर्थ लाभार्थी इसे 10 रुपये प्रति किलोग्राम बेचने के लिए मजबूर थे और अपनी मजदूरी से बढ़िया चावल खरीदते थे।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अब सभी सफेद राशन कार्डधारक कांग्रेस सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए बढ़िया चावल का आनंद ले रहे हैं।

राज्य सरकार किसानों से 500 रुपये प्रति क्विंटल के समर्थन मूल्य पर बढ़िया किस्म का धान खरीद रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा दिए गए बोनस से तेलंगाना में इस प्रीमियम किस्म के धान की खेती 20 प्रतिशत से बढ़कर 80 प्रतिशत हो गई है। मंत्री ने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि बढ़िया चावल का वितरण केवल उन लोगों को ही लाभ पहुंचाए जो इसके लिए पात्र हैं।

मुलुगु प्रकरण : केटीआर ने असंवेदनशीलता के लिए की मंत्रियों की आलोचना

हैदराबाद, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। जन शिकायतों और स्वास्थ्य मुद्दों के प्रति उदासीनता के लिए कांग्रेस सरकार पर कड़ा प्रहार करते हुए बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामाराव ने शनिवार को प्रशासन की विफलताओं के कारण हुई दुखद जानों की हानि पर चिंता व्यक्त की। कांग्रेस मंत्रियों की रैली के दौरान मुलुगु प्रकरण पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कांग्रेस शासन में लोगों की दुर्दशा पर अपनी निराशा व्यक्त की।

सरकारी अस्पताल में उपेक्षा के कारण एक बच्चे की मौत पर दुखी परिवार को मंत्रियों की रैली के दौरान नजरअंदाज किए जाने की निंदा करते हुए उन्होंने इसे असंवेदनशीलता का स्पष्ट प्रदर्शन बताया। कथित तौर पर सांत्वना और न्याय की मांग कर रहे परिवार को एक राजनीतिक रोड शो के दौरान किनारे कर दिया गया, जिससे लोगों में आक्रोश फैल गया। मुलुगु की घटना के तुरंत बाद अमरचिंता में भी ऐसी ही घटना की खबर आई।

उन्होंने तेलंगाना की समस्याओं की ओर इशारा करते हुए कहा कि 500 से ज़्यादा किसानों ने अपनी जान दे दी है जबकि बुनकर और ऑटो चालक आर्थिक तंगी का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शासन के दौरान आवासीय विद्यालयों में 50 से ज़्यादा छात्रों की मौत हुई, यह सब व्यवस्थागत उपेक्षा के कारण हुआ।

सीआरओ के पुनर्गठन पर समीक्षा बैठक

तिरुमला, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। टीटीडी के कार्यकारी अधिकारी जे श्यामला राव ने अतिरिक्त ईओ सीएच वेंकैया चौधरी और अन्य अधिकारियों के साथ भीड़भाड़ को कम करने और सौंदर्य में सुधार करने के साथ-साथ तीर्थयात्रियों को बेहतर प्रतीक्षा सुविधाएं प्रदान करने के लिए केंद्रीय स्वागत कार्यालय के पुनर्गठन की समीक्षा की। शनिवार को तिरुमला के अन्नामैया भवन में बैठक हुई। तिरुमला में केंद्रीय स्वागत कार्यालय (सीआरओ) आवास, दर्शन टिकट और अन्य आवश्यक सेवाओं की मांग करने वाले तीर्थयात्रियों के लिए प्राथमिक केंद्र के रूप में कार्य करता है। पिछले कुछ वर्षों में, सीआरओ ने विशेष रूप से तीर्थयात्रा के चरम मौसम के दौरान काफी भीड़ का अनुभव किया है। तीर्थयात्रियों को अक्सर लंबी कतारों, सीमित प्रतीक्षा क्षेत्रों जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है जिससे देरी और असुविधा होती है। मौजूदा बुनियादी ढांचा, जिसे दशकों पहले डिज़ाइन किया गया था, पवित्र मंदिर शहर में आने वाले भक्तों की बढ़ती संख्या को समायोजित करने के लिए संघर्ष करता है। इन चुनौतियों के जवाब में, स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर (एसपीए), विजयवाड़ा के आर्किटेक्ट और अर्बन डिज़ाइनर डॉ.जी. कार्तिक ने पीपीपी के माध्यम से सीआरओ के लिए एक व्यापक पुनर्गठन प्रस्ताव प्रस्तुत किया। प्रस्तुति में तीर्थयात्रियों की आवाजाही को सुव्यवस्थित करने, स्थान के उपयोग को अनुकूलित करने और सीआरओ तथा पीएसी-1 क्षेत्र में समग्र बुनियादी ढांचे में सुधार लाने के उद्देश्य से एक गहन अध्ययन और दूरदर्शी प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया। पुनर्गठन प्रस्ताव पारंपरिक आध्यात्मिक सौंदर्य को आधुनिक शहरी नियोजन रणनीतियों के साथ एकीकृत करता है, जो तिरुमाला की सात पहाड़ियों के दिव्य महत्व और मंदिर शहर की पारिस्थितिक सेटिंग के साथ सरेखित है। टीटीडी ईओ ने सीआरओ में समर्पित कतार लाइन सिस्टम और होल्डिंग क्षेत्रों, स्थानिक ज़ोनिंग और मौजूदा इमारतों के रेट्रोफिटिंग, टीटीडी के दीर्घकालिक मास्टर प्लान के साथ सरेखित एक विजन और कई अन्य के साथ सुविधाओं के पुन: डिज़ाइन पर विस्तार से चर्चा की।

महिला दुकानदार के साथ दुर्व्यवहार और मारपीट के आरोप में 2 गिरफ्तार

हैदराबाद, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। घाटकेसर में शुक्रवार को कथित तौर पर घटिया गुणवत्ता वाली आइसक्रीम बेचने पर एक महिला दुकानदार के साथ दुर्व्यवहार करने और मारपीट करने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया। जानकारी के अनुसार, संदिग्ध भाई-बहन एम राजशेखर और एम किरण ने गुरुवार को घाटकेसर के औशापुर में एक किराने की दुकान से आइसक्रीम खरीदी थी। हालांकि, उन्हें कथित तौर पर आइसक्रीम घटिया क्वालिटी की लगी। इससे नाराज होकर उन्होंने महिला दुकानदार से पूछताछ की। इस पर दोनों में तीखी बहस हुई और फिर उन्होंने उसके साथ गाली-गलौज और मारपीट की। महिला की शिकायत के आधार पर घाटकेसर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

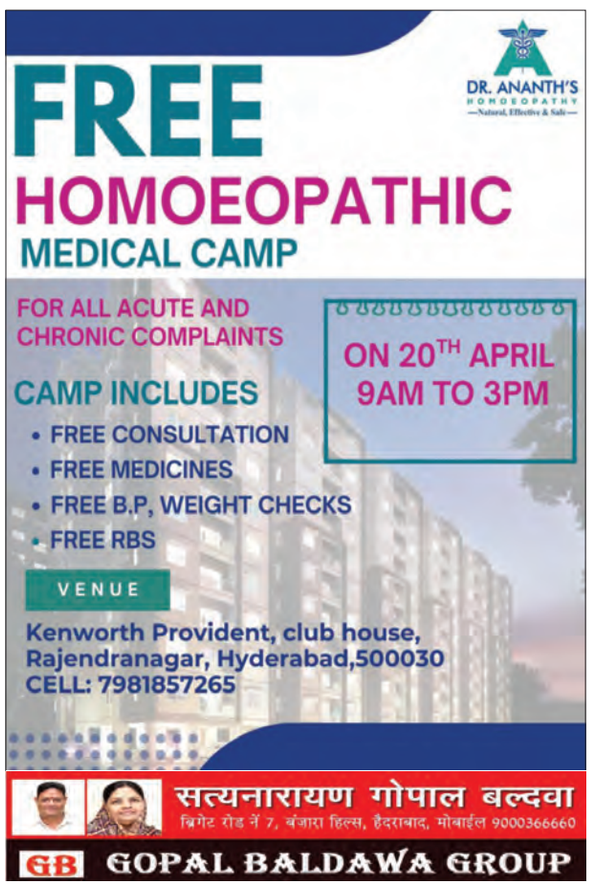

स्वच्छ आंध्र-स्वच्छ तिरुमला अभियान चलाया गया

श्रद्धालुओं से वाहनों से कूड़ा न फैलाने का आग्रह किया गया

तिरुमला, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। स्वच्छ आंध्र-स्वच्छ तिरुमाला पहल के तहत, टीटीडी के अतिरिक्त ईओ वेंकैया चौधरी ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे पवित्र तीर्थ नगरी तिरुमाला में अपने वाहनों से कूड़ा सड़कों पर न फेंकें। इस पहल की शुरूआत शनिवार की सुबह अलीपीरी फुटपाथ के साथ फर्स्ट घाट रोड पर "कुंकला पॉइंट" (अंतिम चरण) पर की गई, जहां उन्होंने कर्मचारियों को स्वच्छ आंध्र की शपथ दिलाई और सफाई अभियान की शुरूआत की। इस अवसर पर बोलते हुए, अतिरिक्त ईओ ने कहा कि हालांकि तिरुमाला में प्लास्टिक पर आधिकारिक तौर पर प्रतिबंध है, फिर भी कुछ तीर्थयात्री अपने वाहनों से प्लास्टिक के कवर, भोजन के पैकेट और पानी की बोतलें सड़क किनारे फेंक देते हैं। इससे पिछले कुछ सालों में कचरे का एक बड़ा ढेर जमा हो गया है। उन्होंने बताया कि स्वच्छ तिरुमाला अभियान के एक हिस्से के रूप में, अब फर्स्ट घाट रोड को पूरी तरह से साफ करने के लिए चुना जा रहा है। उन्होंने बताया कि लगभग 400 टीटीडी कर्मचारी, पुलिस कर्मियों और श्रीवारी सेवकों और कुछ छात्रों के साथ, जो स्वेच्छा से आगे आए हैं और इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग लिया है। मौजूदा कचरे को साफ करने के अलावा, भविष्य में गंदगी को रोकने के लिए सड़क के किनारे डस्टबिन लगाए गए हैं। उन्होंने सभी भक्तों से आग्रह किया कि वे चलती गाड़ियों से कचरा फेंकने के बजाय इन डस्टबिन का उपयोग करें। उन्होंने कहा कि तिरुमाला की स्वच्छता और पवित्रता को बनाए रखने के लिए 6,000 से अधिक टीटीडी कर्मचारी लगातार काम करते हैं। उन्होंने तीर्थयात्रियों से अनुरोध किया कि वे अपने प्रयासों और स्थान की पवित्रता का सम्मान करें और अपने वाहनों से गंदगी न फैलाएं। सभी भक्तों से अनुरोध है कि वे स्वच्छ तिरुमाला मिशन की सफलता में सहयोग करें और योगदान दें। बाद में अतिरिक्त ईओ ने अन्य अधिकारियों के साथ डाउन घाट रोड पर आठ स्थानों पर मलबा हटाने के कार्यक्रम में भी भाग लिया।

तिरुपति मंदिर पहुंचीं सामंथा रुथ : डेटिंग की खबरों के बीच ये निर्देशक भी साथ दिखा

तिरुमला, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। साउथ एक्ट्रेस सामंथा रूथ की नागा चैतन्य से शादी टूट गई, इनका तलाक हुए लंबा वक्त गुजर गया है। नागा चैतन्य ने शोभिता धुलिपाला से शादी कर ली है। अब सामंथा भी अपनी जिंदगी में आगे बढ़ रही हैं। एक डायरेक्टर के साथ उनकी डेटिंग की खबरें सामने आ रही हैं। इस डायरेक्टर के साथ सामंथा को तिरुपति मंदिर में भी देखा गया है।

गुलाबी सूट में दिखीं सामंथा :

सामंथा रूथ का तिरुपति पहुंचने वाला एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में वह गुलाबी रंग का सूट पहने नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस का लुक काफी सिंपल दिखा। जिसे फैंस ने सोशल मीडिया पर काफी पसंद किया।

राज निदिमोरु भी साथ नजर आए :

वायरल वीडियो में सामंथा रूथ के साथ डायरेक्टर राज निदिमोरु भी नजर आए। वह कई मौकों पर एक्ट्रेस के साथ नजर आ चुके हैं। इनकी डेटिंग की खबरों ने इसकी कारण से जोर पकड़ा है। राज निदिमोरु के साथ सामंथा ने एक सीरीज 'सिटाडेल हनी बनी' में काम किया। इस सीरीज को राज ने डीके साथ मिलकर बनाया था। सीरीज में वरुण धवन ने भी एक अहम किरदार निभाया था।

प्रोड्यूसर बन गईं सामंथा :

एक्टिंग करने के अलावा अब सामंथा रूथ ने बतौर प्रोड्यूसर भी करियर शुरू कर दिया है। अपने प्रोडक्शन हाउस की पहली फिल्म की घोषणा भी एक्ट्रेस ने हाल ही में की है। इसके अलावा वह एक सीरीज 'रक्त-ब्रह्मांड' में भी नजर आएंगी। इस सीरीज को लेकर एक्ट्रेस काफी एक्साइटेड हैं।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.